CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हि०
२१६८

[illegible]

[illegible]

ଭାଗ - ୧

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

भुवन वाणी के अनुपम उपासक,
कर्मयोग के साकार स्वरूप

परम श्रद्धेय
पद्मश्री पं० नंदकुमारजी अवस्थी
को सादर –

[signature]
27. 4. 1987.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

राजस्थानी व्याकरण

भाग १

[जयपुर राज्य की बोलियों के व्याकरण]

मूल-लेखक

रैवरैंड जी० मैकालिस्टर

अनुवादक

डा० सत्यनारायण स्वामी, अेम. अे., पी. अेच. डी.

डा० लक्ष्मी कमल, अेम. अे., पी. अेच. डी.

प्रकाशक

राजस्थान भासा प्रचार सभा

जयपुर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

SPECIMENS

with

A DICTIONARY & A GRAMMAR

of the

Dialects

SPOKEN IN THE STATE OF JEYPORE

by

Rev. G. MACALIESTER
M. A.

1st. EDITION

1898

100 Copies

ALLAHABAD MISSION PRESS

राजस्थानी व्याकरण भाग १

(जयपुर राज्य में बोली जाने वाली बोलियों के
नमूने, कोष और व्याकरण)

मूल लेखक-रैव. जी. मैकालिस्टर एम. ए.

अनुवादक–डा० सत्यनारायण स्वामी
डा० लक्ष्मी कमल

मोल–पच्चीस रुपया

पहला संस्करण १९७६ ई०

प्रकाशक–राजस्थान भासा प्रचार सभा
डी-२८२, मीरांमार्ग, बनीपार्क, जयपुर-६

मुद्रक—श्री शंकर आर्ट प्रिण्टर तथा मनोरंजन प्रेस, जयपुर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

प्रकाशकीय

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि समूचे भारत में ही भारतीय भाषाओं के अध्ययन का प्रारम्भ अधिकांशतः ईसाई पादरियों ने किया, भले ही उनकी नीयत कुछ भी रही हो। देशी बोलियों पर काम करने वाले शोध छात्रों और अन्य विद्वानों की खिल्ली उड़ाने वाले संस्कृतज्ञ और अन्य लोग अभी कुछ अर्से पहिले तक ऐसे कार्यों को हिकारत की नजर से देखते थे। ऐसी स्थिति में पादरियों ने बोलियों के जो व्याकरण प्रस्तुत किए और नमूने एकत्रित किए, वह कार्य निस्संदेह सराहनीय कहा जाना चाहिए।

जयपुर के ही एक पादरी रैव. जी. मैकालिस्टर ने सन् १८९८ में, आज से ७८ वर्ष पहिले, तत्कालीन जयपुर राज्य में बोली जाने वाली कोई १४ बोलियों के प्रचुर नमूने एकत्रित किए और उनके व्याकरण बनाए। साथ ही ३२ पृष्ठों का एक कोष भी उन्होंने छापा। बोलियों का एक नक्शा बनाकर भी विषय को बोधगम्य बनाने का प्रयत्न किया गया।

डाक्टर जार्ज ग्रियर्सन ने 'भारत का भाषायी सर्वेक्षण' नामक अपने अमर ग्रंथ में राजस्थानी भाषा का विवेचन करते हुए यह मुक्तकण्ठ से स्वीकार करने की उदारता दिखाते हुए लिखा है कि जयपुर के रैव. जी. मैकालिस्टर की इस पुस्तक से उन्हें अत्यधिक सहायता मिली है। उन्होंने यहां तक लिख दिया है कि यदि मैकालिस्टर द्वारा एकत्रित नमूने उपलब्ध नहीं होते तो वे अपने ग्रन्थ के संबंधित अंश के साथ पूरा न्याय नहीं कर पाते।

इससे प्रकट है कि मैकालिस्टर की प्रस्तुत पुस्तक कितनी उपादेय है। दूसरे, पुस्तक की मात्र एकसौ प्रतियां ही छापी जाने के कारण वह अलभ्य-प्रायः हो गई थी। अकेले जयपुर के पोथीखाने में ही इसकी १५–२० पोथियां अभी तक पड़ी बताई। ऐसी स्थिति में इसका हिन्दी अनुवाद प्रकाशित करना आवश्यक जान पड़ा।

हमें प्रसन्नता है कि राजस्थानी भाषा और व्याकरण के मूर्द्धन्य विद्वान श्री नरोत्तमदास स्वामी के निदेशन में डा. सत्यनारायण स्वामी तथा डा. लक्ष्मी कमल ने यह अनुबाद बड़ी उत्तम रीति से प्रस्तुत कर दिया है।

मैकालिस्टर द्वारा दिए गए 'कोष' भाग को हमने प्रकाशित करना उपयोगी नहीं समझा है। प्रस्तुत पुस्तक को राजस्थानी व्याकरण का प्रथम भाग लिखते समय हमारी यह इच्छा रही है कि हम इसी प्रकार दूसरी बोलियों के भी अध्ययन प्रकाशित करें। इससे पूर्व हम ग्रियर्सन के 'राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण' को भी प्रकाशित कर चुके हैं ताकि समूची राजस्थानी बोलियों के व्याकरण और नमूने अध्येतुओं के लिए सुलभ हो सकें।

जयपुर
आखातीज, संवत् २०३३

—रावत सारस्वत
सचिव

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सूचिका

१. प्रकाशक का वक्तव्य ३–४

२. अनुवादकों का वक्तव्य ५–६

३. अनुवाद में प्रयुक्त व्याकरण-संबंधी पारिभाषिक शब्दों का विवरण ७–९

४. मूल लेखक की भूमिका १०–१२

५. जयपुर राज्य की बोलियों के व्याकरण(१३–४९) ७. बोलियों के नमूने(५३–१५५)

(१) जयपुर की बोली	१३–२१	,,	५३–७७
(२) शेखावाटी की बोली	२१–२५	,,	७८–८४
(३) तोरावाटी की बोली	२६–२८	,,	८५–९४
(४) काठैड़ा की बोली	२८–२९	,,	९५–९९
(५) डांग की बोली	३०–३३	,,	१००–१०७
(६) डूंगरवाड़ै की बोली	३३–३७	,,	१०८–११४
(७) कालीमाल् की बोली	३७–३९	,,	११५–१२०
(९) राजावाटी की बोली	३९–४१	,,	१२१–१२७
(१०) डांगभांग की बोली	४१–४३	,,	१२८–१३०
(११) नागरचाल की बोली	४३–४४	,,	१३१–१३५
(१२) खैराड़ी बोली	४४–४५	,,	१३६–१४२
(१३) चौरासी की बोली	४५–४५	,,	१४३–१४६
(१५) बोघोटा की बोली	४६–४९	,,	१४७–१५२
(१६) बोलियों के संबंध में विशेष विवरण	५०–५१		

टिप्पणीः—नं० (५) और नं० (१४) क्रमशः डांग और जयपुरी तथा राजावाटी और जयपुरी रूपों की मिश्रित बोलियां हैं जिनके व्याकरण मैकालिस्टर ने नहीं दिये हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अनुवादकों का वक्तव्य

श्री मैकालिस्टर अेक पादरी थे जो जयपुर राज्य में बहुत दिनों तक रहे। सं० १८९७ में भारत-सरकार ने जयपुर महाराजा को जयपुर राज्य की बोलियों का सर्वेक्षण प्रस्तुत करने के लिअे लिखा। महाराजा ने यह काम श्री मैकालिस्टर को सौंपा।

श्री मैकालिस्टर ने बड़ी योग्यता से जयपुर राज्य की बोलियों का सर्वेक्षण प्रस्तुत किया। उनका यह ग्रन्थ तीन खण्डों में है—प्रथम खंड में, जिसके १५५ पृष्ठ हैं, जयपुर राज्य में बोली जाने वाली बोलियों के नमूने हैं। दूसरे में उन नमूनों में आये प्रमुख शब्दों का शब्दकोष ३२ पृष्ठों में है। तीसरे खण्ड में ६३ पृष्ठों में इन बोलियों के संक्षिप्त व्याकरण दिये गये हैं। साथ में इन बोलियों का अेक नकशा भी दिया गया है।

भारतीय भाषाओं से संबद्ध कार्य का आरंभ यूरोपीय विद्वानों द्वारा ही किया गया। राजस्थानी व्याकरण के आरंभिक लेखक भी यूरोपीय ही थे जिनमें मैकालिस्टर, केलोग, ग्रियर्सन और तैसीतोरी के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

मैकालिस्टर का यह ग्रन्थ अपना विशेष महत्व रखता है। ग्रियर्सन ने जयपुर की बोलियों का जो विवरण अपने लिंग्विस्टिक सर्वे में दिया है वह पूर्णरूप से मैकालिस्टर पर ही आधारित है।

मरुवाणी के विद्वान् संपादक श्री रावत सारस्वत ने इसका हिंदी अनुवाद प्रकाशित करने की आवश्यकता अनुभव की और मुझे आदेश दिया कि मैं इसका अनुवाद प्रस्तुत कर दूं। मैंने उनका आदेश शिरोधार्य किया और बहन ड० लक्ष्मी कमल से उनके सहयोग की इच्छा की।

लक्ष्मी बहन ने मेरी इच्छा का आदर करते हुअे सहयोग का हाथ बढ़ाया। अब समस्या आयी ग्रन्थ की प्रति प्राप्त करने की। ग्रन्थ की केवल १०० प्रतियां छपी थीं। अतः ग्रन्थ आरंभ में ही दुर्लभ था। अब तो वह अलभ्य हो चुका है। अन्त में हमें इसकी प्रति राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध विद्वान्, अन्वेषक और कार्यकर्त्ता श्री नरोत्तम दासजी स्वामी के विशाल पुस्तकालय से प्राप्त हुई। स्वामीजी को यह प्रति राजस्थान के स्वनामधन्य विद्वान् श्री गौरीशंकर हीराचन्द ओझा से प्रसाद रूप में प्राप्त हुई थी। जराजीर्ण होने पर भी उनने हमें यह प्रति दे दी।

अनुवाद करने में भी कठिनाई हुई। प्रमुख कठिनाई थी व्याकरण संबंधी पारिभाषिक शब्दों के ठीक प्रयोग निश्चित करने की। इस संबंध में हमने श्री स्वामीजी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

का निर्देशन प्राप्त किया । इसमें प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली में, कुछ थोड़े अपवादों को छोड़कर, स्वामीजी की पुस्तक 'संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण' का अनुसरण किया गया है जिसका नवीन संशोधित संस्करण इस समय प्रेस में है । इन पारिभाषिक शब्दों का विवरण इस वक्तव्य के अंत में दे दिया गया है । पुस्तक का उपयोग करने वाले सज्जन उसको पहले देख लें तो उपयोग में सुविधा होगी ।

ग्रंथ लेखक को विभिन्न बोलियों के जो नमूने विविध व्यक्तियों से प्राप्त हुए, जिनके आधार पर उसने उनके व्याकरण लिखे, उनमें वर्तनी आदि की एकरूपता नहीं थी और लेखन की अनेक अशुद्धियां भी थीं जिस कारण लेखक द्वारा प्रस्तुत व्याकरणों में यत्रतत्र अशुद्धियां रह गयी हैं । अनुवादकों ने कहीं-कहीं टिप्पणियों में ऐसी अशुद्धियों की ओर संकेत किया है पर सर्वत्र ऐसा करना संभव नहीं हुआ है । शेखावाटी बोली के विवरण को हमने राजस्थानी के सुप्रसिद्ध विद्वान् और साहित्यकार डा० मनोहर शर्मा को, जो स्वयं शेखावाटी के निवासी हैं और शेखावाटी जिनकी अपनी बोली है, देखने के लिए दिया था । उनने मैकालिस्टर द्वारा दिये गये विवरण में अनेक संशोधन सुझाये ।

हम समझते हैं कि इसी प्रकार की भूलें अन्यान्य बोलियों के विवरणों में भी हैं और उनका संशोधन भी आवश्यक है ।

ग्रियर्सन ने अपने 'सर्वे' में जयपुर की बोलियों का जो विवरण दिया है वह, जैसा कि ऊपर कहा गया है, पूर्णरूपेण मैकालिस्टर के आधार पर दिया गया है । फलस्वरूप ग्रियर्सन द्वारा दिया गया विवरण भी संशोधनीय है ।

हम अपने सब सहायकों के हृदय से आभारी हैं जिनसे इन अनुवाद को प्रस्तुत करने में सहायता प्राप्त हुई है । इस कार्य की प्रेरणा हमें मरुवाणी के संपादक श्री रावत सारस्वत से मिली । उनके आदेश से ही यह अनुवाद प्रस्तुत किया गया है । अनुवाद कार्य में हमें श्री स्वामीजी से बराबर निर्देशन मिलता रहा । मूल पुस्तक की प्रति भी हमें उन्हीं से प्राप्त हुई । अनुवाद करने में उस जराजीर्ण पुस्तक की दुर्दशा भी हुई—उसका पन्ना-पन्ना अलग अलग हो गया ।

अनुवाद का प्रधान कार्य बहन लक्ष्मी ने किया है । बहन लक्ष्मी ने ही शब्द-कोष वाले दूसरे खण्ड का अनुवाद किया है ।

—सत्यनारायण स्वामी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अनुवाद में प्रयुक्त व्याकरण-संबंधी पारिभाषिक शब्दों के विवरण

(क) विभक्तियों का विवरण

पहली (परसर्गविहीन)—कर्त्ता और कर्म Nominative

तीसरी (हिंदी में परसर्ग-ने)—सकर्मक क्रिया के, भूतकृदंत से बने, भूतकालों का कर्त्ता Agentive

दूसरी (परसर्ग—को)—कर्म............ ...

चौथी (परसर्ग—को)—संप्रदान Dative

पांचवीं (परसर्ग—से)—(१) अपादान Ablative
(२) करण Instrumental
(३)—कर्मवाच्य और भाववाच्य का कर्त्ता

छठी (परसर्ग—का)—संबंध Genitive

सातवीं (परसर्ग—में और पर)—अधिकरण Locative

संबोधन (परसर्ग-विहीन)—Vocative

विभक्तियों के उदाहरण

	एक वचन	अनेकवचन
पहली	लड़का	लड़के
तीसरी	लड़के ने	लड़कों ने
दूसरी	लड़के को	लड़कों को
चौथी	लड़के को	लड़कों को
पांचवीं	लड़के से	लड़कों से
छठी	लड़के का	लड़कों का
सातवीं	लड़के में लड़के पर	लड़कों में लड़कों पर
संबोधन	लड़के !	लड़कों !

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(ख) कालों का विवरण

(क) धातु से बनने वाले काल

(१) आज्ञा (देख) Inperative

(२) आदरार्थक आज्ञा (देखिये–यो) Respectful Imperative

(३) संभाव्य भविष्य (देखे) Contingent Future (Horist)

(४) सामान्य भविष्य (देखेगा) Absolute Future

(५) सामान्य वर्तमान (देखै है) Present Imperfect (राजस्थानी में)

(६) अपूर्ण भूत (देखै हो) Past Imperfect (राजस्थानी में)

(ख) वर्तमान कृदंत से बनने वाले

(७) सामान्य संकेत भूत (देखता) Indefinite Imperfect (Past Conditional or Operative)

(५) सामान्य वर्तमान (देखता है) Present Imperfect (हिंदी में)

(६) अपूर्ण भूत (देखता था) Past Imperfect (हिंदी-राजस्थानी में)

(८) संभाव्य वर्तमान (देखता हो) Contingent Imperfect

(९) सदिग्ध वर्तमान (देखता होगा) Presumptive Imperfect

(१०) अपूर्ण संकेत भूत (देखता होता) Past Contingent Imperfect (Negative Contingent Imperfect)

(ग) भूत कृदंत से बनने वाले

(११) सामान्य भूत (देखा) Indefinite Perfect (Past Indefinite)

(१२) आसन्न भूत (देखा है) Present Perfect —

(१३) पूर्ण भूत (देखा था) Past Perfect —

(१४) संभाव्य भूत (देखा हो) Contingent Perfect —

संदिग्ध भूत (देखा होगा) Presumptive Perfect (Future Perfect or Past Potential)

(१६) पूर्णसंकेत भूत (देखा होगा) Past Contingent Perfect (Negative Contingent Perfect)

कृदंत का विवरण

भाववाचक कृदंत (देखना) Infinitive and Gerund

कर्तृवाचक कृदंत (देखनेवाला, देखनहार) Noun of Agency

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

वर्तमान कृदंत (देखता) Present Participle (Imperfect Participle)
भूत कृदंत (देखा) Past Participle (Perfect Participle)
पूर्व कालिक कृदंत (देखकर) Conjunctive Participle
क्रियाविशेषण कृदंत (देखते, देखते ही) Adverbial Participle

(घ) अन्य पारिभाषिक शब्द

अनेकवचन	Plural	पदोच्चय	Phrase
आदरवाचक	Respectful	पौनःपुन्यवाचक	Frequentative
अेकवचन	Singular	वर्तनी	Spelling
केवल प्रयोग		विकारी रूप	Oblique Case
(विस्मयादिबोधक)	Interjection	संयोजक	Conjunction
जाति	Gender		
नरजाति	Masculine Gender		
नारी जाति	Feminine Gender		

टिप्पणी १—ऊपर दिये गये अंग्रेजी शब्द वे हैं जो मैकालिस्टर ने दिये हैं।

टिप्पणी २—वर्गाकार कोष्ठकों में आये हुअे अंश अनुवादकों द्वारा जोड़े गये हैं।

टिप्पणी ३—विभिन्न बोलियों के व्याकरण मूल में जिस क्रम से दिये गये हैं उस क्रम को अोकाध स्थल पर बदल दिया गया है। उदाहरणार्थ—मूल में जयपुरी बोली का व्याकरण चौथे नम्बर पर दिया गया है पर अनुवाद में वह पहिले नम्बर पर दिया गया है। क्योंकि सब बोलियों में जयपुरी बोली ही प्रमुख है और दूसरी बोलियों के साधारणतया वे ही रूप दिये गये हैं जो जयपुरी से भिन्न हैं।

इसी प्रकार व्याकरण-संबंधी विषयों के विवेचन में भी कहीं-कहीं सुविधा के लिए क्रम-परिवर्तन किया गया है।

•

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

मूल लेखक की भूमिका

गत वर्ष जयपुर के महाराजा से कहा गया कि वे जयपुर राज्य में बोली जाने वाली बोलियों का अेक सर्वेक्षण करवावें। प्रथम तो भारत सरकार यह पता लगाना चाहती थी कि राज्य में कितनी बोलियां बोली जाती हैं, उनके स्थानीय नाम क्या हैं और उनमें से प्रत्येक के बोलने वालों की संख्या कितनी है। दूसरे भारत सरकार यह चाहती थी कि विभिन्न बोलियों के नमूने प्राप्त किये जांय। महाराजा ने यह कार्य करने के लिये मुझसे प्रार्थना की।

पूछताछ से मैंने पता लगाया कि राज्य में बोली जानेवाली विभिन्न बोलियों की संख्या १५ है। इन बोलियों में से किसी में भी कोई छपी हुई पुस्तकें नहीं हैं। मैंने जयपुर राज्य में लिखित बहुत से कागजात और विवरण पढ़े पर उनसे मुझे बहुत अधिक सहायता नहीं मिली। इसलिअे लाचार होकर मुझे अपनी समस्त सामग्री लोगों से उनके साथ बातचीत करके प्राप्त करनी पड़ी। मुझे विचार आया कि यदि जन-साधारण द्वारा प्रतिदिन गाये जाने वाले लोकगीतों को और साथ ही विशिष्ट अवसरों पर गाये जाने वाले गीतों को भी, लेखबद्ध कर लिया जाय तो यह अेक सुन्दर योजना होगी।

इस योजना के अनुसार काम करने से सर्वोत्तम परिणाम निकले, क्योंकि इस प्रकार मुझे अैसे अनेक शब्दों और मुहावरों की प्राप्ति हुई जो मैंने पहले नहीं सुने थे, फिर मुझे मालूम हुआ कि लोग रात के समय जब हुक्का पीते हुअे बैठे होते हैं तब वे बडे शौक से कहानियां कहा करते हैं। इसलिअे मैंने उन व्यक्तियों को, जिनको मैंने अपनी अभीष्ट सामग्री अेकत्र करने के लिअे जुटा रखा था, प्रेरित किया कि उनमें से प्रत्येक व्यक्ति अेक कहानी सुनावे। पहले-पहले तो उन्हें संकोच हुआ और वे कहते रहे कि उन्हें कोई कहानी-वहानी नहीं आती पर थोड़ा समझाने और जोर देने के बाद उनको महसूस हुआ कि उनका भय निर्मूल है और तब हमको हमारी इच्छा से कहीं अधिक कहानियाँ प्राप्त हो गयीं।

जब मैं इस प्रकार ये नमूने इकठ्ठे करने में लगा था तब विभिन्न बोलियों की व्याकरण संबंधी विभिन्नताओं को भी साथ ही साथ बड़ी सावधानी से लिखता गया जो इसी पुस्तक में दी गयी हैं।

हिंदी द्वितीय पुस्तक के कुछ पाठों का जयपुरी बोली में अनुवाद इस पुस्तक में छापा गया है। यह अनुवाद जयपुरी बोली का ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति के लिअे उपयोगी पाया जायगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बोलियों में मिलने वाले शब्दों का अेक अंश भी इस पुस्तक में छापा गया है। इन शब्दों का संग्रह मैं वर्षों से करता आया हूँ। वे मुख्यतया लोगों के साथ हुई बातचीत से प्राप्त किये गये थे। कुल मिलाकर कोई १८०० शब्द दिये गये हैं जिनमें से कोई भी मुझे उपलब्ध हुअे किसी शब्दकोश में नहीं पाये जाते। बहुत से अैसे विकृत हुअे हिंदी शब्द भी दिये गये हैं जिनको केवल मात्र साहित्यिक हिंदी से परिचित व्यक्ति के लिअे समझ लेना संभव नहीं है। संज्ञा शब्दों की जाति भी जहां तक पता लग सका, साथ में दी गयी है।

व्याकरण के संबध में मैं स्पष्ट कर देना चाहूंगा कि जयपुरी बोली को मानक रूप में ग्रहण किया गया है क्योंकि वही बाकी बोलियों.. और इसीलिअे उसके समस्त व्याकरणिक रूप पूरे-पूरे दिये गये हैं। दूसरी बोलियों के विवरण में यदि वे जयपुरी बोली के रूप के समान पाये गये हैं तो उनको देने की आवश्यकता नहीं समझी गयी है। इसलिअे यह समझ लेना चाहिअे कि जहां संज्ञाओं के विभक्तियों के रूप, क्रियाओं के कालों के रूप आदि नहीं दिये गये हैं वहां वे जयपुरी बोली के रूपों के समान ही हैं।

इस पुस्तक में अेक नकशा भी दिया गया है जिससे ज्ञात होगा कि ये बोलियां कहां-कहां बोली जाती हैं। नीचे उन बोलियों के स्थानीय नाम दिये जाते हैं जिन नामों से वे उन-उन स्थानों में जानी जाती हैं। साथ में उनके बोलने वालों का अनुमानित संख्या भी दी गयी है।

बोली का नाम	प्रत्येक बोली के बोलने वालों की संख्या
१. जयपुरी	७, ६०, २३१
२. शेखावाटी	४, ८८, ०१७
३. तोरावाटी	३, ४२, ५५४
४. काठैड़ा	१, २७, ६५७
५. अेक मिश्रित बोली	२, १७, ५३१
६. डांग	१, ८६, ६०५
७. डूंगरवाड़ा	१, ०८, ७१६
८. काळीमाल	०, ८१, २१६
६. राजावाटी	१, ३३, ६३६
१०. डांगभाग	८०, ३६३
११. नागरचाल	५३, ५७५
१२. खैराड़	५६, २६४
१३. चौरासी	६८, ७७३
१४. अेक मिश्रित बोली	३६, ५१०
१५. बोघोटा	१७, ०५४
जयपुर राज्य की कुल जनसंख्या	२६, २५, ६५५

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जयपुरी बोली को उसे नहीं बोलने वाले तिरस्कार में 'काई—कूंई की बोली' कह कर पुकारते हैं शायद इस कारण कि जयपुरी बोलने वाले कांई शब्द का प्रयोग, हिंदी शब्द क्या के लिए, प्राय: बहुत करते हैं। उसे झाड़शाही बोली भी कहा जाता है।

नं० ५ की बोली डांग और जयपुरी के रूपों का मिश्रण है इसलिए व्याकरण में उनको स्थान देना आवश्यक नहीं समझा गया। इसी प्रकार नं० १४ भी एक मिश्रित बोली है जिनमें राजावाटी और जयपुरी के रूपों का मिश्रण है। दोनों में से किसी का कोई नाम प्रसिद्ध नहीं है।

डांग की बोली 'काकछू' नाम से और डूंगरवाड़ा की बोली 'रैकारा-तूकारा के नाम से भी जानी जाती है।

इन सब बोलियों की अपनी स्पष्ट विशेषताएं हैं। ये विभिन्नताएं शब्दों के उच्चारण, व्याकरणिक रूपों, शब्दकोश, और **स्वराघात** से संबंध रखती हैं। जयपुरी बोलने वाला दूसरी बोली बोलनेवाले की बात का अर्थ साधारणतया समझ सकता है पर वह यह सदा बता सकता है कि सामनेवाला जो बोली बोल रहा है वह उसकी अपनी बोली नहीं है ऐसे शब्द और शब्दोच्चय हो सकते हैं जिनको वह नहीं समझता और जिनका अर्थ वह बोलने वाले से पूछकर ही जान सकता है। जयपुर के आकार के राज्य में, जिसकी जनसंख्या कोई तीस लाख ही है, इस प्रकार विभिन्न बोलियों का होना कोई आश्चर्य की बात नहीं, विशेषकर जब हम देखते हैं कि यूनानी (ग्रीक) भाषा में एओलिक, गेरिक और आयोनिक जैसी बोलियां थीं और सभ्यता और शिक्षा के होते हुए भी, बरतानिया में इस समय भी ऐसी बोलियों का अस्तित्व है जो एक शिक्षित अंग्रेज के लिए लगभग दुर्बोध हैं।

जयपुर महाराजा ने इस काम में बहुत रुचि ली है, इस संबंध में हुए समस्त व्यय को उठाया है।

इस कार्य की प्रगति में जिन-जिन से मुझे सहायता प्राप्त हुई उन सबको मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूं। पं० गनपत लाल मिश्र को मैं विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं जिनसे मुझे आरंभ से ही अमूल्य सहायता प्राप्त हुई।

जयपुर **जार्ज मैकालिस्टर**

२४ फरवरी, १८९८

•

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जयपुर राज्य की बोलियों के व्याकरण

१. जयपुर की बोली

(क) संज्ञा

(१) **नरजातीय संज्ञा पोतो = पोता**

	अेकवचन	अनेकवचन
पहली (कर्ता-कर्म)	पोतो	पोता
तीसरी (समलय कर्ता)	पोतो, पोतै	पोतां, पोता[1]
दूसरी (सप्रत्यय कर्म)	पोता नै, कै[2]	पोतां नै, कै[2]
चौथी (संप्रदान)	पोता नै	पोतां नै
पांचवीं (अपादान)	पोता सूं, सैं	पोतां सूं, सैं
छठी (सबंध)	पोता को[3]	पोतां को[3]
सातवीं (अधि०)	पोता मैं, ऊपर, माळै इत्यादि[4]	पोतां मैं, ऊपर माळै इत्यादि[4]
संबोधन	पोता	पोतो, पोतावो[5]

(२) **नारीजातीय संज्ञा छोरी = लड़की, छोकरी**

पहली	छोरी	छोर्यां
तीसरी	छोरी	छोर्यां
दूसरी	छोरी नै, कै[2]	छोर्यां नै, कै[2]
चौथी	छोरी नै	छोर्यां नै
पांचवीं	छोरी सूं, सैं	छोर्यां सूं, सैं
छठी	छोरी को[3]	छोर्यां को
सातवीं	छोरी मैं, ऊपर इ०	छोर्यां मैं, ऊपर इ०
संबोधन	छोरी	अअ्रे छोर्यो, अ्रे छोरीवो[5]

अनुवादकों की टिप्पणियां

१. तीसरी विभक्ति में अनेकवचन में 'पोता' रूप अशुद्ध जान पड़ता है।
२. दूसरी विभक्ति में 'कै' परसर्ग का प्रयोग नहीं देखा जाता।
३. मूल में सर्वत्र छठी विभक्ति के परसर्गों में 'को' के अतिरिक्त 'का' और 'की' भी दिये गये हैं; 'का' अनेकवचन का और 'की' नारी-जाति का रूप है, अनुवाद में सर्वत्र केवल 'को' दिया गया है।
४. ऊपर, माळै, मांय, मांईनै आदि परसर्ग नहीं, किन्तु संबंधसूचक अव्यय हैं।
५. संबोधन के अनेकवचन के रूप पोतां, छोर्यां वातां आदि होते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(३) **नारीजातीय संज्ञा वात [बात]❀ = बात**

पहली	वात	वातां
तीसरी	वात	वातां
दूसरी	वात नै	वातां नै
चौथी	वात नै	वातां नै
पांचवीं	वात सूं, सैं	वातां सूं, सैं
छठी	वात को	वातां को
सातवीं	वात में, ऊपर इ०	वातां में, ऊपर इ०
संबोधन	वात	वातां

(ख) **सर्वनाम**

(१) **उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम मैं = मैं**

पहली	मैं	म्हे
तीसरी	मैं	म्हे
दूसरी / चौथी	मूंनै, मनै म्हारै	म्हांनै म्हांकै
पांचवीं	मूं सूं, सैं मैं सूं, सैं	म्हां सूं, सैं म्हां सूं, सैं
छठी	म्हारो, म्हांवलो, म्हारै	म्हांको
सातवीं	मूं मैं, म मैं[1], मूं माळै, म्हारै माळै इ०	म्हां मैं, माळै इ०

(२) **उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम आपा = अपन (मैं और तू, मैं और तुम, हम और तू, हम और तुम)**

पहली	आपां	पांचवीं	आपां सूं, सैं
तीसरी	आपां	छठी	आपणा[2], आपणू[2]
दूसरी / चौथी	आपां नै आपणै[2]	सातवीं	आपां मैं इ०

टिप्पणी—यह शब्द उत्तम पुरुष सर्वनाम 'हम' की भांति प्रयुक्त होता है। इसके छठी विभक्ति के रूपों में यह विशेषता पायी जाती है—

(१) 'आपणू' रूप नरजाति की संज्ञा के कर्ता के एकवचन के साथ आता है। जैसे—आपणू घोड़ो गयो (= अपना घोड़ा गया)।

❀ राजस्थानी में 'बात' नहीं किंतु 'वात' होता है। अनुवाद में सर्वत्र 'वात' कर दिया गया है।

१. 'म मैं' संभवत: 'मैं में' है।

२. आपणा, आपणू, आपणै आदि उत्तमपुरुष 'आपां' के रूप नहीं किंतु आत्मवाचक 'आप' के रूप हैं; 'आपां' का छठी का रूप 'आपां को' होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(२) 'आपणा' रूप नरजातीय संज्ञाओं के कर्ता के अनेकवचन के पूर्व आता है। जैसे—आपणा छोरा यो काम कर्यो छै।

यह रूप नरजातीय संज्ञाओं के दोनों वचनों के विकारी रूप के पूर्व भी प्रयुक्त होता है। जैसे—वो आपणा घोड़ा माळै बैठ्यो (वह अपने घोड़े पर बैठा); वो आपणा छोरां नै फड़ावै छै (वह अपने छोरों को पढ़ाता है)।

(३) 'आपणी' रूप दोनों वचनों की और सभी कारकों की नारीजातीय संज्ञाओं के पूर्व आता है।

(३) **मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम तू = तू**

पहली	तू	थे
तीसरी	तू	तू
दूसरी	तूनै, तनै	थां नै
चौथीं	थारै	थां कै
पांचवीं	तू सूं, तू सैं तैं सूं, तैं सैं	थां सूं, सैं
छठी	थारो	थांको
सातवीं	तू मैं, त मैं, तैं मैं थारै मांई, थारै माळै इ०	थां मैं, थां माळै थांकै माळै इ०

(४) **निकटस्थ निश्चयवाचक सर्वनाम यो = यह**

पहली	यो (नर०), या (नारी०)	ये (यै)
तीसरी	,,	यै, यां
दूसरी चौथी	ईं नै, ईं कै	यां नै, यां कै
पांचवीं	ईं सूं, ईं सैं	यां सूं, यां सैं
छठी	ईं को	यां को
सातवीं	ईं मैं, माळै ई०	यां मैं, यां माळै इ०

(५) **दूरस्थ निश्चयवाचक सर्वनाम वो = वह**

पहली	वो (नर०), वा (नारी०)	वै
तीसरी	,,	वां, वै
दूसरी चौथी	ऊं नै, ऊं कै	वां नै, वां कै
पांचवीं	ऊं सूं, ऊं सैं	वां, सूं, वां सैं
छठी	ऊंको	वां को
सातवीं	ऊं मैं, ऊं माळै इ०	वां मैं, वां माळै इ०

(६) **सापेक्ष संबंधबोधक सर्वनाम जो = जो**

पहली	जो, ज्यो	जो, ज्यो
तीसरी	जो, ज्यो	जो, जां, ज्यां

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूसरी / चौथी	जीं नै, जीं कै	ज्यां नै, ज्यां कै / जां नै, ज्यां कै
पांचवीं	जीं सूं, जीं सैं	ज्यां सूं, ज्यां सैं / जां सूं, जां सैं
छठी	जीं को	ज्यां को, जां को
सातवीं	जीं मैं, जीं माळै इ०	ज्यां मैं, जां मैं / ज्यां माळै, जां माळै इ०

(७) **प्रश्नवाचक सर्वनाम कुण = कौन (दोनों वचन**

पहली	कुण	पांचवीं	कुण सूं, सैं
तीसरी	कुण	छठी	कुण को
दूसरी / चौथी	कुण नै, कै	सातवीं	कुण मैं, माळै इ०

(८) **प्रश्नवाचक सर्वनाम कांईं = क्या (दोनों वचन)**

पहली	कांईं	पांचवी	कांईं सूं, सैं
तीसरी	कांईं	छठी	कांईं को
दूसरी / चौथी	कांईं नै, कै	सातवीं	कांई मैं इ०

(९) **अनिश्चयवाचक सर्वनाम कोई = कोई (दोनों वचन)**

पहली	कोई	पांचवीं	कोई सूं, सैं
तीसरी	कोई	छठी	कोई को
दूसरी / चौथी	कोई नै, कै	सातवीं	कोई मैं, माळै इ०

(ग) सार्वनामिक विशेषण

(१) परिणामवाचक विशेषण

अत्तो, अतनू, अतरो / इत्तो, इतरो = इतना

उत्तो, उतरो = उतना

जत्तो, जतरो / जित्तो, जितरो = जितना

कत्तो, कतरो, कतनू / कित्तो, कितरो = कितना

कत्ता, कतरा, कतना / कित्ता = कितने

केक, कै क, कै अेक = कितने

(२) रीतिवाचक विशेषण

असो, अस्यो, अश्यो = अैसा

जसो, जस्यो, जश्यो = जैसा

उसो, उस्यो, उश्यो = वैसा

कसो, कस्यो, कश्यो = कैसा

कसोक, कस्योक, कश्योक = कैसा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(३) अन्य सार्वनामिक विशेषण

अ`क, येक = एक

दूसरो = दूसरा, अन्य

दोन्यूं = दोनों

सारा, सगळा, सब्ला = सब, सारा

भौत = बहुत

कई, केई = कई, कुछ, अनेक

समूचो = समूचा, सारा

घणू = बहुत

घणा = अनेक

नरा = बहुत सा

नरा = बहुत से, अनेक

क्यों = कुछ

क्यों हीं = कुछ भी

पैलो = दूसरा, अन्य

परायो = दूसरा आदमी

पराई = दूसरी स्त्री

कै………कै = या तो………या

खै………खै = या तो………या

(घ) क्रिया

(a) सहायक क्रिया—स्थितिसूचक होना

(१) वर्तमान काल (दोनों जातियां)

अेक०	अनेक०
मैं छूं	म्हे छां
तू छै	थे छो
वो छै	वै छै

(२) भूतकाल

	अेक०	अनेक०
नर०	—मैं, तू, वो छै	म्हे, थे, वै छां
नारी०	—मैं, तू, वा छी	म्हे, थे, वै छी

(b) क्रिया—विकारसूचक होना

(१)	भाववाचक क्रदंत	— होबो, व्हैबो, व्हैणू	= होना
(२)	वर्तमान क्रदंत	— होतो, व्हैतो	= होता
(३)	भूत क्रदंत	— हुयो	= हुआ
(४)	पूर्वकालिक क्रदंत	— होर, व्हैर	= होकर
(५)	क्रियाविशेषण क्रदंत	— होतांई, व्हैतांई	= होते ही
(६)	कर्तृवाचक क्रदंत	—होबाळो, होबाहाळो, होणहार, होवाको, होत, व्हैत, होतब, होतिब	= होने वाला

(१) आज्ञा (हो) –

अेक०	अनेक०
तू व्है	थे हो

(२) आदरार्थक आज्ञा (होइये) –

होजो, व्हैजो, व्हीजो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(३) संभाव्य भविष्य

मैं होऊं, हूं	म्हे व्हां
तू होय, व्है	थे हो
वो होय, व्है	वै व्है

(४) (i) सामान्य भविष्य

(१) मैं होऊंगा

मैं होऊंला, हूंला, हूलो	म्हे व्हांला
तू होलो, होयलो	थे होला
वो होलो, होयलो, व्हैलो	वै होला, व्हैला

(ii) सामान्य भविष्य

(२) मैं होऊंगा

मैं होस्यूं	म्हे होस्यां
तू होसी	थे होस्यो
वो होसी	वै होसी

(५) सामान्य वर्तमान — मैं होता हूं

मैं हूं छूं	म्हे व्हां छां
तू व्है छै	थे हो छो
वो व्है छै	वै व्है छै

(६) अपूर्ण भूत—

मैं / तू / वो	व्है छ	म्हे / थे / वै	व्है छा

(७) सामान्य संकेतभूत — मैं होता

मैं / तू / वो	व्हैतो	म्हे / थे / वै	व्हैता

(८) संभाव्य वर्तमान — मैं होता होऊं

मैं होतो हूं	म्हे होता व्हां
तू ,, व्है	थे ,, हो
वो ,, व्है	वै ,, व्है

(९) संदिग्ध वर्तमान—मैं होता होऊंगा

मैं व्हैतो हूंला, हूंलो	म्हे व्हैता व्हांला
तू ,, होलो	थे ,, होला
वो ,, व्हैलो	वै ,, व्हैला

(१०) अपूर्ण संकेतभूत — मैं होता होता

मैं / तू / वो	व्हैतो व्हैतो	म्हे / थे / वै	व्हैता व्हैता

(११) सामान्य भूत — मैं हुआ

मैं / तू / वो	हुयो	म्हे / थे / वै	हुया

(१२) आसन्न भूत — मैं हुआ हूं

मैं हुयो छूं	म्हे हुया छाँ
तू हुयो छै	थे ,, छो
वो ,, छै	वै ,, छै

(१३) पूर्ण भूत — मैं हुआ था

मैं / तू / वो	हुयो छो	म्हे / तू / वै	हुया छा

(१४) संभाव्य भूत — मैं हुआ होऊं

मैं हुयो हूं	म्हे हुया व्हां
तू ,, व्है	थे ,, हो
वो ,, व्है	वै ,, व्है

(१५) संदिग्ध भूत — मैं हुआ होऊंगा

मैं हुयो हूंला, हूंलो	म्हे हुया व्हांला
तू ,, होलो, व्हैलो	थे ,, होला
वो ,, व्हैलो	वै ,, व्हैला

(१६) पूर्ण संकेत भूत— मैं हुआ होता

मैं / तू / वो	हुयो व्हैतो	म्हे / थे / वै	हुया व्हैता

(ग) क्रिया—बोलना

(१) भाववाचक कृदंत — बोलबो, बोलणू = बोलना
(२) वर्तमान कृदंत — बोलतो = बोलता

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(३) मूल कृदंत — बोल्यो = बोला
(४) पूर्वकालिक कृदंत — बोलर = बोल कर
(५) क्रियाविशेषण कृदंत — बोलतांई = बोलते ही
(६) कर्तृवाचक कृदंत — बोलबाळो, बोलवाहाळो बुलारो, बुलाक = बोलनेवाला

(१) आज्ञा—तू बोल

तू बोल थे बोलो

(२) आदरार्थक आज्ञा–आप बोलिये बोलियेगा

— बोलजो

(३) संभाव्य भविष्य—मैं बोलूं

मैं बोलूं म्हे बोलां
तूं बोलै थे बोलो
वो बोलै वै बोलै

(४) सामान्य भविष्य—मैं बोलूंगा

मैं बोलूंला, बोलूंलो म्हे बोलांला
तू बोलैलो थे बोलोला
वो बोलैलो वै बोलैला

(५) सामान्य वर्तमान—मैं बोलता हूं

मैं बोलूं छूं म्हे बोलां छां
तू बोलै छै थे बोलो छो
वो बोलै छै वै बोलै छै

(६) अपूर्ण भूतकाल—मैं बोलता था

मैं / तू / वो	बोलै छो	म्हे / थे / वै	बोलै छा

(७) सामान्य संकेत भूत—मैं बोलता

मैं / तू / वो	बोलतो	म्हे / थे / वै	बोलता

(८) संभाव्य वर्तमान—मैं बोलता होऊं

मैं बोलतो हूं म्हे बोलता व्हां
तू बोलतो व्है थे बोलता हो
वो बोलतो व्है वै बोलता व्है

(८) संदिग्ध वर्तमान–मैं बोलता होऊंगा

मैं बोलतो हूंला, हूंलो | म्हे बोलता व्हांला
तू बोलतो होलो थे बोलता होला
वो बोलतो व्हैलो वै बोलता व्हैला

(१०) अपूर्ण संकेत भूत—मैं बोलता होता

मैं / तू / वो	बोलतो व्हैतो	म्हे / थे / वै	बोलता व्हैता

(११) सामान्य भूत—मैं बोला

मैं / तू / वो	बोल्यो	म्हे / थे / वै	बोल्या

(१२) आसन्न भूत—मैं बोला हूं

मैं बोल्यो छूं म्हे बोल्या छां
तू बोल्यो छै थे बोल्या छो
वो बोल्यो छै वै बोल्या छै

(१३) पूर्ण भूत—मैं बोला था

मैं / तू / वो	बोल्यो छो	म्हे / थे / वै	बोल्या छा

(१४) संभाव्य भूत—मैं बोला होऊं

मैं बोल्यो हूं म्हे बोल्या व्हां
तू बोल्यो व्है थे बोल्या हो
वो बोल्यो व्है वै बोल्या व्है

(१५) संदिग्ध भूत—मैं बोला होऊंगा

मैं बोल्यो हूंला, हूंलो | म्हे बोल्या व्हांला
तू बोल्यो व्हैलो, होलो | थे बोल्या होला

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

वो बोल्यो व्हैलो	वै बोल्या व्हैला

(१६) **पूर्ण संकेत भूत—मैं बोला होता**

मैं / तू / वो	बोल्यो व्हैतो	म्हे / थे / वै	बोल्या व्हैता

(ङ) अव्यय

(१) क्रिया विशेषण

अठै, अडै	= यहां
ऊठै, ऊडै	= वहां
कोठै, कोड़ै	= कहां
जडै	= जहां
यी नै, अडी नै, ऊनै	= इधर
ऊडी नै	= उधर
जैंडी नै	= जिधर
कौड़ी नै	= किधर
उरै, उरो	= निकट, इधर
दूगे, परै, परो	= दूर, वहां
अैंडी-ऊंडी	= यहां-वहां, इधर-उधर
ओड़-पास	= चारों ओर
आंतरै	= दूरी पर, दूर
बारां नै, बारणै	= बाहर
ओजूं, ओरूं	= फिर
फेर, फरूं, फेर्यूं	= फिर
तुर्त, तुरत	= शीघ्र
कौलग, कौलक	= कब तक
चट	= चटपट, तुरत
पट, फट	= चटपट, तुरंत, सहसा
सरणाटै	= तुरंत, अविलंब
संवारै, संवारैई	= सबेरे
भागफाट्यां	= पौ फटने के समय
पीळै बादळ	= पौ फटने के ठीक पहले
पिरस्यूं, पिर्यूं	= परसों
पैलै दिन	= परले दिन, तरसों
जीं पैलै दिन	= नरसों
नितकी	= सदा, प्रतिदिन
रोजीना की	= सदा, प्रतिदिन
अचाणचक, चाणचको	= अचानक
कद	= कब
जिद	= जब
तिद	= तब
कदे	= कभी
कदे जदे	= शायद कभी
खणां-जणां	= शायद कभी
खणां-खणां	= कभी-कभी
यूं, यों	= यों, अैसे
जूं	= ज्यों, जैसे
अैयां	= अैसे
जैयां	= जैसे
ऊंईयां	= वैसे
भैंयां	= जमीन पर
छांनै-छांनै	= छिपकर, चुपचाप
नेठ मैं	= अंत में बिलकुल, सर्वथा, कम से कम
जाणै	= मानो
नतर	= अन्यथा, नहीं तो, भी
स्यात	= शायद, कदाचित्
दूसरां	= दूसरे
चौथां	= चौथे
अेकलो	= अकेला
अेकसो	= अेक सा
इकसार	= अेक सा

(२) संबंधसूचक

बेई	= लिए, की जगह
पाछै	= पीछे
लैर	= साथ
सांमां, सांमां नै	= सामने
तांई	= तक

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बारै	= बाहर
भेळै	= साथ
कनै	= पास
मांय	= भीतर
मंईं नै	= भीतर

(३) संयोजक

अक, अस	= कि
जो, ज्यो, जै	= यदि
कै, खै	= या अथवा
अर	= और
पण	= परंतु

[illegible] = [illegible] ... तब तक

(४) केवलप्रयोगी (विस्मयादिबोधक)

अजी, ओजी, येजी	= अजी
अग्रे, ओग्रे	= अग्रे
अवो, ओवो	= अयो
अे, अरे, अरै, ओरै	= ओ, ओ रे
अरी, ओ री	= ओ री
हत्त्यारी [हत् तारी]	= हत् तेरी
हत्, हुत, हुं	= हत्, हट

२. शेखावाटी की बोली

(क) संज्ञा

(१) नरजातीय संज्ञा पोतो = पोता

दूसरी	पोतै नै	—	पांचवीं	पोतै हूं	—

(ख) सर्वनाम

(१) उत्तमपुरुष सर्वनाम हूं = मैं

पहली	हूं	—
तीसरी	—	—
दूसरी चौथी	मन्नै	—
पांचवीं	म्हारै सूं, मेरै सूं मैं सूं	म्हां, हूं
छठी	मेरो, मेरलो, मेरे, मेरलै मेरी, मेरली	मेरा, मेरला, म्हांकाळा, म्हांकाळी
सातवीं	मेरै मैं, मेरै मांनै म्हारै मैं, म्हारै पर इ०	—

(२) मध्यपुरुष सर्वनाम तूं = तू

पहली	तूं	—
तीसरी	तैं	—
दूसरी चौथी	तन्नै	—

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पांचवीं	थारै सूं, तेरै सूं	—
छठी	तेरो, तेरलो, थारलो	थां कै
सातवीं	तेरै मैं, तेरै मांय, थारै मैं, थारै मांय	थां मांय इ०

(३) निश्चयवाचक सर्वनाम ओ = यह

पहली	ओ (नर.) आ (नारी.)	अै
तीसरी	अै, ओ	—
दूसरी, चौथी	अै नै	आं नै, आं कै
पांचवीं	अै सूं	आं सूं
छठी	अै को	आं को
सातवीं	अै मांय, अै पर इ०	आं मैं इ०

(४) निश्चयवाचक सर्वनाम बो = वह

पहली	बो (नर.) बा (नारी)	बै
तीसरी	—	—
दूसरी, चौथी	बीं नै, बैं नै	बां नै
पांचवीं	बीं सूं, बीं हूं	बां सूं, बां हूं
छठी	बीं को	बां को
सातवीं	बीं मैं इ०	बां मैं इ०

(५) सापेक्ष सर्वनाम जको = जो

पहली	जको (नर.) जकी (नारी.)	जका (नर.) जकी (नारी)
दूसरी	जकै नै	जकां नै
पांचवीं	जकै सूं	जकां सूं
छठी	जकै को	जकां को
सातवीं	जकै मैं, जै मैं इ०	जकां मैं इ०

(६) प्रश्नवाचक सर्वनाम किण, कुण, कीं = कौन

(दोनों वचन)

पहली	किण, कुण, कीं	छठी	कीं को, कै को
दूसरी	कीं नै	सातवीं	कीं मैं, कै मैं इ०
पांचवीं	कीं सूं कै सूं		

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(७) अनिश्चयवाचक सर्वनाम कोई = कोई

दूसरी	कींनै, कहैं नै	छठी	कीं को
पांचवीं	कीं सूं	सातवीं	कीं मैं इ०

(८) प्रश्नवाचक सर्वनाम के = क्या

पहली	के	छठी	क्यां को
दूसरी	क्यां नै	सातवीं	क्यां मैं
पांचवीं	क्यां सूं		

(ग) सार्वनामिक विशेषण

(१) परिमाणवाचक

अतणो, इतणो = इतना | कितरोक = कितना

बतणो, बतरो, बत्तो = उतना | कतणाक = कितने

जतणो, जतरो = जितना

(२) रीतिवाचक

इस्यो, अैस्यो = अैसा | जिस्यो, जैसो = जैसा

विस्यो, बैसो = वैसा | किशोक = कैसा

(३) अन्य

अेक	= अेक	बोळो	= बहुत सा
दूसरो, दूजो	= दूसरा	घणु (घणू)	= बहुत
दोन्यूं, दोन्यां	= दोनों	घणा	= बहुत से
सै	= सब, सारे, सारा	केई	= कई
		कै……कै	= या तो……या

(घ) क्रिया

(१) क्रिया स्थितिसूचक होना

वर्तमान काल	हूं हूं, हूं छूं	म्हे हां, म्हे छा
	तूं है, तूं छै	थे हो, थे, छो
	बो है, बो छै / बा है, बा छै	बै हैं, बै छै
भूतकाल	हूं, तूं, बो हो, छो	म्हे, थे, बै हा, छां
	हूं, तूं, बा ही, छी	म्हे, थे, बै ही, छी

(२) क्रिया विकारसूचक होना

भाववाचक कृदंत—	होवो, होणू	= होना
वर्तमान कृदंत—	होवतो, होतो, हूतो	= होता
भूत कृदंत—	हुयो	= हुआ

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पूर्वकालिक कृदंत—	होयर, होर	= होकर
क्रियाविशेषण कृदंत—	होतांई, होतां पांण्य	= होते ही
कर्तृवाचक कृदंत—	हूवाळो, हूवेवाळो, होवाळो, होणाळो, होणेवाळो	= होने वाल
संभाव्य भविष्य—	हूं होऊं	म्हे होवां
	तूं होवै	थे होवो
	वो होवै	वै होवैं
सामान्य भविष्य—	मैं होस्यूं, होऊंलो	म्हे होस्यां
	तूं होसी, होवैलो, होलो	थे होस्यो
	वो होवैलो, होलो	वै होसीं

(३) **क्रिया बोलना**

भाववाचक कृदंत—	बोलबो, बोलणो	= बोलना
वर्तमान कृदंत—	बोलतो	= बोलता
भूत कृदंत—	बोल्यो	= बोला
पूर्वकालिक कृदंत—	बोलर, बोल्यर, बोलिर	= बोल कर
क्रियाविशेषण कृदंत—	बोलतांई, बोलतां पांण्य	= बोलते ही
कर्तृवाचक कृदंत—	बोलवाळो, बोलणीयो [बोलणियो]	= बोलने वाला

सामान्य भविष्यकाल—मैं बोलूंगा इ०

हूं बोलश्यूं	म्हे बोलश्यां
तूं बोलशी	थे बोलश्यो
बो बोलशी	वै बोलशीं

सामान्य वर्तमानकाल—मैं बोलता हूं इ०

हूं बोलूं हूं	म्हे बोलां हां
तूं बोलशी	थे बोलो हो
बो बोलै है	वै बोलैं हैं, वै बोलैं छैं

संभाव्य वर्तमानकाल—मैं बोलता होऊं इ०

हूं बोलतो होऊं	म्हे बोलता होवां
तूं बोलतो हुवै	थे बोलता होवो
वो बोलतो हुवै	वै बोलता होवैं

संदिग्ध वर्तमानकाल—मैं बोलता होऊंगा इ०

हूं बोलतो होऊंलो	म्हे बोलता हुवांला, होवांला
तूं बोलतो हुवैलो	थे बोलता हुवोला
बो बोलतो हुवैलो	वै बोलता हुवैला

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अपूर्ण संकेत भूतकाल—मैं बोलता होता इ०

हूं बोलतो होतो	म्हे बोलता होता, हुता
तूं बोलतो होतो, हुतो	थे बोलता होता, हुता
बो बोलतो होतो, हुतो	बैं बोलता होता, हुता

आसन्न भूतकाल—मैं बोला हूं इ०

हुं बोल्यो हूं	म्हे बोल्या हां
तूं बोल्यो है	थे बोल्या हो
बो बोल्यो है	बैं बोल्या हैं, बै बोल्या छै

पूर्ण भूतकाल—मैं बोला था इ०

हूं / तूं / बो — बोल्यो हो	म्हे / थे / बैं — बोल्या हा

आज्ञा के रूप

राखजो (रखियेगा), राखशो (रखेंगे), राखशीं (रखेंगे), रखाशो (रखावेंगे), रखावशीं (रखावेंगे), रखावशो (रखावेंगे), रखावैं (रखावें)—ये आज्ञा के आदरार्थक रूप हैं। प्रेरणार्थक रूप इनमें सबसे अधिक आदरवाचक रूप है। कराशो (आप करावेंगे) = करें, कीजिये, कीजियेगा। इसी प्रकार लिरावैं (आप लिवावें) = आप लें, लीजिये, लीजियेगा; (आप दिलावें) = आप दें, दीजिये, दीजियेगा; दारु (दारू) लिरावैं = आप मद्य लें; नसीहत दिरावैं = आप नसीहत दें।

(ङ) अव्यय

(१) क्रियाविशेषण

जद, जणां, जरां	= जब	जीनै, जठीनै	= जिधर
कणां, करां	= कब	कीनै, कठीनै, कूनै	= किधर
अठै, अठै	= यहां	ईयां	= ऐसे
उलीकानी	= इधर	जीया, जीयाल, ज्यांल	= जैसे
बठै	= वहां	कीयां, कयां	= कैसे
कठै	= कहां	बियांल, बियां	= वैसे
ईंनै, अठीनै, ऊनै	= इधर	कदै, कणां, करां	= कभी ?
बींनै, बठीनै, बूनै	= उधर		

(२) संबंधसूचक

गैल, गेल = पीछे

पछै = पीछे

लेर = साथ

सागै = साथ

(३) संयोजक

जे = यदि

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

३. तोरावाटी की बोली

(१) **नर जातीय संज्ञा पोतो = पोता.**

पांचवीं	पोता मां सूं	पोतां मां सूं

(२) **सर्वनाम**

(क) **उत्तम पुरुष सर्वनाम में = मैं**

पहली		मे
दूसरी		मा नै
चौथी		,,
पांचवीं		मा सूं
छठी	मेरो	मारो
सातवीं	म्म मैं, मैं मैं, मेरा माळै इ०	मामैं, मा माळै इ०

(ख) **मध्यम पुरुष सर्वनाम तैं = तू**

पहली	तैं	—
छठी	तेरो	थारो
सातवीं	तेरै पर इ०	थारै पर इ०

(ग) **निकटस्थ निश्चयवाचक सर्वनाम ओ और यो = यह**

पहली	ओ, औ	अै
दूसरी	अैं नै	आं नै
चौथी	,,	,,
पांचवीं	औं सूं	आं सूं
छठी	औं को	आं को
सातवीं	औं मैं इ०	आं मैं इ०

(घ) **दूरस्थ निश्चयवाचक सर्वनाम बो = वह**

पहली	बो	बै, बां, बैं
दूसरी / चौथी	बै नै, बैं नै	बां नै
पांचवीं	बै सूं	बां सूं
छठी	बै को	बां को
सातवीं	बै मैं इ०	बां मैं इ०

(ङ) **सापेक्ष सर्वनाम जको = जो**

पहली	जका	जकां
दूसरी / चौथी	जका नै	जकां नै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

चवी	जका सूं	जकां सूं
छठी	जैंको, जैंकै	—
सातवीं	जैं मैं, जका मैं इ०	जकां मैं

(च) **प्रश्नवाचक सर्वनाम कुण = कौन**

दूसरी, चौथी	कैं नै	छठी	कैं को
पांचवीं	कैं सूं	सातवीं	कैं मैं, कैं कै ऊपर इ०

(छ) **अनिश्चयवाचक सर्वनाम कोई, कायो = कोई**

पहली	कायो	पांचवीं	कैं सूं
दूसरी, चौथी	कैं नै	छठी	कैं को
		सातवीं	कैं मैं इ०

(ज) **प्रश्नवाचक सर्वनाम के = क्या**

पहली	के	पांचवीं	क्यां सूं
दूसरी, चौथी	क्यां नै	छठी	क्यां को
		सातवीं	क्यां मैं इ०

(झ) **सार्वनामिक विशेषण**

(i) परिमाणवाचक विशेषण

वत्तो, वतरो = उतना   कयेक = कितना

(ii) रीतिवाचक विशेषण

वसो = वैसा

(iii) अन्य सार्वनामिक विशेषण

सटाटा, सै = सब   बोळा = बहुत

(३) (क) **क्रिया होना**

कर्तृवाचक कृदंत   व्हैतू, होतू – होने वाला

(ख) **क्रिया बोलना**

कर्तृवाचक कृदंत   बोलतू = बोलने वाला

सामान्य भविष्य

मैं बोलूंगो	मे बोलांगा
तैं बोलैगो	थे बोलोगा
बो बोलैगो	बै बोलैंगा

संदिग्ध भूत

मैं बोल्यो हूंगो	मे बोल्या व्हांगा
तैं ,, होगो, व्हैगो	थे ,, होगा
बो ,, होगो, व्हैगो	बै ,, व्हैंगा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(४) अव्यय

(क) क्रियाविशेषण

अद्यां, जणां = जब

मां, मांवां = भीतर

ईठै, अंठै, अठै = यहां

ऊनै = इधर

ऊठै, बठै, बीडे = वहां

जैठे, जठै, जीडे = जहां

कूनैं = किधर

ओरु, औरु = फिर

पैलाड़ी = उधर

जठीनै = जिधर

कठै, कैठै, कैड़ै, ख्यां = कहां

(ख) संबंधसूचक

गैल = साथ

सामूं = सामने

तार = तक

लैर नै, गैल नै = पीछे

कैले, आटै = लिये

(ग) संयोजक

जै.........तो—यदि..... ...तो

•

४. काठैड़ा की बोली

(१) संज्ञा

(क) नरजातीय संज्ञा पोतो = पोता

दूसरी, चौथी	पोता कूं	पोतां कूं
पांचवीं	पोता स्यूं	पोतां स्यूं

(ख) नारीजातीय संज्ञा छोरी = छोकरी

दूसरी, चौथी	छोरी कूं	छोर्यां कूं
पांचवीं	छोरी स्यूं	छोर्यां सूं

(२) सर्वनाम

(क) उत्तमपुरुष सर्वनाम मैं = मैं

पांचवीं	मैं स्यूं	म्हां स्यूं

(ख) मध्यमपुरुष सर्वनाम तू = तू

पहली	तूं	—
तीसरी	तैं	—
पांचवीं	तैं स्यूं	थां स्यूं

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(ग) निकटस्थ निश्चयवाचक सर्वनाम अ = यह

पहली	अँ	—
तीसरी	ईं नै	यां नै
पांचवीं	ई स्यूं	—

(घ) दूरस्थ निश्चयवाचक सर्वनाम वैं = वह

पहली	वैं	—
तीसरी	वैं नै	—
दूसरी	वैं नै	—
पांचवीं	वैं स्यूं	—
छठी	वैं को	—
सातवीं	वैं मैं इ०	—

(ङ) सापेक्ष सर्वनाम जो, ज्यो = जो

दूसरी	जीं कूं	जां कूं
तीसरी	जीं नै	जां नै
पांचवीं	जीं स्यूं	—

(च) प्रश्नवाचक सर्वनाम कुण = कौन

	दोनों वचन		दोनों वचन		दोनों वचन
तीसरी	कुण नै	दूसरी	कुण कूं	पांचवीं	कुण स्यूं

(छ) अनिश्चायवाचक सर्वनाम कोई = कोई

	दोनों वचन		दोनों वचन
दूसरी	कोई कूं	पांचवीं	कोई स्यूं

(३) क्रिया होना

पूर्वकालिक कृदंत	हैर	= होकर
क्रियाविशेषण कृदंत	हैतांईं	= होते ही
कर्तृवाचक कृदंत	हैबाळो	= होने वाला

(४) अव्यय

(क) क्रियाविशेषण

बडै = वहां　　　　जडै = जहां

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

६. डांग की बोली

(जिसे का कछू की बोली भी कहते हैं)

(१) संज्ञा

(क) नरजातीय संज्ञा पोतो = पोता

पहली	पोता	पोता
तीसरी	पोता ने	पोतान ने
दूसरी, चौथी	पोता कूं, पोताय	पोतान कूं, पोतेन कूं
पांचवीं	पोता पै ते, पैं ते, कै ते	पोतान पै ते, पैं ते, कैते
छठी	पोता को	पोतान को
सातवीं	पोता में, ऊपर इ०	पोतान में, ऊपर इ०,

(ख) नारीजातीय संज्ञा छोरी = लड़की

पहली	छोरी	छोरी
विकारी रूप	छोरी	छोरीन

टि०—प्रत्यय पोता के प्रत्ययों की भांति ।

(२) सर्वनाम

(क) उत्तम पुरुष सर्वनाम मैं = मैं

पहली	—	हम
तीसरी	मो	हम, हमने
दूसरी	मोय	हम, हमको
चौथी	,,	,,
पांचवीं	मो पै त, तैं, तें, पैं, पें	हम पै ते इ०
छठी	मेरो	हमारो
सातवीं	मो में, ऊपर इ०	हम में इ०

(ख) मध्यम पुरुष सर्वनाम तू = तू

पहली	—	तुम
तीसरी	तैं नैं	तम ने
दूसरी	तो कूं	तम, तम कूं
चौथी	तो को	तम को
पांचवीं	तो पैतैं	तम पै तैं
छठी	तेरो	त्यारो, तुमरे
सातवीं	तो ऊपर इ०	तम ऊपर इ०

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम या और ई = यह

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पहली	या, ई	—
तीसरी	—	—
दूसरी, चौथी	याय	इन कूं
पांचवीं	या ते	इनते
छठी	या को	इन को
सातवीं	या में, या के ऊपर इ०	इन में, इनके ऊपर इ०

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम ऊ = वह

पहली	ऊ, वा, वह	वे
तीसरी	वा ने	उन ने, विन ने
दूसरी, चौथी	वा कूं, वाय	उन कूं
पांचवीं	वा पै ते	उन पै ते
छठी	वा को	उन को
सातवीं	वा में, वा के ऊपर इ०	उन में, उन के ऊपर इ०

(ङ) सापेक्ष सर्वनाम जे = जो

पहली	जे	जे
दूसरी	जा कूं	जिन कूं
पांचवीं	जा पै ते	जिन पै ते
छठी	जा को	जिन को
सातवीं	जा में, जा के ऊपर इ०	जिनमें इ०

(च) प्रश्नवाचक सर्वनाम कोण = कौन

पहली	कोण	पांचवीं	कोण पै ते
तीसरी	कोण ने	छठी	कोण को
दूसरी	कोण कूं	सातवीं	कोण में

(छ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम काउ और कोऊ = कोई

पहली	काउ, कोऊ	पांचवीं	काउ पै ते
तीसरी	काउ ने	छठी	काउ को
दूसरी	काउ कूं	सातवीं	काउ में, के ऊपर इ०

(ज) सार्वनामिक विशेषण

परिणामवाचक— अ ते, इतेक = इतने   जितेक = जितने
उतेक = उतने   कितेक = कितने

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

रीतिवाचक—	अैसो	= अैसा	कैसो	= कैसा
	जैसो	= जैसा		
अन्य—	इक	= अेक	सग	= सब
	दोनूं	= दोनों	सगन	= सब
	कैउ	= कोई	सटाटा	= सब
	पैला	= दूसरा	सटाटेन	= सब

(३) क्रिया

(क) क्रिया स्थितिवाचक होना

भूतकाल—	नर०—मैं, तू हो	हम तम, वे हा
	नारी०—मैं, तू, ऊ ही	हम, तम, वे ही

(ख) क्रिया विकारसूचक होना

कृदंत—	संज्ञाकृदंत	—	हैबो	= होना
	वर्तमानकृदंत	—	हत्त्यो	= होता
	भूतकृदंत—	—	हूयो	= हुआ
	पूर्वकालिक कृदंत	—	हैर	= होकर
	क्रियाविशेषण कृदंत	—	हों, होंतकै	= होते ही
	कर्तृवाचक कृदंत	—	हैबेहाळो (हैवेंहालो)	= होने वाला

भविष्यकाल—	मैं हूंगो	हम होंगे, हूंगे
	तू होगो	तम होगे
	ऊ होगो	वे होंगे, हूंगे
संकेतभूत—	मैं, तू, ऊ हत्त्यो	हम, तम, वे हत्ते
सामान्यभूत—	मैं, तू, ऊ हूयो	हम, तम, वे हूये

(ग) क्रिया बोलना

कृदंत—	पूर्वकालिक कृदंत	—	बोलर, बोलरकैन, बौलरकैन
	कर्तृवाचक कृदंत	—	बोलवेवाड़ो

भविष्यकाल—

मैं बोलूंगो	हम बोलेंगे
तू बोलेगो	तम बोलोगे
ऊ बोलेगो	वे बोलेंगे

संकेत भूत—

—	हम	बोलते
—	तम	
—	वे	

सामान्य वर्तमान

मैं बोलूं हूं	हम बोलें हैं
तू बोले है	तम बोलो हो
ऊ बोले है	वे बोलें हैं

संदिग्ध वर्तमान—

मैं बोलतो हूंगो	हम बोलते हेंगे
तू बोलतो हेगो	तम बोलते होगे
ऊ बोलतो हेगो	वे बोलते हेंगे

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामान्य भूत—

—	हम	बोले
—	तम	
—	वे	

आसन्न भूत—

मैं बोल्यो हूं	हम बोले हैं
तू बोल्यो है	तम बोले हो
ऊ बोल्यो है	वे बोले हैं

पूर्णभूत—

मैं	बोल्यो हो	हम	बोले हैं
तू		तम	
ऊ		वे	

संदिग्ध भूत—

मैं बोल्यो हूंगो	हम बोले हेंगे
तू बोल्यो हेगो	तम बोले होगे
ऊ बोल्यो हेगो	वे बोले हेंगे

(४) अव्यय

(क) क्रियाविशेषण

यहां, इतकूं	= यहां
वां, व्हां, उतकूं	= वहां
बैलघां	= इधर, निकट
पैलघां	= उधर, दूर
खां, कितकूं	= कहां
ज्यूं	= यों, ऐसे
कभूंई	= कभी
जोनूं, जोतानूं	= जब तक
ऊ, ऊं	= भी
कैना	= कब

(ख) संबंधसूचक—

ढिग, ढिगारै	= पास, को
अगाड़ी, आघें	= आगे
हीके	= आगे

७. डूंगरवाड़ै की बोली

(१) संज्ञा

(क) नरजातीय संज्ञा पोतो = पोता

पहली	पोतो	—
तीसरी	पोतानै	—
दूसरी / चौथी	पोता कूं	पोतान कूं

(ख) नारीजातीय संज्ञा छोरी = लड़की

पहली	छोरी	छोरी
दूसरी / चौथी	छोरी कूं	छोरीन कूं छोरीन कै तांई

टि०—शेष विभक्तियों में जयपुरी के प्रत्यय जोड़े जाते हैं।

(२) सर्वनाम

(क) उत्तमपुरुष सर्वनाम मैं और हूं = मैं

पहली	मैं, हूं	हम
तीसरी	मैं नै	हमनै
दूसरी / चौथी	मो कूं मो कै तांई	हमारै तांई

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पांचवीं	मो सूं	हम सूं
छठी	—	हमारो
सातवीं	मो मैं इ०	हम मैं इ०

(ख) मध्यमपुरुष सर्वनाम तू = तू

पहली	तू	तम
तीसरी	तैं नैं	तम नै
दूसरी / चौथी	तो कूं	तम कूं, तम को, तम कै ताईं, थमारैं ताईं
पांचवीं	तो सूं	तम सूं
छठी	—	थमारो, तम को
सातवीं	तो मैं ई०	तम मैं, थमारै मांय इ०

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम या = यह

पहली	या	—
तीसरी	ईं नै	अन नैं
दूसरी / चौथी	याम, ईं कै ताईं	अन कै ताईं
पांचवीं	—	अन सूं
छठी	—	अन को
सातवीं	—	अन मैं, पै इ०

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम वा और ऊं = वह

पहली	वा, ऊं	—
दूसरी / चौथी	ऊं कूं, ऊं कै ताईं	उन कूं, उन कै ताईं
पांचवीं	—	उन सूं
छठी	—	उन को
सातवीं	—	उन मैं, पै इ०

(च) सापेक्ष सर्वनाम जे = जे

पहली	जे	जे
तीसरी	जीं नैं	जन नैं
दूसरी / चौथी	जीं कूं	जन कूं
पांचवीं	—	जन सूं
छठी	—	जन को
सातवीं	—	जन मैं, पैं इ०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(छ) **प्रश्नवाचक सर्वनाम कुण = कौन**

दूसरी चौथी	कुण कूं

(ज) **अनिश्चयवाचक सर्वनाम कोई = कोई**

दूसरी चौथी	कोई कूं

(झ) **प्रश्नवाचक सर्वनाम कांई = क्या**

दूसरी, चौथी कांई कूं

(३) सार्वनामिक विशेषण

परिमाणवाचक

अतेक = इतना कतेक = कितना

रीतिवाचक

कसेक = कैसा

(४) क्रिया

(क) **क्रिया होना**

भाववाचक संज्ञा कृदंत	—हैवो	= होना
वर्तमान कृदंत	—हैतो	= होता
भूत कृदंत	—हीओ	= हुआ
पूर्वकालिक कृदंत	—हैर	= होकर
क्रियाविशेषण कृदंत	—हैत ही	= होते ही
कर्तृवाचक कृदंत	—हैंणेवाळो	= होने वाला

आज्ञा

तू है = तू हो तम हो = तुम होओ

संभाव्य भविष्य

म०पु०—तम हौ = तुम होओ

सामान्य भविष्य

मैं हूंगो हम हांगा

तू हैगो तम होगा

वा हैगो वैं हैंगा

संकेत भूत

मैं, तू, वा हैतो हम, तम, वैं हैता

सामान्य वर्तमान

मैं हैतो हूं हम हैता हां

तू ,, है तम ,, हो

वा ,, है वैं ,, है

अपूर्ण भूत

मैं तू वा	हैतो हो	हम तुम वैं	हैता हा

संभाव्य वर्तमान

मैं हैतो हूं हम हैता हां

तू ,, है तम ,, हो

वा ,, है वैं ,, हैं

संदिग्ध वर्तमान

मैं हैतो हूंगो हम हैता हांगा

तू ,, हैगो तम ,, होगा

वा ,, हैगो वैं ,, हैंगा

अपूर्ण संकेत भूत

मैं तू वा	हैतो हैतो	हम तम वैं	हैता हैता

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामान्य भूत

मैं, तू, वा हीश्रो   हम, तम, वै हीश्रा

आसन्न भूत

मैं हीश्रो हूं   हम हीश्रा हां
तू ,, है   तम ,, हो
वा ,, है   वै ,, हैं

पूर्णभूत

मैं, तू, वा हीश्रा हो
हम, तम, वै हीश्रा हा

संभाव्य भूत

मैं हीश्रो हूं   हम हीश्रा हाँ
तू ,, है   तम ,, हो
वा ,, है   वै ,, हैं

संदिग्ध भूत

मैं हीश्रो हूंगो   हम हीश्रा हांगा
तू ,, हैगो   तम ,, होगा
वा ,, हैगो   वै ,, हैंगा

पूर्ण संकेत भूत

मैं तू वा	हीश्रो हैतो	हम तुम वै	हीश्रा होता

(ख) **क्रिया बोलना**

कृदंत—क्रियाविशेषण कृदंत
बौलत ई = बोलते ही

सामान्य भविष्य

मैं बोलूंगा   हम बोलांगा
तू बोलैगो   तम बोलोगा
वा बोलैगो   वै बोलैंगा

सामान्य वर्तमान

—   वै बोलैं हैं, बोलैं छैं

अपूर्णभूत

मैं तू वा	बोलै हो	हम तम वै	बोलै हा

संदिग्ध वर्तमान

मैं बोलतो हूंगो   हम बोलता हांगा
तू ,, हैगो   तम ,, होगा
वा ,, हैगो   वै ,, हैंगा

अपूर्ण संकेत भूत

मैं तू वा	बोलतो हैतो	हम तम वै	बोलता हैता

आसन्न भत

मैं बोल्यो हूं   हम बोल्या हां
तू बोल्यो है   तम बोल्या हो
वा ,, है   वैं ,, हैं

पूर्ण भूत

मैं, तू, वा बोल्या हो	हम, तम, वै बोल्या हा

संदिग्ध भूत

मैं बलयो हूंगो   हम बोल्या हांगा
तू ,, हैगो   तम ,, होगा
वा ,, हैगो   वै ,, हैंगा

पूर्ण संकेत भूत

मैं तू वा	बोल ो हैतो	हम तम वै	बोल्या हैता

[५] अव्यय

क्रियाविशेसरण

य्हां = यहां   ज्यां = जहां
व्हां = वहां   खां = कहां
अतकूं = इधर   न्यूं = यों, ऐसे
कतकूं = किधर   ओज्यूं = फिर
बैयर = बाहर   हलू-हलू = हौले हौले
पैलीआं, पैलीगां = उधर, उस ओर
ओलीआं, ओलीगां = इधर, इस ओर
सैज-सैज = धीरे-धीरे
छांनै-छांनै = धीरे-धीरे

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

चौं,क्यां = क्यों	वाद्‌य = अधिक	गोड्यां = निकट, को
नीं = नहीं	ओठ्यां = अन्यत्र	खन्यां = निकट को
चौंनै,क्यूं नै = क्यों नहीं		वैलीग्रां = निकट, को

(ख) **संबंधसूचाक**

नजीक = निकट, को लारै = साथ

(ग) **संयोजक**

जे = यदि

•

८. कालीमाल की बोली

१. संज्ञा पोतो = पोता

पहली	पोतो	पोता
तीसरी	पोता नै	पोतान नै
दूसरी / चौथी	पोता कूं / पोता कै	पोतान कूं / पोतान कै
पांचवीं	पोता सूं	पोतान सूं
सातवीं	पोता मैं, पोता पै इ०	पोतान मैं, पोतान पै इ०

२. नारीजातीय संज्ञा छोरो = छोकरी

पहलो	छोरी	छोरी
दूसरी / चौथी	छोरी कूं, कै / छोरी कै ताईं	छोरी कूं, कै / छोरी कै ताईं
पांचवीं	छोरी सूं	छोरीन सूं
सातवीं	छोरी मैं, पै इ०	छोरीन मैं, पै इ०

३. उत्तम पुरुष सर्वनाम मैं और हूं = मैं

पहली	मैं, हूं	हम
दूसरी / चौथी	मो कूं	हम कूं
पांचवीं	मो सूं	हम सूं
छठी	म्हारो	हमारो
सातवीं	मो मैं, पै इ०	हम मैं, पै इ०

४. मध्यम पुरुष सर्वनाम तू = तू

पहली	तू	तम
तीसरी	तैं नै	तम नै
दूसरी / चौथी	तो कूं / तो नै	तम कूं / तम नै
पांचवीं	तो सूं	तम सूं

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

छठी	थारो	तमारा
सातवीं	तो मैं, तो पै इ०	तम मैं, तम पै

५. निश्चयवाचक सर्वनाम या = वह

पहली	या	ये
तीसरी	ईं नै	इन नै
दूसरी, चौथी	ईं कूं	इन कूं
पांचवीं	ईं सूं	इन सूं
छठी	ईं को	इन को
सातवीं	ईं मैं, पै इ०	इन मैं, पै इ०

६. निश्चवाचक सर्वनाम वा और ऊं = वह

पहली	वा, ऊं	वै, वे
तीसरी	ऊं नै	उन नै
दूसरी, चौथी	ऊं कूं	उन कूं
पांचवीं	ऊं सूं	उन सूं
छठी	ऊं को	उन को
सातवीं	ऊं मैं, पै इ०	उन मैं, पै इ०

७. सापेक्ष सर्वनाम जे = जो

पहली	जे	जे
तीसरी	जैं नै	जिन नै
दूसरी, चौथी	जैं कूं	जिन कूं
पांचवीं	जैं सूं	जिन सूं
छठी	जैं को	जिन का
सातवीं	जैं मैं, पै इ०	जिन मैं, पै इ०

८. प्रश्नवाचक सर्वनान कौन = कौन

पहली	कौन	कूंण

९. अनिश्चयवाचक सर्वनाम कोई = कोई

दूसरी, चौथी	कोई कूं	—

१०. प्रश्नवाचक सर्वनाम कांईं = क्या

दूसरी, चौथी	कांईं कूं	—

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

११. सार्वनामिक विशेषण

इतेक = इतने

कितेक = कितने   दोनूं = दोनों

१२. क्रिया स्थितिवाचक होना

वर्तमान

—	हम हां
—	तम हो
—	वै हैं

भूतकाल

मैं / तू / वा	हा	हम / तुम / वै	हा

१३. विकारसूचक क्रिया होना

संभाव्य भविष्य

—	हम होवां
—	तम हो
—	वै होवें (होवै)

सामान्य भविष्य

मैं होऊंगो	हम होवांगा
तू होग्रैंगो	तम होग्रोगा
वा होग्रैंगो	वै होग्रैंगा

१४. क्रिया बोलना

सामान्य भविष्य

मैं बोलूंगो	हम बोलांगा
तू बोलैंगो	तम बोलोगा
वा बोलैंगो	वै बोलैंगा

सामान्य वर्तमान

मैं बोलूं हूं	हम बोलां हां
तू बोलै है	तम बोलो हो
वा बोलै है	वै बोलैं हैं

ग्रासन्न भूत

में बोल्यो हूं	हम बोल्या हां
तू बोल्यो है	तम बोल्या हो
वा बोल्यो है	वै बोल्या हैं

पूर्ण भूत

मैं / तू / वा	बोल्यो हो	हम / तम / वै	बोल्या हा

संदिग्ध भूत

मैं बोल्यो होऊंगो	हम बोल्या होवांगा
तू बोल्यो होग्रैंगो	तम ,, होग्रोगा
वा ,, होग्रैंगो	वै ,, होग्रैंगा

१५. क्रियाविशेषण

कस्यां = कैसे   कां = कहां

न्ह्यां = यहां   इतकूं = इधर

म्हां = वहां   चूं नै = क्यों नहीं

चूं, च्यूं = क्यों   भ्रां = जहां

होटो, हौटो = वापिस

१६. संबंधसूचक

गेल = ग्रोर   काजै = लिग्रे

गोड्यां = निकट   नांउं = समान, भांति

भार = बाहर   बिन्या = बिना

•

६. राजावाटी की बोली

१. सर्वनाम

(क) मध्यमपुरुष सर्वनाम तू=तू

पांचवीं	तैं सूं	—
सातवीं	तैं मैं इ०	—

२. क्रिया विकारसूचक होना

i	संज्ञाकृदंत	–हैबो, हैणू
	वर्तमानकृदंत	–हैतो
	भूतकृदंत	–हीयो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पूर्वकालिक कृदंत —हैर

क्रियाविशेषण कृदंत —हैतांई

कर्तृ वाचक कृदंत —हैवाळो

ii **आज्ञा**

तू है = तू हो

हैजो = होइये, हूजियो

iii **संभाव्य भविष्य**

—	म्हे हां
तू है	—
वो है	वै है

iv **सामान्य भविष्य**

—	म्हे हांला
तू हैलो	—
वो हैलो	वै हैला

v **सामान्य भविष्य (२)**

मैं हैस्यूं —

vi **संकेतभूत**

मैं, तू, वो	हैतो	म्हे, थे, वै	हैता

सामान्य वर्तमान

—	म्हे हां छां
तू है छै	—
वो है छै	वै है छै

अपूर्ण भूत

मैं, तू, वो	है छो	म्हे, थे, वै	है छा

संभाव्य वर्तमान

मैं हैतो हूं	हम हैता हां
तू हैतो है	थे हैता हो
वो हैतो है	वै हैता है

संदिग्ध वर्तमान

मैं हैतो हूंलो	म्हे हैता हांला
तू हैतो हैलो	थे हैता होला
वो हैतो हैलो	वै हैता हैला

अपूर्ण संकेत भूत

मैं, तू, वो	हैतो हैतो	म्हे, थे, वै	हैता हैता

सामान्य भूत

मैं, तू, वो हीयो म्हे, थे, वै हीया

आसन्न भूत

मैं हीयो छूं	म्हे हीया छां
तू ,, छै	थे ,, छो
वो ,, छै	वै ,, छै

पूर्ण भूत

मैं, तू, वो हीयो छो

म्हे, थे, वै हीया छा

संभाव्य भूत

मैं हीयो हूं	म्हे हीया हां
तू ,, है	थे ,, हो
वो ,, है	वै ,, है

संदिग्ध भूत

मैं हीयो हूंलो	म्हे हीया हांला
तू ,, हैलो	थे ,, होला
वो ,, हैलो	वै ,, हैला

पूर्ण संकेत भूत

मैं, तू, वो हीयो हैतो

म्हे, थे, वै हीया हैता

(ख) **क्रिया बोलना**

संभाव्य वर्तमान

—	म्हे बोलता हां
तू बोलतो है	—
वो बोलतो है	वै बोलता है

संदिग्ध वर्तमान

—	म्हे बोलता हाला
तू बोलतो हैलो	—
वो ,, हैलो	वै बोलता हैला

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अपूर्ण संकेत भूत

मैं तू वो	बोलतो हैतो	म्हे थे वै	बोलता हैता

संभाव्य भूत

--	म्हे बोल्या हां
तू बोल्यो है	--
वो ,, है	वै बोल्या है

संदिग्ध भूत

--	म्हे बोल्या हांला
तू बोल्यो हैलो	--
वो ,, हैलो	वै बोल्या हैला

पूर्ण संकेत भूत

मैं तू वो	बोल्यो हैतो	म्हे थे वै	बोल्या हैता

३. अव्यय

(क) क्रियाविशेषण

कड़ै = कहां   अठै = यहां

अठी नै = इधर   जठै, जठी = जहां

ज्यांन = जैसे   ओलाड़ी = इधर

कड़ाकताणी = कब तक

उठी = उधर   नकै, नखै = निकट

पूंछी = पीछे

(ख) संबंधसूचक

लेर, लार = साथ   मांझ = भीतर

तकाक = तक

पोंछ्यां पोछ्यां = पीछे

●

१०. डांगभांग की बोली

१. संज्ञा पोतो = पोता

तीसरी	पोता नै	पोतान नै
दूसरी चौथी	पोता कू	पोता नै

२. नारीवाचक संज्ञा छोरी = छोकरी

तीसरी	छोरी नै	छोरीन नै
दूसरी चौथी	छोरी कूं	छोरीन कूं

३. उत्तमपुरुष सर्वनाम मैं = मैं

पहली	--	हम
तीसरी	मैं नै	हम नै
दूसरी चौथी	मो को	हम को
पांचवीं	मो सूं	हम सूं
छठी	मेरो	हमारो
सातवीं	मो मैं इ०	हम मैं ई०

(ख) मध्यमपुरुष सर्वनाम तू = तू

पहली	--	तुम, तम, तमू
तीसरी	तैं नै	तुम नै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

दूसरी,चौथी	तो नैं	तम नैं
पाँचवीं	तो सूं	तुम सूं
छठी	तेरो	तुमारो
सातवीं	तो मैं	तुम मैं

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम यो = यह

तीसरी	ईं नैं	--
दूसरी,चौथी	ईं कूं	--
पांचवीं	--	इन सूं
छठी	--	इन को
सातवीं	--	इन मैं, पर, ऊपर इ०

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम वो = वह

पहली	--	वै
तीसरी	ऊं नैं	उन्नै
दूसरी,चौथी	ऊं कूं	उन कूं
पांचवीं	--	उन सूं
छठी	--	उन को
सातवीं	--	उन मैं, पर इ०

(ङ) सापेक्ष सर्वनाम जो = जो

तीसरी	जीं नैं	जिन्नै
दूसरी, चौथी	जीं कूं	जिन कूं
पांचवीं	--	जिन सूं
छठी	--	जिन को
सातवीं	--	जिन मैं इ०

(च) प्रश्नवाचक सर्वनाम कुण = कौन

तीसरी	कुण नैं	कुण नैं
दूसरी, चौथी	कुण कूं	कुण कूं

(छ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम कोई = कोई

तीसरी	कोई नैं	कोई नैं
दूसरी, चौथी	कोई कूं	कोई कूं

३. (क) क्रिया स्थितिवाचक होना

(i) वर्तमान	मैं हूं	हम हां
	तू है	तमू हो
	वो है	वे हैं
(ii) भूतकाल	मैं, तू, वो हो	हम, तमू, वे हा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(ख) क्रिया विकारसूचक होना

(i) क्रियाविशेषण–कृदंत होतई = होते ही

(ii) संभाव्य भविष्य

--	हम होवां
--	तमू होओ
--	वे होयं

(iii) सामान्य भविष्य

मैं हूंगो	हम होवांगा
तू होगो	तमू होगा
वो होगो	वे होंगा

(ग) क्रिया बोलना

(i) क्रियाविशेषण कृदंत बोलतई = बोलते ही

(ii) सामान्य भविष्य

मैं बोलूंगो	हम बोलांगा
तू बोलैगो	तमू बोलोगा
वो बोलैगो	वे बोलैंगा

४. अव्यय

(क) क्रियाविशेषण

न्हूयां = यहां	सदाई = सदा
व्हां = वहां	पैलीगां = उधर
ज्यां = जहां	ओलीगां = इधर
खां = कहां	अंणाचक = अचानक
इत कूं = यहां	कित कूं = किधर

(ख) संबंधसूचक

लैर = साथ

•

११. नागरचाल की बोली

१. उत्तमपुरुष सर्वनाम म्हूं = हूं

अेकवचन—म्हूं

२. मध्यमपुरुष सर्वनाम तें = तू

अेकवचन—पहली विभक्ति तैं

सातवीं विभक्ति थमें इ०

३. सापेक्ष सर्वनाम जे = जो

अेकवचन–पहली विभक्ति जे

४. क्रियाविशेषण—

ताई में	= इतने में, इस बीच में
अठै	= यहां
कांबैं	= क्यों
जठै	= जहां
ज्यां तांईं	= जब तक, तब तक
ज्यांन तांईं	= जब तक, तब तक
उठै	= वहां
नअैं	= अन्यथा, नहीं तो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

५. संबंधसूचक

गोडै = पास

नकै = पास

नजीक = पास

नीड़ो = पास

६. संयोजक

नग्रं = नहीं तो अन्यथा

१२. खैराड़ की बोली

१. उत्तमपुरुष सर्वनाम हूं = (मैं)

पहली	हूं	—
दूसरी	—	मां नै
चौथी	—	मां नै
पांचवीं	मैं हूं	मां हूं
छठी	मारो	मां को
सातवीं	—	मां मैं

२. मध्यमपुरुष सर्वनाम तूं, तै = तू

पहली	तू तै	—
पांचवीं	तैं स्यूं, तैं हूं	—

३. निश्चयवाचक सर्वनाम ऊ = वह

पहली	ऊ	—

४. सापेक्ष सर्वनाम जे = जो

पांचवीं	जीं ऊं, जीं हूं	जां ऊं, जां हूं

५. प्रश्नवाचक सर्वनाम कांई = क्या

पहली	खां मैं (कां मैं)

६. सहायक क्रिया होना

(क) वर्तमान (नर० और नारी०)	हूं हूं	म्हे हां
	तूं है	थे हो
	ऊ है	वै हैं (है)
(ख) भूतकाल नर जाति	हूं हो	म्हे हा
	तूं हो	थे हा
	ऊ हो	वै हा
नारी जाति	हूं, तूं, ऊ ही	म्हे, थे, वै ही

७. विकारसूचक क्रिया होना

अपूर्ण भूत (नर०)	हूं, तूं ऊ हो हो	म्हे, थे वै हो हा
(नारी०)	[हूं, तूं, ऊ हो ही	म्हे थे, वै हो ही]

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

८. क्रियाविशेषण

अंडै, यां = यहां	उडै, उडा, उड़ा = वहां	क्याल = कल
जठै = जहां	कडै, खां (कां) = कहां	अडी = यहां
अकसार = अंकसा	उडी = वहां	पछैनै = पीछे
जडी = जहां	पछैनाऊं = पीछे से	कडी = कहां
क्यांन = कैसे	ओठै = अन्यत्र	कस्यांन = कैसे
मैंनै = भीतर	यांन = अंसे	इस्यांन = अंसे
बारैं = बाहर	कडातांई = कब तक	कद्यां = कभी

९. संबंधसूचक

सैं = से, साथ	नके = नीचे	लेर = साथ, पीछे
नकै = पास	गेलां = साथ	

●

१३. चौरासी की बोली

१. उत्तम पुरुष सर्वनाम मैं [= मैं]

दूसरी	(मैं) माळै	–
चौथी	(मैं) माळै	–
सातवीं	मैं मैं इ०	–

२. मध्यम पुरुष सर्वनाम तूं [= तू]

पहली तूं

३. निश्चयवाचक सर्वनाम ओ [= यह]

पहली ओ अै

४. प्रश्नवाचक सर्वनाम कुण [= कौन]

पांचवीं	कुण सूं	–
छठी	कुण को	–
सातवीं	कुणी मैं	–

५. सार्वनामिक विशेषण

दूजो–दूसरा,और

दूजा–दूसरे,और

६. क्रिया होना

कर्तृकृदंत–हैबाहाळो = होनेवाला;

जो है या जो होनेवाला है

७. क्रियाविशेषण–

जद, जद्यां = जब

कद्यां = कब

अंडै,अठै = यहां

नीड़ो, नेड़ो = निकट

उडै, उठै = वहां

जटै,जडै, जडै = जब

कडै = कहां

अठीनै, ऊंनै = इधर

उठीनै, परानै = उधर

जठीनै,जडीनै = जिधर

कडानै, कडीनै = किधर

यांन = अंसे

ज्यांन = जैसे

मैं नै = भीतर

कडाक तांईं = कब तक

८. संबंधसूचक

गैल, गैलां = पीछे

सागै = साथ

●

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१४. बांघोटा की बोली

१. संज्ञा पोतो = पोता, पौत्र

पांचवी	—	पोता तैं

२. उत्तमपुरुष वाचक सर्वनाम मैं = मैं

पहली	—	हम, हमा
दूसरी	—	हम नै
चौथी	—	हम नै
तीसरी	—	हम
पांचवीं	मुजं तैं	हम तैं
छठी	मेरो	म्हारो
सातवीं	मेरे मैं इ०	हम मैं, म्हारै मैं इ०

३. मध्यमपुरुष सर्वनाम तू = तू

पहली	—	तम, तुम, थम
दूसरी	—	तम नै
चौथी	—	तम नै
तीसरी	तैं	तम
पांचवीं	तेरै तैं	तम तैं
छठी	तेरो	थारो
सातवीं	तेरै मैं, तेरै मां इ०	थारै मैं, थारै मां इ०

४. निश्चयवाचक सर्वनाम यो = यह

दूसरी	ग्रें नै	इन नै
चौथी	,,	,,
तीसरी	यो	इन
पांचवीं	ग्रैं तैं	इन तैं
छठी	ग्रैं को	इन को
सातवीं	ग्रैं में इ०	इन मैं इ०

५. निश्चयवाचक सर्वनाम बो और वो = वह

पहली	बो, वीं, वो	—
दूसरी	वैं नै, वैंह नैं	उन नै
चौथी	,,	,,
पांचवीं	वैं तैं, वैंह तैं	उन तैं
छठी	वैंह को	उन को
सातवीं	वैंह मैं इ०	उन मैं इ०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

३. सापेक्ष सर्वनाम जो = जो

दूसरी	ज्हैं नै, जैंह नै	जिन नै
चौथो	,,	,,
पांचवीं	ज्हैं तैं	जिन तैं
छठी	ज्हैं को	जिन को
सातवीं	ज्हैं मैं इ०	जिन मैं इ०

७. प्रश्नवाचक सर्वनाम कौण = कौन

पहली	कौण	कौण
दूसरी	कैंह नै	किन्नै
चौथी	,,	,,
तीसरी	कौण	कौण
पांचवीं	कैंह तैं	किन तैं
छठी	कैंह को	किन को
सातवीं	कैंह मैं	किन मैं

८. अनिश्चयवाचक सर्वनाम कोई = कोई

दूसरी	कह नै	—
चौथी	कह नै	—
पांचवीं	कह तैं	—
छठी	कह को	—
सातवीं	कह मैं इ०	—

९. प्रश्नवाचक सर्वनाम के = क्या

पहली	के	—
दूसरी	क्यांआं नै	—
चौथी	क्यांआं नै	—
तीसरी	के	—
पांचवीं	क्यांआं तैं	—
छठी	क्यांआं को	—
सातवीं	क्यांआं मैं	—

१०. सार्वनामिक विशेषण

(क) परिमाणवाचक—

इतनू = इतना
उतनू = उतना

जितनू = जितना
कितनू = कितना
कितनूक = कितना (कितना-अनेक)

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(ख) रीतिवाचक---

अैसो = अैसा — जैसो = जैसा

वैसो = वैसा — कैसो = कैसा

कैसोक = कैसा (कैसा-अेक)

(ग) अन्य सार्वनामिक विशेषण

दोनूं = दोनों — किमैं = कुछ

बिराणू = दूसरा, और — के = या तो, या

११. क्रिया होना (अस्तित्ववाचक)

(क) वर्तमान नर और नारी

(१)

मैं हूं	हम हां
तू है	तम हो
बो है	वै हैं (है)

(२)

मैं सूं	हम सां
तू सा तू सै	तम सो
बो सै	वै सैं (सै)

(ख) भूतकाल

नर	मैं, तू, बो हो, हौ	हम, तम, वै हा
नारी	मैं, तू, बो (बा) ही	हम, तम, वै ही
नर	मैं, तू, बो — थो, सो	हम, तम, वै — था, सा

१२. क्रिया होना (विकारदर्शक)

(क) पूर्वकालिक कृदंत

होकर = होकर

कर्तृ कृदंत — व्हैतू = होता

(ख) संभाव्य भविष्य — तू व्हा — —

— वै व्हैं

(ग) सामान्य भविष्य

मैं हूंगो	हम व्हांगा
तू व्हागो	तम होगा
बो व्हैगो	वै व्हैंगा

(घ) सामान्य वर्तमान

मैं हूं हूं	हम व्हां व्हां
तू व्हा है	तम हो हो
बो व्है है	वै व्हैं हैं

(ङ) अपूर्ण वर्तमान

मैं, तू, बो — व्है थो	हम, तुम, वैं — व्है था

१३. क्रिया बोलना

(क) पूर्वकालिक कृदंत

बोलकर = बोलकर

कर्तृ कृदंत

बोलणवाळो = बोलनेवाला

(ख) संभाव्य भविष्य — —

— —

— वै बोलैं

(ग) सामान्य भविष्य

मैं बोलूंगो — हम बोलांगा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तू बोलैगो   तम बोलोगा
बो बोलैगो   वै बोलैगा

(घ) सामान्य वर्तमान

मैं बोलूं हूं   हम बोलां हां
तू बोलै है   तम बोलो हो
बो बोलै है   वै बोलैं हैं (है)

१४. क्रियाविशेषण

इत = यहां
उत = वहां
वैंठै, वैंठ्यां = वहां
उंठै, ऊंठ्यवां = हां
जित = जहां
कित, किते = कहां
न्यूं = ग्रैसे
नांय, नांह = नहीं
कैंहदां = कैसे
ग्रैंहदा = ग्रैसे
जैंहदा = जैसे
दोनूं ग्रोड़ां नै = दोनों ग्रोर
चौड़दगा (चोगड़दा) = चारों ग्रोर
चौफेरै = चारों ग्रोर
परानै = उधर, परे
सैंज सैंज = धीमे धीमे
मंदा मंदा = धीमे धीमे
तळै तळै = पैदल
सकाळै = कल सबेरे
परसूं = परसों, दूसरे दिन
परलै दिन = तरसों, तीसरे दिन
तरलै दिन = नरसों, चौथे दिन
ज्हैं तरलै दिन = पांचवे दिन

१५. संबंधसूचक

गैल = साथ
ग्राटै = लिग्रे
मांहूं = ग्रोर
ग्रोड़ी = ग्रोर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बोलियों के संबंध में विशेष विवरण

१. 'ल' वर्ण जब शब्द के आरंभ में नहीं होता तब वह मूर्धन्य व्यंजन होता है, हिंदी की भांति अर्धस्वर नहीं; आरंभ में आने वाले 'ल' का उच्चारण हिंदी की भांति ही होता है। मूर्धन्य ल इस प्रकार लिखा जाता है—ळ।

२. सब क्रियाओं के भूतकृदंत में धातु के साथ 'य' जोड़ा जाता है जैसे-पीस्यो (=पीसा), देख्यो (=देखा), मिल्यो (=मिला)।

३. कई-अेक शब्द अनेकवचन में प्रयुक्त होते हैं यद्यपि उनका अर्थ अेकवचन का ही होता है। जैसे—**बागां** चालां = हम बाग में चलें, **बजारां** चालां = हम बाजार चलें, **दुकानां** में रह्यो = दुकान में रहा।

४. शब्द के अंत में 'ड़ो' प्रत्यय जोड़ने से वह तिरस्कार का बोध कराता है। जैसे—तुरकड़ो = मुसलमान, साबड़ो = साहिब (यूरोपियन)।

५. आवणीया (आव्णिया) करो—यह पदोच्चय शेखावाटी बोली में पौन:पुन्य-वाचक होता है और उसका प्रयोग 'आया करो' के अर्थ में होता है।

कल्हागो—शेखा० = उसने कहा, वह बोला (कहने लगा)।
खलागो—जयपुरी = उसने कहा, वह बोला (कहने लगा)।

६. शब्द के साथ 'स' अक्षर प्राय: जोड़ दिया जाता है, इससे अर्थ में कोई परिवर्तन नहीं होता। जैसे—

खां गयो स = कहां गया ?
मैं स तो अंडैई छो = मैं तो यहीं था।
वो क्यों आयो नैंस = वह क्यों आया नहीं ?

७. परिमाणवाचक और रीतिवाचक विशेषणों के साथ प्राय: क अक्षर जोड़ दिया जाता है। जैसे—

कतरोक (= कितना—अेक = कितना)
कतरीक (= कितनी—अेक = कतनी)
कश्योक (= कैसा—अेक = कैसा)
कसीक (= कैसी—अेक = कैसी)

८. शेखावत लोग ऊपर के अर्थ में मालै का प्रयोग नहीं करते। वे उसका प्रयोग करने वाले जयपुरी को मालै हाळो (माळै वाला) कह कर पुकारते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

९. इन बोलियों में बोलचाल में क प्रायः जोड़ दिया जाता है। जैसे—

१. क्या तम जाओगाक कोनै।

२. वो रोटी खायी छैक दूध पियो छै।

१०. यां अेक क्रियाविशेषण बनाने वाला प्रत्यय है जो पर या ऊपर का अर्थ देता है—

गोद्यां = गोदी में

गोडल्यां = घुटनों पर

गदपोट्यां) = पीठ पर

भैंयां (भइयां) = जमीन पर

हतेल्यां (हथेळ्यां) = हथेली पर

धर्त्यां (धरत्यां) = जमीन पर

११. बोलियों की वर्तनी संबंधी कुछ विशेषताअें आगे दी जाती हैं—

अणछेड्यो = अकछेड़

आरत्यो = आरती

आळशे = आला

उणमुणु (उणमुणू) = अनमना

कंदारो = किनारा

कूंची = कुंजी

कटैड़ो = कटहरा

कठ—कंठ

कपड़दुवारो = कपड़दरार

करड़ो=कड़ा

कळस्यो = कलसा

काख = कांख

कागल्यो = काग (कौवा)

काळजो = कलेजा

किरच्यो—किरच = टुकड़ा

किसब—कसब = धंधा

कोड़ी (कोळी)—कोली; अेक जाति

खनै—कनै = पास

जंती=जंतरी

थग—थक=थका

दल—दिल = हृदय

दल्ली—दिल्ली = दिल्ली शहर

नसो = नशा

वकरी—बिकरी = विक्री

बगाड़ (वगाड़) = बिगाड़

बचार (वचार) = बिचार = विचार

वत (वत) = वित = धन

बना (वना) = विना

बिलाई = बिल्ली

बीजळी (वीजळी) = बिजली

बीन्ती (वीन्ती) = बिन्ति, बिनती

म्हंतू = महीना

सगड़ी = सिगड़ी

हलाबो = हिलाना, परचाना

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१. जयपुर की बोली

(क)

१. **म्हारी नई पोथी**—देखो म्हारी नई पोथी। मैं जांणूं छूं क या मनैं चोखी लागैली। ईं मैं कतरीक असी मुसकल बातां छै क ज्यां नै मैं कोनैं जांणूं पण जो मैं रोजीना-की-रोजीना ईं मैं सूं दो-चार पद सीकबो करूंला तो वैं फेर खटण कोनैं रहला। म्हारो भगत मैं चोखा कामा मैं लगाऊंलो षयो क गयो भगत फेर ओटो हाथ कोनैं आवै। ईं सूं मैं नित्त-की-नित्त कोई नई बात फड़बो अर सीकबो करस्यूं क जीं सूं दिन–दिन चोखो ह्‌वैतो चल्यो जाऊं।

२. **कीड़ी**—जीं भगत मैं सड़क कनैं बैठ्यो छो तो कांईं देख्यो क अेक कीड़ी अेक मर्‌या कीड़ा नै घींस ले जावा की करै छी। वा तो घणी ही खींचा-खींची करी पण ऊं को बस को चाल्यो नै। क्योंक वो मर्‌यो कीड़ो ऊं बीच बडो अर भार्‌यो छो। फेर वा कांई करै? इत्ताई मैं अेक बडी कीड़ी ऊं नै बेबस देख र ऊं नै सारो देबा नै दौड़ी। या बी पकड़्‌यो अर वा बी पकड़्‌यो अर अैयां दोन्यूं कीड़्‌यां मिल र ऊं कीड़ा नै आप का बिल मैं ले गई। जैंयां वा बडी कीड़ी कर्‌यो ऊंईंयां-ईं थे बी करो अर जो थे पूछो क म्हे कांईं करां तो मैं यां खूं छूं क औरां की साय करबा नै सदा त्यार रहो क जीं सूं थे काम का मिनख व्है जावो।

३. **बल़द**—बळद अेक बडो अर जोरावर जिनावर छै। ऊं की खाल मोटी व्है छै। अर ऊं माळै खै तो धोळा कै लाल खै काळा बाळ व्है छै। बळद का खुर चिर्‌या व्है छै। ऊं का मांथा माळै दो सींग व्है छै। जित्ता सींगां हाळा जिनावर व्है छै वां सब का खुर चिर्‌या व्है छै। वो घास अर खाकलो खाय छै। वो चालतो-चालतो चरै छै। फेर वो खै तो ऊभो रैं जाय छै खै बैठ जाय छै अर बैठ र जो चारो खा ले छै ऊं नै फेर मूंडा मैं ल्यार चाब्बो करै छै। ईं नै ओगाळ करबो खै छै। जिद ढांढा-ढोर अर और-और जिदावर म्हां का असेया-अस्या कांमां मैं आवै छै तो म्हां नै भी वां माळै दया करबो जोग छै।

४. **दो कोथल्यां**—अेक-अेक मिनख कनैं दो-दो कोथळ्यां छै। वां मैं सूं अेक ऊं का मूंडा आगै लटकै छै अर दूसरी पाछां नै। दोन्यूं पापां सूं भरी छै। आगली मैं तो और्‌यां का पाप भर्‌या छै अर पाछली में ऊं का आप का। वात या छै-क लोग आप का पाप तो को देखैं पण दूसरां का तो देख ले छै। सगळां नै या चायजे-क आपाप का अपरादां को विचार करै अर वां नै छोड़बा को उपाय करै। पराया का अपरादां बीच आप का अपराद पकड़बो अर वां नै छोड़बो घणी चोखी बात छै।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

५. मिनख को डील—यो म्हारो डील छै। ई मैं माथो छै सो सब सूं ऊंचो जीं सूं राख्यो छै-क सारा डील की समाळ करै। मैं म्हारा मांथां नै ऊंचो उठा ल्यूं, नीचो झुका ल्यूं अर ग्रंडी-ऊंडी फेर ल्यूं। डील हात-पग सगळां सूं बडो छै। कांधा, छाती, पेट अर कमर—ये भी डील ही मैं छै। बाऊं हात अर दैणूं हात अर हातां की ग्रांगळ्यां—ये सब ऊपरलो डील छै। जांगां, टांगां, पग अर पगां की ग्रांगळ्यां नींचल्लो डील छै। जो म्हारै हात न ह्वैता तो मूं सूं कांई काम-काज को हैतो नै अर म्हारै पग न व्हैता तो मूं सूं चाल्यो को जातो नै अर मैं लकड़ी का बुरका की नांई ग्रेक जगां ई पड़्यो रैतो।

६. म्हारी मा—ईं छिब्बी मैं थां नै कांई दीखै छै? ईं मैं ग्रेक मा बैठी छै अर ऊं को बाळक सूतो छै अर वा ऊं नै देखै छै। थारी प्यारी मा भी थारै तांई नरी-ई बर ग्रैयां-ईं कर्‌यो छै। तू छोटो बाळक छो जिद ऊं भगत वा तू नै आप की गोदी मैं लियां रह छी। तू रोतो जिद वा तू नै खै तो दूद पाती खै क्यूं खुवाती अर सुवाण देती। थारै खेद व्है तो जिद वा रात दिन थारै तांई जागबो करती अर थारी समाळ करती। जिन्नाड़ा सूं तू जनम्यूं छै उंन्नाड़ा सूं वा नित्त थारी भलाई ई चाती आवै छै। तू थारी मा का लाड नै कदेई मत भूलजे। जिद तांईं वा जीवै जिद तांईं ऊ नै चाबो कर अर ऊं को आदर कर।

७. ग्रेक मिनख अर ऊं की हंसणी—खैचै खैचै ग्रेक जणां कै ग्रेक हंसणी छी जो नित्त-की-नित्त ग्रेक सोना को ग्रंडो दे छी। पण वो आदमी लालची छो अर ईं सूं ऊं कै सबूरी कोनै छो। वो या समजी-क जो मैं ईं नै मार नाखूं तो ग्रेक ईं बर मैं सारा ग्रंडा निकळ्यावैला। ईं बिचार सूं वो हंसणी नै काट नाखी। पण हाय हाय! ऊं नै ऊं मैं ग्रेक बी ग्रंडो को लाद्‌यो नै। बिचारी हंसणी मर गई जिद कौड़ा सूं ग्रंडा देती। सबूरी बड़ो धन छै।

८. गाय—गाय को डील-डौळ बळद सूं क्योंक छोटो व्है छै अर ऊं मैं बळद सूं जोर बी थोड़ो व्है छै। ऊं की पूंछ लंबी व्है छै जीं नं वा हला-हला र मांख्यां नै उड़ा दे छै। गाय म्हां नै चोखो दूद दे छै अर ऊं दूद मैं सूं मांखन अर घी निकळै छै। छोरा-छोर्‌यां अर बडा आदम्यां कै चीरो जीं सूं लगावै छै ग्रक ऊं सूं वां कै माता को निकळै नै। अब चीरो देती भगत बांवां मैं जो सीतळा को चेप लगा दे छै सो यो चेप पैल-पैल गाय का थणां की माता की गुमड़्यां मैं सूं काड़्यो छो। बाछड़ो-बाछड़ी खेलबा-कूदबा अर आप की मा कनै ग्रंडी-ऊंडी ऊछळबा-फदकबा सूं भौत राजी व्है छै।

९. कूकरो र बळद—ग्रेक दिन की बात छै-क ग्रेक बड़ो सारो कूकरो गऊ-साळा मैं चारा माळै पड़्यो छो। ग्रेक भौत भूको बळद ऊंडै आर चरबा की करी पण बो बुरो कूकरो घुर्राबा लाग गयो अर ऊं माळै दौड़्यो। जिद बळद बोल्यो तूं सूं आप सूं तो खाकलो चर्‌यो को जाय नै अर ज्यां सूं चर्‌यो जाय छै वां नै चरबा को दे नै। कतराई लोग-बाग ईं कूकरा की नांईं व्है छै ज्यो चारा माळै पड़्यो छो। कतरी-ई चीजां वै नै तो आप ले अर नं दूसरा नै लेबा दे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

१०. **कुण आपां नै देखै छै**—अेक छोरी दूसरा छोरा नै पूछी-क वै जो ऊंडै बोर पड़्या छै वां मैं सूं थोड़ा-सा थारै तांईं क्यों ले जाय नै कोई देखै तो छै ई कोनै । दूसरो छोरो उत्तर दीयो-क ह्वै कोई देखै छै । मैं ईं मूं नै देखूं छूं । आप का आप नै ईं बुरो काम करतां कैयां देख्यो जाय । या समज-र कदेई कोई बुरो काम मत करो अक म्हां नै कोई देखै कोनै छै । पैली तो थे ई थां नै देखो छो अर दूसरां परमेसर थां नै देखै छै । ज्यो ज्यो आपां कर्यो छै ऊं को अेक दिन परमेसर नै लेखो देण पड़ैलो ।

११. **बिलाई**—बिलाई की कानी झांको । ऊंका बाळ कस्याक चोखा अर कवळा छै । ऊंका दांत अर पंज्या भौत तीखा छै । ऊंका पंज्या ऊंका पगां मैं छै । वा वांका सारा सूं रौंख माळै छड़ जाय छै । जो थे ऊंकी पूंछ खींचो तो वा थांनै काठ ले ली खै लबूर्या भर ले ली । बिलाई की आंख्यां असी छै-क ऊं नै हंदेरा मैं भी दीखै छै । ईं सूं जो ऊंदरा-ऊंदरी नीकळै छै वां नै वा पकड़ ले छै । बिलाई राजी ह्‌वै जिद गुर्र-गुर्र करै छै अर भूकी ह्‌वै अर खाबा नै मांगै जिद म्यांऊं-म्यांऊं करै छै । टाबर-टोळ्यां नै भी बिलाई अेक बात सिकावै छै । वा या छै-क वै बी बिलाई की नांईं हात अर मूंडो मैलो नै राखै ।

१२. **आतमा**—परमेसर थां नै अेक दे दीई छै । थे जांणूं छो-क दे कांईं छै । थां नै जो-क्यूं थां मैं दीखै छै अर जीं नैं थे टटोळल्यो वा ई थांकी दे छै । परमेसर थां नै आतमा दीई छै जो थांकी दे सूं बदकी छै । थांकी आतमा थां का देखबा मैं को आवै नै । जैयां थां की दे मांस अर ल्होई की छै उंईयां थां की आतमा मांस अर ल्होई की को छै नै । आतमा सूं सोच-विचार ह्‌वै छै अर वा परेम करै छै । अर वा बुरो भलो जांणै छै । जिनावरां में कोरो जीव छै अर आतमा को नै । ईं सूं ईं वै परमेसर को ध्यान को कर जांणै नै । जिनावर मर्यां पाछै ह्‌वै ले छै फेर वां को कांईं ई बाकी को रहै नै । पण आदमी मरै जिद ऊं की दे मरै छै अर आतमा मरती भगत दे मैं सूं निकळ जाय छै । आतमा कदेई को मरै नै । आतमा सूं बडो अर घणां दामां को और कोई ई पदारथ कोनै ।

१३. **छोरो-र बिदाम**—अेक बासण मैं जीं को गळो सकड़ो छो ऊं मैं बिदाम भर्या छा । अेक छोरो ऊं मैं सूं बिदाम काड़बा की करी अर मूंठेक काड़बा नै ऊं मैं आप को हात घाल्यो । पण छोरा सूं बिदाम की भरी मूंठी को काड़ी गई नैं क्योंक ऊं मटकी को मूंडो सकड़ो छो । अेक जणूं जो थोड़ी-सी दूर सूं ऊबो देखै छो छोरा नै खई-क बच्या ! थारी मूंठी मैं सूं आदा बिदाम नांख दे तो थारी मूंठी छोटी ह्‌वै जाय अर पातळी मैं सूं निकळ्यावै । छोरो उंईयां-ईं करी । सैज मैं ई मूंठी बिदामां समेत निकळ्याई । लालच बुरी बस्त छै ।

१४. **सुगंदार माटी र गुलाब**—अेक दिन अेक भायला का सूं अेक मांटी की डळी आई जीं मैं सुगंद आवै छी । मैं ऊं डळी नैं पूछी-क तू किसतूरी छै कांईं-स थारी सुगंद सूं अस्यो आनंद आवै छै । वा उत्तर दीयो-क मैं बापड़ी तो कोरी मांटी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
की डळी छूं परण मैं गुलाब मैं नरा दिनां तांई रही छू जीं सूं गुलाब की बासना मूं मैं आ गई। नतर मूं मैं आप मैं तो क्यूं सुगंद-उगंद छै कोनै। मैं आप तो कोरी निकम्मी मांटी छूं। जो थे भलाव्है बो चावो तो भला लोगां की संगत राखो।

१५. नांक अर मूंडो—नांक सूं आपां सूंगां छां। ऊंका दोन्यूं छेकला कूंपला खै नकथोड़ा बाजै छै। कतराक फूलां मैं सुगंद व्है छै। मैल अर कजोड़ा मैं सूं दुरगंद निक्ळै छै। वां नैं आप का घर सूं दूर फैंक देबो करो। मूंडा सूं आपां बातां करां छां अर खावां छां। आगला दांत अस्या पैना व्है छै-क वां सूं आपां गासां नै काटल्यां छां। अर पाछला दांत डाड बाजै छै। वां सूं आपां आपणा गासां नै पीसल्यां छां। जीब सूं खाबा को सुवाद आवै छै। घोड़ो हणहणावै छै। कूकरो भुसै छै। मुरगो बोलै छै। परण या बात मिनख ही मैं छै-क आप का मन की चींती बातां खैर चौड़ै कर दे छै। ज्यां आदम्यां सूं बोल्यो को जाय नै वां नै आपां गूंगा खां छां।

१६. भैंस—भैंस को डील भार्‌यो अर मोटो व्है छै। ऊं की टांगां छोटी अर जोरावर व्है छै। ऊं का सींग पाछली कानी मुड़्या व्है छै। ऊं की खाल काळी व्है छै अर ऊं माळै थोड़ा-थोड़ा बाळ व्है छै। भैंस आप को मांथो नीचै झुकायां धीरैं-धीरैं चालै छै। पाणी मैं खै कादा मैं पड़्यो रैबो ऊं नै चोखो लागै छै क्यों-क ऊंडै ऊंको डील सीळो र्‌है छै। अर मांखी-मांछर ऊं नैं काटै नै। वा फैरां तांई पाणी में पड़ी र्‌है छै। आप को मांथो अर नाक पांणी कै बारां नै राखै छै। हळ चलाबा मैं भैंसो भौत काम को जिनावर छै। भैंस नरो दूध दे छै। हवश देस की दिक्खरण मैं रांमैड़ी भैंस व्है छै अर ऊं नै देख्यां सूं डर लागै छै।

१७. मांखी अर सैत—कोई सैत का बासरण का कंदारा माळै अेक मांखी बैठ गई। थोड़ो-थोड़ो पीबा सूं वा धापी कोनै। जीं सूं सैत कै माळै जा बैठी-क घणू सारो पी जाय। पेट भर गयो जिद उड़ जाबा की करी। परण उड़्यो को गयो नै क्यों-क ऊं का पग सैत मैं डूब गया। वा आप का पग काडबो चावै छी परण ईं सूं वा और भी धस गई अर धसतां-धसतां सारी डूब गई। मांखी बैठी सैत पर गई पांख लिपटाय

हात मसळै अर मांथो धुणै लालच बुरी बलाय

१८. खैबो मानबो—थां का मा बाप खै गुरु चोखा काम करबा की आज्ञा दे जिद तो तुरत मान ल्यो। असी न व्है-क वां नैं बर-बर मैं थां नै आज्ञा देणी पड़ै। वै खै जैयां ईं करो अर आप का मन की अर वां की आज्ञा उपरांत चिनी सी बी बात मत करो। वां की बात नै राजी व्है र मानो। नै तो मूंडो सुजावो नै बड़बड़ाटा करो। परणमेसर की धरम-पुस्तक मैं या मंडी छै-क "बाळको! सब बातां मैं थां का मा-बापां को खैबो मानो।" क्यों-क या बात परणमेसर नै बी चोखी लागै छै। जो थे अैयां करता र्‌होला तो थां नै भौत सुख व्हैतो रहैलो। जो बाळक आप का मा-बापां को खैबो नै मांनै छै वां की बर-बर मैं बुरी दसा व्है जाय छै।

जो नै मानै बडा की सीक।
बो ठीकरो लेर मांगै भीक॥

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१६. नाज की दैंग्यां—अेक पाळती आप का छोटा बेटा नै लेर खेत मैं या देखबा नै गयो-क देखां नाज पाक्यो-क कोनै । छोरो बोल्यो-क ओ दादा ! देख कतरीक दैंग्यां तो सूदी स्ट्राक ऊबी छै अर कतरीक झुक रही छै । सो या कांई बात छै । मूं नै असी दीखै छै-क ये जो सूदी स्ट्राक ऊबी छै यां की तो बड़ी ईजत छै अर ये जो झुक रही छै सो यां की नौकर-चाकर छै । बाप दो दैंगी तोड़र बेटा नै दिखाई अर खई क देख बेटा ! ये जो गरीब व्हैर झुक रही छी सो तो नाज सूं भरी छै अर वै जो गुमान की मारी सूदी ऊबी छै वै थोती छै । गरीब आदमी धन छै ।

२०. भगत—अेक संवारा सूं लेर दूसरा संवारा तांईं अेक दिन व्है छै । अंगरेज लोगां का हिसाब सूं दिन चौईस घंटा को व्है छै । अेक-अेक घंटा मैं साठ मिंट व्है छै अर अेक-अेक मिंट मैं साठ-साठ पलक व्है छै । आठ दिन को अेक अठवाड़ो व्है छै । अठवाड़ा का बारां का नाम ये छै दीतवार, सोम्मार, मंगळवार, बुद्दवार, बिसपतवार, सुक्करवार, सनीसरवार । नराई लोगबाग सोम्मार नै पीर खै छै । बिसपतवार नै जुमैरात खै छै । अर सुक्करवार नै जुमुं खै छै । चार अठवाड़ा कै लग्गै-बग्गै-सीक को अेक म्हनूं व्है छै । बांवन अठवाड़ां को खै तीन सै पैंसठ दिन को, अेक बरस व्है छै । बरस का बारा म्हना ये छै-जनवरी, फरवरी, मारच, अपरेल, मई, जूंन, जौलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नौम्बर दिसंबर ।

२१. छोरी अर सूवो—ईं छिबि कांनी झांको-क अेक छोरी फड रही छै । वा आप की पोथी नै हात मैं थाम्यां छै अर ऊं कनै अेक सूवो अेक खूंटा माळै बैठ्यो छै । नरा-ई सूवा आदम्यां की बोली सीक ले छै । कांईं सूवा नै कोई फडबो मांडबो सिका दे ? ना, वै पोथी फडबो क्यों सीकै नै । वां मैं आतमा कोनै । मोट्यार-लुगाई छोरा-छोरी ये पोथी फडबो सीक ले छै । क्यों यां मैं आतमा छै । सूवो बात तो कर जाणै छै पण वां बातां को अरथ को समजै नै । मूं नै बतावो-क कदे कदे कुण सूवां की नांईं व्है छै । जो छोरा फडै छै अर ऊं को अरथ नै समजै वै सूवां की नांईं व्है छै । समज र फडबो करो ।

२२. लौंगती अर दाखां को झूंमको—अेक भूंकी लौंगती अेक दाखां को रौंख देख्यो-क जीं की अेक डाळी कै बड़ा बड़ा झूंमका लाग रह्या छा । वा आपका मन मैं खई-क आहा ! ये कस्या-क चोखा दीखै छै । वां नैं खार देखूं-क कस्या-क मींठा छै । जिद लौंगती अॅंडी-ऊंडी ऊछळवा-कूदबा लागी पण वा झूंमका तांईं को पौंछी नै । लाचार व्हैर बोली-क जीं नै चायजे सो ले म्हारी समज मैं वै खावा मैं चोखा कोनै खाटा व्हैला । या खै-र उदास निरास व्है-र चली गई । नरी बर असी व्है छै-क जिद लोगां कै कोई चीज हात आ जाय जिद तो ऊं नै चोखी बतावै अर फेर वा ई चीज हात नै आवै तो ऊंईं नै बुरी बता दे छै ।

२३. कूकरो—घर की चौकस करबा नैं कूकरो भौत काम को जिनावर छै । जो रात नै चोर घर कनै आवै तो वो भ्यां-भ्यां करै छै । ऊं सूं बातां तो को करी जाय नै पण जिद वो चोर नै देख र व्ह्या-व्ह्या करै तो आपां जांण जावां छा-क वो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
क्यों भूसै छै । वो या खैबा की करै छै–क अरै तू कुण छै अर अठै कांई नै आयो छै । थे जो घर मैं छो बारां नै आर देखो–क यो कुण छै । कूकरो कोई नै देख र राजी व्है जिद कुसी को मार्‌यो ऊछळै-कूदै छै । जिद वो थां नै रोटी खाता देखै अर आप भी खाबो चावै तो या जाणै छै–क रोटी कैयां मांगै । वो रोटी की कांनी निंजर बांद ले छै अर भांकबो करै छै अर पूंछ हलाबो करै छै । यां बातां सूं ऊं को मुतळब यो छै–क मूं नै बी क्यों द्यो । कतरा ई कूकरा आपका धणीं नै अस्यो चावै छै–क ऊं नै बचाबा कै तांईं आप को जीव दे दे छै । कूकरां माळै दया करबो करो ।

२४. उकाब अर छोटो छोरो—उकाब अेक बड़ो जिनावर छै । वो चील सिरको व्है छै पण ऊं सूं नरो बड़ो व्है छै अर ज्यां देसां मैं डूंगर व्है वां देसां मैं रहै छै । अेक दिन की बात छै–क अेक लुगाई आप का छोटा-सा छोरा नै अेकलो छोड़'र आप क्यों काम करबा लाग गई । थोड़ी वर पाछै आकास मैं सूं अेक उकाब भपट-र आयो । अर ऊं बाळक नै ले-र उड़ गयो । हाय हाय वो छोटो बाळक कत्तो चिल्लायो व्हैलो । जिद वो उकाब आकास मैं उठा ले गयो अर ऊं नै ले–र अेक ऊंचा डूंगर माळै उड़ गयो–क ऊं नै आप का घुश्याळा मैं मेल दे । उकाब ऊं छोटा बाळक नै जीं सूं ले गयो क ऊं नै वो अर ऊं का बच्च्या तोड़-तोड़-र खाय । कांईं वो ऊं नै फाड़ नाख्यो अर चूंट खायो ? ना । चार जणा जो उकाब का घुस्याळा को डूंगर मैं रसतो जांणै छा वै तुरन्त घुश्याळा कनै जा लाग्या अर घुस्याळा कनै पौंछ र कांईं देखी–क देखै तो वो बाळक ऊं मैं जीवतो-जागतो अैयां-को-अैयां छै । अर उकाब अर ऊं का बच्च्या-बच्ची ऊं बाळक कै कौड़ै चूंच बी कोनै अड़ाइ छी । वै च्यारूं जणा कस्या–क मगन व्है गया । बाळक नै ले'र डूंगर माळा सूं उत्र्याया अर बड़ा आनंद सूं ऊं नै ऊं की मा कनै पौंछा दियो ।

२५. आंख—मिनख की दे मैं आंख खिड़की की नांईं छै । आंख आप छोटी छै पण बड़ी-बड़ी चीजां नै देख ले छै । वै मूंडा माळै दो छोटा-छोटा खाडां मैं मिल्ही छै । ये खाडा चारयूंमेर हाडां सूं घिर रह्या छै अर वां हाडां माळै धनक की नाईं भंवारा व्है छै । पलकां छोटा ढकणा की नांईं व्है छै ज्यां सूं आंख मैं धूळ अर घणू उजाळो को पड़ै नै । ज्यां चीजां सूं आंख नै दुख व्है वां नै बांफण्यां दूर कर दे छै । पणमेसर आपां नै या आंख्यां की जोत दीई छै सो बड़ो पदारथ छै । ज्यां नै नै दीखै वै आंदा बाजै छै । वां माळै घणीं दया करो । आंदां नै फड़बो भी आ जाय छै । वां कै तांईं कागज माळै मोटा मोटा आंक छाप दे छै अर वै आंक अस्या व्है छै–क ज्यां नै वै आंगळ्यां सूं टटोळ–टटोळर फड़ ले छै ।

२६. सांच वोलबो—सारा छोरा–छोरी कदे–कदे बुरो काम करै छै । नरा–ई तो अस्या छै जो सांच बोलै छै अर नरा–ई भूंट वोलै छै । कोई छोरो जिद अस्यो काम कर ले–क जो बुरो व्है तो बोलो वो कांईं करै । ऊं का करबा की सब सूं सिरै बात या छै–क वो भट जा-र सांच बोल–र आप का अपराद नै मान ले । ईं सूं लोग–बाग या जाणैला क यो छोरो सांच बोलबा हाळो छै अर साच बोलै छै, अब आपां बी ईं की

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बाता माळै भरोसो करस्या। ग्राप का ग्रपराद नै ढकबा कै तांई झूंट बोलबो बुरी बात छै क्यों-क पाछै वै बातां चौड़ै ग्रा जाय छै। धरम-सासतर मैं या मंडी छै-क झूंटी जीब पलक भर की छै। सांच बोलबा सूं पणमेसर राजी व्है छै। जो सांची बातां खै दे छै ग्रर सांचा काम करै छै वां सूं पणमेसर राजी व्है छै। सारा झूंट बोलबाळा नरक-कुंड मैं पड़ैला। सांच नै ग्रांच कोनै।

२७. **कागलो र हंस**—ग्रेक कागलो ग्रेक हंस नै देख्यो। कस्यो-क सरूप छै? ऊं की पांखां धौळी छै पण म्हारी पांखां सब काळी छै। वो चावै छो-क म्हारी पांखां हंस की पांखां सिरकी धौळी व्है जाय। हंस नै तळाव मैं तिरतो देख र वो समजी-क जो मैं भी तळाव की तीर माळै रहूं ग्रर म्हारी पांखां धोबो करूं तो मैं भी धौळो व्है जाऊंलो। ईं सूं बो सारा कागलां नै छोड़र ग्रेक तळाव कै कनै जा बैठ्यो ग्रर जिद तांई धोतो-धोतो हार नै गयो जिद तांई नित्त ग्राप की पांखां नै धोबो कर्‌यो। ग्रेक म्हनूं व्है गयो जिद कागलो देखी-क मैं तो काळा-को-काळो ई रै गयो। धोबा-धाई मैं लग्यो रै बा सूं थोड़ा-सा चारा सिवाय ग्रौर क्यों खाबा नै को मिलतो नै। ईं सूं वो नरो दूबळो व्है गयो ग्रर ग्रन्त में मर गयो।

ज्यां का पड़्या सुभाव-क जासी जीव सूं।
नीम न मींठा होय सींच गुड़-घीव सूं।

जैंडै पणमेसर ग्रापा नै राख्या छै ऊंडै रैबा माल इकत्यारी करो। जो बात पणमेसर ग्रापणै तांई नै चावै ऊं बात नै ग्रापा भी नै चावां।

२८. **मुरगी**—मुरगी भोत धीरज सूं ग्रापका ग्रंडां नै पाळै छै। जिद तांई बच्च्या ग्रंडा फोड़ र बारां नै नै निकळ्यावै जिद तांई वा ग्रंडां कै माळै बैठी रै र वांनै निवाया राखै छै। फेर वै ग्रेक-ग्रेक कर र बारां नै निकळ्यावै छै ग्रर ग्रैंडी-ऊंडी दौड़बा लग जाय छै। वै झट उळटा ई ग्रापकी मा कनै दौड़्यावै छै ग्रर वा वां नै ग्राप की पांखां नीचै ल्हको ले छै। वा कुट-कुट कर र वां नै भेळा कर ले छै ग्रर वै ऊंकी साथ-साथ फिरबो करै छै ग्रर जैंडै वा दाणा खै कोई चीज कुचर र काड़ ले छै ऊंडै वै बच्च्या जा र चुग ले छै। वा चील नै देखै छै जिद डरप र कुट-कुट बोलै छै ग्रर झट बच्च्या ऊं की पांखां कै नीचै ग्रा र ल्हुक जाय छै। जो सारा छोरा-छोरी ऊं मुरगी का बच्च्यां की नांईं ग्राप का मा-बापां को खैबो तुरत मान ले तो कसीक चोखी बात व्है।

२९. **दो गंडकां की खांणी**—दो गंडक ज्यां का नांव टीपू ग्रर गैंदो छा सैल करवा नै गया। टीपू तो चोखो कूकरो छो पण गैंदो बड़ो चिड़चिड़ायलो छो। वै चालता-चालता ग्रेक गांव मैं पौंछ्या। ऊंडा का सारा कूकरा वां कै कनै ग्राया। टीपू तो चिपको रह्यो ग्रर कोई सूं को बोल्यो नै। पण गैंदो ग्रेक माळै तो दांतर्‌या काड्या दूसरा माळै घुर्रायो ग्रर तीसरा नै काट खायो। ईं सूं गांव का सगळा कूकरा ऊं माळै झल्ला गया ग्रर ऊं माळै झपट र ऊं नै फाड़ नाख्यो। बापड़ो टीपू भी जो चोखो कूकरो छो ऊं की लैर व्हैबा सूं पकड़्यो गयो ग्रर कूकरा ऊं नै भी फाड़ नाख्यो। थे बुरा छोरा-छोर्‌यां की संगत मत बैठो। ग्रसी नै व्है क ऊं कूकरा की सी थांकी बी बुरी दसा व्है जाय।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१. साऊकार का बेटार नाई की खांणी

(ख)

अेक साऊकार को बेटो छो जींनै रातींदो आवै छो। वो आप कै सासरै मुकलावो करबा नै गयो। आप घर की गाडी छी जीं मैं बैठर गयो अर अेक नाई नै साथ ले गयो। ऊं नाई नैं भी रातींदो आवै छो। वै चाल्यार घड़ी दोय दिन पाछला सूं सासरा का गांव कै फळसै पौंछ्या। फळसै ई साऊकार का बेटा का सुसरा की कोठी छी। साऊकार को बेटो कही आपां हात मूंडो धोर पाछै चालस्यां। नाई को कही माहाराज रात पड़ जायली आपां पैली गांव मैं चाल्यावां पाछै हात मूंडो धोबानै आजावांला। पण साऊकार को बेटो मांनी कोनै। लाचार बैलां को जूड़ो उतारर हात मूंडो धोबा नै गया। इत्ता मैं दिन आंथ गयो। नाई जुजमान दोन्यां नै सूजतो रै गयो। डोलता २ टटोळता २ गाडी कनै आया। देखै तो गाड़ी का बैल तुड़ार चरबा नै चल्या गया। जुजमान बोल्यो अब बैलां नै कैंयां हेरां। नाई कही माहाराज अेक जुगत करस्यां। म्हारी पगड़ी को अेक ओड़ तो थे पकड़ल्यो अर अेक ओड़ मनै पकड़ाद्यो। पाछै आपां दोन्यूं खेत मैं फिरां। बैल खेत मैंईं छै सो पगड़ी का लपेटा मैं आ जासी। जिद पकड़र गाडी मैं जोतर चल्या चालस्यां।

सो ये पागड़ी का दोन्यूं ओड़ पकड़र खेत मैं फिरबा लाग्या। खेत का रुखाळा देखर बोल्या अरै थे कांईं करो छो। नाई को बोल्यो अरै म्हारैर कंवरजी कै होड़ ह्वै गई सो देखां म्हांका सुसराजी को खेत कतरोक बडो छै सो नापबा लग्या छां। अतरा मैं बैल भी लाद्याया। जैंयां तैंयां गाडी जोर नाई जुजमान गांव मैं सुसराजी कै घरां पौंछ्या। ऊंडै वांको भौत आदर सतकार हुयो। जार दुकान माळै बैठ गया। बातां चीतां करी। इत्ताई मैं मांईं मूं जीमबा को बुलावो आ गयो। कंवरजी अर नाई रसोई जीमबानै फदार्या। चौक मैं भैंस्या गायां बंदी छी। सो रातींदो तो आवैई छो कंवरजी दैंकड़ी खार धैड़ देणी पड़्या। पड़बा को खुड़को सुणर लोग बाग दौड़्या रै कांईं हुयो। जिद नाई को बोल्यो म्हांका कंवरजी भैंस्या गाया नैं देखै छाक देखां कसीक मोठी मांती छ सो पग रिपट गयो छै।

पाछै ऊपर जार रसोई मैं जीमबा नै बैठ्या। आप मांईं नै बैठ्या नाई बारां नै बैठ्यो। साळाहेली रसोई करै छी। अेक थाळी पुरसर कंवरजीनै मेली। अेक नाईनै मेली। नाई जुजमान दोन्यूं ही जीमबा लाग्या। इत्ताइ मैं आयो अेक बिलाई को मिनक्यो। सो कंवरजी कनैं सूं थाळी मैं सूं फुलको उठा लेगो। कंवरजी नै दीखै छो कोनैस घेर देता। फेर साळाहेली फुलको पुरसबा लागी जिद कंवरजी जांणीस भाई

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
फेरू मिनक्यो आयो सो अेक हात सूं तो लपकर साळाहेली को मांथो पकड़कर पटक लीनी अर दूसरा हात सूं दो दीनी मूंक्यां की। अत्ताई मैं साळाहेली बोली आंदा सूजैं बी कोनै म्हारी तो कमर तोड़ नांखी। कंवरजी मारी सरम का भूका का भूकाई ऊठ बैठ्या चळु भरर। नाई भी चळु भर लीनी। पाछै दोन्यूं नाईर जुजमान अेक चौबारा मैं जार सो गया।

आदी रात गईर कंवरजी नाई नै बोल्यो अरै परसा म्हांनै तो भूक लाग रही छै। नाई जुवाब दीयो खैचै महाराज भूक तो मूंनै भी छै पण अब कांईं खांवां आपां। नाई को चतर छो सो बोल्यो माहाराज अेक तो विचार छै। कंवरजी बोल्या वो कांईं। नाई को कही माहाराज ईं चौबारा कै नींचांनै हलवाई की दुकान छै अर छात भी कच्ची छै सो छत फोड़र दुकान मैं माल ह्वै सो वो खांवां। कंवरजी बोल्या बात तो ठीक छै आपां अैंयांईं करस्यां सो छतनै तोड़र कंवरजी बोल्या भाई पैली तू जा। नाई बोल्यो ठीक छै। सो अेक नेज लटकार नाईको दुकान मैं उतर गयो। नाई को खूब माल मंता खार बोल्यो आंऊं छूं सो नाई को तो ऊपर छड़ गयो। पाछै कंवरजी नींचै उतर्या सो कंवरजी कै भी हात लाग्यो सो खायो पीयो।

अत्ता मैं कंवरजी का हात को टल्लो लागर अेक माटी को बासण गिर पड़्यो अर फूट गयो। दुकान कै बारांनै सोवण्यूं सूतो छो सो खुड़को सुणर ऊंनै चेत ह्वै गयो। वो बोल्यो रै माईंनै कुण छै। कंवरजी मांईंनै मार्या डर का दबक रह्या। सोवण्यूं जांणी भाई कोई ऊंदरो बासण पटक दियो छै। थोड़ी सी वर पाछै कंवरजी हेलो पाड़्यो खैं छै परसा तांण। नाईको नेज तांणी कोनै। जिद कंवर और दो च्यार हेला पाड़्या जोर २ सूं खैचै परसा तांण। बारां नै सोवण्यूं देखी भाई आज दुकान मैं परसा तांण कांईं बलाय आ धसी। दौड़र दुकान का धणी कनै गयो। माहाराज आज दुकान मैं कांईं बलाय धसायाया। दुकान को धणी बी दौड़र दुकान आयो। वो बी याई बोली सुंणी परसातांण परसातांण। वांण्यूं बी डरप गयो। कोटवाळी मैं जार खई। दस बीस आदमी भी मेळा ह्वै गया। बांण्यूं दीयो जोयो। साराई याई बोली सुणी परसा तांण २। मांईं जाबाकी कोई कीई जुरत को हुई नै। अत्ता मैं ईं अेक मोटो मांतो स्यामी आ निकळ्यो वो बोल्यो रै खैचै मैं जास्यूं। परसा तांण अेक बलाय होय छै पीळी पीळी होय छै। सो देखो मैं जांऊं छूं। थे सगळा बारां नै ऊबा रीहज्यो। परसातांण बारांनै नीसरै जिद थे सगळा मिलर ऊंनै लाठ्यां सूं अर तरवारां सूं खूब मारज्यो। सारा बोल्या ठीक छै। ये सब बातां नाई जुजमान बी माईं नै सुंणै ईं छा। नाई को जुजमान नै खई अेक तपक्यो बेसण को लियावो अर ऊपर आजावो झट नेज तांणर ऊपर खींच लीनूं। मोटो मांतो स्यांमी छो सो ताळो खोलर दुकान मैं घुस्योई। बारां नै सब लोग बाग लाठी घेसळा लीयां ऊबा ई छा। बाबाजी टूटी छान कै नीचै पौंछ्यार नाई बेसण को तपक्यो बाबाजी का मांथा माळै पटक दीयो। बाबाजी को सारो डील बेसण सूं पीळो व्है गयो। मार्या डर का तपक्यो पड़तांईं बाबाजी तो बारां नै भाग्याया। बारां नै आतांईं लाठी अर घेसळां की वार व्हैबा लागी सो बाबाजी नै बिछार मेल दीया। बाबाजी घणूं ईं

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हायघोड़ो कर्‌यो पण कोई बी सु'णी नैं। पाछै कोई स्याणू आदमी छो सो बोल्यो रै खैचै देखां देखो तो सई कुण छै। देखै काईं तो स्यांमींजीई छै। स्यांमीजीनैं तो खाटला मैं पटकर घर पौंछाया। केई दिन तांईं स्यांमींजी कै सिकताव होबो कर्‌यो। स्यांमीजी भाल हुया जिद नाईर जंवाईं सवारैई ऊठर आपकै घर भीर हुया।

●

२. लालजीर होरजी की खांणी

अेक गूजर छो जीं की लुगाई करकसा छी। चौको दीयां पाछै गोबर पीळी रै जातो जींनै वा चूला का आळ्या मैं भेळो कर देती। अैयां छ म्हंनां तांईं भेळो कर्‌यां गई। फेर वा अेक दिन पीर चली गई अर दो रोटी करर ले गई। गैला मैं अेक भूकी ब्यावर बैठी २ रोवै छी वा अेक रोटी तो ऊंनै दे दीई अर अेक आप खाई।

ऊंका पाछा सूं वो गोबर पीळी जो वा भेळो करै छी वो सिड़ गयो। गूजर नैं जिद ईं की बुरी सडांद आइ सो वो सारा घर नैं हेर्‌यो अस भाई या कांईं की बास आवै छै। हेरतां २ जिद ऊंको हात चूला का आळ्या मैं पड़ गयो अर वो ऊं गोबर नैं फैंकबा लाग्यो तो ऊं नैं ऊं गोबर मैं अेक लाल लादी। लाल लेर वो आप कै सासरै लुगाई कनै गयो।

जिद ऊंडै सासरैस गंवार ई गंवार छाई। वां नै दिखाई जिद वै सब गूजर नैं खैचै रै बाबा यो तो कोई लाल कांकरो छै ईंनै कांईं दिखाबा लाग्यो। जिद जार अेक बांण्यांनैं दिखाई। बांण्यूं खैचै भाई म्हांनै कांईं परख तू तो कोई सराफ कै लेजार ऊं नैं दिखा। गूजर ऊंनै सराफ कै ले गयो जिद अेक नैं दिखाई दूसरा नैं दिखाई तीसरा नैं दिखाई अस ऊं को तो कोई ई सराफ सूं मोल कोनैं हुयो। जिद फेर वो ऊं लाल नैं लेर जौंरी बजार मैं सेट साउकारां मैं गयो। सब सेट साउकार भेळा व्है गया अस ऊंको मोल तो कोई सूंईं कोनैं हुयो। पण वां मैं सूं अेक लखपती साउकार छो जीं कै कोई बेटो बेटी कौनैं छो वो बोल्यो खैचै भाई ईं को क्यूं मोलस्तो आथेई नै पर तूं सूं जितरो धन चालै उतरोई छकड़ा जुपार लेजा अर या लाल म्हांनै देजा। म्हां कै तो याई बेटो छै।

सो साउकार गूजर नै जित्तो ऊं सूं धन चाल्यो उतरो धन देर वा लाल ले लीनी। अर आप का म्हल मैं पालणु घलार ऊं पालणां मैं ऊं लाल नै बैठाण दींनी अर सेटर सेटांणी दोन्यूं आतार जाता ऊं कै झोटा दे सो वा लाल छ म्हांना तो गूजर कै रही छी अर तीन म्हंना अब साउकार कै रही। सो अैयां पूरा नौ म्हंना मैं ऊं लाल को तो पुत्तर व्है गयो अर ऊं को नांव लालजी पाड़्‌यो। साउकार सब बड़ा २ पिंडतां नै अर जोस्यां नै बुला २ र या पूछी अस ईं लाल को पुत्तर कैंयां व्हैगो। सब पिंडत अर जोसी बोल्या यो तो कोई बड़ा पुन्न को परताब छै। जिद साऊकार देखीस मैं तो कोई ई अस्यो पुन्न कोनैं कर्‌यो। फेर गूजर कै ठीक पड़ायो। जिद गूजरी खयो अौर तो मैं कांईं ईं पुन्न कोनैं कर्‌यो पण मैं पीर गई छी जिद अेक भूकी ब्यावर नैं गैला मैं अेक रोटी

तो दीनी छी [illegible] CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh [illegible] रताव सूं ई यो लाल को बेटो व्है गयो छै ।

वो अब घड़ी बदतां पलकां भद्‌यो । अेक दूसरा साउकार कै छी अेक बाई जीं को नांव हीरजी छो । जिद हीरजी अर लालजी दोन्यां की सगाई व्है गई । पण परमेसर की असी मरजी हुई अस लालजी को बाप मर गयो । सेटजी का मरबा सूं वांका घर मैं आ गई नादारी । अस लालजी अर वां की मा दोन्यूं मीनत मजूरी करर आप को पेट भरै । सगाई कर्‌यां घणा २ दिन व्है गया जिद हीरजी का मा बाप जांणीस भाई अब सेटजीस्तो मर ई गया अर वां कै अब क्यूं आथ नै साथ अस वै हीरजी की सगाई दूसरी जगां कर दीनी । कोई संजोग सूं लालजी भी ऊंई जोसी की साळ फड़बा जाय छा जैंडै हीरजी फड़ै छा । पण हीरजी क्यूंक लालजी की सूरत फिचाण लीनी । वां लालजी नै सब हाल हवाल पूछ्‌या अर मन मैं जांण गईस यो तो म्हारो बींद छै । जिद वा लालजी नै खैचै थे ईं मोदी का सूं थां दोन्यूं मा बेटां कै तांईं खाबा नै ले जाबो करो अर थे रोजीना फड़बा आबो करो ।

थोड़ा दिना पाछै हीरजी को ब्याव रुपगो । ऊं दिन तोरण मार्‌यां पाछै हीरजी अर लालजी दोन्यूं मरदाना लत्ता पैरर घोड़्यां माळै छडर घोड़्यां नचावा लाग्या । जिद जांन का तो जांणै भाई मांडा का छै अर मांडा का जांणै भाई जांन का छै सो वै तो दोन्यूं नचाता २ कोसां निकळ गया । दिन ऊगतांईं वां को हेरो मांच्यो । लोगबाग हेरबानै निकळ्या सो वां को तो कोसां तांईं पतोई कोनै लाग्यो जिद जांन का तो जनवासै चल्या गया अर मांडा का मांडै चल्या गया ।

वै जाता २ अेक ठिगां का गांव मै पौंछर हात मूंडो धोबा को बिचार कर्‌यो । ठिग तो कोड़ै लूटबानै गया छा अर ठिगां की लुगांयां यांनै देखर बोली हाय २ कोड़ै चल्या गया । या बात हीरजी सुण लीनी जिद वै ऊंडा सूं आगांनै चल्या गया । ठिगांनै घरां आतांईं वांकी लुगांयां वांनै यांकै पाछै खिनाया । हीरजीर लालजी वांनै आता देखर बोल्या तीर उठावो । ठिगां मैं सूं तीन तो हीरजी का तीर सूं मर्‌या अर तीन लालजी का तीर सूं मर्‌या । अेक बाकी बच्यो सो वांका घोड़ा लेर आप का गांव मैं आर घोड़ां नै बांदर आप अेक घोड़ो लेर वांकै पाछै को पाछै गयो ।

हीरजी अर लालजी चाल्या २ अेक बड़ा सैर कै फळसै पौंछ्‌या अर ऊंठै आपका घोड़ा बी वांद दीना अर आप भी उतर पड़्‌या । वै ऊंडै ई रसोई करी । हीरजी तो रसोई करबा लाग्या अर लालजी ऊं सैर मैं चीज बस्त लेबानै गया । वो ठिग आर वां का घोड़ा की लीद बींणबा लाग गयो । अर हीरजी ऊंनै खैचै रै तू क्यूं म्हांको उठार ले जायलो कांईं । जिद वो खैचै ना माहाराज मैं तो ईं नै बेचर खाबा को सलीको करूंला । सो हीरजी ऊंनै गरीब जांणर आप कै राख लीनू ।

अब लालजी बजार मैं जार दांणा हाळानै तो दांणा की साई दीयाया अर फेर तमोली कै बीड़ा लेबानै गया । सो तमोलण तो वांनै मींडो करर बैठाण लीना । हीरजी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

रसोई छोड़र लालजी नै हेरबा आया जिद देखै कांई तो लालजी तो मींडो हुया तमोलण कै भंद्या छै। देखर उलटाई चल्या गया।

ऊं सैर को राजा नार की सिकार खेलबानै रोजीना जाय अर हीरजी भी रोजीना देखबानै जाय। अेक दिन अेक नळा मैं अस्यो भार्‌यो नार आ गयो सो कोई सूं ईं को मर्‌यो नै जिद हीरजी आप का घोड़ा माला सूं तीर की देर ऊं नार नै मार नाख्यो जिद राजा हीरजी नै बुलार खैचै रै भाई जुवान आ तूं म्हां की साथ रैवो कर। राजार हीरजी जाय छा जिद राजा नै तिस लागी राजा खैचै बार पांणी चायजे। जिद हीरजी कीसा मैं सूं काडर दो लाडू तो राजा नै दीना अर दो आप खाया। राजा राजी व्हैर हीरजी नै खैचै भाई जुवान तूनै चायजे सोई मांग। जिद हीरजी खैचै और तो कांई बी मांगूं नै। सोना का सौ टका रोजीना चायजे छै। सो राजा सौ टका तो सोना का रोजीना का कर दीना अर ऊंनै आप की बेटी परणा दीनी अर हीरजी को नांव लखटकीओ जुवान पड़ गयो। अर राज को भी सब काम वोई करबा लाग गयो।

फेर वो सब जिनावरां की लड़ाई कराई। कदे हाती की कदे घोड़ां की कदे कांई की कदे कांई की अर पाछैई पाछै मींडां की। जिद सब सैर का मींडा आया अर तमोलण को मींडो भी आयो। हीरजी ऊं मींडा को डोरो तोड़र लालजी कर लीना। फेर आपकै देस जाबानै राजा सूं सीक मांगी। राजा वांनै नरो धन दौलत देर सीक देर बिदा कर दीना। हीरजी अर लालजी अर वा राजा की बाई तींन्यूं चाल्या। थोड़ी सी दूर चाल्यार अेक नंदी आगी। ऊं नंदी की तीर माळै डेरो कर दीनूं। फेर राजा की बेटीनै तो डेरा की चौकस बैठा गया। अर हीरजी अर लालजी आप का चाकर नै लेर नंदी मैं न्हाबानै गया। चाकर नै तो कपड़ा खोलर वांकी चौकस बैठा दीनूं अर आप दोन्यूं न्हाबानै नंदी मैं धस्या। अर हीरजी तो लालजी नै खइ देखां थे कै चुबक्यां मैं निकळो अर लालजी बोल्या देखां हीरजी थे कै चुबक्यां मैं निकळो। सो हीरजी तो चुबकी मारी अर वो ठिग लालजी की नाड़ काटर धड़ पांणी मैं रैबा दीयो अर मूंडीनै कूंचा मैं फैंकर सब माल मता लेर भाग गयो।

हीरजी निकळर देखै तो चाकर बी कोनै अर लालजी बी कोनै निकळ्या। लालजी व्है तो निकळै सो हीरजी अर वा राजा की बाई दोन्यूं रोवै अर बिलाप करै। अतराई मैं माहादेवजी अर पारबतीजी मिरतलोक मैं आया सो माहादेवजी तो खैस ईं गैलै चालो अर पारबतीजी खै ईं गैलै चालो। फेर माहादेवजी अर पारबतीजी ऊं नंदी कनै आया जिद पातबतीजी हट कर्‌यो अक ये लुगांयां क्यों रोवै छै यांनै कांई दुख छै यां को दुख दूर करर मैं तो आगां नै सरकूंली। माहादेवजी खैचै पारबतीजी थे बाबळा हुया छो अ‍ैंडै तो सब दुखी छै कुण २ कै तांई हट करोला अर कुण २ को दुख दूर करोला। पण पारबतीजी तो अेक मांनी नै। अर बोल्या माहाराज यांका घणीनै सरजीवत करर यांको दुख मेटोला जिद ही मैं तो अगाड़ी नै पग धरुंली। जिद माहादेवजी धड़ तो पांणी मैं सूं काड्‌यो अर मांथो कूंचा मैं सूं लेर आंगळी को छांटो दीनूं। देतांईं लालजी सरजीवत व्हैर बेठ्या व्है गया। फेर माहादेवजी अर पारबतीजी तो चल्या गया।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अर हीरजी र राजा की बाई लालजीनै लेर डेरै आ गया । ऊंडै जार न्हाया धोया अर रसोई जीमर बैठ्या बातां करै छा । अतराई मैं रात पड़ गई । जिद बोल्या तो खैचै अब रात २ तो अंडै ई रैस्यां अर दिन ऊगतांई चल्या चालांला ।

अद रैन का समां मैं सब सूता पड़्या छा जिद देवता अर अपसरा सुरग सूं आर लालजी माहाराज नै उठा ले गया । दिन ऊगतांई लालजी माहाराज को हेरो मांच्यो । ज्यो कोई हीरजीनै आर खैस मैं लालजी नै फलाणी जगां देख्या छा ऊंनै ई हीरजी अेक सोना को टको दे । अंया करतां २ कोई दिन व्है गया । समां जोग सूं अेक बामण कोई गांव सूं आवै छो । ऊंनै गैला मैं रात पड़ गई आतां २ । वो बामण जार अेक पीपळ का डाळा कै माळै सो गयो । अद रैन का समां कै माईंनै वो बामण तो डाळा कै माळै सूतो छो सो अचांणचक पौन आई सो वातो भारी दे गई अर मे आर छिणकाव करगो अर फिरास आर जाजम बिछा दीनी । गंदी खूब अंतर फुलेल गुलाब जळ छिणक दीनूं । अंया सब सबा त्यार व्है गइ अर वो बामण पीपळ माळा सूं देखबो कर्यो । जिद सबा त्यार व्है गई तो देस देसांतर का राजा भेळा हुया । सब राजा भेळा व्है चुक्या जिद श्री रामचंदरजी माहाराज की सवारी आई । सब सबा भेळी व्हैगी जिद अपसरा अर पर्यां का नांच हुया अर फूलां की बिरखा हुई अर लालजी म्हाराज सब कै बीच मैं रामचंदरजी की गोदी मैं बैठ्या छा । ये सब बातां देखर बांमण दिन ऊगतांई चाल्यो । वो जार हीरजी नै खैचै म्हाराज मैं सांच्याई रातनै लालजी नै देख्या छा । या सुणतांई हीरजी सोना को टको दीनू अर ऊं बांमणनै खैचै तू म्हानै ऊं जगां ले चालै तो तू मांगै सोई तूनै द्यां । वो बांमण हीरजी नै लेजार वा जगां बता दीनी । हीरजी बांमण नै धन दौलत देर खूब राजी कर दीनूं ।

पाछै दूसरै दिन हीरजी जार ऊंई पीपळ कै माळै छडर वैं सब बातां जो बांमण खई छी देखी अर लालजी नै श्री रामचंदरजी म्हाराज की गोदी मैं बैठ्या देख्या अर ऊंईयांई अपसरा अर पर्यां को नांच देख्यो । सारो कामकाज व्है चुक्यो जिद हीरजी चल्या आया । तीसरै दिन बाळ २ मोती सिणगार कर र हीरजी फेर ऊंई पीपळ माळै जा बैठ्या । ऊंईयां ई फेर सब देई देवता अर देस देसांतर का राजा भेळा हुया । अपछरा अर पर्यां का नांच हुया । लालजी रामचंदरजी की गोदी मैं बैठ्या अर सब सबा जुड़ रही । जीं भगत पर्यां अर अफछरा नाचती २ ऊपर सूं आवै छी अर जाय छी । ऊं भगत हीरजी भी पीपळ मैं सूं झट निकळर नाचती २ वां मैं मिल गई अर थोड़ासा ऊंचा सूं आप की चिट्टी आंगळी की बींटी लालजी की गोद मैं पटकी । लालजी ऊं बींटी नै देखतांई जांण गया अस भाई या बींटी तो हीरजी कीई छै । अर हीरजी झट नीचै सबा मैं उतरर अस्यो नाच कर्यो अस सब सबा झांकती ई रै गई अर सब भौत राजी हुया अर अपसरा अर पर्यां बी देखर बोली भाई या कसीक परी छै जो असी नांचै छै । सबा मैं सूं रामचंदरजी म्हाराज हीरजी नै बुलार खैचै तू मांगै सोई मांग म्हे देस्यां । हीरजी बोल्या म्हाराज मांगूं ली सो को दीयो जायलो नै । फेर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

रामचंदरजी खई नी तू मांगली सोई दे्याली । हीरजी बोली ना म्हाराज मैं तो या को मांगू नै जो मैं खूं सोई देद्यो तो ल्यावो बचन देद्यो । रामचंदरजी म्हाराज हीरजी नै बचन दीना अस तू मांगैली सोई देस्यां । जिद हीरजी बोल्या म्हाराज मैं तो लालजी नै ईं मागूं छूं और काईं ईं मांगूं नै । रामचंदरजी बोल्या अरै तू तो गजब कर नाख्या लालजी नै मांग लीना । पण खैर बचन दीना छै अस बचन कैयां लोपां तूनै तो लालजी देस्याईं । तू बचन लेर म्हानै ठिग लीना । अब बी तूनै चाये सोई ले लै अर लालजी नै म्हां कै कनै रैबादे । हीरजी बोल्या ना म्हाराज मैं तो ल्यूं तो लालजी ईल्यूं सो रामचंदरजी लालजीनै दे दीना । हीरजी लालजीनै लेर भट ऊं राजा की बाई कनै आप कै डेरै आ गया ।

अर ऊं राजा की बाईनै हीरजी आप को भेद खोल दीनू अर खई भाई मैं भी थारी नांऊं लुगाई ई छूं अर ये आपणा दोन्या का घर का धणी छै सो देस चालर आपां दोन्यूं ईं यां सूं व्याव कर लेस्यां । वा राजा की बाई खैचै आछ्यो । वै तीन्यूं ऊंडा सूं चाल्या २ अेक उजाड़ बेगान बन मैं पौंछ्या ।

ऊं बन मैं देखै काईं तो दौं लाग रही अर अेक कूंचा मैं अेक काछवो पड़्यो । लालजी ऊं काछवानै उठार अेक आला लत्ता मैं लपेट लीनू अर फेर कोई तळाब गैला मैं आयो जिद लालजी ऊं काछवानै ऊं मैं छोड़ दीनू । काछवो जाबा लाग्यो जिद लालजीनै खैचै भाई तू हाल जाजे मतनै मूंनै म्हारा भायां सूं मिल्याबादे जितरै तू अंडै ई तळाव की तीर माळै ऊबो रहै । लालजी खैचै आछ्यां । काछवो माईंनै गयो जिद सब काछवा भौत कुसी हुया । जिद वो काछवो खैचै भाई अेक बर मूंनै जीवतो ल्यायो ऊंनै तो क्यों देर बिदा कर द्यो वो तीर माळै ऊबो छै । जिद सगळा काछवा ऊंनै घणा मोल की च्यार लाल दीनी । काछवो वै लाल लेर तीर माळै लालजी कनै आर वानै वै लाल देर खैचै अब तू जा । लालजी जाबा लाग्या जिद काछवो बोल्यो भाई आगांनै ठिगां को गांव आवैलो सो वै तूनै यां कै ताईं मारनाखैला । लालजी नै खैचै ल्या थारी जांग चीरर ऊं मैं सीं द्यूं । लालजी खैचै आछ्या । काछवो लालजी की जांग चीरर वै च्यार लाल ऊं मैं सीं दीनी । फेर आगै चाल्या चालता २ देखै तो अेक कूंचा मैं अेक सांप बळै छै लालजी ऊं सांपनै आला अंगूछा मैं लपेटर कांदा माळै नाख लीनू । फेर चालता २ अेक ब्यंबी आईर लालजी ऊं सांपनै छोडण लाग्यार सांप खैचै भाई खैतो तू म्हारी साथ चालर खै मैं बासिक राजा सूं मिलर आंऊं जितरै अंडै ऊबो रै । लालजी बोल्या भाई ब्यंबी मैं तो मैं कैयां मांउं अंडै ऊबो छूं तू जार मिल्या । सांप बासिक राजा कनै जार खैचै बाबाजी राम २ । बासिक राजा खैचै रै तू दौं मैं सूं कैयां जीवतो आगयो । सांप खैचै मूंनै अेक जणु म्हारो जीव बचार ल्यायो छै सो मूंनै क्यों द्यो तो मैं ऊंनै देर बिदा कर द्यूं । बासिक राजा खैचै भाई म्हारै कनै औरस्तो क्यों आथ नै या म्हारी बींटी छै सो दे दे । सो सांप लेर आर वा बींटी लालजीनै दे दीनी । लालजी लेर चालबा लाग्या जिद सांप खैचै भाई आगांनै ठिगा को गांव छै तूनै ईं कै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
तांईं मारनाखैला त्या बींटीनै थारी जांग मैं सीं द्यूं । सो सांप ऊं बींटी नै लालजी की जांग मैं सीं दीनी ।

ऊंडा सूं चालतां २ ऊं ठिगां का गांव कै फळसै आया ऊंडै लक्खी बिणजारा को टांडो पड़्यो छो । लक्खी बिणजारो वांनै देखर खैचै भाई मांनवीवो थांनै तो अैंडै मारनाखसी यो तो ठिगां को गांव छै अर अैंडै अेक ठिग की बेटी छै जो सैंकड़्यांनै मार २ र वां को धन कोस लीनू छै । हीरजी अर राजा की बाई या बात सूंणर डरप्या । लालजीनै खैचै म्हाराज अैंडा सूं बेगा चालो । पण लालजी कै जिद आ गई खैचै म्है तो ऊं ठिग की बेटीनै देखस्यां अक वा कसीक छै । लालजी हीरजीनै अर ऊं राजा की बाईनै खैचै थे मरदांनूं भेस करर आगै चालर फलांणा गांव मैं उतरो मैं बी आंऊं छूं । सो हीरजी अर राजा की बाई दोन्यूं मरदाना सांग करर घोडां माळै छडर ऊं गांवनै चाल्या जींकी बेई लालजी खई छी अर लालजी ऊंडै ई रै गया ।

अब गांव मैं ऊं ठिग की बेटीनै ठीक पड़्यो सो ऊं को बापर भाई लालजी कनै बिणजारा का टांडा मैं आया । आर खैचै बाबा साब थे तो म्हां की बाईनै परणर ई छोड़ गया अब तो घरां चालो अर मिजमांनी जीमो । सो लालजी जावा लाग्या जिद बिणजारो वांनै दो तीन तो बिणजारा साथ दीना अर वांनै सिका दीना अक थे रातनै म्हैल फदारोर ढोलणी माळै छडो जिद पैली ढोलणी को पल्लो हुगाड़र पाछै बैठज्यो । लालजी गयार जीम्यां चूंट्या ठिग कै घर । जंवाईनै गीतगाळ गाया । पाछै दिन आंथ्यो जिद म्हैलां फदार्‌या । ठिग की बेटी ढोलणी बिछाईर खई बैठो । लालजी जार ढोलणी ऊपर छडबा लाग्या जिद अेक कूंट उठार वैठ्या जिद देखै कांईं तो नींचांनै अेक खाडा मैं कोला भगभगावै छै । ठिग की बेटी जाणी अस ईंनै तो ठीक पड़ गयो । दूसरी ढोलणी बिछार सो गया । दिन ऊगतांईं लालजी तो ऊठर बिणजारा का टांडा मैं आ गया हात मूंडो धोबानै गया । अर ठिग आप की बेटीनै खैचै खैर काल नै आज सई ।

दूसरै दिन लालजी फेर ठिग कै घर आबा लाग्या जिद बिणजारो खैचै भाई आज थारा प्राण जासी । लालजी खैचै देखो मैं बी ऊं प्राण लेबाहाळीनै ईं ले जाऊं तौ तो म्हारो नांव लालजी । सो लालजी ठिग कै घर गया अर रसोई जीम चूंठर रात पड़ीर म्हैल फदार्‌या अर चौपड़ पासा खेलबा लाग्या जिद लालजी ठिग की बेटीनै खैचै भली आदमण तूनै अेक बात पूछूं छूं अक तू जो ये अतरा मिनख बिणास्या छै यां को पाप कुणनै लागै छै या बात तू थारा बाप नै पूछजे । वा खैचै आछ्यां । जिद रात नै तो वै सो गया अर दिन ऊगतांईं लालजी तो हात मूंडो धोबानै ऊठर बिणजारा का टांडा मैं चल्या गया ।

ऊंडै रसोई त्यार हुई । रसोई व्हैती भगत ठिग की बेटी आप का बापनै खैचै दादाजी मैं थांनै अेक बात पूछूं अस ये जो मैं अतरा मिनख बिणासूं छूं यां को पाप कुणनै लागै छै । बाप खैचै बेटी करै जींनै ईं लागै छै । तू या बात आज कैयां पूछी । बटी खैचै ना दादाजी मैं तो अैयांईं पूछी छै । रसोई जीमर दिन आंथ्यो जिद लालजी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
फेर म्हैल फदार्‌या । वैंई जार चोपड़ पासा खेलबा लाग्या अर लालजी पूंछी खैचै भली आदमण काल मैं तूनै बात पूछी जीं को थारो बाप कांई उत्तर दीनू । वा खैचै म्हारो बाप खईस बेटी करै जीनै ई लागै छै । जिद लालजी ऊंनै खैछै बावळी तू क्यों अतरा पाप करै छै देख थारा पाप कोई बी बटावै नैं । ये थारा बाप भाई पाप तो थारै कनै करावै छै अर माल आप उड़ावै छै । माल तो सब कै बांटै आ जाय अर पाप तूनै अेकलीनै ई लागै । सो तू राम का घर मैं आगानै कांई जुवाब देली । देख थारो सगो बापई तूनै या खै दीनी अर थारो संगी कोनै हुयो । सो तू तो आपणै देस चली चाल । ऊंडै सत खण्यां म्हलां मैं तो रैबो कर । खूब धन दौलत भोग बिलस अर चैन कर ।

ठिग की बेटी खैचै या तो सांची छै चालो बारई चल्या चालो । सो ठिग की बेटी आप का बाप का ताळावाळा तोड़र खूब धन दौलत काडर गांठ वांठ बांदर त्यार व्है गई अर बाप का नोरा मैं जार अेक ऊंटड़ी लेर सब ऊंकै माळै लादर आप अर लालजी दोन्यूं बैठर आदी काई चाल दीया । दिन ऊंग्यां नरो दिन छड़ गयो जिद ठिग बोल्या रै खैचै आज बेटी जंवांई कोनै ऊठ्या । जार देखै तो ऊंडै तो कोई बेटीन जंवांई । जिद ठिग खैचै अरै बेटी आछ्यो दगो दीयो अर ठिग बेटानै हेलो पाड़र खैचै देखां बेगोसो ऊठर देखजे ऊंटड़ी कसी छै अर कसी कोनै । ऊं ठिग कै दो ऊंटड़्यां छी अेक तो सारा दिन मैं साठ कोस चालै छी अर अेक ड्योड़ सै कोस चालै छी । जिद बेटो खैचै दादाजी ऊंटड़ी तो साठ कोस हाळी गई छै ड्योड़ सै कोस हाळी तो भंदी छै । कौड़ हंदेरा मैं ऊं कै भोळै वा लेगा । या सुणर बाप खैचै तो तो बेटा क्यों बी फिकर नै बार चालल्यां छां । सो वै कूंची करर बापर बेटो दोन्यूं चाल्या ।

लालजी की अर ठिग की बेटी की ऊंटड़ी थोड़ी ई दूर रही अर ठिग की बेटी लालाजीनै खैचै याल्यो म्हारो तो बाप आगयो वा देखो म्हां की बड़ी ऊंटड़ी अरड़ावै छै । जिद लालजी बोल्यो तो अब कांई करां । वा खैचै थे तो ई बड़ का डाळा कै लटक जावो अर मैं हाय घोड़ो करूं छूं अस म्हारो बापर भाई तो आर थांनै पकड़बानै छड़ैला अर मैं झट ऊं ड्योड़ सै कोस की ऊंटड़ी माळै सब चीज बस्त मेलर छड़जाऊंली अर थे लटको जीं डाळा कै नीचै लेयांऊंली सो थे ऊंकै माळै कूद्याज्यो अस आपां तो लमबा व्हांला । फेरस वां कै कनै साठ कोस की ऊंटड़ी रै जायली सो आपां हात आंवां कोनै । सो लालजी तो बड़ का डाळा कै लूंम गया अर ठिग की बेटी चिल्लाई खैचै दादाजी बेगा आवो मूंनै बाल्यो लीयां जाय छै । या सुणर ठिग खैचै बेटी आया । ठिग अर ऊंको बेटो तो आर लालजीनै पकड़बानै बड़ माळै छड़्या । अतरा मैं वास सब चीज बस्त ऊं ड्योड़ सै कोस की ऊंटड़ी माळै मेलर आप ऊं माळै छड़र ऊंटड़ीनै उठार लालजीनै ऊंटड़ी माळै कूदार दोन्यूं चलता बण्यां । ठिग अर ऊं को बेटो रोताई रै गया । थोड़ी सी दूर जार वांनै हीरजी अर राजा की बाई भी मिल गया । पाछै वै च्यारूं जणा आप कै देस चल्या गया । ऊंडै जार लालजी हीरजी राजा की

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
बाई अर ठिग की बेटी तींन्यां सूं ब्याव कर लीनू अर तींन्यां कै तांईं सत खण्यां म्हैल बणा दीना ।

थोड़ा दिना पाछै लालजीनै आप कै सासरै ऊं राजा कै बुलाया । लालजी सासरै जावा लाग्या जिद हीरजी अर ठिग की बेटी सूं मिलबा गया जिद ठिग की बेटी खैचै थे सासरै तो जावो छो पण ये लाल अर बींटी थांकी जांग मैं काडर मेल जावो नतर थां का सासरा कै बारणै अेक ठिगणी रहै छै अस वा थांनै मारनाखैली । लालजी खैचै ना म्हे कदेई ठिगांवां कोनै । पाछै लालजी राजा की बाईनै लेर सासरै चल्या गया । जातांईं वा ठिगणी जांण गई अस यां कै कनै तो मालमता छै । वा ठिगणी रोजीना राजा की बाईनै बुला २ र पूछै अक बाईजी थे थांका जंवांईंनै पूछोस थे म्हारै तांईं कांईं ल्याया छो । लालजी खैचै नरोई धन ल्यायो छूं । तो खैचै मूंनै दिखावो तो सरी । तो लालजी वै च्यारूं लालर वा बींटी काडर ऊंनै दे दीनी । वा लेजार ठिगणीनै दे दीनी । वा ठिगणी खैचै अे बाईजी ये लाल भाटा का टूकड़ा कांईं कोई हीरा पन्ना छै । वा लेर वांनै भूंठ्यांईं फैंक दीना । जिद राजा की बाई जार लालजी नै खैचै भला हीरा पन्ना ल्याया वै तो भाटा का टूकड़ा छा सो मैं फैंक दीनां । लालजी या सुंणतांईं सूना व्हैर धरती माळै जापड़्या अर ऊं ईं भगत मरबासेक व्हैगा । अन्न खायन पाणी पीवै । अर वांकै तो हाय लाल हाय लाल लाग रही । सुसरो वांकी घणी ईं औखदमूळी करी पण अेक लागी नै ।

घणां २ दिन गयां हो गया जिद ठिग की बेटी जांणीस लालजी की तो लाल अर बींटी खुस गई नतर अतरा दिन कांईं मैं लाग जाता । सो वा ठिग की बेटी मरदानू डाकोत को भेस करर लालजी का सासरा का गांव मैं आई । आर ऊं ठिगणी कै घरां जार खैचै भाई डोकरी माई थारा गिरै चोखा आ गया थारा बेटा कै भऊ आसी । ठिगणी खैचै भाई डाकोत जो म्हारा बेटा कै भऊ आ जाय तो तूनै भी पान फूल सूं राजी करूं । डाकोत जार दूसरै दिन लुगाई को भेस बणार मांथा माळै जेगड़ मेलर जार ठिगणी नै खैचै भऊजी उतारो जिद ठिगणी जांणीस भाई डाकोत खई सो तो सांचीई निकळी । वा जार उतार ल्याई । अर दोन्यूं बेटी भऊ रैबा लाग्या ।

रैंता २ थोड़ा दिन व्है गया जिद वा अेक दिन खैचै सासूजी थां को बेटो अतरो कुमावै छै पण आपणा तो घर मैं कांईं बी कोनै । सासू वै लालर बींटी काडर दिखाई खैचै देख भऊ आपणै तो लालर हीरा पन्ना छै । कोईनै खीजे मतनै । रातनै ठिगणी को बेटो सोबानै गयो जिद वा खैचै मूंनै तो भूक लागी छै क्यों खाबानै बजार सूं ल्यावो । वो खैचै अबार तो बजार जुड़्यो छै । वा खैचै ल्यावो रिप्या द्यो मैं ल्याउं । वा रिप्या लेर हलवाई का सूं च्यार लाडू ल्याई अर वां मैं सूं दो मैं झैर मिला ल्याई । झैर का तो ठिगणी का बेटा नै खुवाया सो वो खातांईं लोटगो अर चोखा दो छा सो आप खालीना । पाछै अद रैन का समा मैं वै लालर बींटी काड़र ठिगणी को सारो धन दौलत लेर लमबी बणी । पाछै बैंद को सांग करर ऊंईं सैर मैं फिरै । जिद

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कोई जार ऊं राजानैं खई खैचै कांई परदेसी बैद भौत चोखो आयो छै सो ऊंनै दिखावो तो थांको जंवांई आछयो व्है जाय। जिद हार्‌यो राजा खैचै खैर ऊं सूं भी करम पतवांणस्यां। सो ऊंनै बुलार लालजीनै दिखाया। वो देखर खैचै आछयां अद सेर तो चोखा चांवळ ल्यावो पाव दाळ ल्यावो अर घी बूरो अर और सब सांतर ल्यावो। सब सांतर आगी जिद बैद सब लोग बागांनै खैचै अब थे सगळा जणा बारां नै चल्या जावो। वै सब बारांनै आ गया जिद वै चांवळ दाळ रांद्‌या। थाळी मैं पुरसर खैचै ल्यो आंख खोलो। लालजी तो आंगळी हला दीनी। जिद फेर खैचै ल्यो लालर बींटी। अतरी सुणतांई तो लालजी झट आंख खोली अर लालर बींटी ऊं का हात मैं देखर बैठ्या व्हैर खैचै ओहो तू अंडै कौड़ै। जिद वा खैचै मैं थांनै खई को छीनैस थे जीवता को आवोला नै। जिद लालजी पूछी खैचै तू ये ल्याई कैयां। जिद वा सब हाल वांनै खया। अर खैचै अब थे ऊठर रसोई जीमल्यो। सो लालजी ऊठर रसोई जीमर चोखा भला व्है गया। जांणै तो कदे खेद हुई ई कोनै। फेर ठिग की बेटी खैचै खैतो ये लालर बींटी मूंनै देद्‌यो सो मैं ले जांउं अर जो थे राखो छो तो थे अब अंडै घणा दिन मतनै ठैरो नतर थे जांणु थां की सो वा बारानै निकळ्याई। राजा ऊं बैदनै खूब धन दौलत देर बिदा कर दीनू। ऊंनै गयां पाछै पांन सात दिन पाछै ई लालजी आप का सुसरानै खैचै अब म्हांनै भी सीक देद्‌यो सो म्हे भी जास्यां। वां को सुसरो खैचै खेद सूं ऊठ्यां पाछै म्हंना रह्या नै बारई कांई की सीक। जिद लालजी खैचै ना सा म्हे तो जास्यांई। जिद राजा वांनै दोन्यूं बेटी जंवांईनै नरो धन दौलत अर लाव लसकर अर फौज पलटण देर बिदा कर दीना। लालजी आप का देस मैं आर भौत कुसी करी दान पुन्न बिरामण भोजिन कर्‌यो। हीरजी अर ठिग की बेटी सूं मिल्या। पाछै हीरजी राजा की बाई अर ठिग की बेटी यां तीन्यूं लुगांयांनै लेर लालजी आप की मा सूं भी मिल लीना। सब भौत राजी हुया अर सब आपाप कै रहैबा लाग गया।

●

३. उड़ाऊ बेटा की खांणी

अेक साऊकार छो जीं कै अेक उड़ाऊ बेटो छो। साऊकार धनवांन छो। थोड़ासा दिनां पाछै साऊकार तो मर गयो अर वो बेटो ऊंकी सारी दौलत उड़ा दीनी। फेर ऊं की मा या जांणरक म्हारो बेटो तो उड़ाऊ छै थोड़ोसो धन दाब बैठी। वो साऊकार को बेटो अेक दिन बजार मैं जाय छो। जातां २ बजार मैं अेक बाजीगरनै तमासो करतां देख्यो। ऊं बाजीगर का हात मैं सांप छो। साऊकार को बेटो ऊं सांपनै देखर खई बोल बाजीगर ईं सांप को कांईं मोल लेलो। बाजीगर बोल्यो (५०) पचास रिप्या ल्यूंलो। वो घर आर मानै खई मा मा खैतो मनै पचास रिप्या देदीजे नतर मैं परदेस चल्यो जांऊंलो। मा सोची यो म्हारै अेक ई तो बेटो छै अर यो बी चल्यो जासी तो म्हारो बंस कैयां चालसी जै व्है तो ईंनै पचास रिप्या देद्‌यां सो वा ऊंनै पचास रिप्या दे दीया।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

दूसरे दिन वो फेर बजार में गयो अर ऊंई बाजीगरनै फेर देख्यो अर ऊंका हात मैं अेक कूकरो देख्यो अर ऊंनै खई ईं को कांईं लेलो। वो बोल्यो वै ई पचास रिप्या। फेर मानै आर खई मा मा खैतो पचास रिप्या दे दे नतर मैं परदेस चल्यो जास्यूं। फेर वा पचास रिप्या दे दिया। फेर वो पांच दिन तांईं बजार मैं गयो अर अेक दिन बिलाई पचास मैं ल्यायो। अेक दिन अेक ऊंदरो वैई पचास मैं ल्यायो। अेक दिन अेक काछवो वैई पचास रिप्या मैं ल्यायो। अर मा कनै सूं ऊंईंया ईं मांग २ र रिप्या दे दीना। वां पांचूं जिनावरां माळै अेक पांच रिप्या म्हैंना को आदमी वां पांचांनै खूब खुवा पार पाळबो कर्‌यो।

फेर अेक दिन वो साऊकार को बेटो आप की गुवाड़ी का चौक मैं हजारा बा दीना अर आपकी मानै खई मा मा मैं तो परदेस जांऊं छूं अर थारै कनै ईं कूकरा अर बिलाई नै छोड़ जांऊं छूं अर ये हजारा बा जांऊं छूं सो ये हजारा सूक जाय जिद तू जाणजे अस म्हारा बेटा मैं बिपत पड़ी छै अर हजारा सूकतांईं ईं कूकरा अर बिलाईनै छोड़ दीजे। मा खैचै आछ्यां। सो वो ऊं काछवानैर सांपनैर ऊंदरानै तीन्यांनै लेर चाल्यो। सो जातां जातां गैला मैं सांप को घर आगयो। सांप बोल्यो मूंनै म्हारा मा बापां सूं मिलणु छै सो तू मनै जावादे। वो बोल्यो भाई जा म्हारी कांईं जोरी थोड़ीई छै। फेर वो सांप बोल्यो तो खैचै तू मूंनै ऊं बाजीगर कनै सूं छुड़ार ल्यायो छै जीं कै तांईं मैं तनै क्यों देस्यूं। या खैर फेर सांप बोल्यो म्हारो बाप राजा बासिक छै ऊं कै कनै अेक असी मणि छै अक ऊंनै खैदे कै राजा बासिक की मणि जो तू सांची छै तो अबार अैडै सोना का म्हैल व्है जाय तो ऊंईं दम म्हैल खड़ा व्है जाय। सो मैं तूनै वा मणि ल्यादेस्यूं। वो खैचै तो भाई ठीक छै। सांप मणि ल्यादीनी फेर वो ऊं मणिनै लेर चाल्यो।

गैला मैं नंदी आई जिद वो काछवो बोल्यो म्हारो भी घर आ गयो छै सो मैं भी म्हारा मा बापां सूं मिलूंलो। वो खैचै आछ्यां भाई जा। फेर काछवो बोल्यो तू मूंनै छुड़ार ल्यायो छै सो ईं नंदी मैं बदका सूं बदका हीरा मोती व्हैसी वै मैं तूनै ल्यार देस्यूं। वो ल्यार हीरा मोती दे गयो। साऊकार को बेटो हीरा मोती लेर चाल्यो।

चालतां चालतां आगांनै ऊंदरा को घर आगयो। ऊंदरो बोल्यो मैं बी म्हारा मा बापां सूं मिलूंला। वो खैचै भाई आछ्यां। जाती भगत ऊंदरो ऊंनै खैचै तू म्हारी मूंछ का दो बाळ लेजा सो जीं भगत तू यां बाळांनै आग माळै मेलर खैवैला ऊंईं भगत मैं थारै कनै आजाऊंलो। फेर वो ऊं की मूंछ का बाळ लेर आगांनै चाल्यो।

आगै जार अेक गांव मैं जा बस्यो। ऊंडै जार ऊं राजा बासिक की मणिनै खैचै जैतू सांची छै तो सोना का म्हैल खड़ा व्है जाय। ऊंईं भगत म्हैल खड़ा व्है गया। या देखर सारी दुनीयां अचमबो करबा लागीस या कांईं बात छैस आप सूं आप सोना का म्हैल खड़ा व्है गया। ऊं गांव का राजा तांईं या बात पौंछी। या सुणर राजा खैचै ऊंनै मैं म्हारी बेटी परणा देस्यूं। सो राजा ऊंनै आप की बेटी परणा दीनी। वा आप का घर का धणी कै आगई।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कोइ [illegible] देख लीनी । सो फेर अेक दिन आदी रात का भगत मैं ऊं मणनै चोरर वा राजा की बेटी आप की मा कनै ले गई । वो साऊकार को बेटो संवारै ई ऊठर देखै कांईं तो ऊंकै कनै वा मण कोनै जिद वो बावळ्यो व्है गयो । अर वै हजारा ऊंकै घर बाया छा सो सूक गया । जिद ऊंकी मा ऊं कूकरार बिलाईनै छोड़ दीनी । वो कूकरोर वा बिलाई ऊंकै कनै जा पौंछ्या । फेर वो साऊकार को बेटो ऊं ऊंदरा की मूंछ का बाळांनै आग माळै सेया । सेतांईं वो ऊंदरो बी ऊंडै ऊंकै आ पौंछ्यो । ऊंदरानै पौंछतांईं साऊकार को बेटो ऊंनै खैचै जावो ईं गांव का राजा का म्हलांनै पोलर नाखो । ऊंदरो जार राजा का म्हलांनै पोलर नाख्या पण मण हात को नै आई । मण तो वा राजा की रांणी आप का मूंडा मैं राखै छी कैयां हात आती । बिलाई देखर आर खैचै मण तो रांणी का मूंडा मैं छै । साऊकार का बेटा लाल पितकाळी म्हीं बांटर म्हारी पूंछ कै बांद द्यो पोटली मैं मेलर । वो ऊंईंयां ईं करी । वा बिलाई रात का भगत मै रांणी कनै जार ऊंका मूंडा माळै पूंछ फटकारी । फटकारतांईं रांणी का मूंडा मैं सूं झट मण आपड़ी । मण पड़तांईं बिलाई ऊंनै लेर साऊकार का बेटा कनै आगई अर कूकरो ऊं बिलाई की साथ २ चौकस करतो आयो । वो मणनै लेर कूकरा बिलाई ऊंदरा सबनै तो सीक दे दीनी अर आप आपकै घर चल्यो आयो ।

•

४. बांण्यां अर च्यार चोरां की खांणी

अेक बांण्यूं छो सो आप का घर मैं सूतो छो । आदीक रात ग्यां च्यार चोर चोरी करबानै आया । वां का पगां का खुड़बड़ाट अर पगवाळ सूं बांण्यूं अर बिरांणी जाग ऊठ्या । च्यारूं चोर देखीस अैंडै तो जाग व्है गई सो वै तो झटदेणीसीक पड़ पड़र भाज गया अर जाता २ बांण्यांनै या खै गया खैचै लेडाजी थां कनै छै सो तो थे त्यार ईरा खज्यो । जिद बांण्यूं बिरांणीनै बोल्योक सांणजी या मींणा सूं कैयां जीतां ये तो रोस का मार्‌या फेर आसी । जिद बिरांणी बोली खैचै जी अेक उपाय करो क्यों ? । काल अेक जोगी कनै दो टकां मैं दो स्यांप का जोड़ा लेल्यो अर वांनै मांगा मैं घालर मालसा सूं ढकर साळ मैं मेलद्यो । वै चोर आर थांनै गैणु पूछै जिद थे वो मांगो बतादी ज्यो । जिद बांण्यूं बोल्यो जी उपाय तो अस्यो छै अक वांनै उलटा आपां मार लेस्यां ।

फेर तीसरै दिन बांण्यूं योई उपाय कर्‌यो सो सांपां को जोड़ो मांगा मैं घालर मालसा सूं ढकर साळ मैं मेल्यायो । फेर आदी रात ग्यां च्यारूं चोर आया सो तीन जणा तो बारां नै ल्हुक्या रह्या अर अेक जणू मांयनै जार बांण्यांनै जगार बोल्यो खैचै लेडा थारै कनै छै सो बतादे । अतरा मैं बांण्यूं जागर बोल्यो खैचै सिरदारो साळ मैं जावो अर मांगा मैं बलेवड़ा छै सो ले जावो । चोर या सुणर साळ मैं गयो अर जार मांगा मैं हात दीयो तो जांणीक बलेवड़ासा ई छै पण मन मैं खईक मनै तो कोई

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ऊंदरोसो काट-खायो । याई बात वो ग्रार साथ्यांनै खई । या बात सुणर दूसरो चोर खई मैं देख्यांऊं छूं । वो बी जार मांगा मैं हात दीतू तो ऊंनै बी बलेवड़ासा ई दीख्या ग्रर ऊंनै बी क्यों काट खायो । फेर तीसरो बोल्यो खैचै रै मैं भी देख्यांऊं छूं । वो बी जार मांगा मैं हात घाल्यो तो ऊंनै बी बलेवड़ासा ई दीख्या ग्रर वो खई रै ऊं मैं तो कोई जिनावर सो काटै छै । फेर चौथो चोर बोल्यो खैचै रै मैं बी देख्यांऊं छूं ग्रर कबज बी करल्यांऊं छूं । वो बी जार मांगा मैं हात घाल्यो । घालताईं स्यांप रोस खार चटेड़ो लीयो सो लेताईं वो तो बारांनै निकळर साथ्यांनै खैचै रै ऊं मैं कांईं का बलेवड़ा छै ऊं मैं तो सांप छै सो थांनै मूंनै खा गयो । सो नांव लेताईं वांनै तो घैळ ग्राबा लग्गई । जिद वां मैं सूं ग्रेक जणु बोल्यो खैचै रै घर तो पकड़ो । जिद दूसरो बोल्यो रै खैचै ग्रैंडै ई मरांला तो बांण्यां कै मांथै तो पड़ांला । ग्रतरी बात करर च्यारू चोर ऊंडै ई सो गया ।

तड़काऊ बांण्यूं हात मूंडो धोबा ऊठ्यो जिद देखै तो च्यारूं चोर मर्‌या पड़्या छै । बांण्यूं जार ग्राप की लुगाईनै बोल्यो ग्रबो ग्रब कांईं करस्यां चोर तो बारांनै मर्‌या पड़्या छै । बिराणी बोली थे ग्रेक काम करो यां च्यार्‌यांनै मांईंनै घींस ल्यावो । ग्रर दो घड़ी कै तड़कै ग्रापणै फकीर ग्रावै छै जींनै खैदीज्यो सो वो यांनै गांव कै बारां नै खाई मैं नाख्यावैलो । फेर बांण्यूं बोल्यो योई उपाय करस्यां ।

दो घड़ी को तड़को रह्यो ग्रर फकीर ग्रायो । बांण्यूं छानैसी बोल्यो ग्ररै सांईं ग्रेक काम खां सो करैलोक कोनै । फकीर बोल्यो ग्रे दाता मैं थारो कैबो क्योंनै करूंला । थाराई टूकड़ां सूं तो म्हारो पेट भरै छै । तो कि सांईं काल ग्रेक पांवणु ग्रायो छो सो मर गयो सो ऊंनै धोळो पछेवड़ो हुडार मांईंनै सुवांण मेल्यो छै सो तू ऊंनै गांव कै बारानै खाई मैं नाख्या ग्रर नांखर ग्रावैलो जिद तूनै ग्रेक न्यांणू देस्यूं । फकीर बोल्यो ऊं मुरदा नै मूंनै बतावो । बांण्यूं मुरदानै बता दियो । फकीर पोट बांधर खाई मैं नाख्यायो । बांण्यूं बोल्यो खैचै रै तू तो ग्रतरो पाछै ग्रायो मुरदानै तो ग्रायां ई नरी बर हुई । फकीर बोल्यो ग्रबकै तळाव मैं नांख्या स्यूं देखां कैयां भाग्यावै । वो तो नाखबा गयोर बांण्यूं तीसरा मुरदानै ऊंईंयां ईं फचेवड़ो हुडार सुवांण दियो । फकीर मुरदानै नांखर ग्रायोर बांण्यूं बोल्यो ग्ररै सांईं यो तो फेर भाग्यायो । सांईं बोल्यो ग्रब कै सूका कूवा मैं नांखूंला देखां कैयां भाग्यावै । सांईं तो मुरदानै लेर सूका कूवा मैं नांखबानै गयो ग्रर बांण्यूं पाछा सूं ऊंईंयां ईं फचेवड़ो हुडार चौथा मुरदानै सुवांण दीतू । सांईं नाखर ग्रायोर बांण्यूं बोल्यो रै यो तो फेर भाग्यायो । सांईं ग्रबकै लेजार बावड़ी मैं पटक्या सो फेर न ग्रावै । ग्रर यो पड़्यां पाछै ऊठर बावड़ी मैं सूं भाजबा लागै जिद तू ईंनै बावड़ी की पैड़्यां माळै ई जालीजे ग्रर ईं सूं धूंसमधांसी ग्रर बाथां बाथी व्हैजाजे जिद यो मांनैलो नतर फेर भाग्यावैलो । फकीर बोल्यो ग्रैंयांईं करूंला ईं माळै मूंनै भौत रोस ग्रावै छै । या खैर फकीर ऊं मुरदानै लेर चाल्यो । मार्‌या जितून को सांईं मुरदानै ऊपर सूं ईं धम्मदेणी वावड़ी मैं घमका दीतू । संवारा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

को छो भगत सो एक जणू बावडी मैं न्हावै छो । मुरदानै घम्मदेणी पड़तांई वो आदमी डरप्यो अर डरपर बावड़ी कै बारानै भागर आवै छो । फकीर ऊबो ऊबो देखैई छो ऊं आदमीनै आतो देखर सांई बिचारी भाई बांण्यूं खई तो छी सांची । यो तो फेर भागर चाल्यो । सो ऊं आदमीनै पैड़्यां ईं मैं जालीयो अर मार्‌या रोस को मार गूंसार ऊं को नास कर नांख्यो अर लड़ता २ दोन्यूं ईं बावड़ी मैं चल्या गया अर बावड़ी का पांणी मैं पड़र वै बी दोन्यूं लड़ता २ मर गया । बांण्यूं अस्यो ऊकाबी व्है छै अस आप को तो धन बचां लीयो अर आप का बैर्‌यांनै मरा नांख्या अर आप न्यारा को न्यारो रैगो ।

•

५. एक राजा का दो बेटां की खांणी

अेक राजा छो अर ऊंकै दो बेटा छा । भगवान की असी मरजी हुईस वो राजा बेटा बाळक छा जिदी मर गयो । मरती भगत आपका छोटा भाई नै बुलार आप का दोन्यूं बाळकां की अर आपकी रांणी की सरम ऊंनै घाल गयो अर या खै गयो अक ये दोन्यूं काम काज मैं नै समजै जित्तै कामकाज राजा को तू करबो करजे अर ये स्यांणा समंजणा व्है जाय जिद यां को राजपाट यांनै समळा दीजे । सो राजा नै मर्‌यां पाछै योई काम काज करै अर सारा राजपाट को कुलांकुल योई मालिक व्हैगो । थोड़ासा दिना पाछै यो आपका मन मैं बिचारी अस ये दोन्यूं भतीजा बड़ा व्है जायला तो राज-पाट अपणा हात सूं खुस जायलो जै व्हैतो यांनै पैलीई मरानखावा को उपाय करां । सो वो या बात विचारर घर का नाई नै बुलायो अर उंनै लालच देर या खई अस तू यां दोन्यूं छोरां नै मारनाख ।

नाई हांमळ तो भर लीनी पण मन मैं घणूई पिस्तावै । अर ऊं काका का कैवा सूं भैर का राछ करार वां दोन्यां की संवार करवानै रणवास मैं गयो । वै दोन्यूं भाई संवार करावानै आया जिद नाई राछ पेटी मैं सूं काड़र मेल्या अर रोवा लाग गयो । जिद रांणी खई अरै भाई खवास तू क्यों रोवै छै राजाजी मर गया तो पड़्या मर जावो नारांण करी तो थोड़ासा दिनां मैं ये बी राजा व्है जायला । नेवगी बोल्यो म्हाराज मैं ईं बात सूं कोनै रोऊं मैं औरी बात सूं रोऊं छूं । रांणी पूछीस वा कांईं बात छै जींसूं तू रोवै छै । नेवगी खई अक म्हाराज यां कवरां का काकाजी मूंनै यां दोन्या नै मारबा कै तांईं भैर का राछ दीना छै अर या खई छैक तू यां दोन्या नै मारनांख सो म्हाराज मूं सूं मार्‌या को जाय नै म्हारै तो ये ही राजा छै सो मैं ईं बात सूं रोऊं छूं । रांणी खवासनै तो पांच म्हौर देर बिदा कर दीयो अर आप बिचारी अस अब अंडै रैवा को धरम कोनै जै व्है तो यां दोन्यानै लेर कौठीनै चली चालूं । या बिचारर रात का समां मैं वां दोन्यूं बाळकां नै लेर चाली ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
सो चालतां २ अेक नंदी माळे दिन ऊग्यो अर वां दोन्यूं बाळकांनै भूक लागी। नंदी माळे वै तीन्यूं मा बेटा बैठ गया अर हात मूंडो धोबा लाग्या। ऊं नंदी मैं दो लाल मैती जाय छी सो वै लाल छोटक्या छोरानै दीखी वो वां दोन्यांनै दोन्यूं मूंठ्यां मैं ले लीनी अर मानैस खई कोनै। कनैईं अेक सैर छो जीं मैं गया। जार रांणी आपको गैणू खोलर जौर्‌यां की दुकान मैं वेचबानै गई। जिद वो सेठ ऊं छोटक्या छोरा कनै सू वै लाल तो लेलीनी अर ऊंका हात मे दो लाडू दे दीनां। वो छोरो भूको छो सो लाडू लेर खाबा लाग गयो। सेठ वांनै हौली तो रैबानै बता दीनी। दो च्यार बांदा बांदी वां कनै राख दीना अर रांणीनै या खईस तू म्हारी धरम की भैण छै। तूर थारा बेटा थे थांका बिखा का दिन अैठै ई काटद्यो अर अैडै ही रैबो करो। सो वै तीन्यूं ऊंडै ई रैबो कर्‌या अर वां का खाबा पीबा नै बी वो सेठी देबो कर्‌यो। सो अैयां केई दिनां तांई रैबो कर्‌या।

थोड़ा दिनां पाछै वो सेठ वां दो लालां मै सूं अेक लाल तो कोई दूसरा देस का सेठनै वेच दीनी अर अेक लाल आप का देस का राजा की निजर करदीनी। राजा लालनै लेर आप की बेटीनै देदीनी। राजा की बाई लालनै लेर आप का मांथा की मींडी मैं लगालीनी। ऊं राजा की बाई कनै अेक सूवो छो सो बाई ऊं लालनै सूवानै मांथा मैं बताई अर सूवानै पूछी अक या लाल मूंनै कसीक लागी। सूवो खई म्हाराज लाल तो या घणी ईं सिरै छै पण ईंका सिणगार सूं तो थे सोया कोनै जो थे असी २ पचास २ लाल दोन्यूं ओड़ी मींड्यां मैं लगावो तो भौती सोवो। जिद या सुणर राजा की बाई जार राजानै खई अस दादाजी मनै पचास लाल तो ईं मींडी मैं लगाबानै अर पचास ईं मींडी मैं लगावानै असीई ओर मंगाद्यो नतर तो मैं मरजाऊंली। जिद राजा सब साऊकारांनै बुलार या खई अक भाई म्हांनै असी सौ लाल अेकठी करर ल्याद्यो। जिद सब सेठ साऊकार नट गया अर खई म्हाराज म्हां कनै तो असी लाल अेक बी कोनै म्हे सौ कौड़ा सूं ल्यावां। जिद राजा बाईनै खईस बाई असी लाल तो अेक बी ओर कोनै मिलै। तो बाई बोलीस जो थे असी सौ लाल नै मंगाद्योला तो सांच्याईं मरी जांऊंली।

जिद राजा ऊंईं पैली हाळा सेठ नै बुलार खईस खैतो तू असी सौ लाल ओर ल्यादे नतर मैं तूनै मरा नखाऊंलो। सेठ बोल्यो म्हाराज मारो चाये छोड़ो म्हारै कनै तो असी लाल अेक बी कोनै। फेर राजा ऊंनै पूछीस या लाल तू कौड़ा सूं ल्यायो छो। वो बोल्यो म्हाराज मैं तो या लाल अैयां लीनी छीक अेक लुगाई अर ऊंका दो छोरा कोई रकम वेचबानै म्हारी दुकान ऊपर आया छा। वां छोरा मै सूं छोटक्या छोरा कनै मैं या लाल देखी जिद ऊंनै तो खाबानै मैं दो लाडू देदीना अर या लाल ऊं कनै सूं लेलीनी अर वां मा वेटांनै रैबानै मैं म्हारी अेक हौली बता दीनी सो वै अब भी ऊं ईं मैं रहै छै हुकम होय तो वांनै हाजिर करूं। राजा खई ऊं छोरानै ल्या। सेठ आर वांकी मानै खई अक बाई राजा थांनै याद करै छै सो तू थारा बेटांनै राजा कनै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

खिनादे । जिद राणी आप का बड़ा बेटानै खिना दीयो । बड़ो बेटो राजा कनै गयो जिद राजा ऊंनै पूछी अरै लड़का तू या लाल कौठा सूं ल्यायो छो । वो बोल्यो महाराज या तो म्हारा छोटा भाई नै नंदी मैं लादी छी । राजा खई भाई खैतो असीई सौ लाल और ल्यादे नतर थांनै सबनै घाणी मैं पिलार मरानखांऊंला । या बात सुणर छोरो मन मैं फिकर करर या खई राजानै अस म्हाराज म्हे लालां कौड़ा सूं ल्यावां । राजा बोल्या भाई मूंनै तो ठीक कौनै चावै जैंडा सूंईं ल्यावो । फेर छोरो बोल्यो म्हाराज मूंनै अेक भौत चोखो घोड़ो द्यो मैं लाल हेरबानै जास्यूं पण म्हारी मा अर म्हारा भाईनै कोई तरैं को दुख मत दीज्योनै ।

या खैर वो छोरो घोड़ा माळै सवार व्हैर घरां आयो अर आप की मानै सारा समचार खया । मा बोली बेटा अब तू लाल कोड़ा सूं ल्यासी । लड़को बोल्यो मा जो वयों व्हे सो व्हे । जो मैं नट जातो तो राजा सबनै मरा नाखतो जींसूं मैं तो हांमळ भर्यायो छूं । अब मैं सांमी नंदी जास्यूं अर जैंडै लाल लादसी ऊंडा सूं ईं ल्यास्यूं । सो घोड़ा माळै सवार व्हैर चट चाल्यो अर नंदी माळै गयो । ऊंडा सूं सांमी नंदी तीर २ माळै चाल्यो । चालतां २ पांन च्यार दिन मैं अेक जगां पौंछ्यो जैंडै अेक सादु बैठ्यो तपै छो । यो ऊंनै जार खईस बाबाजी सत्तराम अर वो स्यांमी ईं की ओड़ी भांक्यो अर ईंनै खईस रै बच्चा कौड़ै जाव छै । वो छोरो बोल्यो म्हाराज मूंनै फलांणूं राजा या खईस खैतो सौ लाल ल्यादे नतर तनै मरानांखूंलो । म्हारा भाईनै अेक लाल ईं नदी मैं लादी छी सो जींसूं मैं तो लाल लेबानै मैं तो ईं नंदी २ आयो छूं । स्यांमी खई बच्चा लाल थारै हात कैयां आसी । जिद छोरो स्यांमीनै खई अस म्हराज म्हारै तो अब थेई छो सो थेई कोई दाव बतावो । जिद स्यांमी ऊंनै खई अस भाई अेक दाना कनै अेक लालनदे बाई छै अस वा नित की नित लाल उगळै छै । पण वो राकस तू नै देख लेलो तो खा जायलो । जिद वो छोरो बोल्यो म्हाराज थे या बात बताई तो ऊं दानानै भी मारबा को उपाय बतावो । स्यांमी बोल्यो अस भाई मैं तूनै या भबूत की च्योंठी दयूं छूं अस तू या ऊं दांना माळै नाख दीजै सो वो दांनू मरजायलो । जिद तू ऊं लालनदे बाईनै लीयाजे अर तू ऊं सूं ब्याव करलीजे ।

वो लड़को वा भबूत की च्योंठी लेर चाल्यो अर वा लालनदे बाई छी जैंडै पौंछ्यो । वो दांनू तो कौड़े गयो छो अर वा लालनदे बाई अेकलीई छी जिद वो ऊंनै देखर खई अस तू म्हारी साथ चालै तो तनै लेचालूं । वा लालनदे बाई बोली अस दानू आपांनै चालता देखले तो मारनाखैलो । जिद वो पूछी अस दांनू कदसीक आवैलो पैली ऊंनै मारर पाछै लेचालूंलो । वा बोली थोड़ीसी बर मैं आवैलो । थोड़ीसी बर मैं दांनू आयोर वो लड़को ऊंकै माळै वा भबूत की च्योंठी पटक दीनी अस दांनू तो भसम व्हैं गयो । अर वो लालनदे बाई नै घोड़ा माळै छड़ार लीयायो । सौ लाल तो लेजार राजानै देदीनी अर आप लालनदे बाई सूं ब्याव करलीनू । वो राजा ऊं लड़का सूं भौत राजी हुयो अर आप की बाई भी ऊंनै ईं परणा दीनी अर ऊंनै आप को आदो राज देबा लाग्यो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जिद वो लड़को बोल्यो अस मैं तो थां को राज तो ल्यू कोन म्हारो राज म्हारो काको करै छै सो थे थांकी फौज द्यो तो मैं म्हां को राज म्हारा काका सूं लेल्यूं । जिद राजा आप की सारी फौज ऊंनै देदीनी अस वै मा बेटा आप को राज लेबानै आप का देस मैं आया । वां को काको वांकी फौज आती देखर डरप गयो अर वां कै पगां आपड़्योर मन मैं भौत डरप्यो अस अब ये मूंनै मारनाखसी । पण ये दोन्यूं भाई ऊंनै आप का काकानै मार्‌यो तो कोनै अर ऊंकी सारी तकसीर छी सो माफ कर दीनी अर ऊंनै ऊंकी जागीर छी सो देदीनी अर आप को राज आप लेर नींकी तरैं राज करबा लागगया। राजा राजर पिरजा चैन व्है गया । ●

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

२. शेखावाटी की बोली

(१)

अेक तो चिडी ही अोर अेक कागलो हो। दोन्यूं धरम भाई हा। चिड़ी नै तो लाद्यो मोती अर कागलै नै पाई लाल। कागलै कही कै देखां चिड़ी तेरो मोती। मोती लेर नीमड़ी पर जा बैठ्यो। चिड़ी कही कै नीमड़ी २ काग उड़ा दे। मैं क्यूं उड़ाऊं भाई मेरो के लीयो। जणां खाती कनै गई कै खाती २ तूं नीमड़ी काट। कै मैं क्यूं काटुं भाई मेरो के लीयो। जणां पछै राजा कनै गई कै राजा २ तूं खाती डंड। मैं क्यूं डंडूं भाई मेरो के लीयो। जणां पछै राणीयां कनै गई कै राणीयों २ थे राजा सूं रूसो। म्हे क्यूं रूसां भाई म्हारो के लीयो। जणां पछै चूसां कनै गई कै चूसो २ थे राणीयां का कपड़ा काटो। म्हे क्यूं काटां भाई म्हारो के लीयो। जणां पछै बिल्ली कनै गई कै बिल्ली २ थे चूसा मारो। म्हे क्यूं मारां भाई म्हारो के लीयो। जणां पछै कुत्तै कनै गई कै कुत्तो २ थे बिल्ली मारो। कुत्ता बोल्या भाई म्हे क्यूं मारा म्हारो के लीयो। जणां पछै डांगां कनै गई कै डांग २ थे कुत्ता मारो। म्हे क्यूं मारां भाई म्हारो के लीयो। जणां पछै बास्ते कनै गई बास्ते २ थे डांग बाळो। म्हे क्यूं बाळां भाई म्हारो के लीयो। जणां पछै जोड़ै कनै गई कै जोड़ा २ तूं बास्ते भुजा। मैं क्यूं भुजाऊं भाई मेरो के लीयो। जणां पछै हात्यां कन गई कै हाती २ थे जोड़ो सोसो। म्हे क्यूं सोसां भाई म्हारो के लीयो। जणां पछै कीड़ीयां कनै गई कै कीड़ीयो २ थे हाती की सूंड मैं बड़ो। म्हे क्यूं बड़ां भाई म्हारो के लीयो। थे हाती की सूंड मैं नं बड़ोगी तो थानै मारस्यूं। जणां कीड़ी बोली म्हानै क्यूं मारै भाई म्हे हाती की सूंड मैं बड़स्यां। जणां पछै हाती बोल्यो भांई मेरी सूंड मैं क्यूं बड़ो मैं जोड़ो सोसस्यूं। जोड़ै कही भाई मनै क्यूं सोसो मैं बास्ते भुजास्यूं। बास्ते कही मनै क्यूं भुजावो भाई मैं डांग बाळस्यूं। डांग कही म्हांनै क्यूं बाळो भाई म्हे कुता मारस्यां। कुत्ता कही म्हांनै क्यूं मारो भाई म्हे बिल्ली मारस्यां। बिल्लीयां कही म्हांनै क्यूं मारो म्हे चूसा मारस्यां। चूसा कही म्हांनै क्यूं मारो भाई म्हे राणीयां का कपड़ा काटस्यां। राणीयां कही म्हारा कपड़ा क्यूं काटो भाई म्हे राजा सूं रूसस्यां। राजा कही मेरै सूं क्यूं रूसो भाई मैं खाती डंडस्यूं। खाती बोल्यो मनै क्यूं डंडो भाई मैं नीमड़ी काट गेरस्युं। नीमड़ी कही मनै क्यूं काटो भाई मैं काग उड़ास्युं। काग कही मनै क्यूं उड़ावो भाई मैं चिड़ी को मोती देस्यूं।

(२)

अेक कमेड़ी ही अर चूसो बीं:को भायलो हो। जकी अेक जाट कै खेत मैं चुगण नं जाती। जाट कही क अें कमेड़ी आपणी बोळी जुंवार चुगली। अेक दिन खरोलो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

मांड कै बंदै पकड़ ली । पकड़ कै अेक जांट कै बांद दी । जणां पछै अेक गायां को गुवाळियो जोड़ै पर पाणी पावण नै आयो । जणां गुवाळिये सूं कमेड़ी बोली । कही । गांयां का गुवाळिया रै बीर : कीकर मैं मेरा बचीया रै बीर : आंदी सुं उड़ जांयेंगा रै बीर : मे बरस्यां गळ जांयेंगा रै बीर : लाय लाग्यां बळ जांयेंगा रै बीर : टमरकटुं ।

जणां पछै गांयां कै गुवाळ कही कै चोखी देखकर अेक गाय तो तूं ले ले । अैं कमेड़ी नै छोड़ दे । जणां पछै जाट कही अैं कमेड़ी मेरी बोळी जुंवार चुगी अैं नै तो मैं कोनी छोडूं । जणां जणां पछै आयो भैंस्या को गुवाळीयो । भैंस्यां का गुवाळीये सूं कमेड़ी बोली कही । भैंस्यां का गुवाळीया रै बीर । कीकर मैं मेरा बचीया रै बीर : आंदो सूं उड़ जांयगा रै बीर : मे बरस्यां गळ जांयगा रै बीर लाय लाग्यां बळ जांयगा रै बीर : टमरकटुं । जणां पछै भैंस्यां कै गुवाळ कही के चोखी देखकर अेक भैंस तो तूं ले ले । अैं कमेड़ी नै छोड़ दे । जणां पछै जाट कही अैं कमेड़ी मेरी बोळी जुंवार चुगी अैं नै तो मैं कोनी छोडूं । जणां पछै रेवड़ को गुवाळीयो आयो । कमेड़ी बोली । रेवड़ का गुवाळीया रै बीर : भंदी कमेड़ी छुड़ाईये रै बीर : कीकर मैं मेरा बचीया रै बीर : आंदी सूं उड़ जांयगा रै बीर : मे बरस्यां गळ जांयगा रै बीर : लाय लाग्यां बळ जांयगा रै बीर : टमरकटुं । जणां रेवड़ कै गुवाळीये कही । चोखो देखर अेक खाजरु पकड़ ले अैं कमेड़ी नै छोड़ दे । जणां जाट कही अैं कमेड़ी मेरी बोळी जुंवार चुगी अैं नै मैं कोनी छोडूं । । जणां पछैं चूसो आयो । चूसो जाय कै जाट नै कही तू अैं कमेड़ी नै छोड़ दे । जणां जाट कही अैं कमेड़ी मेरी बोळी जुंवार चुगी है अैं नै तो मैं कोनी छोडूं । चूसो बोलबालो जांट पर चढग्यो । जाय कै वीं कमेड़ी की डोरड़ी काट गेरी । कमेड़ी भर्र भर्र उडगी अर चूसो भाजिर विल मैं बड़ग्यो ।

(३)

अणतराय सांखळो कोयला पट्टण को राजा हो । कहवाट सरवरीयो गिरनार को राजा हो । कोई सूं न्यूंतो कोनी । गंग भाट गिरनार कै राजा नै जाचण गयो । जार राजा सूं मिल्यो । अर राजा नै आस्का दीई अर कही । दिनकर (बिन) दिन सुन्न रैन सुन्निय बिन ससीयर । जळ बिन सरवर सुन्न : फळां बिना सुन्ना तरवर । आथ बिना नर सुन्न : चाव बिन सुन्नी सुंदर । पुत्र बिना घर सुन्न : दीप बिना सुन्ना मंदिर । सिणगार सुनत दोय नैन बिन : कवराव नरहर कहैं जलम सुनत इक दत्त बिन ।

जद राजा गंग नै बुलार दान दीयो । घोड़ो ऊंट पांचूं कपड़ा दीना । पण राजा कही अेक पागड़ी को द्यूं नै । आप पागड़ी को द्योनै तो मैं दान को ल्यूं नै । पागड़ी देण मैं तो म्हारै क्यूं आंट नहीं । मैं अनवीं हूं । दूसरै नै नऊं कोनी । थे माहारी पागड़ी बांदिर दूसरै नै रामरमी करोगा अर नवोगा । जणां पछै कवेसर कही थारी पागड़ी बांदिर कदेई कहैनै हीं रामरमी कोनी करूं । जणां राजा वींनै आप की पागड़ी दे दीई जिद बो बिदा होर अणतराय सांखळा कनै कोयला पट्टण आयो अर राजा कनै रामरमी करण गयो । पैड़्यां पर चड़तां बा बात पागड़ी ह्ाळी याद आई । जणां पाछोड़

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
बावड़यायो । बा पागड़ी तो बोरै मैं दाब दीनी अर दूसरी पागड़ी बांदिर राजा कनै जार बीनै आस्का दीई । राजा बीनै पूछी पैलां हाळी पागड़ी तो कैयां उतारी अर आ दूसरी कैयां बांदी । जणां भाट आलमटोळीं करतो रह्यो । सांची बात कोनी बताई । जणां राजा घणुई २ गैल पड़ग्यो । जणां कही कै बा पागड़ी मेरै धणी की दीयोड़ी ही बैं पागड़ी सूं ऊं कै सिवाय कहैं हीं नै रामरमी कोनै करूं । राजा भाट नै दान देर बीं जगां ओ दूवो कह्यो । सौ भाई म्हे सांखळा : थोगिर चालां थट्ट । बावन राजा तो पकड़ या पड़्या : कुणसी जात कवठ ।

जणां पछै आप की परगै मैं बीड़ो फेर्‍यो । कोई सरवरिये कवाठ नै जीवतो पकड़र ल्यावो । जणां पछै राजा को मुसायब सा सुजाण ओ दूवो कह्यो । बाळद भरूं मजीठ की । कडी नै लांऊं डांण । ल्याऊं सरवरिये कुवाठ नै : तो मैं सा जुजाण । पछै सा सुजाण गिरनार मैं सरवरिये कुवाठ कै गयो । अर कुवाठ सूं मिल्यो । मिलकै निजर करी । राजा सतरंज अर चोपड़ सदा खेलतो । सा सुजाण भी खेल जाणै हो । राजा नै भोत खिलायो । राजा राजी हुयो अर डांण छोड दीयो अर कही अठै रो जित्तै म्हारै सागै चोपड़ खेलण नै आया करो ! सरवरिये कुवाठ कै अेक तो भांणजो हो ऊंगो अर अेक राजा को बेटो हो जका दोन्यूं कनै रहता । अेक दिन राजा कै अेक कबाण आई जकी नै भांणजो उठालीनी अर कही कणां मामै नै काम पड़ंगो जद अैं को बदळो मैं दयूंगो । सा सुजाण राजा नै कही अब मैं म्हारै गांवां नै जाऊंगो सो अब आप अेक दिन म्हारी मिजमानी जीमो । राजा कही जीमस्यां ।

चोखी तो दारू कड़हवाई अर सब है जको राजा कै ले ल्यारी कराई । सा सुजाण आयो जणां आप कै राजा नै कहयायो छो कै आपणै कांकड़ सूं लगाय कै तळैड़ २ म्हारै तमवां तांईं सुरंग खुदा दीजो । राजा ठेट तांई खुदा दीनी । पछै सरवरियो कुवाट सा सुजाण कै मिजमानी जीमण नै गयो । बीं जागां ठाकर लोगां नै सै नै दारू पादीनी जका नसै मैं गेंदूल हूग्या । राजा नै कोनी पाई । अर आप का तम्बु मैं दो घोड़ा हा जका दिखाया । बां पर काठी मंडार सा सुजाण अर राजा दोन्यूं जणां चढ्या अर सुरंग मैं बड़्या अर कुत्तां कै मूं मैं मुसाल देर आगै कर लीया । अर चालता आप कै आदमी नै कान मैं आ कै दीनी हीक सुरंग को मूंडो तो मूंद दीजो अर तम्बु खड़्या रैण दीज्यो अर थे मत्तै २ दड़ाछंट हो जावो । अर बै दोन्यूं जणां आता निकळ्या । नीसरताईं राजा नै पकड़ लीयो अर गळै मैं रंड घाल लीयो अर बै नै राजा अणतराय कनै लेग्या । अणतराय कही दरवाजो तो जड़द्यो अर अैं नै मोरी मांकर आंवण दयो । जणा पछै सरवरियो सिरवांणी तो को पड़्योनी अर पगांवांणी अपूठो बड़्यो । अणतराय सरवरिये नै बुलार ओ दूवो कह्यो : कर मुजरो कवाठ : आखै यूं राजा अणत । पाछो मेलूं पाट : परणायर गिरनार पत । सरवरिये कवाट जुवाब मैं दूवो कह्यो : उगसा दिसा पिछम उगवै : भवंग नै झल्लै भार । जे मैं तनै मुजरो करूं : तो लाजै गढ़ गिरनार । जद ओ दूवो सुणतांईं राजा कही अैं नै अस्या पींजरै मैं कैद कर दयो जैं मैं सेल लाग्योड़ा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

ह्वै अर बो पींजरी असो जगां रसत मैं गाडो कै अ कै ऊपर कै गैलो बगबो करै ज्यूं । सरवरियो अठै कैद हुग्यो ।

जणां बैंको भांणजो तालागढ को ऊंगो गंगभाट नै बुलायर आ कही मामा को बेरो पाड़ो अर ओ दूवो कह्यो : मामु सारी मांड सोध्यांही सोधी पटै : ल्यांऊं आभो उलांड गिरह ल्याऊं गिरनारपत । जणां भाट सगळे ढूंढतो २ कोयलापट्टण गयो । कूवै पर जा बैठ्यो अर पणीयार्‌यां की बातां सुणी । पणीयार्‌यां कह्यो कोठै को राजा पकड़ कै लीयायो अर गैलै कै मांयं गड़वा दीयो अर ऊपर कै गैलो बगै है । जणां भाट कही बो कठैसी है । मनै बतावो । कही बो रह्यो बटी नै जा । बठै बैं कै कनै गयो अर जायकै आस्का दीई । जणां सरवरियो ओ दूवो बोल्यो : आंमां सांमां सेलड़ा माथै ऊपर बाट : कह्यो ऊंगै भांणजै नै कट पींजरै कवाठ । तूं कहतो तिण बार तालागढ़ बालाधणी : इक हत्ती बजाय रै हत्ताली हूकड़ा । आ सुणर गंग भाट ओठो बावड़्यायो अर तालागढ गयो । जायर अ समाचार कह्या । ऊगड़ो अ जगां कहै है । बात को भेद ल्यावो बीं कै गढ़ मैं कैयां वड़ां ।

अणतराय सांखळै की बेटी जकी ऊंगै की भाभी ही बोली थे के घुसमुमाट ओलै २ करता फिरो हो । मनै बतावो मैं घाघरी को साख नहीं राखूंगी पागड़ी को राखूंगी । जणा ऊंगै कही । थारै बाप मेरो मामु पकड़ राख्यो है जको बैं नै कैयां छुड़ावां । जणां भाभी बोली बठै घास मूंगो है जको गाडां मैं घाल ले जावो । सो दोय सै गाडा घास का भरले ज्यावो अर पचीस २ आदमी अेक २ गाडै मैं दाब ले ज्यावो अर दो २ साटीया । अर अेक २ साफी सै कै हात मैं देद्यो अर बांनै कैद्यो कै बठै भालां सूं घास का गाडा देखै जणां भालां कै लोइ लाग्योड़ो बारा नै मत आंवण दीयो नै । साफियां सूं पूंछ लीज्यो ।

सैका हतीयार पाती गाड़ां मैं मिलहा दीया अर गाडा जोड़्या । अर चल्या २ कोयला पट्टण गया । अर चोक मैं जाय कै गाडा खड़्या कर्‌या । कोई तो बोल्यो मैं अेक गाडो लेस्यूं कोई बोल्यो दो गाडा लेस्यूं । ऊगड़ कही मैं तो जको सांवठो इकठारो घास लेसी जकै नै देस्यूं । राजा का आदमी आयर कही ओ घास तो सारो राज मैं जासी । जणां गाडा जुड़ार गढ़ मैं लेगा । गढ़ कै आगै गाडां नै देखण हाळा कही भाई गाडां नै थामल्यो म्हानै देख लेबाद्यो । जणां भालां सूं सांग्यां हूं गाडां नै देख्या । अेक दो जणै कै लागी जकाई काड़ती बखत फळ नै गाबा सूं पूंछ लीयो । जणां ऊगड़ बरज दीया । गाडा फटै हैं । अेक दो गाडो देखणु हो जको देख लीयो । आगै नै घास गिरावो । आगै जार सागैई सै गाडा उलाळ दीया अर लेता देताई ऊठ्या मरणा हा जका मर गया कटणा हा जका कट गया । राजा भाज कै महल में चढ़ ग्यो बींकै गैल ऊगड़ो मारण नै चढ़ ग्यो । जद राजा की राणी थाळ लेकै टीको करण लागी अर आ कही अ राजा नै जीवदान द्यो । म्हारी बेटी है जकी थां नै ब्या देस्यां । जणां ऊगड़ कही जावो राजा नै छोड़ द्यो । थारी बेटी म्हारै मामै नै ब्या दो । जणां सासु ओ दूवो बोली ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

नै कठै सुणी नै सामिळी आई घाल अजब।
आंण उलाळ्या हूकड़ै गाडा भर्या गजब।

जणां पछै सरवरिये कुवाट नै बुलायर जेळखानै मांसूं कराय सुंवार नुहाय धुवाय पैराय कपड़ा कटाय आला गीला बांस फेरां मैं बैठा दीयो। फेरा करकै लाव लसकर घोड़ा ऊंट देकर बिदा कर दीयो।

जणां बेटी ओ दूवो बोली :

नुवां महलर माळीया : नुंऊं आलीजारो नेह
सदा तो रूठो रह्यो : अब बरस नवल्ला मेह।

अमलड़ा वमलड़ा लेर रजपूत गाडां मैं बैठ्या अर आपस मैं दूवा कहबा लाग्या।

अमल अटक्कां ना बठ्यो : खगां नै बटी खैर
लैणायत लूग्यां नहीं : माथै झुक्यानै वैर।

गोला गिलण हात्यां देण हमल, चढ़ घोड़ां बटका करण, जठै आज्यो मिन्त अमल।

रण चढण कांकण बंधण पुत्र बधाई चाव।
यह तीनू दिन त्याग के काहा रंक काहा राव।।

(४)

अेक मोर्‌यो छो अर अेक मूसो छो। मूसै नै तो लाद्‌यो मोठ अर मोर्‌या नै लाद्‌यो जो। मूसो तो दो दाळ का पाता करर खायायो। पाछै खयो आज तो भायलाजी कै चालो। पाछै भायलानै खयो भायलाजी भायलाजी रोटी खावो। जणां कोनी खाई। पाछै मनवार कर्‌यां सुं दो जेट रोट्‌यां की खालीनी। पाछै खयो रोटी तो कोनै मनै खाल्यो। जणां बींनैं बी खागो। पछै आगैं गयो जको पांणी की पणिह्यार मिली। खयो पांणी की पणिह्यारी २ खास्युं। कै बाळ्या कै असी द्‌यूंली जको परैनै जातो पड़सी। जणां कही दो दाळ का पाता खाया दो जेट रोट्यां की खाई चीम्यों जायो मोर्‌यो खायो तनै खातां के बर लागै। बोंनै बी खायगो। पछै आगैं गयो जको छांणां की चुगारी मिलो खयो छाणां की चुगारी २ तनै खास्युं। खंछै बाळ्यानै बार चौल्या तळै दाव लैस्यूं तो पड़्यो २ बार घालसी। खंछै दो दाळ का पाता खाया दो जेट रोट्यां की खाई चीम्यो जायो मोर्‌यो खायो पांणी की पणिह्यार खाई तनै खातां कै बर लागै। बींनै बी खायगो। आगै गयो जको घास की घस्यारी मिली। खंछै घास की घस्यारी २ खास्यूं। खंछै बाळ्याकै असी देस्युं खुर्पा की जको दो टूक हो जासी। खंछै दो दाळ का पाता खाया दो जेट रोट्यां की खाई चीम्यो मोर्‌यो खायो पाणी की पणिह्यार खाई छाणां की चुगारी खाई तनै खातां के बर लागै। बींनै बी खायगो। पाछै आगै गयो जको कुरड़ी पर गद्धो लोट रह्यो छो। खंछै गद्धा २ तनै खास्युं। खंछै असी देस्यूं लात की जको परैनै जातो पड़सी। पाछै खंछै दो दाळ का पाता खाया दो जेट रोट्यां की खायी पाणी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
की परिणह्यार खाई छाणां की चुगारी खाई घास की घस्यारी खाई तनै खातां के बर लागै । बोनै बी खायगो । पाछै आगै गयो जको पीपळ कै घोड़ो बंध्यो । खैछै घोड़ा २ तनै खास्यूं । खई बार असी देस्यूं लात की जको परै जातो पड़सी । खैछै दो दाळ का पाता खाया दो जेट रोट्यां की खाई चीम्यों जायो मोर्यो खायो पांणी की परिणह्यार खाई छाणां की चुगारी खाई घास की घस्यारी खाई कुरड़ी लोट गद्धो खायो तनै खातां के बर लागै । बींनै बी खायगो । पाछै आगै गयो जको अेक तळाई भरी पड़ी छी । खैछै तळाई २ तनै सोसस्यूं । खैछै अस्यो द्यूंली हभोळो जको मांयं आतो पड़सी । खैछै दो दाळ का पाता खाया दो जेट रोट्यां की खाई चीम्यों जायो मोर्यो खायो पांणी की परिणह्यार खाई छाणां की चुगारी खाई घास की घस्यारी खाई कुरड़ी लोट गद्धो खायो पीपळ बध्यो घोड़ो खायो तनै सोसतां के बर लागै । बींनै बी सोसगो । पाछै आगै गयो जको टीबां मैं जार पड़गो जको अेक जाट की दोय बकरी गुमगी छी ज्यो बै हेरबानै आया छा । जको बै तो अठीनै हेरबानै आया अर बांकी बकरी घरां पायगी । बै बठीनै हेरबानै आया जको बींनै टीबा मैं पड़्यो देख्यो अर खैछै ओ आपणीं बकरी खायगो जको ईंनैं मार गेरो । जको पाछै बींनैं मार गेर्यो । पाछै बियां की बियां तो तळाई भरगी अर बियां को बियां पीपळ कै घोड़ो बंध्यो छै बियां को बियांई कुरड़ी पर गद्धो लोट रह्यो छै बियां की बियांई घास की घस्यारी घास खोद री छै बियां की बियांईं छाणां की चुगारी छाणां चुग री छै पाणी की परिणह्यार पाणी की दोगड़ ले जाय है । मोर्योजी तो रोटी कर रह्यो छै अर मूसोजी दाळ का पाता खा रह्यो छै ।

(५)

अेक भिंडियो हो जको बोल्यो कि मैं नांनी कै जायाऊं हुं मोटो हुयाऊं । पछै चाल्यो जको आगैसी लूंगती मिली । बोली भिंडिया २ तनै खास्यूं । बोल्यो कै नांनी कै जायाऊं हूं मोटो भोटो हुयाऊं बावड़तानै खाजे । जणां पछै आगै रोही हाळो जिनावर मिल्यो जको बोल्यो भिंडिया २ तनै खास्यूं । बोल्यो मैं नांनी कै जायाऊं हू मोटो भोटो हुयाऊं बावड़तैनैं खाजे । जणां पछैं आगै गादड़ो मिल्यो जको बोल्यो भिंडिया २ तनै खास्यूं । बोल्यो कै नांनी कै जायाऊं मोटो हुयाऊं बावड़तानै खाजे । जणां पछैं जरख मिल्यो बोल्यो कै भिंडिया २ तनै खास्यूं । बोल्यो कै नांनी कै जायाऊं मोटो भोटो हुयाऊं बावड़तानै खाजे । जणां पछैं नांनी कै चल्यो ग्यो ।

पछै बठै बींकी नांनी बोली बेटा मैं तनै दूध घई सो क्यों घाल घाई तू मोटो कयां कोनी हुयो । जणां पछै बोल्या कै नांनी तनै सांचीई बता द्यूं के । बोली कै बतादे । जणां बोल्यो कै मैं मोटो होर के करूं मनै जाताईं खालेसी सगळा जिनावरां नै साई दियायो हूं । जणां वा बोली कै तनै जिनावरां नै कोनी खाबाद्यूं । डामकी मढाय देस्यूं बीं मैं तनै बठार भेज देस्यूं जको चल्यो जाजे । जणां पछै ईनै डामकी कै मांयं मंढा दियो अर चूर्मा को बाटक्यो पाणीं को लोट्यो मेल दियो अोर डामकी नें गुड़ा दी ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जणां फेर आगै बो नार मिल्यो। जणां बोल्यो कि डामकी २ झिडियो बी देख्यो। जणां डामकी कै मांयं झिडियो बोल्यो कै किस का झिडिया किसका तम चाल म्हारी डामकी डमाक डम। जणां फेर आगै जरख मिल्यो। बोल्यो कै डामकी २ झिडियो बी देख्यो। जणां डामकी कै मांयं झिडियो बोल्यो किसका झिडिया किसका तम चाल म्हारी डामकी डमाक डम। पछै आगै गादड़ो मिल्यो जको बोल्यो कै डामकी २ झिडियो बी देख्यो। जणां बोल्यो कै किसका झिडिया किसका तम चाल म्हारी डामकी डामक डम। जणां पछै आगै कागलो मिल्यो जका बोल्यो डामकी २ झिडियो बी देख्यो। जणां बोल्यो किसका झिडिया किसका तम चाल म्हारी डमकी डमाक डम। पछै कागलै चांच की दी जको डामकी फूटगी अर झिडियो लाद्यायो। जणां बैं कागलै सगळा जिनावरां नै हेला मार्या जको सै आय ग्या। पछै झिडिया कनै तो लूंगती नै बठागा और सै सैर मैं लूण मिरच मसालो ल्याबा चल्यागा। जणां झिडियो लूंगती नै बोल्यो कै हाथधोबां जायाऊं। जणां पछै झिडियो तो भाज ग्यो और लींडी पर पीसो मेलग्यो। जणां लूंगती हेलो मारै जणांईं पीसो बोल ज्याय कै ऊं। जणां पछै सगळा जिनावरा आतांईं बोल्या कै झिडियो कठै जणां बोली कै बो बैठ्यो। जणां सै गया सागै का सागै जणां कोनी लाद्यो। जणां पछै सगळा भाज लूंगाती कनै आया ओठाई अर लूंगतीनै खायग्या। ●

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

३. तोरावाटी की बोली

(१)

च्यार भायला छा अेक तो राजा को कंवर अेक मीणां को अेक ब्रामण को अर अेक खाती को । तो वै तीन्यों आपकै घर कांई काम को करैनै अर ऊं राजा का कंवर की गैल २ डोलै । तो वांका मा बाप बोल्या कै ओ तो राजा को कंवर छै थे ईं की गैल गैल क्यूं डोलो छो । सो वांनै आबा नईं दिया तो कदे लुक चुकर भेळा हो गया । जद्यां वै तीन्यूं बोल्या कै म्हांनै तो म्हांका घर का को आबा देनै भाई भायला । जणां कांईं नांव वो बोल्यो कै थे म्हारी साथ आ जावो ।

तो वै च्यार्‌यूं रिप्या ले नरा सारा अर चल दिया । तो अेक जगां कोई बळद बारा बरस पैली खो गयो छो वैंका खोज मीणां काड र्‌या छा । तो आं च्यार्‌यूं जणां पूछी कै ओ किसब ओर कोई नै बी सिकाद्यो । जद बां कई कै म्हां कनै रै तो सिकाद्यां । जद बां कई कै ईं म्हांका भायला नै सिकाद्यो । जद मीणां का वेटा नै दे नरा सारा रिप्यार तो बठे छोड दियो अर तीन्यूं आगै चल्या गया ।

आगै गया तो चल्या २ कतनीं ईं दूर चल्या गया तो आगानै बिरामण वेद फडर्‌या छा । सो अै बी बीं कनैं गया । बानै पूछी कै थे कुण छो अर अठे बळ्या २ के करो छो । जणां बै बिरामण खयो कै म्हे वेद फडां छां अर फडावां बी छां । जणां वां कह्यो कै भाई म्हाकै बी ईं भायलानैं फडाद्यो । जणां बां कह्यो कै फड़ा देस्यां म्हां कनैं रवाद्यो । जणां बां कही कै भाई केके वेद फडाद्योगा । जणां बां कह्यो कै मर्‌योड़ा आदमी नैं जीवा लेगो ओ । जणां बिरामण को लड़को बठे रैगो अर बै दोन्यूं भायला आगानैं चाल्या ।

तो वै रोटी करैं जणां च्यार्‌यां जोगी करै ज्यो दो जणां को हिसो तो बांटो करर मेल दे अर बै दोन्यूं जणां आप खालें । तो फेर ओर कोई नै लेबाळो होय तो जमी मैं गाड दे वां रोट्यानैं । जद आगानैं खाती अेक गांव मैं उडण खटोलणूं घड़ र्‌या छा । जणां बै खात्यां कनै गया जणां बांनै पूछी जणां बै कह्यो कै भाई उडण खटोलणूं घड़ां छां । जदां बै बोल्या कै भाई ओ काम ओर बी कोईनैं सिकाद्योला । जद बां कह्यो कै भाई म्हां कनै कोई रै जायगो तो सिकाद्यांगा । जणां कह्यो कै भाई म्हांवला भायलानै सिकाद्यो । फेर बस राजा को कंवर अकेलोई रै गयो अर बैं खाती का लड़कानै बठे छोड़गो ।

तो चल्यो थक्यो २ चल्यो जाय छो ज्यो गैला मैं रात व्हैगी । जद मन मैं खयो कै भाई खटे रां । जणां आगा नै गयो जद वड़र बावड़ीर अै लादगा । ज्यो रामा मैं वो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

तो बड़का पेड़ माळै बैठगो । फेर रात हुई सो रात नै बै बावड़ी कै मांचा सूं मण लेर सांप निकळ्यो । जणां बैं मन मैं देखी कै भाई ओ के नीकळ्यो । फेर ईं मण का चांदणां सूं सरप दीख्यो । जणां जाण लीनी कै भाई सरप छै । फेर जाणी भाई आ मण मेरे हात आ जाय तो चोखी । फेर अतरा नै दन ऊगायो । सांप बावड़ी मैं चल्यो गयो । ओ संवारोई ऊठर राजा को बेटो कोई गांव मैं गयो । गांमैं जार खाती कै गयो । खाती नै बोल्यो भाई मुनैं अेक लकड़ी की ढाल घड़दे बैंकै माळै पाछणां लगादे अर बैंकै च्यार लगादे कड़ी । फेर वो खाती खयो म्हैं करद्यूंगो । भाई कै म्हानै तो आजकी आज घड़ दे मैं बैठ्यो रैर घड़ार लेजाऊंलो तू मोल ले ज्यो ले लै । जद्यां बो खाती बोल्यो तू बैठ जा मैं घड़द्यूं छूं । फेर दिन आंथण्यां घड़र दे दीनी बैनै । फेर ढाल ले बींईं बड़ मैं आ छड़्यो । फेर रात हुईर बोई सांप बयांईं मण लेर नीकळ्यो । फेर बैं सांप मणानै तो मेलदी अर रामां मैं ऊनैं २ डोलबा लागगो । सांप ऊंदर खाबा आटै । फेर बैं पकड़ जेवड़ोर ढालनै उरासी ज्यो मण कै माळै पड़ी । हूंदेरो होगो । फेर सांप भाग्यो । हूंदेरो हुयोर भागर आर फणांकी देबा लागगो बीं ढालकै । फेर सांप तो फण कटार मरगो । फेर रातनै बड़ मैंईं बैठो रयो । राजा को कंवर फेर संवारैई सूतो ऊठर चालबा लाग्यो ।

मण लेर फेर देख्यो कै भाई हातमूंडोई धो चालां । फेर वो तो बीं बावड़ी मैं अेक पैंड़ी उतरै अर पाणी तीन पैड़्यां उतर जाय । बा मण ऊंकै पल्लै बंधरी छी ज्यो पांणी हातई को आवैनै । जणां वो तळानै बावड़ी मैं जार देखै तो चोखा २ म्हैल अर बाग छै । बठै नागकन्न्यां बैठी म्हैलां मैं । फेर बा बोली रै तू कुण छैरै । मेरो बाप आवैलो तो खाजायलो । तू क्यांडै आयो छै अठै । फेर खयो थारा बाप नैं तो मैं मार्‌यायो । बीं कयो तो म्हारै कनै आजा । फेर दोन्यूं सामल रैबा लग्गा ।

अेक दिन वै सैल करबानै बारानै नीकळ्याया तो फेर अेक राजा की सवारी आगी बठै । जणां वै दोन्यूं भाग्या । बीं नाग की बेटी की अेक जूती रैगी बारानै अतरा नैं बो राजा आगो । बीं बावड़ी माळै राजा बीं पगरखीनै देखर कयो आ जूती ई असी छै तो ईं का पैरबाळी जाणैं कसीक फूटरी व्हैली । या आवै जद रोटी पांणी खाऊं । फेर राजा आपका बागां मैं आयो । गांमैं आर दूती बुलाई । राजा कयो ईं गांमैं दूती छै ज्यानैं सगळ्यांनैं बला ल्यावो । फेर पचास दूती गां मैं लादी । जणां राजा बोल्यो थां मैं चोखी कतरेक । कयो पचास मैं पचीस तो असी छां ज्यो थे काम चावे सोई देद्यां । कै पचीस मैं कतीक । कै बारा । कयो बारा मैं । कयो म्हे दोय तो आमर का तारा उतारल्यां अर चड़ाद्यां । फेर कयो कै थे असी छो तो ईं जूती पैरबाळीनै ल्यावो । कह्यो म्हाराज लियास्यां ।

बीं बावड़ी माळै पैरो बठाद्यो । फेर वा दूती बावड़ी माळै गई रोती २ । फेर अरै म्हारा भाई रै अरै म्हारा भाई रै अयां बैठी २ करै बावड़ी माळै । फेर बा नागकन्न्यां बावड़ी मैं न्हावा आई छी । जणां बा मन मैं कह्यो खणां थारा बाप की भांण नै रोती व्है जणां बा गांवांनै जार राजा का कंवरनै कह्यो कै म्हारा बाप की भांण रोरी छै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
बारानै सो ऊनैं मैं मांयां लियाऊं । फेर बो राजा को कंवर बोल्यो कै जा लिया । फेर वा मण लेर बारानै आर बीं दूतीनै लेगी बुलार । जणां खयो कै तू कुण छै कै मैं म्हारो भाई रै छो सांप ईंडै बींकी भांण छूं । फेर बस वा मांयां चलीगी । सो तीन्यूं रैबा लागगा । जणां अेक दन वो राजा को कंवर तो सोयगो अर वा दूती बोली बीं नागकन्न्यांनैं कछै आपां चाल सैल ई करयावां । खयो चालां कयां आडो तो पांणी भर्यो छै तो खयो कै राजा का कंवर कनै जार मण लिया । वा दूती जार राजा को कंवर तो सूतो छो अर वा दूती मण खोलर लियाई अर नागकन्न्यां नै लेर बारानै आगई । वा बारानै आईर राजा का पैरा बठ्याई छा । फेर बीं नागकन्न्यां नै रथ मैं बैठार राजा कनै लेगा । राजा कनै लेजार वा दूती नजर करी ।

फेर राजा भोत राजी हुयो । दूतीनै मोकळा रिप्या दिया अर गैणों गावा देर राजी करर खिनाई अर वा मण बी बाई लेगी । फेर वा नागकन्न्यां बीं राजानै कह्यो कै राजा तू अयां मैंसूं अकरम करै लो तो मैं मरजाऊंली । जद राजा खयो तो के कहं । जणां बीं कह्यो कै म्हारै वास्तै न्यारो तो म्हैल चुगवादे अर बैंकै तळै सदाबरत लागबो करै । अर म्हैल त्यार व्हैजाय जणां म्हारै म्हैल आ ।

फेर ईंडै तो राजा म्हैल त्यार करावा लागगो अर बींडा सूं वो मीणां की खोज लेर चाल्यो तो आर बामणकानै हेर लियो । जद बै पूछी कै भायला सीकली कांईं बद्या कै सीकली तो कह्यो आव आंपणां भायलानै हेरां । फेर वै दोन्यूं मिलर बैं खाती का कनै आया । आर कह्यो कै भाई तैं सीखलियो कांईं थारो किसब । कै सीखलियो । तो कै चालो । तो राजा का कंवर नै हेरां आंपां । जद फेर वै हैरता २ खोजां २ बींईं बावड़ी पर आया । फेर वो मीणां को कंवर बोल्यो कै भाई आंपणां भायला का खोज ईं बावड़ी मैं ई छै आगानै नहीं चालैं । जणां फेर ओठाई बावड़्या सो बीं सैर मैं आया जीं मैं वा नागकन्न्यां छी । गांव मैं आया तो बीं गां मैं बा नागकन्न्या आप का म्हैल तलै सदावरत दिवाती । सो कोई बीं सैर मैं आवै जींनै आटो मोल नै मिलै सदाबरतै मिलै । फेर बै तीन्यूं ईं गया । सदाबरत देवा लाग्या तो कै च्यार को लेस्यां अर बै छा तीन तो बांकै हुज्जत हुई । सदाबरत देवाळा अर बै खूब लड़्या तो लड़ता २ बीं नागकन्न्यां कनै ले गया । कन्नै लेगया जणां बा कह्यो कै भाई क्यों लड़ो छो थे । तो कै म्हाराज ये छै तो तीन जणां अर च्यार को आमान मांगैं छै । म्हे कयां देद्यां । बै बांनै पूछी कै भाई थे तीन छो अर च्यार को आमान कयां मांगो छो । तो बां कह्यो कै म्हांको अेक भायलो छै सो बैंको ओर ल्यांलां । बैं कही कै भायलो कैड़ै छै थांको । जणां बै बोल्या कै म्हे च्यारूयूं जणां साथई अेक गांव सूं चाल्या छा सो म्हे तीन तो पाछा किसब सीखवा रैगार राजा को कंवर आगयो । सो बीनै हेरां छां । म्हे रोटी च्यारांई कै तांईं करबो करां छां । जद बीं पूछी कै भाई वो राजा को कंवर कठे छै कठे हेरोला । जणां बां कह्यो कै म्हाराज ओठै तो म्हे सगळै हेर्यो सो ओठै तो खोज चालै नहीं अर फलाणी जगां रामां मैं अेक बावड़ी छै सो बैंड़ा सिवाय आगानै खोज चालै नहीं । तो बीं कह्यो कै अब तो थे

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
रोटी खायावो अर पाछै म्हारै कनै आवो। अर बांनै कंदो कै आनै आमान च्यार कोई दे द्यो।

पाछै वै रोटी वोटी खार आया जद बांनै पूछी थे राजा का कंवर नै कयां हेरोला। जणां बां कह्यो म्हाराज कयां हेरां बींका तो बावड़ी मैं खोज जांयं छै। जणां बा नागकन्यां कह्यो कै ई सैर मैं अेक दूती छै सो कोई बी छळ सूं थे बीं कनैं सूं अेक मण छै ज्यो लियावो तो थानैं राजा का कंवर सूं मैं मिलाद्यूं। जद बीं मीणां को कही कै भाई बामण का अब थारी बिद्द्या छै। खोज तो मैं काड़ल्यायो मण तू ल्या। जणां बै तीन्यूं तो सराय मैं थमगा अर बो बिरामण को चाल्यो तो हेरतो २ बीं दूती का घर हेर लिया। घर हेर बीं दूती कै कन्नैं गयो। वा दूती जात की बिरामणी थी सो ऊं दूती को बेटो खटे परदेस मैं छो। जद बीं दूती कह्यो कै बेटा आ बैठ जा। कै बेटा थारो देखां पतड़ो देख म्हारो बेटो परदेस मैं सै कदसीक आवैलो। तो बैं कह्यो कै माता आज रातनैं आजायलो। तो रातनैं वो नरा सारा रिप्या लेर बोई बिरामण को लड़को बीं दूती कै घरां गयो। रात नैं जार हेलो पाड़्यो कै कुंवाड़ खोल। जद बीं पूछी दूती कै तू कुण छै। जद ऊं कह्यो कै तू कोनैं जाणै कांई थारो बेटो छूं। जद वा भोत राजी हुई। कह्यो आव बेटा अेक बिरामण बी कै गयो छो मनैं कै थारो बेटो आज रात नैं आवैलो। तो वै रिप्या माल गाबो लत्तो रोकड़ ज्यो ल्यायो सो सब बींनै सोंप दियो कै मा मैं यो माल ल्यायो छूं। जणां वा भोज राजी होगी रिप्या लेर। जणां कह्यो मा क्यूं थारै कनै बी छै। जद बैं कह्यो कै बेटा आ मण तो म्हारै कनैं छै अोर क्यूं बी नै। तो कह्यो मा देखां मुनैं दिखा। फेर वैं दिखाई। जद ऊं कह्यो क मा आ तो म्हारै कनै रैवादे। जणां बीं कह्यो कै बेटा तू राख। रात नैं खूब तो रोट्यां खुवाई। जणां ऊं का बेटाकीं भूनै नींद आई अर वो तो ले मण अर पार हुयो बठ्या सूं। वो तो भागर आप का भायलां कनै आगो कै भाई लियायो छूं मण तो मैं।

फेर रात की रातई वा मण लेर वीं नागकन्यां कनैं गया। जणां जार कह्यो म्हां का भायलानैं बताओ मण तो म्हे लियाया। बैं कह्यो हां अब मैं बी चालस्यूं थांकै साथ। जणां बै चार्‌यों साथ २ बैं बावड़ी मैं चल्या गया। आगानैं जार देखै तो राजा को कंवर तो मर्‌यो पड़्यो छै। जणां बैं मीणां को अर बै कह्यो कै ओ तो मरगो। तो ऊं बामण कै कह्यो कै पड़्यो मर जावो मैं जुवा लेस्यूं। तो कह्यो जिवा। तो वैं कोई मंतर अस्यो फड़्यो ज्यो जियायो। जणां च्यार्‌यूं हंसर वातां करबा लागगा अर राजी होगा। जद वै च्यार्‌यूं आपस मैं बतळाया कै अब आंपां चालां कयां देसनैं। जणां वा नागकन्यां कह्यो कै बावड़ी कै माळै तो राजा पैरो बैठा राख्यो होसी। तो बैं खाती कह्यो कै बारा बरस सुस्ताओ तो मैं उडण खटोलणूं घड़ल्यूं जीं मैं आंपां बैठर चल्या चालांला। फेर बारा बरस मैं उड़ण खटोलणू त्यार कर लियो खाती। फेर बैठर ऊंडास्यूं आप का गांव नै चल्यागा। फेर वा मण तो रैगी ऊं बामण कै अर उडण खटोलणूं रैगो खाती कै नाग कन्यां नैं राजा को कंवर लेगो आप कै घरां अर बस च्यार्‌यूं आप २ कै घरानैं चल्यागा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

फूलजी भाटीं छो सिंदी को राजा । सो सिंदी का राज मैं मेड़ता का पिंडतां मे बांदियो । जद सात बरस तांणी मे कोन्यै बरस्यो जको देस हुतल फुतल व्है गयो काळ पड़ गयो । जद कैबाळा कही ग्रस थांकै तो सिंध का राज मैं मेड़ता का पिंडतां मे बांदियो ग्रस हिरणां कीं डार छै जीं मैं किस्तूर्यो हिरण छै बीं कै सींगड़ी कै मे बांदियो जको बीं हिरण नै मारो जद थारा राज मैं मे बरसै । सो राजा हज्जारूं घोड़ां लेर बां हिरणां की गैल दिया छै सो घोड़ा थागता गया जे घोड़ा रैता गया । ग्रर हिरण बी रैता गया । सो ग्रोर तो रै गया ग्रर वो किस्तूर्यो हिरण ग्रर राजा कोई सैकड़ी कोस चल्या गया । सो हिरण थाकर उबो रै गयो जणा राजा हिरण नै मार गेर्यो । सो सात बरस को ग्रासूदो छो सो मूसळ धार मे ग्रार पड़्यो । सो राजा मे को मार्यो घोड़ा का हाना कै चिप गयो । थाक्योड़ो तो छोई राजा सो राजा नै सुरत नई ग्रर घोड़ा नैं सुरत जो कोई उजाड़ बेगान कै मांईं ग्रेक हीर की ढाणी छी । सो मिनखां की बोली सुणर घोड़ो बीं हीर की ढांणीं कनै ग्रार खड़ो रह्यो ग्रर हींस्यो । जणां हीर कही रै घोड़ा सो कांईं हींस्यो । बारानै देखां कंवाड़ खोलर देखो । सो दो च्यार जणां ग्रार देखैं तो तो घोड़ा का हांना कै हांना कै ग्रेक मानवी चिपर्यो छै । सो बींनै उतार मांयं नै ले गया । घोड़ा नै घास दाणूं दे दियो । बींनै सुवाण दियो रूई मैं डपटर । सुवाण दियो सो ग्रादेक रात को बींकै निवांच बापर्यो । सो बीं खाबानै मांग्यो । सो जाट की बेटी ग्रापकी मा कनै सूं दूद ल्यार पायो ग्रर पार सुवाण दियो फेर मुंवार हुयोर बो उठ्योई जणां तम्मा हम्मा सबी पूछ्यो तू कुण छै खटे को छै खटे ग्रायो छै । जणां बीं खयो सिंधी को तो मैं राजा छूं फूलजी भाटी मेरो नांव छै । तो पान सात दिन बींनै बीं हीर डाटलियो ।

पाछै ग्रेक दिन का समाजोग मैं कह्यो कै म्हे तो म्हांका गावांनै जास्यां । घोड़ा माळै जीन करायो । जणां हीर कै पंदरा सोळा बरस की बेटी छी । जोस्यां नैं बुलार सावो खडायो ग्रर फेर राजा नैं दे दिया । राजा मैनों दो मैना बठे ग्रोर ग्रटक गयो । न्यारी छै ज्योनै राजा नै जणां वणां दीनी । सो रात २ तो राजा मांयं जाय ग्रर दिन नैं बारानैं बैठ्या बातां चीतां कर बो करै । सो ग्रेक दिन का समांजोग राजा दो पैरी का भगत मैं मांयं ऊठगा । सो ग्रेक मानवी फूलजी कैई उणयारै चौपड़ पासा खेलर्यो । सो बीं राणी नै फूलजी कह्यो कै तू कुणनै बुलावै छै मार नाखस्यूं तनैंतो । सो वा राणी कह्यो कै म्हाराज ग्राप कै उणियारै होर ग्रागो जणां मैं जांणूं कै ग्राप ही छो ग्रर मनै तो मालम ही कोनै । सो बीं राणी कै ग्रादान रै गयो । फेर कई निन गुदरबो कर्या । फेर राजा बीं हीर नै खई ग्रस मैं तो म्हारा देस नै जास्यूं । जणां बीं राजा की राणी खयो कै ग्राप जावो छो ग्राप का हाथ की सैंनांणी मनै दे जावो । जणां वैं राजा छै जको छुरी कटारी कोई ग्राप को रुमाल वैं नै दिया । जणां राणी नै तो बठे ही छोड़ दीनी ग्रर राजा ग्राप कै देस नै चल्या ग्राया । गांव ग्रार वां तो ग्राप को राजपाट समाळ लीनो । फेर बीं राणी कै नवैं म्हैनैं लाखोजी हुया । फेर जको लाखोजी राजा का बेटा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

छा सो घड़ी बत्तां पुलां बंधै । फेर दस बारा बरस का हुया जणां रेगड़ा बाछड़ां चराबा लागगा । फेर बांकी साथ गांव का ओर बी दस पांच छोरा जाबा लागगा । जणां बै राजा का बेटा छानै सो वां रेगड़ा बाछड़ां कै अगाड़ी पिछाड़ी तो बांदै अर बांनैं घास गिरावै अर आप जाजिम ढळार बैठ जांयं सो बैठ्या रैं । सो कदे तो बै बां रेगड़ा बाछड़ांनैं घास गिरा दे अर कदे खेलबा लाग जांयं जणां बै रेगड़ा भूखाई आवैं । ज्यो अेक दिन बांका मा बाप बोल्या कह्यो रै अै रेगड़ा बाछड़ा भूखा कयां आवैं छैं । थे कांईं करबा लाग जावो । जणां वै बोल्या कै ओ लाखो जेवड़ां की अगाड़ी पिछाड़ी तां रेगड़ां कै बंधा दे अर ख्यालां लगाले जको म्हे कांईं करां । जणां फेर वीं लाखानैं घरां राख लियो अर गुवाळ कोनैं खिनायो ।

जणां फेर ओ तीर कमठा लेर पाणी का कुवा पर जा बठ्यो जको पाणी हाळ्यां का बेड़ा तीरां की देदेर फोड़िनाखै । जणां वै पांणी हाळी आर वींकै घरां पुकार करी कै थारो दोयथो म्हांकां बेड़ा फोड़ै छै ! जणां वैं कही कै थे बींनै कांईं ईं नांव मतना लीज्यो अर म्हारै कनैं सूं तांबा पीतळ का बासण ले जावो । सो तांबा पीतळ का बासण घड़ा दीनां । जणां बीं लाखैजी सार का तीर कमठा घड़ाया । सो अेक दिन का समांजोग मैं अेक बिरामण की बेटी का मांट कै दीनी । स्याला को छो मोसम । वा लड़की भीज गई । जणां वा बिरामण की बेटी कह्यो कै बाळ्या तू कुण को जायो कठ्या को ऊपन्यो तू कुण छै । म्हारो बेड़ो फोड़ गेर्यो मैं भीजगी । जणां वो बठ्यासूं रोसखार आर आपकी माकी छती माळै बैठ गयो । कह्यो कै मैं कुण को बेटो छूं सो बता । जणां बींकी मा कह्यो कै बेटा आंपां बिखा का दन काडां छां तू मोट्यार व्हैजा । अबार कांईं पूछै छो पाछै पूछ लीजे । जणां यो बोल्यो कै मनैं तो छै जसी की जसी बात कदे कुण मेरो बाप छै नहीं मार नांखस्यूं । जणां बा बोली कै तेरो बाप फूलजी भाटी छै सिंदी को राजा । जणां फेर वैं दो येक तो आदमी लिया साथ अर वै सैनाणी छुरी कटारी दुसालो आप की मा कनैं छी जकी ली । लेर वो भीर हुओ घोड़ै असवार व्हैर । सो अेक उजाड़ बेगान कै मांईं जार उतर्यो । सो उजाड़ बेगान मैं ठग आया जको रातनैं पैरो देर्या छा जको पकड़ किया ठगांनैं । सो वां ठगां कनै धन माल ज्यो नीकळ्यो ज्यो तो खोस लियो अर वां ठगां नैं छोड दिया । फेर वांनैं तो छोड़ दिया अर करा घोड़ां माळै काठीर आप सिंधनैं भीर हुया ।

सो कोई म्हैनाक मैं चल्या थक्या चल्या थक्या जार सिध मैं पोंछ्या जको राजा को आमखास व्है रियो जको वै सनाणी तो राजा कै आगै मेल दीनी अर आप राजा कै बराबर बैठ गयो । जणां वां सैनाण्यां नैं देखर राजा कह्यो कै बेटो तो म्हारो ही छै । जणां राजा कोर बींको हम्मा तुम्मा ओर बैठ्या ज्यांनैं अेक उणियारो दीखै । जणां वै पूछ्यो कै म्हाराज ओ टाबर कुण को छै । जणां राजा कह्यो कै म्हाराई रामजी को छै । जणां सगळाई विचारी कै राजा कै लड़को भी कोनै छै चोखी बात हुई । फेर छै ज्यो सैर मैं आनन्द हुयो । हजारू रिप्यो लगायो । फेर छै जको रैबो कर्या । बारा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

मीना हो गया। अंक दिन को समाजोग कै भाई नै राजा सिकार चल्या गया। सो दो सै असवारां सैं राजा तो सिकार चल्या गया अर राण्यां या बिचारी अस राज तो ईं कै लाखाजी कै हात आसी थांकै तो कोई पुत्तर होसी जींकैं तो हात आंणूं नैं। जणां छै जको राण्या बिचारी ईं नैं देस निकाळो दिवाद्यो। जणां जार पान दिन च्यार दिन सूं राजा आयोई। जणां राजा म्हैल गयां। जणां राण्यां बोली कह्यो कै तो थारी ई राण्यां हांली कै लाखाई की हांली। सो राजा नै भाळ आई सो बारणै आर ओदादार मुसद्यां नै बुलाया। ओदादार मुसद्दी आर बोल्या कै म्हाराज खो। जणां कह्यो कै ईंनै काळाई तो कपड़ा देद्यो काळोई घोड़ो देद्यो अर लाखा नैं देस निकाळो देद्यो। जणां जार ओदादार मुसद्यां लाखाजी नैं बुलायोई। जणां लाखोजी आर खयो कै बोलो। जणां कह्यो कै भाई राजा को देस निकाळा को हुकम छै। जणां खयो कै चोखो देस निकाळा को हुकम छै तो ऊठ जास्यां।

जणां सा वैंनैं देस निकाळो दे ई दियो। काळो घोड़ो काळा बसतर। जणां कोई पान च्यार दिन हो गया बैंनैं गयां जणां गैलसुं ओदादार मुसद्यां खई राजानैं कह्यो राजा तनैं मोट्यार जुवान बेटा नैं सीक नैं देबा की छी। कह्यो राण्यां कोई कैबो छै लुगाई की जात छैं भूंठी सांची मेल दें छैं। जणा कह्यो कै जाणैं थारै पुत्तर व्हैक नै व्है तो राज को धणी धोरी कुण। जणां राजा बिचारी कै भाई सांची बात छै। जणां राज फौज नै हुकम दियो कै चालो बींनै ल्यास्यां। जणां फौज छड़ी। राजा बी छड़्यो। फेर हजार पान सै असवार लेर राजा गैल भीर हुयो। सो आगै तो लाखोजी गैल फूलजी। सो यां लाखाजी नैं गैल नै घोड़ां की गरद उडती दीख। सो खीरां मैं बाटी छोड़ दीनी अर वै बी दड़ाछांट हाक दीना। जणा राजा की फोज आगै गई जणा खीरा मैं बाटी सिकती लादी। जणा राजा बोल्यो कै "बाटी तो डाटी रै अर खूंट्या टंकी कवाण। फूल कहरै ठाकरो अै लखपत का सैनाण" कै लाखो पुत्र समंद को जस्यो गंगा को नीर। आप नार्‌यां को बालिमूं अर परनार्‌यां को बीर।" फेर छै ज्यो आगानै समंदर कनै गयो लाखोजी। सो लाखाजी नै समंदर गैलो दे दियो। अर फूलजी नैं गैलो को दियो नैं। सो अै तो आपका गावानैं ओठा आय गया अर लाखोजी समंदर पार व्हैई गया।

अैं यां व्हैतां २ कई रोज हो गया। सो राजा कै पुत्र को हुयो नैं। सो कोई आदमी नै खिनावै बठे लाखाजीं कनै सो कोई नाव मैं बैठर जाय समंदर कै पैलै ओड़ जाय। जको सो वो लाखोजी ज्यो कोई बींकै आगै बींका पिता को नांव ले जकाई नै मार नखावै। सो कई आदमी खिनादिया राजा। फेर राजा कनै समचार लाग्या कह्यो म्हाराज आप को नांव ले जींनै ईं मरा नखावै। फेर राजा खनाबा सूं रै गयो आदम्यांनैं। फेर अैं यां पान सात बरस हो गया। जणां फेर छै जको राजा देवलोक हो गयो। जणां ओदादार मुसद्यां बिचारी कह्यो राजगदी कुणनै बैठावां। जणां कह्यो लाखाजी कनै कागद देर कोई आदमी खिनावो। फेर नाव मैं बैठर आदमी कागद लेर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
गयो । अेक जोगी गयो सो बीं जार सारंगी मैं गायो कै "फूल सुगंदी बाडियां अर माटी को लाबान । थ बिन सूनी सिंधि हो लखपतिया मैराव ।" फेर कह्यो रै कै फूलजी देवलोक होगया । जणां कह्यो रै सारंगी की जीब खडाल्यो । जणां जीं दिन सूं श्रो खाडो सारंगी कै चल्यो आवै छै । फेर लाखोजी घोड़ा असवार व्हैर आ गया आप की सिंध नै । फेर आपको राजपाट करबा लागगा अर आप की मानैं बी बुलाली अर मोज सूं रैबा लागगा ।

(३) गादड़ा गादड़ी की कांणि

बन कै मांयां नै अेक गादड़ोर गादड़ी रै छा । दन आंथ्योर कोई चुगो पाणी करबा नै गांव कै सांकड़ा आया । तो गादड़ी नै तस लाग्याई । बोली मैं तसायां मरुं छूं पाणी पीऊंगी जको तळाव ऊपर चालो पैली । बोली पैली पाणी थे पीयावो मैं पाळ कै ऊपर ऊबी छूं । कोई नार भगेरोक अोर जीवजंत आवैंगो तो कै द्यूंगी । तो गादड़ो पाणी पी चुक्यां जद बोल्यो कै तळाव की पाज कै ऊपर तो मैं खड़ो रुंगो अर आजा तू पांणी पी लै अब । जार गादड़ी पाणी कै मूं लगायो । तो बींका गाल कै सारै चांद दीख्यो पांणी मैं वीं गादड़ी नै । तो अोठीई भागी । भागर ईंठे अेक दूवो कीयो ।

दूवो— पाळ छड़न्ता मानवी तेरै गज असतीसा दंत ।
चांद चरूंठ्यो ले गयो अब मैं मरूंक जीऊं कंथ ।।

चालतोई गादड़ो उलटो बावड़र फेर बोल्यो छै ।

दूवो— तू खै तो चांदा नै बस करूं तू खै तो राळूं मार ।
असो कांई चांदोजी जको तकै पराई नार ।।

गादड़ी बोली बस करलै मारै मत जको मैं पांणी पील्यूं । जणां गादड़ो उठासूं चाल्यो बोल्यो आव मेरी साथ तू । साथ चालर तू बता खटै सी छै वो चांद । गादड़ी जार बोली यो रियो । गादड़ो बोल्यो अब देख बस करूं छूं । जार पांणी कै मांयां नै पग हला दीनु । चांद दीखबा सूं रैगो पाणी हाल्यो जद । अब पीलै पांणी । मनै देखर भाजग्यो छै चांद तो । पांणी मैं पग तो दीयाई छा अर सीयांला को छो मैंनु । सी लाग्यो गादड़ सिंगजी नै । सीयां मरतां भेळा धेळा व्है अब । गादड़ी नै बोल्यो मैं तो सीयां मरतां अर भूकां मरतां मर्‌यो कोई सिकार ल्या मेरै तांईं । गादड़ो तो बींडे बैठगो । गादड़ी बींड्या सूं दोड़ी जको फाटी गिड़्या माऊं गई । सुस्सो बींका आगा सूं ऊठ भाग्यो । देख सुस्सा नैर अठै फेर दूवो कयो छै अेक ।

दूवो— कूं कूं जसड़ा कानड़ा तेरा दाड़्यूं जसड़ा दंत ।
आवो सुसाजी घर करां म्हे कांमणी थे कंथ ।।

सुस्सोजो बैठगा । बैठर बै बी दूवो बोल्या ।

दूवो— चालूं ढुरमक चालक बोलूं इमरत वांणी ।
तड़कै न्यात जात मैं जावां जद यूं कै कै सुस्सै स्यालणीं आंणी ।

बात तो पूरी हुई अर बीं स्यालणी जार सुस्सा का कंठ जा पकड़्या । बींनै मारर आप का घर का घणी कनै लेगी । दोन्यूं बांट खायो ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(४) कीड़ी की बात

कीड़ी छी जको अजमेर कै फळसै घूघरी की घाटी छै जीं मैं कीड़ी ब्याई । जद ब्यावा लागी जद ऊबी होगी । जको बच्चो बींको पड़्यो ऊपर सूं । जको पग टूटग्या । तो अठै अेक दूवो खयो छै । कोई गुवाळ छ्याळी चरावा हाळै ।

दूवो

कीड़ी ब्याई कांमणी, करकै मन मैं कोड
बच्चो ल्याई बापड़ी तीन पगां को टोड ।

जैंकै अेक पग तो दर मैं ईं कोन्या छै । अर तीन पग छा जका बा ऊबी ब्याई जैं स्यूं पड़बा स्यूं टूट ग्या । वा तो ब्यार चलीगी । अर बैं बच्चा नैं भूक लागी । तो अब बोजा सुरड़ै ऊंट तो । सो बीना पगां फिर्‌यो तो जाय कोना । अर जींड़्या तांईं बीं की नाड़ नावड़ै जींड़्या तांईं का बोजा का पानड़ा सुरड़ खाया । बींकी नाड़ रोजीना बदबा लागगी । कनै कनै कातो खा गयो अर दूर का खाबानै नाड़ बदती जाय आगा नै । तो दिन नै तो वो पड़्यो रै अर रात नै नाड़ पसारै । सो दिन बीसेक तार तो कीतीक दूर का बोजां नै खाली कर दीया । फेर अेक मैंना को हुयो जठा नैं बींकी नाड़ च्यार सै कोस ऊपरां नैं कोटा बूंदी का बाग मैं जा पूंछी । तो किताक दिन तार तो नागर बेल का पान सुरड़ सुरड़र खावो कर्‌यो । तो वां माळ्यां नै खबर कोन्या पड़ी अस कुण खाजाय छै । अेक दिन रात नैं बागवान पैंरो राख्यो । तो जैं भगत ईं की तो नाड़ पसारर चरवो हुयो । अर बो माळी आ गयो फिरतोई बठी नै । सो उठा अेक भाट अर टांट मैं दीनी । सो टांट फूटर खाडो पड़गो । ऊंद्याळा का छा दिन । सो बठा सुंसतो खा भाठ की अर आई गयो छो अठे । आंदी बाजबाजर टांट मैं खाडो पड़गो छो बैं मैं रेत पड़बा लागगी ।

तो अेक दिन कोई उतराद की आंदी घणी जबरी आई । जैं आंदी मै बीज उडर आर बीं की टांट मैं आपड़्या । अेक बीज तो काचरा को अर अेक तिल को । दूसरै दिन हुयो मे सो ऊग्याया दोन्यूं ई बीज । ऊगर बडा बडा होग्या । तो काचरा की बेल कै तो काचरा लाग्याया अर तिल का बोजा कै तिल लाग्याया । अजमेर का राजा को कोई हाथी छो बावळो हुयोड़ो । रात नै ठाण फोड़र सांकळ्यां बांकळ्यां तोड़र नीकळ्यो बारानै । तो घाटी मैं चडतांईं बड़ की नाई जबरो पेड दीख्यो बो तल । सो जार पूंछ्यो वो हाती । सो वो बोजो ऊंचो ऊंट की टांट मैं तो ऊग्योड़ो छोई । अर हाती बीं कै तळै जार जार सूंड घाली । सो दे डाळा कै आंटो अर पकड़र हलहलांवणी दीनी बींकै । जको बेल कै तो काचरा पाक रया छा । अर तल को बोजोस पाक्योड़ो छोई । सो झड़ झड़र हाती कै ऊपर पड़बा लाग्यास तळै दबग्यो । दबर मरग्यो हाती तो बींकै नीचै । हाती तो बठै मर ई रह्यो छो ।

अेक तो दिल्ली बादस्या कै कोई मल्ल पाळ राख्यो छो । अेक छो बीकानेर का भाव्यां कै बिसोई बींसूं लड़बा लायक । सो दिल्ली हाळो मल्ल चाल्यो बीकानेर का मल्ल सूं मिलबा बासतै । सो अजमेर मैं घूघरी की घाटी चडतां हाती दब्योड़ो निगै आग्यो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
बीकी । सो बीं वां तिलां कै मांयं सूं बी हातीनै उचींद काड्यो । काड़कर्‌यांनै मन मैं बिचारीस आगै तू बीकानेर मैं चालैगो तो बींडै पाणी कोनी हात आवैगो तेरै । सो जै व्है तो ईंकी खाल काडर ईंकी दीवड़ी सिवां लेचालां । सो यो तो खाल काडर रंग रह्यो छै अठे । अर बींडीनै सूं बो तीयार हुयो ईंसूं मिलबा तांईं । तो बीं बिचारी तू अठी सूं कोई चीज लेतो चालै तो नफोई रै जाय । सो गोवां की गाडी अस्सी भरी बीं । भर गाडीर बगतरी का कीसा मैं घाल लीनी अस्सी गाड्‌यांनै । बींडी सूं तो घाल अस्सी गाडी कीसा मैं अर बो चाल्यो । अर अठीनै दीवड़ी त्यार होगी जद भर पांणी सूं र घाल खुवा मैंर अजमेर सूं यो चाल दीयो । मकराणा कै मांयंनै दोन्यूं भेळा व्हैगा । अेक उजाड़ कै मांयं बावड़ी छी जींकै ऊपर । सो दोन्यूं पैल्यां कदे मिल्योड़ास तो छाई कोनी । सोब्या ई सुणबो करै छा । तो यां पूंछी आपस मैंस भाई तू तो कुण छै अर तू कुण छै बीकानेर हाळो पूछी पैली । क्यों बेली कुण है वो भाई तू । आ उरो हूका भरां की । थारा दीवड़ा मैं पाणी है तो हूका मैं कर परो जको हूका पीहां अर अथांयां कर हां । अब औ कनै आयो ईंकै आर बोल्यो की भाई हम तो जात का मुसळमान हैं अर दिल्ली रैता हूं बादस्या कै पास । तुमारां समंचार कैणा हमकूं । ख्यां सैं तो आया ख्यां जायगा अर कौण जात हौ । तो बीकानेर को बोल्यो की आ उरो भाईड़ा आपां तो भाई हां । हूं जातरो तो हूं कामखानी । अर बीकानेर म्हारा रहैणा है । पूछ्‌यो क्यूं भाईजी कैंयां आंवणं हुयो कठै जावो हो आगा ।

तो दिल्ली को मल्ल छो जको बोल्यो कै बीकानेर कै मां अेक मल्ल है श्यामखांजी नांव जैस कूं तुम जाणता होक नहीं । जांणं कींकर नईं हूं तो ऊंकै पाड़ोस ई रूं हूं । घण्‌ सारो सैंदो है म्हारो तो । म्हारो अेक मित्री दिल्ली कै मां है जींनै थे जांणता होगा । क्या नांव है तुमारा सैंदाका म्हारा सैंदा का । नांव काळैखांजी कैवै है उस कूं तो जाणता हूं अछी तरै । बीकानेर को बोल्यो आगै श्यामखांजी हूं थे मिल्योड़ा हौक नी । बोल्यो आगै तो नहीं मिल्या कागद पत्तर आता था उसकी सोब्या सुणकर अब इरादा कर्‌या है मिलणे का । श्यामखांजी जका हूं थे मिल्या चावो हो मैं ईं हूं । तो खई काळेखां नांव बी मेराई है । भाई वो भाई की जणां तो अेक पंथ दो काज हुया । झट दोनू ऊठर बाथां बाथां मिल्या । अब आपणा दो दो हाथ व्हां कुसती का हो जाय । दोन्यूं ईं बोल्या अठै उजाड़ छै आपांनै देखणू वाळो तो कोई छैई कोनी । अै तो बतळा रया छा अर अतरा मैंईं मकराणां मैं सूं अेक रैबारण रोटी ले आपका खावंद की अर आगई । बींनै ये बोल्या की थोड़ीसी बार तू अठै ठैरजा सो म्हे कुसती करल्यां जींकी स्याद भरलीजे तू कोई हारजीत व्है जींकी । वा बोली मैं ठैरूं तो नहीं मेरो घरकोधणी लड़ै । अर मेरा सिर ऊपरांनै ढकोलो छै ईंकै माळै थे बी चड जावो रोटी मेरी हात मैं लेल्यूंगी । ईं मैं लड़ता चालो थे जुण सो नीचै पड़ैगो जींकी छाया देख लेस्यूं । वा रोटी मोड़ी लेर जाती जनाड़ै बींको खावंद मारतो बींनै । जद या कैतीस कदे जबरानै त्यार तनै पिटाऊंगी । तो ईंनै दूर सूं आती देखी रैबारी जद वो जांण्यूंस रोजीना तनै खैबो करै छी जकानै लीयाई आज तो । यो बींनै आती देखर आप की कांख मैं खोलकी छी बींनै बिछार सातूं बीसी सांड छी जक्यांनै बांद गांठर जांटड़ी कै मैंनै उळजार भागगो वो तो ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

४. काठैड़ा की बोली

(१) राजा करण की बात

राजा करण छो। वो जद दांतण फाड़तो जद सवा मण सोनू रोज दान करतो। दान करर नित्त बिरामणांनै बांटतो। यो परबंद रोज मुररां को कर राख्यो। सब राजावां मैं या बात मसूर हो रही। उज्जीण नगरी को राजा बीर बिकरमादीत पर दुख को काटणहार नीत को चालणहार यो मन मैं देखी की इतनी बात परतापीक तो म्हारी बण रही छै और सारैंटै मसूर होरही छै पण जो राजा करण की बात सवा मण सोनु रोज दान करणै की छै वा नहीं। तौ ई की तलास करबा मैं राजा केई दन उद्योग मैं रह्यो। रह्यो की राजा करण ईत्तो सोनु रोज मुररां खट्या सूं ल्यावै छै। परंत ई को पत्तो पायो नहीं। जद राजा या बिचारी कि राजा करण कै चालकर नोकरी कर्‌यां सूं ठीक पड़सी।

जद राजा बीर बिक्रमादीत या बिचारकर राजा करण कै गयो। उठै जाकर नोकरी को तजवीज लगायो। सो और कोई नौकरी तो बण सकी नहीं अर घोड़ां का चाकरां मैं चैंरो हुयो। तिद केही दिन तांईं राजा निसचो कर्‌यो : सोनु आबा को पतो पायो नहीं। राजा करण नै नित्त मिति करण का रहबा का मैल मैं सूं काड़र देतो देख्यो। राजधांनी की पैदाइस मैं सूं मंगाकर देतो देख्यो नहीं। जद राजा बीर बिक्रमादीत देखीक अौ सोनू तो कोई करामांत सूं आवै छै अर जद राजा दान करै छै।

राजा करण नित्त मिति दन्यांथ्यां की भकत घोड़ै सवार होर सहैल करबानैं जाय। अर अेक चाकरनै साथ ले जावै। सो नित्त मिति तबेला को घोड़ो अर चाकर अपणा अपणा वार आवै जूं साथ जावै। अेक दिन राजा बीर विक्रमादीत जैं घोड़ा की नोकरी करै छो वैंको वार आगयो। वैं दिन घोड़ो लेकर राजा बीर बिक्रमादीत राजा करण नै सवार होबा वासतै लेर गयो। तिद राजा करण सवार हुयो अर सवार हैर चाल्या तिद भौत दूर तांईं कांकड़ मैं चाल्या गया। उजाड़ मैं दो घड़ी रात गयां जाती अेक रौंखां की बनी आई। उठै घोड़ा नै ढाब कर राजा करण उतर्‌यो अर चाकर जो राजा बीर बिक्रमादीत छो जैनैं घोड़ो पकड़ा दीयो अर कही कै तूं अठै घोड़ानै लीयां बैठ्यो रहै। मैं आंऊं जत्तै कठीनै जाजे मतनै। या कहर राजा करण बनी में गयो। वैं भकत राजा बीर बिक्रमादीत घोड़ा नै अेक रौंख कै बांद्यो अर भकत अंदेरी रात की छी सो जठीनै राजा करण गयो बैं कै पाछै पाछै ई यो गयो।

आगांनै अेक गुफा देखी जैंकै बारणै भट्टी पर कड़ावो चड रहैयो अर ऊं मैं तेल तातो हो रह्यो। सो जातां ईं राजा करण कड़ावा मैं कूदकर पड़ गयो। पड़तांईं जीव

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

निकळ गयो अर भुंद गयो । या बात राजा बीर बिक्रमादीत ल्हुक्यो हुयो देख रह्यो । ईत्तै मैं गुफा मैं सूं अेक दैत निकळ्यो । वो दैत कड़ावा कनै आकर राजा करण नै काडर ऊंको मांस खा गयो । फकत ऊंका हाड राख्या । पाछै पांणी को छांटो देकर राजा नै सरजीबत कर्यो । राजा साव चेत हुयो । यैं भकत वैं दैत कहीक मांग । जद राजा करण कहीक सवा मण सोनु द्यो । वैं भकत दैत वैंकै कनै मिण छी वैं सूं सवा मण सोनु पैदा कियो । वो राजा नै दे दीयो । राजा लेर चाल्यो । सो राजा बीर बिक्रमादीत घोड़ा को चाकर होर गयो छो सो ल्हुक्यो हुयो देखै छो । वो उठा सूं आगांनै चालकर घोड़ा कनै आयो । रौंख का सूं घोड़ा की बागडोर खोलर वैंकै कनै लेर बैठ गयो । अत्ता मैं राजा करण आ गयो । आतां हीं सवार होकर चाल्या । सोनु राजा कै कनै मोजूद रह्यो । राजा करण अपणै मैल आकर सोनु तो मेल दीयो । राजा बीर बिक्रमादीत घोड़ो लेर तबेला मैं गयो । सारी करामांत राजा करण की देख लीनी । कै अयां तो सोनु ल्यावै छै अर यो सोनु ल्यावै सो दान करै छै ।

दूसरै दिन राजा बीर बिक्रमादीत मांस खार डील कै अत्तर फुलेल लगार वैं ही दैत कै ठिकाणै दन्यांथ्यां जाय पूंछ्यो । राजा करण कै पैली पूंछर जातांईं कड़ावा मैं पड़ गयो । अर तेल मैं भुंद गयो । इत्ता मैं दैत बारांनै आकर राजा बीर बिक्रमानै काडर खा गयो । पछै दे छांटोर सरजीवण कर्यो अर कही मांग । जद राजा जुबान सुं कही कै मैं जो करार करूं सो आप द्यो तिद मांगूं । जद दैत कही के आज थारा मांस सुं म्हारी मंसा पूरण हुई छै सो तनै यो बचन दीयो छै सो तूं मांगसी जो देस्यूं । जद राजा बीर बिक्रमा मांगी कै आप कनै या मण छै सो मनै द्यो । सो दैत जबान मैं आकर मण दे दीइ । मण लेर राजा चाल्यो नोकरी छी जैं पर जार पौंछ्यो ।

राजा करण की बकत दैत कनै पौंचवा की छी जैं बकत करण पौंछ्यो । आगानै जार देखैं तो कड़ावो ऊंदो पड़्यो छै । कड़ावा कनै जाकर ऊबो रैयो । वैं भगत दैत बोल्यो कै म्हारै कनै करामांत छी सो पैली जो आयो सो ले गयो अब तूं क्यूं ऊबो छै । अब जो ऊबो रह्यो तो तनै मार नाखूंला । ऊं भकत राजा बिचारी कै अठै तो जो कोई करामांत छी सो कोइ ले गयो । पाछो मैल मैं आकर सुस्त होर सो गयो । दन ऊग्योर ऊठवा की भकत राजा मैल बारै ऊठर आयो नहीं । बारांनै दान हाळा ऊबा । सोनु मोजूद नईं । राजा मन मैं देखी कै राज की पैदास मैं सूं मंगाऊं तो पार पड़ै नहीं । जद भोतसो हेलो हुवो । सब लोगांनै या ठीक पड़ गईक राजा कनै सोनु मोजूद नहीं । या बात राजा कै कानां पड़ी अर जीव तुजबो बिचार्यो । वैं भकत राजा बीर बिक्रमादीत पर दुख को काटवा हाळो कहावै छो सो घोड़ां मैं चाकर सो बिचारी कै राजा करण मैं दुख पड़ गयो । जद राजा करण नै जार कही कै मैं राजा बीर बिक्रमादीत छूं । राजा थारै मैंनै दुख पड़ गयो तू या मण लै । मण सूं सोनु पाड़ कर दान करा दीयो । मण सूंपर ईंको दुख काट दीयो । वैं भकत राजा बीर बिक्रमादीत सीक लेर रवाना आपणा सैंर नै हुवो ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(२)

अेक डूंगर मैं अेक नार नै पींजरा मैं कैद करमेल्यो जो दो तीन दन को भूखां मर्‌यो छो। बठै बीं नार कनै अेक बरामण चाल्यो गयो। नार ऊं बरामण नै कई तू मनैं ईं पींजरा मैं सूं छोड़ दे तनैं धरम होसी। जद वो बांमण नार नै दो तीन दन को भूको तसायो देखर पींजरा की खड़की खोलदी। पींजरा मैं सूं नार नीसर्‌यो अर ऊं बामण नैं कई मैं तनैं खास्यूं। जद बांमण बोल्यो मैं तनैं पींजरा मैं सूं काड्‌यो मैं थारो कांईं बुरो कर्‌यो। जद नार कई अबार को बकत अस्यो छै भलो करबाळा को बुरो करणूं। जद बांमण कई थारा कैबाकी मांनूं कोनै कोई दूसरा कनै आ बात कुवादे। जद नार अर वो बांमण दोन्यूं चाल्या। अेक गैला पर नीम को रूंखड़ो ऊबो छो। जद ऊं रूंखड़ा नै पूछी मैं ईं नार को भलो कर्‌यो छै अर ओ म्हारै सूं बुरो कर्‌यो चावै छै सो आ बात अंसाफ कीक वे अंसाफ को। जद वो रूखड़ो कई ईं गैलै आवा जाबाळा म्हारी छांवळी बैठैं अर जाता डाळी तोड़र ले जाय। सो अबार को बकत अस्योई छै भलो करबाळा कै साथ बुरो करणूं। जद फेर वो नार ऊं बांमण नै कई अब तो मैं तनैं खाऊंक जद बांमण कई अेक जणां नैं ओर पूछस्यां।

जद फेर आगांनैं चाळ्या जद अेक स्याळ्‌यो जाय छो। जद स्याळ्‌या नैं कई म्हांको न्याय करदे। स्याळ्‌यो कई बोल्यो थांको कांईं न्याय छै। जद नार कई ओ बांमण म्हारो भलो कर्‌यो छो तो अब मैं ईं को बुरो करूंक भलो करूं। जद स्याळ्‌यो कई आ बात मांनूं कोनैं। आप को भलो ओ बांमण कांईं करबा जस्यो छै। जद नार कई मनैं पींजरा मैं सूं काड्‌यो छै। स्याळ्‌यो बोल्यो बा जगां मनैं बतावो। जद वै तीन्यूं का तीन्यूंई बडै गया जडै वो नार पींजरा मैं कैद छो। जद स्याळ्‌यो बोल्यो जयां पैली पींजरा मैं बड़्‌या छा जयां बड़ो जद मैं ईं बात नैं साची मानूं। जद बो नार पींजरा मैं घुस ग्यो बांमण ऊं खडकी नै जड़ दी जियां पैली जुड़ रई छी। जद नार बोल्यो अब मनैं खोलर काडो। जद स्याळ्‌यो कई कुज्जीव अब तनै काड़बाको नईं। उलटोई तो बांमण तनैं कैद मैं सूं काड्‌यो अर ईंनैं खाबानैं त्यार हो ग्यो। स्याळ्‌यो बांमण नै कई तूं थारै घरांनैं जा। इसी चालाकी सूं स्याळ्‌यो बांमण नै बचार घरां खनादियो।

(३)

अेक बाण्यूं छो। रात की बगत दोन्यूं लोग लुगाई घर मैं सूता छा। आदी रात गियां अेक चोर आर घर मैं बड़ गयो। ऊं वगत मैं बांण्यां नैं नींद सूं चेत होग्यो। बाण्यांनैं चोर को ठीक पड़ग्यो जद बाण्यूं आपकी लुगाई नै जगाई जद लुगाई नैं कई आज सेठां कै दसावरां सूं चीठ्‌यां लागी छै सो राई भोत मैंगी होली तड़कै रिपयां बराबर बकैली। राई का पातां नैं नींकां जाबता सूं मेलदे। जद लुगाई कई राई का पाता बारली तवारी का खूंणां मैं पड़्‌या छै तड़कैई नींका मेल देस्यूं। चोर आ बात सुणर मन मैं बचारी राई पातां मैं सूं बांदर ले चालो ओर चीज सूं कांईं काम छै। जद वा चोर राई का पांतां की

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
पोट बांदर ले गियो । बाण्यो देखी ओर माल सूं बच्यो राई ले ग्यो ओर मालसूं पंड छूट्यो । जन दन ऊग्यां ईं बो चोर राई की झोळी भरर बेचबानैं बजार मैं ल्यायो तो बजार का पीसा की ढाई सेर का भाव सूं मांगी । जद चोर मन मैं समझी बाण्यूं चालाकी करर आप का घर को धन बचालियो । पण बीं बाण्यां कै तो फेर बी चालर चोरी करणी ।

मींतूं बीस दन बीच मैं देर फेरूं बींईं बांण्यां कै चोरी करबा चल्यो गियो । रात की बगत फेर बांण्यूं जाग्यो । चोर बाण्यां को धन माल सारो अेक गांठड़ी मैं बांदर हांनै कर लियो जद बांण्यूं देखी अक हेलो करस्यूं तो न जाणां चोर मनै मार नाखसी अर हेलो नैं कर्‌यो तो धन ले जासी । जद बाण्यूं आपकी लुगाई नै जगाई । चोर अेक बखारी पर जार चड्ग्यो । बखारी मैं जा बैठ्यो जद बांण्यूं दीवो जोयो अर लुगाई नैं कई मैं तो गंगाजी जास्यूं । अेक छोटीसी गांठ मैं कपड़ा लत्ता बांदर त्यार हुयो जद लुगाई बोली ओ बगत गंगाजी जाबा को कांईं दन्नू ग्यांईं चल्याजाज्यो । अै समांचार चोर बैठ्यो २ सुणैं । जद बा लुगाई आप कै घर कै बारै आर आड़ोसी पड़ोस्यांनै जगाया म्हारो घर को धणी गंगाजी जाय छै बार ईं बगत सो थे चालर समझाद्यो कै दन्नूगांईं चल्योजाजे । जद दस बीस आदमी बाण्यां का घर मैं भेळा हाग्या अर सारा जणां ऊं बाण्यांनै समझायो । बार तो रात छै दन्नूग्थांईं थारी खुसी छै तो चल्योजाजे । जद वो बाण्यूं कई थे जाणूं मैं तो थांको कियो मानजास्यूं पण ओ चोर गांठ बांद्‌यां बैठ्यो म्हारा सगळा घर की ओ किंयां रैलो । असी चालाकी बाण्यूं करर चोर नै पकड़ा दियो । धन तो आप को राख लियो अर चोर नै राज कै सुपरथ कर दियो ।

(४)

अेक रजपूत छो । परदेस मैं सूं कुमार आवै छो । गेला मैं अेक गांव मैं रात की बगत उतर गयो अेक ठगां का घर मैं । बै ठग कई थे तो म्हां का जुंवाई छो म्हां की बेटी थानै परणाई छै । रजपूत मन मैं देखी घणां दन हुया सो याद तो रई कोनैं स्यात योई म्हारो सासरो होलो । आ समझर ठैर गयो । रात कीं बगत रोट्‌यां खुवार अेक माळ्या मैं सुवाण दियो । ठग की बेटी रात नैं ऊं रजपूत कनै गई अर कटारी लेर मारबानै त्यार हो गई । जद रजपूत जाणी अै तो ठग छैं । जद ऊं ठग की बेटी नैं कई अक इत्ता आदमी तूं बिणासै छै जींको पाप तो तनै व्हे छै अर खाबा का सीरी थारा सब घरका छै तूं थारा घरकां नै आ पूछ्‌या कै मैं इत्ता आदमी मारूं छूं जींको पाप लागै छै जींका बी थे सीरी छोक नईं । जद वा ठग की बेटी ऊं का घरकां नै जार या बात पूछी जद सगळा घरका नट गया कै धन का तो म्हे सीरी छां पापस ज्यो करैलो जींनै ईं लागैलो । आ बात सुणर ठग की बेटी पाछीई रजपूत कनै आगी । रजपूत नै कई अक पाप का सीरी तो कोई बी घरका नईं । सब नट गिया । धन का सीरीस सब छैं । जद रजपूत कई कै पाप तूं अेकली करै अर खाबा मैं ये सब लोग ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तूं इत्ता मिनखां को बिसास करर थारै माथै क्यू पाप को भारी बांदै छै। जद वा ठग की बेटी ईं बातनैं बचारी कै यो कै सो सांची छै। जद ऊं रजपूत नैं कई कै मैं अंडै रयांसूं तो म्हारा घर का म्हारै कनैं ओई पाप करासी। तूं मनैं ले चाल। म्हारा घर मै धन मोकळो छै सो तो ले चालो अर सब नैं सूता ई छोड़र चल्या चालो। सो वा ठग की लड़की घर मैं सूं धन बित लेर सबनैं सूता छोड़कर ऊं रजपूत की साथ चली गई अर आदमी बिणासै छी ज्यांका पाप सूं छूट गई अर ऊं रजपूत सूं घर वासो कर लियो। वो रजपूत ऊंनैं आप का देस मैं लेगयो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

६. डांग की बोली

(१)

राजा भोज हो। वाकी अस्तरी कूं सुपनों आयो तो सुपनेन में तो वाकूं सोने की मढैया दीखी जामें असो चिलत्तर दीख्यो फूल झड़ै अर सीस हंसै अर भोत कबूल सूरत अस्तरी वाके भीतर। तो राजा ते बोली कै राजा या सुपने कूं मोकूं सांचो करदे। तो राजा बोल्यो कै राणी ई सुपनों तो मोपैं सांचों नहीं होय। तो राणी बोली मेरो तेरो घरबासो नहीं होगो। तो जब राजाने कही कि आछ्यो तेरी राजी होय भांही जा। तो राणी बोली। कि मैं तो जाती हूं पण मेरे पेट में आसापत है तेरी सो छोरा होगो तो तेरै कनें आज्यागो अर छोरी होगी तो आज्यागी। तो राणी व्हांतें चल दई।

तो चलां चले अेक सैर में पोछी। तो व्हां जारकैन बजार में अेक जगह बैठी तो अेक सेठ चल्यो आयो। तो वाकूं देखकर बोल्यो अे भाई तू खांकी है खांतें आई है। जब ऊ राणी बोली कि असवान की राली हूं धरती की भेली हूं। तो ऊ सेठ बातें बोल्यो आ तू मेरी धरम की भैण है। तो वाकूं संग लेगयो। संग ले जाय कैन हवेली मे लेजाकैन न्याड़ी राख दई। तो ऊ बोली कै हे भाई मेरै पेट में आसापत है जे मेरै घर कै धणी को ही है याको भैम मत धरियो। तो ऊ साऊकार बोल्यो कै आछ्यो भाई छोरी होगी तो हमारी भैणजी होगी छोरो होगो तो भैणजो होगो। तो वाकै छोरा ही हुयो अर खेलतो २ कोई दस बारे बरस की ऊमर मैं हैगो तो अेक दिन घोड़ा पै चढ कैन बजार में जा हो तो घोड़ा धर भजायो। मालण बैठी जाको ढकोला में फूल धरेजे फैलगे तो ऊ बोली याकै बाप कूं रोऊं। गैबी जाणै खांको है अर खांको नहीं है। तो ऊ रोस कर कैन वाकी माकै ढिगारे आयो तो वाकी मातें कही कि मेरो बाप को नांव बतादे। तो वाकी मैया बोली तेरो बाप राजा भोज है। तो वाने कही कि मैं तो झाझ लेजाऊंगो।

तो अेकाद दो हज्जार रुपया लेकर झाझ भर लई अर समंदर में चल्यो। तो व्हां झाझ को कडो अटकगो तो ऊ झाझ को कड़ो पकड़कें उतरगो नींचें। तो व्हां म्हादेवजी ने पांव में अटका राख्यो हो। तो ऊ जार पोंछ्यो तो म्हादेवजी ने कही कि आ राजा भोजके कंवर बीर भादर तो वाकूं बांवन भैरू अोर चोसट जोगनी देदी। अोर कही कि फलाणें राजा पै तें खांडो लीजो। तो झाझ कूं छोड़र चल दियो। व्हांतें तो व्हां पोंछ्यो। वा राजा कै सैर मैं अेक न्हार गींदरो हो। या सैर में तो अेक आदमी की रोज भेट लगे ही वा न्हार के तो। वा दिनां अेक कुम्हार कै बेटै को वार हो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तो वाकी मां री रही ही। तो राजा भोज का बेटा वा सु बोल्यो कि भाई तू रोवे मत मैं जा बैठूंगो। तो वाने पूवा तो सग जेंवाय दिये अर दरवज्जे पें जा सुवाय दियो। बांवन भैरूं अर चोसट जोगनीन कूं हुकम दियो कै न्हार आवे तो मार रालो। जब न्हार आयो दरवज्जे पें आत आत मार्‌यो तो सवारे ही दिन उग्यो सैर में हेला हैगो। और कान पोंछ तो वाने पैली काट लिये हे। अब जे आवे जेही कै कि ये तो मैंने मार्‌यो है। तो राजा को ई हुकम हो जे याय मारले जाकूं बेटी दऊं और राज दऊं। तो व्हां सब भाई बेटा इकठोड़े हुये। जब उन्ने बात व्योपाई कि जाने मार्‌यो है जा कने तो कान पोंछ होंगे। तो ऊ कुम्हारी बुलाई अर पूछी कि तेरै बेटा को वार हो। ऊ गयोक नहीं गयो। तो ऊ बोली कि मेरै तो अेक पांवणूं आयो हो रात। जे सूयो हो तो ऊं बुलाय लियो। जब बोले कि जाने मार्‌यो है जा कने कान पोंछ होंगे। तो झटसीदेण वाने निकाड़ पटक दिये। जब वातें बोले कि भाई तू मांग। वाने कही कि महाराज मैं तो खांडो चाहता हूं आप को तो खांड़ो ही सोंप दियो।

जब ऊ लेर चल्यो आयो आगले राजा के सैर कूं तो वा राजा की बेटी राजा भोज के कंवर के नांव को लोट्या सुरज नारायण मांऊं ढाड़ै ही। अेकें तो दानूं ले गयो और अेक मोजूज ही। तो वा सैर में पोंछ्यो तो कूवा पें पनिह्यारी बतलावै ही के राजा भोज को कंवर जाणें कुण से देस में है अर कुण से देस में नहीं है जाके नांव को या राजा की बाई जल को लोट्या ढाड़ै है। तो ऊ बोल्यो कै भाई ऊ दानूं खां रैवो करै है। उन्ने कही कि या डूंगर में रह है। तो ऊ जार पोंछ्यो। बांवन भैरूं चोसट जोगनीन कूं हुकम दियो खोलो सिला। झट खोलर दूर धर दई और मांयं उलगो तो व्हां जार देखैं तो सोने की मढैया धरी है जा में फूल झड़ै सीस हंसे। तो अेक कूंडी धरी ही। तो छींटा दिये तो अस्तरी करड़ार बैठी हो गई। तो ऊ बोली कि तू य्हां क्यों आयो दानूं खा जायगो तोय। तो वाने कही अब तो कछू ही हो आगयो सो तो आही गयो। पण तू यों पूछियो तोय मारबे हाड़ो भी है कोऊ। और काये में तेरो जीऊ है। तो ऊ तो कोटड़ी में दबा दियो और दानूं आयो और कही कि मोकूं आदमी की बास आवै है। वाने कही य्हां तो आदमी काऊ नहीं है। वाने कही कि तमकूं कोई मार जाय तो मैं कैसें करूंगी। वाने कही कि मेरो मारबे हाड़ो तो राजा भोज को कंवर बीर भादर है। तो म्हादेव के बावन भैरूं चोसट जोगनी लावै और फलाणें राजा पैतें खांडो लावे और या पींजरा में सूआ है याय मारे और याका लोई नीचे नहीं गिरनदे नहीं मो सरके केई केई दाने खड़े हो जायगे या में है मेरो जीऊ। तो इतेक कह वह तो चल दियो और ऊ निखड़्यो राजा भोज को कंवर वाने पूछी कि कह बात। तो वाने वासु सग बात कह दई तो वाने तो सूवा को जार पांव पकड्यो ही। जोगनीनतें कही कि याको लोई मत पड़बेद्यो। तो सूवा तो य्हां मार्‌यो ज्यो दाने का व्हां निकड़्यो तो मारकें सूवा कूं और ले सोने की मढैया चल दियो। और वा राजाकूं खांडो दियो और म्हादेवजी कूं बावन भैरूं चोसट जोगनी दई और झाझ कूं लेर चल दियो और आपकी माता कै ढिगारै आयगो। सोने की

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh
मढैया ला धरी जा में सीस हंस फूल झड़ें । याकी माता ने कही कि बेटा अब हमारो सुपनो सांचो है गयो । अब चल तेरे पिता ढिग चलें । तो राजा भोज ढिगारे जार पोंहचे वे दोन्यूं मा बेटा । तो वहां सोने की मढैया धर दई वा में सीस हंसे फूल झड़ें । अोर वाते राणी बोली कि राजा हमारो सुपनो सांचो हैगो है अौर ये कंवर देखलै तेरो जो हम पेट में लैगी । वाको वाको घर वासो हुयो जैसो सब काऊ को हो ।

(२)

अेक जाट हो वाके च्यार छोरा हे । तीन तो काम करबो करै हे नाव कोर कूवा को अौर अेक पटैलांई पर बैठ्यो रह्यो करै हो । काम धंदो कछू नहीं करै हो । तो उन तीनन ने कही का ई तो कछूही नहीं करै है अौर हम कुमाते २ मरे जांय । जाते याकूं न्याड़ो कर द्यो ज्याते अिऊ सुसर हैरान होगो बैठ्यो नहीं रहगो । तो ऊ न्यांड़ो कर दियो अौर भैंस बांट लई । तीन २ भैंस आ गई च्यारून के । तो वाकै तकदीर में तो बैठक ही लीखी जे बैठ्यो ही रह्यो जुवान । जब उन्ने कही याकी भैंसनने मार रालो तो कुमाई करैगो । तो भैंस मार राली वाकी । जब वाने कही चमांरन ते कि भाई इन खालन ने मोकूं दैजैयो सुकेर । झट चमार ने खाल सुकेर लादई । जब ऊ खालनने लेर चल्यो तो चलां चल २ अेक उजाड़ ही । जामें बड़ हो अेक । जब वाने कही ह्यांहीं रह जाऊं अर या बड़ में बैठ जाऊं । तो ऊपर छंडगो ।

तो व्हां च्यार चोर आये चोरी करर वो धन हो जाय लाये बांटबे लगे व्हां । तो झटसीदेण अेक चोर हो जे काणो हो अेक आंख तें । वाने कही देखो भाई मो आंख तें तो दीखै नहीं है तम सत के कूढा करियो नहीं तमारे उपर आकास में तें बीजरी पड़ेगी । तो उन्ने कपट के कूडा करे तो व्हांते वा जाटने अेक खाल छोड़ी । तो अेक संग न्यूं होती आई डाड़नमे पड़ २ तो काणों ने कही अरे तमने सत के कूडा नहीं करे अस बीजड़ी पड़ी । भजो ह्यांते । तो छोड धन कूं भजगे अर ऊ उतर केन बांध मोटर घर कूं लिआयो । तो झटसीदेण वाके भैयाने कही ईतो भार्यो धन लायो । वाते कही तू खांते ले आयो इतरो धन । वाने कही मेरी तकदीर में लिख्यो है । तो झटसीदेण उन्ने कही रे या सारे को घर फूंकद्यो । तो वाके घर में आग लगा दई । तो वाने कुम्हार बुला अर बोरी में राख भुजार गधान पें धरवा लई । अेक सैर कूं लेगो ।

तो गैल में अेक साऊकार मिलगो । वाके संग साऊकार को लड़का हो । तो वा साऊकार ने कही कि भाई हमारो लड़को हेरान हैगो है याकूं गधा पर बैठा ले । तो ऊ बोल्यो कि भाई या में म्होर भरी हैं जे पाददेगो राख हैजायगी । वाने कहीं कि भाई नहीं होगी हैजायगी तो म्होर देगें । वाने कही वैठजा । तो चले जारकैन सैर में उतरे तो वाने बोरी देखी तो वामें राख भरीई ही । तो झटसीदेण वाने कही कि भाई ये तो राख है गई । तो सेठने कही भाई चल तो कूं म्होर भर दऊं । सो सेठने वांकूं म्होर भर दई । ऊ लेरकैन अपणें घर कूं आयगो ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

वाके मैयाने कही खांते ले आयो या धन। वाने कही कि वा देस में राख बिकै है म्होरां बराबर। तम दो अेक घर और बाल देते तो न्हाल हैजातो। तो उन्नें ही अपणें घर बलाय लिये। तो वेऊ बेचणें गये वा राख। तो राख कोंण ले। डोलडालर घर कूं आगये। उन्नें कही रे यारो याकूं चलो कूवे में राड़्यावें। तो बांधर कूंवा पै ले गये। तो वे तो खटकेनकूं गये और वाकूं वां धर गये। तो अेक गुवाल आयो। वाने पूछ्यो के तू क्यों बंध रहो है। तो वाने कही कि मोकूं दूसरी लुगाई करावें हैं सो मैं करूं कोनै। वाने कही कि भैया मैं करूंगो। झटसीदेंए वा तो बैठगो अर ऊ छेड़ी भेड़नने हांकर गांव कूं लंबो पड़्यो। वे आये तो उन्नें वाकूं कूवामें डाल दियो। गांव कूं गये वे तो व्हांजार देखें तो पैलैई बैठ्यो है। अरे तूं कैसे आयगो तोय तो कूवा में राड़्याये। तो ऊ बोल्यो के भाटे बांधकर गेरते तो भोतसो रेवड़ लातो। उन्नें कही रे भैया हमनें ऊ हडीलया लेजार अर बांध २ पत्थर राड़े कूवा मे झटसीदेंए आयगो घर कूं अर च्यारुं न की बैरबानी राख लई। अैसो चत्तर हुस्यार निकड़्यो आप बच गयो अर उनकूं मार दिये।

(३)

अेक कोड़ी हो। कोड़ी को छोरा बोल्यो के मा सासरे कूं सग जांयं मैं ऊं जाउं। वाने कही बेटां जा तेरै सासरो है। तो कै मैया मेरैकूं रोटी कर दे। तो वाकू रोटी कर दई। वाते कही जा बेटा दिन छिप जाय भांही बैठीजो। तो ऊ चल्यो व्हांते तो गांव कै ग्वैंडे मैं जा बैठगो। तो व्हां गधा चल्यो आयो चरतो चरतो। तो ऊ पांव बांधर भेरे में राड़ दियो। व्हांते उठर चल्यो तो वाके सुसर के घर कै पीछै जा बैठ्यो। व्हां वाके सासु सुसरने रोटी करी तो कोऊ ने आदी खाई कोऊने सारी खाई। तो ऊ सुणतो कर्‌यो। दिन उगैही उन के ढिगारे पोंछ्यो तो उन्ने कही राम-राम सा राम-राम। कै कब को आयो। वाने कही कै जब को चल्यो जब की तमने रोटी बांटी। कै तोकूं का खबर। तो ऊ बोल्यो कै सोंण आवै मोकूं। तो कुम्हार को गद्धो चल्यो गयो तो कुम्हार आयो पुकारतो-पुकारतो। कोऊने कही कै फलाणें कोड़ी को जवांई सोणी है वाकूं पूछ। तो ऊ पूछ्यो। तो ऊ नकवा सूं गधा भेरे में बता दियो। तो ले आये खोलर।

तो व्हां राजा कै राणी को दो च्यार लाख को हार हो जे जातो रह्यो। तो व्हां खबर हुई फलाणे कोड़ी को जवांई सोणी है जे बतादेगो। तो हलकारा ढलैत खनाकर बुला लियो। तो ऊ बुलाकर राजा बोल्यो कै याकूं मूंद द्यो कोटड़ी में बता दे जब जान दीज्यो। तो वामें मूंद दियो तो ओंगस्तो आवै कोनै। डरकै मारै पड़्यो २ करै वामें "आरि मेरी नीदड़िया तड़कै कटैगी तेरी मुंडड़िया"। तो वहां वे दो बांदी राजा के म्हैल में ही जिन को नांव नीदड़िया ओर मूंडड़िया हो। तो उन डर की मारी भजी व्हांते। कै निपूते ये हार लेलै हमारी मूंडड़िया मत कटावै। कै घर देत्रो व्हां हीं भां लियो भांहीं तो उन्नें व्हांहीं जा धर्‌यो। तो दिन ऊग्योर कोड़ी बुलायो राजाने। तो ऊ गयो जब राजाने कही बता कोड़ी। तो कै म्हाराज जा खूंटी कै धर्‌यो जाही पै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

देखो । तो व्हां देखै तो हार धर्‌यो है खूंटी पै । झटसेन राजाने कही कै मांगरे कोड़ी । कै म्हाराज मोकूं तो अेक घोड़ा दे दो । कै चल भाई छांटलै । तो आतस मैं लैगो । तो व्हां घोड़ा देखे । वाने तीन पांव को घोड़ा छांट्यो । झटसीदेन राजाने कही अच्छा भाई ले लै । तो ऊ बोल्यो म्हाराज चाकी के पाट दो मेरे पांवन कै बंधा द्‌यो । तो वाके चाकी के पाट बांध दिये । तो सैर बार निकाड़र बैठा दियो घोडा पैं तो घोड़ा भज्यो । तो न्यूं डर को मार्‌यो करै गिरूं पड़ूं २ । अेक गैल में अरंड को पेड़ आगो । वा चिमट्यो तो ऊ ऊपड़्यायो । तो अगाड़ी कोई राजा की फोज वा राजा पै छंडर आवै ही तो उन्ने देखर कही कै दानों आछ्‌यो आयो याने मारे । तो वे तो उलटे ही घर भजे और ऊ अेक पेड़ हाथ आगो तो चिमटगो वाकै । घोड़ा भजर चल्योगो । ऊ उतरर वाके घर कूं चल्यो आयो ।

(४)

नो कोड़ी सूत बेचबे गये । तो सूत बेचर उलटे आये । तो अेक नंदी आ रही । तो नंदी में हैर उतरे । तो पैली तीर पोंछगे । तो आपस में बतराये कि कोई भै तो नै गयो है गिणती तो करल्यो । तो आपस में गिणबे लगे । तो आपै तः बो गिणती करै जे नहीं गिणै और उन आठननै ही गिणै । तो बतलाये रै बेटी के बापो अेक तो भैगो । इतेक ही में अेक मींयां चल्यो आयो घोड़ा पै चढर । तो वाने कही रै कोड़ीओ का हुयो रै । कै महाराज हम में ते अेक जणो भैगो नंदी मे । तो कै मैं पूरा कर दऊं तमनै । कै महाराज पूरे करद्‌यो । तो ऊ हाथ पकड़े अर अेक चाबक ठोकदे । तो नोऊ पूरे कर दिये । तो कोडीनने कही कै महाराज तमने पूरे कर दिये सो त्यारे घर कूं ले चलो काम करेंगे । तो उन्ने कही चलो भाई । घर लेजार कही कै जावो लकड़ी काट लावो । तो लकड़ी काटबे गये ।

लकड़ी काटर नो भरोटा नोऊं जणें बांध लाये तो उन्ने लार अेक डोकड़ी बैठी ही वांसूं पूछी कै डोकड़ी खां गेरें । तो डोकड़ी खिजर बोली कै मेरे मूंड पै राड़ द्‌यो । तो अेक संग नऊं बोझ राड़ दिये । तो डोकड़ी को ज्यो निकड़गो । इतेक हीं में मींयां आयो । मींयां ने कही कै डोकड़ी कैसें मर गई । तो कै महाराज हमकूं का दोख है न्यूं कही कै मेरे मूंड पै राड़ द्‌यो जाते राड़ दई हमने । तो कै जावो डोकड़ी को नुकता करेंगे । गाड़ी और बैल ले जावो । पहाड़ में तें लकड़ी काट लावो । तो गाड़ीर बैल ले गये । तो पहाड़ में तें लकड़ियां काट लई बिन्ने । खूब भर गाड़ोर हांक दियो । तो गाड़ो चूं चूं करबे लग्यो । तो आगे करड़ी धरती आई जा में गाड़ो चूं चूं करतो बंध हैगो । तो कोड़ी बोल्यो रै कै गाड़ो तो मरगो । तो बोल्यो कै याकूं दाग द्‌यो । तो झटसीदेण आग लगा दई । गाड़ो तो बला दियो और बांके कील कांटनकूं गंगाजी में राड़ दिये । तो बैलनने हांकर चले तो बैलन मूत्यो । अेक ने कही रै कै बैलन को पेट तो फूटगो तो छोड़ चलो बोलो । छोड़र कैन मींयां कै ढिगारे पोंछे । मींयां तें जार कही कै महाराज गाडो तो मरगो । वाकूं तो दाग दियाये अर बैलन को पेट फूटगो उन्नें छोड़्याये । तो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
मीयांने कही रै तमने आछ्यो बुरो कर्यो कै चलो मोकू बतावो, कै म्हाराज हाड गोडनने तो गंगाजी में डार्याये और चलो भोजाएं तय चलो हम बता देंगे। तो मीयांजी गये उन के संग। तो जार कूवा बता दिये कै महाराज गंगाजी है यामें हाड़गोड़ा राड़े हैं। तो जार मीयांजी कूवा में देखे। पूछी कै खांसीक राड़े हैं तो ओक कोड़ी बोल्यो कै आप कीं छड़ी हमकूं द्यो। तो मीयांजीने सोंप दई तो वा छड़ी चांदी की भोत अच्छी सैल करबै की ही सो ऊ कूवा में राड़ दई। कै व्यां राड़े हैं म्हाराज हाड़गोड़। झटसीदेण मीयांने कही रै जावो तम तमारे घरकूं जावो। तमकूं सींक है।

(५)

ओक ठाकर हो तो वाकै खायबे कूं घर में कछू हत नहीं हो तो झटसीदेण वाने कही कि भाई चाकरी कूं जाउंगो। तो ओक सोण चिड़ैया ही जाके सोण लेबे जाय रोजीना। तो ऊ सोण चिड़ैया वाकूं सोण नहीं दे। सोण चिड़ैया तो चुगेरे कूं जाय और वाके बच्चानतें कह जाय बेटा काउ को सोण मत दे दीज्यो। तो ऊ तो चुकबे कूं गई अर पीछैतें आयो ठाकर तो सोण चिड़ैया के बच्चान्नें सोण वाकूं दै दीयो। तो ठाकर ऊंट की काठी खूब कस अर ऊंट पै चढ़ अर चल दियो।

तो पीछैतें सोण चिड़ैया आई। वाने पूछी बेटा ओ काउ को सोण तो नहीं दियो है तो कै मैया हम ने तो सोण दै दियो ठाकर आवो करै जाकूं। तो सोण चिड़ैया भजी व्हांतैं तो गैल में ठाकर जालियो। तो व्हां जार बैरबानी को रूप धर लियो तो ठाकर ने पूछी तू कोण। मैं तेरी बैरबानी। तो कै आ ओक ते दो बुये। तो ऊंट पैं ऊ बैठा लई खटकेन की दव लगी। तो ओक पोखिर भरी ही पाणी ते तो वा सोण चिड़ैयातें बोल्यो कै मैं खटके कर्याऊं। वाने कही कै जा कर्या। तो वा पोखिर कै ढंगारे खटके करवे गयो। तो खटको कर कैन सीसी लेर उलटो बगद्यो। तो पोखिर की पाड में स्यांप मैंडका मांऊं लपकै। तो वा ने कही कै या को ज्यो या अजांय ले। तो वाने चक्कू तें काट मांस आपणी जांग में ते और वा स्यांप कूं फैंकबो कर्यो। तो स्यांप खूब धापगो तो आपई उठर चल्योगो। तो ऊ जार पोंछ्यो व्हां ऊंट कै ढंगारै तो लोईन ते वाकी जांग भीज रही। तो सोण चिड़ैया ने देखी कही का हुयो। तो वाने कही कै ओक मैंडका कूं स्यांप खावै हो जातें मैंने मेरी जांग को मांस राड़्यो काट २ कैं झटसीदेण। सोण चिड़ैयाने हाथ फेर दियो तो ऐसी की ऐसी जांग है गई तो चंड ऊंट पै दोन्यूं चले।

तो वा मैंड़काने सोसी कै तू वाकूं आडो कव आवैगो। तो होय न होय अबई चलो। तो झटसीदेण व्हां तैं चल दियो। गैल मैं आर वाने नाई को रूप धर लियो। तो व्हां आर कैन वा ठाकर कै ढंगारे पोंछ्यो तो ठाकर तो आर कही कै भायले राम २। कै राम २। कै कोण तू कै मैं नाई। कै खां जायगो कै तेरी संगई चलूंगो। तो कै आ भाई दोन ते तीन हुये। झटसीदेण चल दिये तीनो ईं। तो पीछेते अब स्यांपने मनसूबा कर्यो कै तोकूं तो आपणे सरीर को मांस खवायो। तू कैना आडो आवैगो अबई चलदे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
तो वा उनने झटसीदेरण गैल में जालियो। कै भायले राम २। कै राम २। कै तू कौण। कै मैं बामण। खां जायगो कै तेरै संग। तो चल दिये च्यारों ही ग्रिठखोड़े ई है कैं। तो चलां चल चलां चल इक राजा को सैर हो जामें पोंछे। तो व्हां जार ग्रेक मकान भाड़े लै लियो उन्ने। तो ठाकर तो घर बैठायो ग्रौर सोरण चिड़ैया धर मोट्यार को रूप ग्रौर ग्रेक तो सवा रुपया की कली ले लई ग्रौर खूब ग्रच्छी लम्बी धोती ग्रौर खूब ग्राछी पाग। तो जार कैन राजा के दरबार में रोजीना जा बैठै। तो दस दन हुये पांन दन हुये। तो ग्रेक दन राजाने पूछी कै ई राजपूत को बेटा ग्रावो करै है याय पूछो। तो दूसरे दन पूछ्यो कै भाई तू नोकरी करैगो। कै भाई नोकरी तो करूंगो पण लाख टका राजा दे तो रहूं। तो राजाने कही कै ग्रेक लखटकिया भी चैये। तो ऊ सोणचिड़ैया तो बैरबानी बणर घर रैबो करै ग्रोर ठाकर ग्रायबो करै।

तो ग्रेक दिना वाने कही राजातें कै ग्राप के नाई की बैरबानी कूं हमारे जनाने में भेजो। तो राजाने नाई तें कै दई तो नाईने नाण भेज दई। तो खूब वाने सोण चिड़ैया की मरमत करी। तो खूब ग्रच्छ्या काप ग्रेक इंदर की परैंईने पै ते लाई जे वाकूं दे दियो। हदेरे में धरदे तो सैचन्नण हैजाय ग्रसो ऊ काप। तो वाने नाईते जार कही कै निश्ते तू राजा कै जाय पण ग्रैसो काप तू नहीं लावै। तो वाने जार राजाकूं बतायो ग्रौर कही कै ग्रैसी ग्रोरत है जे ग्रापकै ऊ नहीं है तो नाईने कही वाय तो ग्रापही राखो। कै का बिध राखैं। कै म्हाराज याकूं मार रालो। कै कैसे मारैं याकूं। कै काले स्यांप की मण मंगावो यापैं ग्रस खांतें लावैंगो। तो सग दरबार जोड़्यो सकालेई तो हुकम दियो राजाने कै काले स्यांप की मण लावो नहीं तो सग ग्रोदादारन कूं फांसी लगाऊंगो। तो सग ग्रोदादारन ने कही कै म्हाराज जे लाख टका रोजीना पावै है जे लावैंगो। तो लखटकियातें कही कै तुम लावो कै ग्राछ्यो हम लावैंगे।

तो उनमुने भेखते जार बैठ्यो घर। सोण चिड़िया ने कही कै ग्राज कैसे बैठ्यो है। तो कै ग्राज राजाने ग्रैसी करड़ी नोकरी की कही है जे हम पैं होणी नहीं। काले स्यांप की मण मगाई है। कै घबरावै मत ग्राज्यायगी। तो वा बामण ते कही कै ग्रब तू स्यांपको रूप धर तोकूं याने सरीर को मांस खवायो हो। तो ग्रब स्यांप चल्यो व्हांते। तो जंगल में जार ट्याहड़ी दई तो स्यांप निकड़्याये। उन्ने कहीं कै राजा कूं काले स्यांप की मण चैये। लाग्रो नहीं सटाटेन कूं मारेंगो। तो वाई भगत काले स्यांम की मण लादई वाने लखटकिया कूं लाय दई। लखटकियाने राजा कूं जार दे दई तो राजाने कही कै नाई ग्रब का बिचार करें। कै म्हाराज ग्राप की ग्रंगूठी कूवा में राड़ द्यो तो ग्रंगूठी कूवा में राड़ दई। फेर हुकम दियो लखटकिया कूं हमारी ग्रंगूठी लावो नहीं फांसी लगैगी। तो उनमुनों ही फेर जा बैठ्यो घर। कैसे बैठ्यो है कै राजा की ग्रंगूठी कूवा में गिर पड़ी है सो मंगाई है। जे नहीं ग्रावैगी तो फांसी लगैगी। झट मैंड़का कूं हुकम दियो कै जा तेरी याने जान बचाई है। तो मैंडकाने जाय कूवा में टरड २ करी तो सग मैंडका निकड़्याये। कही कै क्यों भाई क्यों तो कै राजा की

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
अंगूठी गिरी है। यामें सो लावो नहीं सटाटेन कूं मरवावेंगो। तो अंगूठी वाकूं सौंप दई। वाने जार लखटकिया कूं दई। लखटकियाने राजा कूं दे दई।

राजा कही अब का बिचार करें। कै आप के बड़े बूडेन की खबर मंगावो यापैं तें। तो फेर बुलार कही कै हमारे बड़े बूडेन की खबर लावो नहीं फांसी लगैगी तुम्हारे। तो फेर घर आर उनमुनों बैठ्यो। वाने पूछी क्यों बैठ्यो है उनमुनों तो कै राजाने न्यूं कही है कै बड़े बूडेन की खबर लाव। तो कै बैठ्यो रै तू मैं जाऊं। तो राजा ते कही कै म्हाराज लक्कड़ मंगवा ल्यो अर मोय अरथी पै बैठा द्यो अर आग लगा द्यो। तो हाल हालई लक्कड़ मंगाये ओर अरथी पै बैठायर आग लगा दी। तो ऊ तो सोण चिड़ैया ही सो धूंवां कै संग फर्र देणी उडर आ बैठी धर पें। याते कही कै जा न्यूं कह दे कै तुमरे बड़े बूडे भोत खुसी हैं पण ये कही है कै हमारो बेटा कपूत हैगो है अेक नाई नहीं भेजै हे हमारे ढिंगारे। तो वाने तीसरे दिन राजातें असे ई कह दई कै आप को नाई बुलायो है। राजाने नाईतें कही कै तू बुलायो है हमारे बापने अस कै तुम जावो। तो वैसे ही नाई कूं अरथी बांधर आग लगा दई। तो माई पजड़गो तो कई दन है गये नाई नहीं आयो। आवै खांतें सुसरो अंगारन मेंतें। उन्ने राज कर्‌यो उन के उन के घर वासो है गयो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

७. डूंगरवाड़ा की बोली

(१)

दो भाई छा। ग्रेक तो भागवान छो ग्रेक टोटायत। भागवान कै तो हाळी बाळदी सबई लाग रह्या था। ग्रर टोटायत छो जींकै दो बेटा छा ग्रर ग्रेक बैरबानी छी। जद ग्रब मींनत मजुरी कर ल्यावै जद उन कूं खाबा कू ल्यार दे। जब ग्रेक दन्यां बैरबानी सूं कई कै मैं तो परदेस कूं जाऊं छूं ग्रर तोकूं तांईं म्हारा भाई कनै छोड़ जाऊंगो। जब ऊनै कई तो कै मैं लारैई चालूंगी। व्हांसूं ऊंकूं लेर चाल्यो। जब वहां गयो। बडा भाई कनै। जब ऊंसूं जार कई तो कै भाई ईं कूं नाज पात दे देबो करज्यो मैं परदेस कूं जाऊं छूं। जब ऊंनै कई तो कै भाई ग्रौर भी तो हाली बालदी लाग रया छै। तू क्यूं ज्या छै परदेस मैं। ग्रौर बी तो हाली बालदी रहै छै ज्यांईं तू रहबो कर। जब ऊंनै कई तो कै भाई रैबो करूंगो। जब दो चार मन तो नाज पटक दीयो। कोई दन है गया रहतां जब चौमासो लाग्यो। ऊं कै खनै ग्रोडवा को कोछोनै ग्रेक पछेवड़ी छी जो तो भीज गई। जाडो लाग रह्यो छो जब ऊंका भाई नै कई तो कै भाई तू खेत को पांणी काट्या। वास चूला ग्रागै बैठ्योई छो जाड़ा को मार्‌यो। जब ऊंनै दो चार बार कई। जब वा व्हां सूं ऊठा फावड़ी ग्रर चाल्यो। खेत कै डौलै गयो। जब ऊं को हाली छो सो पैलांईं ग्रार काट दीयो। जब ऊंनै पुछी ऊं हाली सूं तो कै भाई तू कुण छै। जब ऊं हालीनै कई तो कै भाई मैं थारा बडा भाई को करम छूं। जब ऊंनै कई तो कै बड़ा भाई को करम तो खेत मैं फावड़ी ग्रा बाई। ग्रर म्हारो करम खां गयोस मैं दांणा मांगतो डोलूं। जब ऊं हाली नै कई तो कै भाई थारो करम समदर की पैली तीर मैं ग्रेक नाडी छै जी मैं थारो करम ग्रौंदो पड़्यो छै। हाली सूं फेर कई तो कै भाई कंयां दाय करर वा सूदो बी हो जा। जब हाली नै फेर कई तो कै भाई तूई जार करै जब होय। जब वा व्हां सूं पटक फावड़ीर चाल्यो। सूदो घर गयो। जब बैरबानी सूं कई तो कै रांड तू मोकूं दो रोटी करदै। जब ऊं नै दो रोटी करदई ऊन कूं तो पल्लै बांद लई। जब बैरबानी सूं बोल्यो तो कै दो च्यार बरस मैं बावडूंगो जीवतो तो ग्रा समालूंगो। ग्रतेक दना की कै चाल्यो छूं ग्रतेक दना बाट न्हालजो। नै ग्रांऊं तो तू थारा घरकान कै चली जाजो ग्रतरी बात कै ग्रर व्हां सूं चल। दीयो चल्यो गयो।

चल्यो थक्यो उजाड़ बेगान मैं चल्यो गयो। व्हां दन ग्रांथ गयो। जब व्हां सूं फेर भाज्यो। सो ग्रेक कोसैक पै गांव छो सो व्हां गयो। व्हां रहबा कोदेनै। जब वै गांव का बोल्या तो कै ऊं राजा की हवेली मैं चल्यो जा। व्हां गयो बूजतो बूजतो। जब व्हां

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पैरायसीन नै कई तो कै भाई ई कूरणा मैं पड़्यो रह तू । जब वा व्हां बैठ गयो । जब फेरूं पैरायतीननै बूजी । तो कै भाई तू खां सूं तो आयो छै अर खां ज्यायगो । तो कै भाई फलाणा गांव सूं आयो छूं । अर समदर की पैली तीर मैं कोई नाडी छै जीं मैं म्हारो करम औंदो पड़्यो छै जीं कूं सूदो करबा जाऊं छूं । जब ऊन पैरायतीन नै राजासूं मालैम करी । जब राजा व्हां सूं आयो । जब ऊं कै खनै आयो । जब ऊं कूं पूछ्यो तो कै भाई थारा करम सूं या पूछजो सो अस्यो धरमातमा तो राजा अर असीई धरमातमा नंगरी । ऊं राजा की नंगरी मैं सवा फेर भाटा क्यों बरसै छै । जब ऊंनै कई तो कै म्हाराज पूछतो आऊंगो । जब रात तो सो गयो । संवारैई ऊठर चाल्यो ।

जब उजाड़ मैं चल्यो गयो गैला कै बीच अेक घोड़ो ऊबो । जब ऊं नै मन मैं बच्यारी तो कै राज तो कूं खागो या जंदावर छै जे । कर गाडी छातीर चल्यो गयो । व्हां आगै गयो वा घोड़ो नकल्यो । जब ऊं घोड़ानै ऊं सूं कई तो कै भाई तूं खा जायगो । जब ऊंनै कई तो कै भाई समदर की पैली तीर अेक नाडी छै जीं मैं म्हारो करम औंदो पड़्यो छै जीं कूं सूदो करवा जाऊं छूं । जब ऊंनै घोड़ा नै कई तो कै भाई अेक समचार मैं बी खूं । जब ऊंनै कई तो कै भाई तू बी कै । तो कै भाई थारा करम सूं या पूछतो आजो सो अस्यो अर अस्यो तो घोड़ो अर हजारूं लाखूं रिप्यां की सागात वा उजाड़ बेगान मैं खड़ो है । ऊं कूं असवार क्यों नईं । तो कै भाई आछ्यां बूजतो आऊंगो । जब वा व्हां सूं चाल्यो सो समदर की तीर मैं गयो । जब उतर्‌यो कोज्यानै समदर कूं । जब व्हां तीर मैं बैठ गयो सो रुदन करवा लाग गयो ।

अतेक मैंई अेक मंगर नकल्यो । जब मंगरनै कई कै रै परथी आवै छै जे न्हावै धोवै छै और खूब धरम पुन्न करै छै राम का नांव ले छै मंगर मांछल्याननै चुगो पटकै छै । अर तू बैठ्यो बैठ्यो रोबा लाग रह्यो छै । जब मंगरनै कई तो कै क्यों रोबै छै तू । जब मंगर सूं बोल्यो तो कै भाई थाराई समदर की पैली तीर अेक नाडी छै जीं मैं म्हारो करम औंदो पड़्यो छै जीं कूं सूदो करबा जाऊं छूं सो या समदर आडो हो रह्यो छै कैयां उतरूं । जीं सूं रोऊं छूं । तो कै भाई एक समचार म्हारो बी बूजतो आवै तो मैं उतार द्यूं । तो कै भाई तू बी कै मैं बूजतो आऊंगो । जब मंगरनै कई तो कै भाई या बूजतो आजो सो ईं मंगर का पेट मैं या रोगदोग कांईं छै । आछ्यां भाई पूछतो आऊंगो । जब मंगरनै कई कै आ तू म्हारा मंगर पै बैठ जा । वा छोस बैठ गयो । जब ऊं कूं व्हां सूं लेर चाल्यो । पैली तीर ले गयो । व्हां जार उतार दीयो । जब वो व्हां सूं चाल्यो । सो नाडी मैं गयो ।

व्हां जार देखै तो औरन का तो करम सूदा पड़्या दग दग कर रह्या अर ऊं को औंदो पड़्यो । जब जाताईं जूती सेती । ठोकर दीनी । उठार पायचा मैं धर लीयो । जद ऊं को वा करम बोल्यो तो कै भाई तू मोकूं क्यों लेज्या छै । कै थारा हीया लाड़ की फूटगी तोकूं कोदीखनै दाणा मांगतो डोलूं छूं । तो कै भाई अब कोमांगैनै । जा छोड़ जा मोकूं जब ऊंनै कई कै कोछोडूं नै भाई हूं तो । फेर करमनै कई तो कै भाई अब

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

थारो करम सूदो हो गयो । झट ऊंकू ताईं पायचा में सूं काड अर नीचै धर दीयो । जब अब फेर ऊं सूं बोल्यो तो कै भाई ऊं फलाणी नंगरी को राजा अस्यो धरमातमा छै असीई धरमातमा ऊं की नंगरी छै । ऊं नंगरी मैं सवा फैर भाटा क्यों बरसै छै । तो कै भाई ऊं राजा सूं या कैदीजो सो थारै बारा बरस की कन्न्यां कंवारी छै सो ईं कूं परणादे तो तड़कै ई भाटा बरसता रहज्या । तो कै भाई आछ्या कैद्यूंगो । अर भाई मंगर अेक अस्यो अर अस्यो तो घोड़ो छै अर असीर असी सागात ऊंकै ऊपर अर ऊं कूं असवार क्यूंनै । तो कै भाई ऊं सूं या कैदीजो सो तो कूं दूदन सूं तो पाल्यो छो । जीनाड़ा की ठैल बंदगी खूब कर दीई थारी जब तो पै छड्यो जब तैं नै गैला मैं जार अड़ करी जब बैरीन हात माथो कटायो । जब वा पड़तो पड़तो या कै गयो अस अै भगवान ईं कूं तो फेर असवार मत दीजो कदे । ऊं का सराप सूं जब असवार कोमलैनै । तो कै भाई आछ्यां या बी कै द्यूंगो । अर तो कै ऊं मंगर की । तो कै भाई मंगर सूं या कैदीजो सो थारा पेट मैं कांकरा ठीकरी भर्‌या छै सो कोई खारड़ा मैं जा अर हड़ूक जो सो थारो पेट खुलासा है ज्यागो । ओली तीर तो कीजो मत । बीच मैं मत कीजो जै खंईं बीच मैं कैदेगो तो तोकूं बी नंगल ज्यागो । पैली तीर जा अर पाणी मैं सूं बारै नकल जाजो जब कीजो । अर मंगर का पेट मैं सूं मोती लाल ज्वांहर ये नकलैंगा सो तू आसरै दब जा जो । औठो बावड़ै अर तू जार लोया जो तो पै चालैस ।

जब वा व्हां सूं ऊंईं समदर की तीर मैं आयो । वा मंगरस बैठ्यो बैठ्यो बाट न्हालैई छो । जब न्यूं कई आगयो कांईं भाई तू । हां कै भाई आगयो । तो कै भाई कै समचार । तो कै भाई जद कूंगो सो तू मोकूं पैली तीर उतार दे । तो कै भाई आ उतार द्यूंगो । जब व्हां सूं लेर चाल्यो । आधीक दूर गयो अर कै भाई अब कैदै नईं मैं चुबकी मारूं छूं । तो कै भाई थोड़ीसी दूर और लेचाल पाछै कूंगो । जब फेर लेगो थोड़ीसी दूर । जब फेर कई कै भाई अब कैदै नईं चुबकी मारूं छूं । अरै कै भाई दादा साब थोड़सी दूर और चाल । अैयां ईं करतां करतां तीर मैं ले गयो । गोड़ान ताईं पाणी रयो अर कूदर तीर मैं बार जा ऊबो रयो । जब ऊंनै मंगरनै कई तो कै भाई अब तो तोनै उतार बी दीयो अब तो कै जा । तो कै भाई या कई छै सो थारा पेट मैं कांकरा ठीकरी भर्‌या छै सो कोई खारड़ा मैं जार हड़ूकजो सो खुलासा है जागो । अतरी कैर वा तो व्हां सूं चल दीयो । सो कोई आंसरा मैं जार बैठ गयो और मंगर व्हां सूं नकल चाल्यो सो अेक खारड़ा-सा मैं गयो । व्हां जार हड़ूक दीयो । मंगर तो हड़ूकर उलटो बावड़्यायो अर वा आंसरा मैं सूं नकलर चाल्यो । सो आर मोट बांदी ऊन की । चाल्या जतेक लेगो ।

जब चल्यो थक्यो घोड़ा कनै जार पौंह्च्यो । जब घोड़ानै कई कै आगो कांईं भाई । जब ऊनै कई कै भाई आ गयो । कै भाई समचार बूज्यायो । तो कै भाई बूज्यायो । तो कै भाई कै तो कै जब ऊंनै कई तो कै भाई या कई छै सो तो कूं दूदन सूं तो पाल्यो अर खूब थारी चाकरी करी । जब तो पै असवार हुयो जब गैला मैं जार अड़ गयो । जब बैरीन हात मूंड कटायो जब वा पड़तो पड़तो या कै गयो अस हे

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
भगवान ईं कूं तो असवार फेर मत दीजो । जब ऊं घोड़ानैं कई तो कै भाई म्हारो तो असवार तूई हैजा । तो कै भाई तू पैलांहाला को मूंड कटायो जैयां ईं म्हारो मूंड कटाबैगो । तो भाई कोकटाऊंनैं । अब मोकूं हात लाग गया । झट असवार हो गयो । हीरा पन्ना ये ल्यायो छो सो तोबरा मैं पटक्या । व्हां सूं है असवाररर चाल्यो ।

सो ऊं ईं राजा की नंगरी मैं गयो । सो अद कोसैक गांव रह्यो अर ऊं राजा कूं ठीक पड़्यो । सो अेक सरदार अस्यो चल्यो आवै छै जीं को घोड़ो ऊबो नाच करतो चल्यो आवै छै । दस बीस टारड़ा सामा गया ले बाकूं । जब व्हां जार बैठ्या । जब राजा पूछबा लाग गयो तो कै आप कुणसा गांव का सरदार हो । जब ऊंनैं कई तो कै म्हाराज ईं कूंणा मैं पड़्यो छो जे हूं मैं तो । कै आप करम सूदो करबा गया जेईं छो कांईं । हां कै म्हाराज बाई छूं । तो कै खो थां का करम का समाचार । जब ऊंनैं कई तो कै म्हाराज ये समचार कया छैं सो आप कै बारा बरस की कन्यां कंवारी बताई । सो तड़कै ईं को ब्याव कर द्यो तो भाटा बरसता रैं जाय । तो कै ठीक छै । अतरी बात सुण अर म्हल मैं गयो । रांणी सूं कई तो कै आंपणै बारा बरस की कन्यां कंवारी है गई । सो ईंको ब्याव करद्यां तो आपणी नंगरी मैं भाटा बरसता रैं जा । तो कै अब औठ्यां तो कांईं हेरांगा । आंपां तो आला गीला बांस कटार ईं ईं का फेरा पाड़द्यां । जब ऊं ईं स्यात नाई कूं बुलायो । बुला नाई कूंर जब का जबी पढ्या पंडतन कूं बुलाया । बुलार है सो समूरत कढायो । समूरत नकल्यायो । झट आला गीला बांस कटा अर फेरां पर बैठाण दीया । बांमणाननैं फेरा पाड़ दीया । जब व्हां बरस दो बरस रहबो कर्‌यो । खूब घोड़ा फेरै अर मौज करै अब तो ।

जब अेक दन दोनूं सूता छा जब ऊंनै कई तो कै अब देस कूं चालां । जब फेर ऊंनै कई तो म्हारा बाप सूं को । जब ऊंनै कई । तो कै साब हमारा देस कूं जावांगा । तो कै क्यों जावो । तम कूं कांईं दुख छै । तो कै नईं सा कै बोई रैंजागो । हम तो हमारै देस कूं जावांगा । आछ्यां तो कै नईं मानूं नै तो जावो । खूब फौज पलटण लारै दीई । हाती घोड़ा और सबी दीना । व्हां सूं चाल्या लाव लसकर लेर । सो अब अपणा देसनै गया । खूब तोबां चलाता गया और गया । सो गांव सूं कोसैक दूर डेरो लगा दीयो । सो व्हां तोबां चलारयो धाम धूम सूं । जब गांव मैं पटैल छो जो ऊं ईं को भाई छो । पटैल पटवार्‌यां कै खलबलो मांच्यो । अरै कै धाड़ैती आ गयो या नी लूटवालो । जब व्हां सूं हात बांदर चाल्यो पटैल । गला मैं पागड़ी पटक लीनी । अर कई भाई व्हांईं चाल ल्यो । गांव मैं आजागो तो लूट लेगो । जब व्हांईं चाल पोहंच्यो । सो जार पगां मैं पड़ गयो । तो कै म्हाराज आप कस्या देस का सरदार छो । तो कै भाई मैं तो कस्या बी देस को सरदार नैं । तू तो म्हारो बडो भाई छै । अर मैं थारो छोटो भाई छूं । भौत कुसी हुया दोनूं भाई जब फौज पलटण कूं तो व्हांईं छोड़ी । दोनूं जणान कूं तो ऊन कूं लारै लीया अर और बांदी बड़दी छी जन कूं लारै लीई अर आप कै घर पौंहच्या । व्हां जार दोनूं तो बेटान कूं समाल्या और बैरबानी कूं समाली ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
अब न्यारो म्हल चुंणाबो सरू कर्‌यो । सो म्हंना छ म्हंना मैं महल बी हैई गयो । जब फौज पलटण छी जे बी व्हांई बुला लीई । अर आप का महल मैं जा रह्या । जब ऊन का घर बार बस्या जस्या सब कोई का बसो ।

(२) सात कोली

सात कोली छा । गैलै गैलै जा रह्या छा । अेक नंदी आगी गैला मैं । जीं मैं कांस फूल रह्यो छो । जब वै कोली बोल्या । नंदी आ रही छै बै जावांगा । तो कलागा गणती करल्यो अेक बार आंपां केक जणा छां । जब गणती करी ऊननै । जब सात है गया पूरा । जब नंदी मैं हैर चाल्या । पैली तीर गया । व्हां गणबा लाग्या । जब अेक जणू गणै ऊन कूं । जब आप कूं तो कोगणैनै अर छन्न कूं गण ले । जब कोली हालो स्याब लगा दीयो ऊननै तो । जब अेक घोड़ा को असवार चल्यो आयो । ऊंनैस आतांई गण ही लीया सात । जब कहचैरै कोल्यावो कांईं करो छो रै । जब कोल्या बोल्या म्हाराज नंदी मैं हैर आया छा सो अेक जणू बैगो । केक जणा छा । कै म्हाराज सात जणा छा । तो कै भाई अोज्यूं मणू । जब ऊननै गण्यां । जब वैई छै हीआ । जब कै रै गण लीया कांईं कोल्यावो । हां कै म्हाराज गण लीया । जब छन्न कूं तो न्यारा काड़ दीया अर अेक रह गयो जींकै पानसात जूता ठोक दीया कै या सातऊं है नै । कै म्हाराज याई है । वै तो ऊन कै गैलै चाल्या गया अर वा ऊं कै गैलै चल्यो गयो ।

(३) अेक चींटी

अेक चींटी छी । जे ब्याई । ऊंट को बोतो जायो । बोता को छोस पग टूट गयो । बोता की नाड़ लाम्बी छी । पसारै दल्लीर आगरै अर चर्‌यावै । अेक तेली तल तुलार ज्या छो । ऊंकूं तांईं नाड़ गैला मैं आडी आ गई । ऊंनै छीस बाथ भर लीनी । वा नाड़ छी सो समटती समटती वाई जगां आ गई भ्कां बोतड़ो पड़्यो छो । अर तेली बी घसतोई चल्यो आयो । अर तलन को ऊंमरो लाग तोई आयो । बरस्यो मेह । तल ऊगि आया । तलन कै पाछै घेघरी आगई । कोई राजा की पलटण ज्या छी । जन मैं सौ हाती छा पलटण छीस लाग लाग घेघरान की अर सबली पलटण अर हाती गारत आया । मल्ह छेली चरा रह्यो छो । जींनैं सौऊं हातीन की खाल कडवा लीनी । दीवड़ो बणवा लीतूं । छेलीन कूं छोड़र व्हां सूं दूसरा गांव कूं चाल्यो ।

ऊं गांव मैं मल्ह रह छो । जे सौ गाडी घींसै छो । ऊंकै अेक बेटी छी बैठी बैठी कात रही छी । ऊं मल्हनै पूछ्‌योरी थारो दादो खां गयो छै । ऊंनै खयो भाई गाडी खींचबा गयो छै । जब ऊंनै कयो कदेक आवैगो । बेटी बोली घड़ी दो घड़ी मैं आवैगो । बैठ जा । जब ऊंनै कयो म्हारो दीवड़ो कांईं कै टांकूं । जब बेटी बोली म्हारा रैंटा की फड़स पै टांक दै । जद ऊंनै कयो अस हूं तो ऊं सूं लड़ूंगो । बा छोस चल दीयो । आगै गयोस आगला गांव मैं सूं रैबारी को छोरो सौ ऊंट लेर चराबा गयो छो । ऊं कै छी अेक डोकरी । वा डोकरी छीस ऊं सू रात लड़मरी छी । जद पैला गांव कै पैलीआं दोनूं मल्ह मल गया । जद वा जे दीवड़ो लेर गयो छो बोल्यो भाई हूं तो तोसूं लड़ूंगो ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जद बा बोल्यास आपणे तांई म्हां उजाड़ में कुण देखगो । तेरां मंई बी रैबारी का छोरा की डोकरी आती दीख्याई । ऊं डोकरी पै मांथै ढकोलो छो जीं में रोटी छी । वा डोकरी छीस ऊन कै नजीक आई । जब ऊननै कयो री भाई तू चिन्नीसैक डटजा जीं सूं हम लड़ल्यां । हूं तो को डटूंनै । जब ऊननै कयोरी भाई चौं डठैनै तू । जद डोकरी नै कयो आग लागो थमारा लड़बान मैं म्हारो छोरो भूको मरै छै । जद वै बोल्यास री क्यां कांई करां । जद डोकरी बोलीस म्हारा ढकोला मैं चढ़ जावो अर लड़ता चालो । जद वै छा सो ढकोला मैं चढ गया ।

वै आगै चल्या गया जद रैबारी का छोरा कूं दींल्या । जद रैबारी को छोरो बोल्यो रांड रात कूं मोसूं लड़ मरी छी सो दो कसमन कूं मोकूं पटाबा कूं ल्याई छै । जद रैबारी का छोरानै बचारीस तोकूं पटावैगी । जद ऊंनै छी सो ऊंटन की मोट बांद लीनी जद रैबारी को छोरो छोस चल दीनू । भाज्यो जार्‌यो छो । मोट कूं छीस चील झपट ले गई । भला घरां की मांणस छीस मांथो करारी छी । नांण मांथो कररी छी । मांणस को छोस म्हुंडो ऊपर कूं है र्‌यो छो । चील का छास पंज्यांन मैं सूं मोट छीस छूट गई । मांणस की आंख मैं जापड़ी । मांणस बोली नाण सूं भाभीजी म्हारी तो आंख मैं कांणा कांई जापड़्यो । जद नाणनै छोस काडिर कांचली मैं धर लीनू । जद नाण ऊं कै घर चली गई । कांचली मैं सूं काडर कोठी का ठांड मैं धर दीनी । जद ऊंका नाई सूं बोलीस तू तो खोल अर हूं बारणै जाऊं छूं जद नाईनै गांठ खोली अर बा बारणै गई नाईनै गांठ खोल दीनी । सौ ऊंट निकल्या अर भाज गया । आज तांई हेरैई छैस पायाई कोयनै । या बात या चीत पैला घर की फचींत । जीवो बात को कैबालो अर जीवो बात को सुणबालो ।

(४) स्यालर ऊंट

अेक स्यालर ऊंट भायला बण्या छा । जब स्यालनै कई ऊंट सूं खरबूजा खाबा चालां । जब व्हां सूं चाल्या । माली की बाड़ी मैं गया । जब व्हां खरबूजा खाया जब स्याल तो धाप गयो अर ऊंट कोधाप्योनै । जब स्यालनै कई भायला हूंकणी आवै छै । जब ऊंटनै कई कै भायला हूं कोधाप्योनै । जब स्यालनै कईक भायला हूं तो हूंकूंगो तू धाप भल मत धावै । जब स्याल हूंक्योई माली कूं चेत हीओ । माली ले लठर भाज्यो व्हां सूं । ऊंट का मार लाठीन हाड फोड़ राल्या । व्हां सूं चल्यास दोनूई नंदी कनारै गया । जब नंदी आरई छी स्यालनै कईक भायला हूं डूब जाऊंगो । थारै ऊपर बैठाण लेचाल । जब ऊंटनै कई भाई बैठजा व्हां सूं ऊंट लेर चाल्यो । आदी नंदी मैं पौंच्यो । व्हां औंडो पाणी आयो धार मैं । जब ऊंटनै कई स्याल सूं भायला लोटणी आवै छै । जब स्यालनै कई भाई हूं बैजाऊंगो । जब ऊंट छो सो पांणी मैं बैठ गयो । स्याल बैगयो ।

जब कोई घणी दूर चल्यो गयो बैतो बैतो जब स्याल कूं अेक मंगर मल्यो । जब स्यालनै कई मंगर सूं कै मामाजी मोकूं बार काड़दे तो थारो ब्याव कर दयूं । मंगरनै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

काड़ दीयो। जब गूंठो बतार चल्यो गयो कै आ ब्याव करावै छै काई मोपै। जब मंगरनै कई कै भाई म्हारो बैटो भाज गयो कै कदे तो पांणी पीबा तीबी आवैगो। तीर मैं पीपली छी व्हांई तो पाणी पीवैगो अर व्हांई गोल खावैगो। जब व्हां मंगर बैठ्यो रह्यो दबर। जब अेक दन स्याल आयो। पैलां तो गोल खाई पाछै पीपली की जड़ में पांणी पीबा गयो। व्हां मगर दबई रह्यो छो पांणी पीताकोई पग पकड़ लीयो। जब मंगरनै खई पूत जींनाड़ै तो भाज गयो छो अब खां ज्यागो। जब वा स्यालनै खईक अब कांई हीओ। जब मंगरनै कई कै थारो पग पकड़ राख्यो छैक। जब स्यालनै कई कै म्हारो पग को पकड़्दो होगो नै पीपल की जड़ पकड़ राखी होगी। जब मंगरनै ऊंको पग तो छोड़ दीयो अर पीपल की जड़ पकड़ लीई। जब स्याल औजू बोल्यो तो कै चेत कर ज्या छै थारो जंवांई। फेरूं भाज गयो। जब मंगर नै सबला मंगर भेला कर अर मंगरन सूं कई तो कै भाई जतरा स्याल छै जतरांन मैं नौतो फेर द्यो। ऊननै नौतो फेर दीयो। जब कै आज फलाणा स्याल को भायलो मर गयो।

जब और तो कोई बी आया नै वाई आयो। तो कै सांच्यांई मर गयो कै भूंठ्यां ईं मर्‌यो छै देखतो आंवां। जब मंगरस तो चौड़ा मैं पड़्योई छो सास वास खैंचर। स्याल मंगर खनै आर पौंहच्यो। जब स्यालनै कई कै भाई मरगो सांच्यांई। जब कै रै मोनै घणी बार होगी ऊबां। मर्‌यो तो पादवो करै है तू तो सास वास ई खैंचगो। जब मंगर नै सांस बंद करर टूं देणी पाद्यो। जब स्याल कई कै जीवतो तो पादैस पादै कदे मर्‌दो बी पाद्यो छै अतरी कैर स्याल फेरूं भाजगो। जब मंगरनै कई कै भाई म्हारो बेटो आज बी को काबू मैं आयो नै। जब व्हां सूं ऊठर मंगर चाल्यो। स्याल की पोल मैं गयो। जब दनाथ्यां की स्याल आयो। स्याल कूं वा घींसोट दीख्याई। जब स्यालनै कई कै पोल और दनां तो बात करै छी आज मौंहडै तो बोल। जब ऊं कै भीतर सूं मंगर बोल्यो कैचै हूं। जब स्यालनै कई कैचै मांटी का टूंटा बी कदे मौंहडै बोल्या छा। जब मंगरनै कई कै भाई आज बी म्हारो बैटो फेरूं जांणगो या तो। व्हां सूं मगर नकलर चल्यो गयो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

८. कालीमाल की बोली

(१) साहूकार की बेटी

साहूकार की बेटी ही । कोकला सासतर की फडी ही । ये जीवा जूंण हार मैं है जिनकी बोली समजै ही । जब आधी रात हुई जब स्याल बोल्यो नंदी मैं मुरदो जाय है कोई सुणतो सांमलतो होय तो मुरदा कै जांग मैं लाल च्यार । जै कोई बोली मैं समजतो होय काढ लीजो । जब साहूकार की बेटीनै सुणी जब कटार लीनी महल मैं सूं उतरी अकेली । दो ठग मिल गया । कटार खोंस लीनी और ऊं पै गैंणू गांठो उतार लीयो । इत्ता मैं साऊकार का बेटा कूं चेत हुयो । गोड सूं साऊकार जादी खां गई । जब ऊंनै चिराक जोड़ी । चिराक जोड़र चल दियो आगै साऊकार जादी दीख्याई । जब साऊकार का बेटानै चिराक तो भुजा दीनी । जब ऊं कै लारै लारै होलीतू अक देखां या चोरी करबा ज्याय है अक अन्याई करबा ज्याय है । जब वा मुरदाकै गोड गई । नंदी मैं बहतो मुरदो ज्याय हो जैं कूं पकड़र किनारै लगायो । ससतर ऊंकां हात मैं है नईं । अब वा मन मैं बिचार कर्‌यो अब कांई करूं । जब दांतन सूं जांग फाड़ी लाल च्यारुं काढी ।

जब ऊं साऊकार का बेटानै पाप विचार्‌यो । या तो रांड डाकण है । नंदी बहतो मुरदो रकड़र काढ ल्याई । ईंनै मुरदो खायो आप सूं जार कही । म्हारा मुतलब की या रांड कोय नै । ईं कूं महल मैं राखी तो देस परदेस चल्यो जांऊंगो नांतर कटारी खार मर जाऊंगो । जब ऊं का सुसरानै रथ जुड़ायो । जुड़ार पीहर कूं खंदाई । लार आप सुसरो चाल्यो । दुपहरी की भकत हुई जब बड़ कै नीचै रथ डाट्यो । बड़ कै नीचै बालाजी की मूरत ही । व्हां पांणी पीणै को पक्को कुवो हो व्हां उननै रोटी खाई । सुसरो तो सोगो । वा साऊकार की बेटी बैठी ही काग बोल्यो । म्हारी बोली मैं कोई जांणै सुणतो सांमलतो । बालाजी कै नीचै बेभड़ आधी म्होर आधा रुपया । चरवा च्यार हैं । सांहूकार की बेटी बोली । स्यालयानै तो या करी तू कांईं करसी रे काग ।

तो सुसरो बोल्यो बेटी कांईं बात है । जब फेर साहूकार की बेटी बोली कांईं भी बात नै सुसराजी । बेटी ज्युंनै ज्युं कहदे तो कै सुसराजी इन पखेरू की बोली मैं समजूं हूं । स्याल्यानै तो चार लाल मुरदा की जांग मैं बताई ही अर अब कागनै ईं बालाजी कै नीचै चरवा च्यार बताया है । सुसरानै कही रात व्हांईं रहो दिन छिप्यो बालाजी तो उठार अेक बगल धर्‌यो चरवा चार्‌यूं काड्या । सुसरानै कही बेटी होटी चाल । सुसराजी नै चालूं वा तो मूरिख है बात बात को हट करै । तो बेटी जस्यो होय जस्यो भुगतणू

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पड़ै । नुसरा को कह्यो मांनर होटी आई । व्हां आर ऊं मूरिख कूं लाल च्यारयूं समलाई चरवा च्यार समलाया उन का अर उन का घर बार बस्या जस्या सब कोई का बसो ।

(२) मैंडकी अर हाती

लांबी नाक का सूपर गंद्दा तू तो म्हांनै खूंदै छै ।
तू तो नकटी धरती चिपकी तू कांईं म्हांनै दीखै छै ।।
मैंड़की करकांट्या कूं साक भरावै है ।
देखोजी बाड़ चड़हता सूगर नर म्हारी नाक कांईं नकटी छै ।
तू रायबेली साह् घर की बेटी ईं गदा कै मौंहडै चूं लागती है ।।

(३) छेली अर स्याल

छेली अर स्याल साजी हुया । आरै स्याल बाजरा वाहबा चालां । जब स्याल बोल्यो तू चाल हूं आऊं हूं । जब छेलीनै हल भालै कर्या जब ऊनै बाजरो बाह्यो । बाहार आंथां कूं घर आगई । जब छेलीनै ऊंकी स्याल की बात परखी अक दिन दाया तो मंजूर का बारै म्हींना को दायो साजी जनम दायो बैरबानी को अब तो ईं स्याल कूं भुगत्यां पार पड़सी । जब छेलीनै तो आप का मन मैं इत्तो बिचार कर कूकरा का पल्ल्या पाल्या । जब छेलीनै स्याल्या सूं कई अक आरै स्याल्या बाजरा की निनाणी करबा चालां । जब स्याल्यो बोल्यो थे चालो म्हे आंवां छां । जब छेली ऊं की निनाणी कर्याई जब फेरूं बोली आरै स्याल्या बाजरा की हलनी करबा चालां । जब स्याल्यानै कई तू चाल हूं आऊं हूं । जब छेली हलनी बी कर आई जब फेर कई आरै स्याल्या बाजरा की रखवाली करबा चालां । तू चाल म्हे आंवां छा तमाकूसी पीयांवां छां भांगड़ली सी घोट्यावां छां । फेर बी को गयोनै । जब रखवाली बी छेलीनै करलीनी । बाजरो पकगो । जब कई कै आरै आरै स्याल्या लांवणी करबा चालां । जब स्याल्यानै कई थे चालो म्हे आवां छां । जब स्याल्यो को गयोनै । छेलीनै लांवणी बी करलीनी तौबी को गयोनै । आरै आरै स्याल्या बाजरा की चौंटणी करबा चालां । जब छेली चौंटणी बी कर आई । आरै आरै स्याल्या बाजरा की दांयै करबा चालां । थे चालो म्हे आंवां छां तमाकूसी पीयांवां भांगड़लीसी घोट्यावां । जब छेली दांयै बी कर आई । आरै आरै स्याल्या बाजरो बरसाबा चालां । जब बी स्याल्यो को गयोनै । बरसार छेली त्यार कर्यो ।

जब छेली ऊं की कुनींत कूं जाण गई जब वे कूकरा का पिल्ल्या पाल्या हा छेलीनै जिन कूं खिलाण मैं ल्याई । जब ढकोला नीचै दाब दीनां जब स्याल्या कूं बुलावा छेली गई । आरै आरै स्याल्या बाजरो बांटबा चालां । थे चालो म्हे आंवां छां । जब स्याल्यानै बिल्ली की तो घोड़ी करी अर रैंहटा की माल की लगाम करी ताकू को सेल कर्यो अर चमरक की ढाल करी अब स्याल्याजी बाजरो बांटवा चाल्या । खिलाण मैं गया । बाजरा कूं देखर स्याल्यो राजी हुयो । जब छेली बोली अक भाई बट कर ल्यां ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जब स्याल्यो राजी हुयो । जब छेली बोली अक भाई बट कर ल्यां । जब स्याल्यो बोल्यो बट हो रह्यो है तू तो या बूलर बूलर लेजा म्हारो या बाजरो रह जायगो । जब छेलीनै कही स्याल्या मान रै जब स्याल्यानै कही देख रांड बावली रांड कूं खाजाऊंगो । जब छेलीनै कहीक मैं न्याव करवाऊंगी । जब स्याल्यानै कहीक थारी हिमायत हो जैनै चंढाल्या । छेली कईक स्याल्या मानजा म्हारी हिमायत कुण हैं म्हारी हिमायत तो रामजी है । स्याल्यानै न मांनी । जब छेलीनै ढकोला नीचासूं कूकरा का पिल्ल्या काढ्या जब स्यालजी चल्या । खंईं तो स्याल की ढाल गिरी खंईं स्याल को सेल गिर्यो खंई स्याल की बिलाई की घोड़ी बणाई ही वा रही अब स्याजली घर कूं भाज्या । वै पिल्ल्या जे छेलीनै पाल्या हा वै स्याल कै पाछै पड़्या । पिल्ल्याननै थै मैं उलता उलता स्याल्या का दोनूं कान पकड़ लीया । जब आगै स्याल्या की लुगाईनै कही अस नपूता पट्टो बता जब स्याल्यानै कही अस पढ्यो होय जैं कूं पट्टो बताऊं रांड अपढ कूं कांईं बताऊं । इतेक बार मैं पिल्लाननै कान ऊपाड़ लीया । ऊपाड़ कानर दोनूं घर कूं आया । छेलीनै अर पिल्लाननै बाजरो खायो पीयो चैन कर्यो ।

(४) ठाकर अर गूजर

अेक ठाकरनै गूजर हाली राख्यो । गूजर दो भाई हा । बड़ा मैं तो अक्किल बाद ही । ल्होड़ा मैं थोड़ी ही । जब बड़ा भाई नै कही ल्होड़ा भाई सूंस तू जा । जब ठाकर नै कही अक हूं कहूं म्हारो कह्यो नै करै तो नाक काटल्यूं । तो हालीनै कही काम बताओ । जब ठाकरनै कही बीस बीगा कूं तो बाहा आवै अर बीस बीगा की बाड़ कर्यावै । दुपैर रोटी खनाऊं जिन की कोर तो तोड़ै नै अर धापर रोटी खाले । रोटीन कै लारै भाजी को तपक्यो जैंका म्होंडा होर तो ले नहीं अर भाजी कूं खाज्याय । अर दिन छिप्यां घर कूं आवै जब बलीतो लेतो आवै । घोड़ा कूं रातिब लेतो आवै । इतके काम कर घर कूं आवै । इन मैं हाली पै अेक बी काम को हुयो नै । दिन छिप्यां घर आयो । ठाकर नै कही बीस बीगा बाह्यायो । कै को बाहईनै । बाड़ कर्यायो । को हुई नै । रोटी खाई । को खाई नै । चूं खाई नै । कोर टूट जाय । बलीतो लीयायो । को ल्यायो नै । घोड़ा कूं रातिब लीयायो । को ल्यायो नै । तो कै भाई तो सूं काम को हुयो नै नाक काट लेवा दै । जब ऊंनै कहीस भाई काट लै वा तो । कटार घर गयो । जब बडा भाईनै कही तड़कै हूं जाऊं जब बडो भाई दिन ऊंगताई गयो । ठाकर सूं जार कही अक भाई तू कहैगो जैंई काम करूंगो । नै हूयो नै तो नाक काट ल्यूंगो । जब ऊंनै कही गूजर नै फेरूं अक हूं कर्याऊं तैं नै दुलख्यो तो थारी नाक काटल्यूं ।

जब हल जोड़र गूजर गयो जब ठाकरनै कही भाई बीस बीगा कूं बाह्याजो अर बीस बीघा कूं बाड़ कर्याजो । अर रोटी खनाऊं दुपैर जिन की कोर तो तोड़जो मत धापर खालीजो । लार भाजी को तपक्यो खनाऊं जैं का म्होंड़ा होर तो लीजो मत अर भाजी खालीजो । दिन छिप्यां बलीतो लीयाजो । घोड़ा कूं रातिब लीयाजो । जब बीस

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बीघा कै तो ऊनै कूढ दीयो। च्यारूं कूणान पै च्यार ढांकरी धरदीनी। अब रोटी गई जब पैंणी सूं बीच बीच मैं सूं रोटी काट लीनी। कोर साबती राख दीनी। अब तपक्या मैं सुं नीचै ठेक तला मैं करी जैं मैं होर भाजी ले लीनी। अब ऊनै रोटी खाई। धापर खालीनी। कोर तो तोड़ी नहीं तपक्या का म्होंडा होर भाजी को लीनी। नै अब बलीता की वेई हल तोड़्यो। रातिब की वेई खलो भाल मैं बैठ्यो हौ जैं पै पिछेवली राड़र पकड़ लीयो घोड़ा का रातिब काजै। अेक हात मैं तो बैल पकड़ लीया अेक हात मैं खलो पकड़ लीयो। मांथा पै बलीतो धर लीनू। तीसरै पैर आगो। ठाकर नै पूछ्यो भाई बीस बीगा कूं बाहयायो। जब हाली नै कहीस बाहयायो। बाड़ कर्यायो। कर्यायो। रोटी खाई। खालीनी। भाजी खाई। खालीनी। बलीतो लीयायो। लीयायो। घोड़ा कूं रातिब लीयायो। लीयायो। बीस बीघा धरती तो कस्यां बाहई। च्यार्योंमेर कूढ दे दीयो। रोटी कस्यां खाई। देख लै कोर सापती तूई थांरी। भाजी कस्यां खाई। नीचा सूं ठेक कर तपक्या मैंर खाई। बलीतो कस्यां ल्यायो। हल कूं तोड़र बांद ल्यायो। घोड़ाकूं रातिब कस्यां ल्यायो। तू तो मर्यो चाहतो होयगो हूं जीवतोई खलो लीयायो। अब होटो जुवाब दे ठाकर तो नाक कटै। फेर ठाकरनै कही भाई तड़कैई सासरै चालांगा। हाली नै कही चालो। दिन ऊग्योर गाडी जुड़वाई। अब सासरो होय तो खंईं गेल मैं डटै ठाकर तो ऊंकी नाक काटवा डोलै हाली की। जब दिन छिप्यो जब उननै कूवा पै डेरा दींया। व्हां रोटी खाई जब कूवा का ढांणा मैं ठाकरनै सुवाया। कूवा गेल तो हाली सुवायो अर बीच मैं दोनूं छोरा छोरी अर ठुकरांणी सुवाया। आप उन की इत की बगल सोयो। आधी रात हुई। म्हां सूं उठर ठाकर कै इत की बगल हाली जा सोयो। अब हाली नै कलौटलेर सरकाया पैलां तो कूवा मैं ठुकरांणी गई। पाछै दोनूं छोरा छोरी गया। अब ठाकर कूं ठीक पड़्यो अरै गूजर तैं नै तो भौत बुरी करी। तो कै भाई तैं नै कूवो खोद्योस खाई त्यार है। थारै म्हारै येई बचन हा होटो जुवान दोनू अर मैं नै नाक काटी। नाक काटलेबादे भाई। काटलै भाई।

(५) कोली अर हार

अेक कोली हौ। ऊंकी मा का कह्या मैं चालै हौ। जब ऊंकी मा नै कही बेटा सासरै जा। भ्भां दिन छिप जाय भ्भांईं डट जाज्यो। सो म्हांईं डटगो। ऊं का सासू सुसरान का घर कै पाछै ही दिन छिप्यो। कोली म्हांईं डटगो। ऊं का सासू सुसरान कै कंगाली ही घर मैं। सो वे च्यार ही तो आदमी हा घर मैं। सो तीन तो रोटी करी और अेक चांद्यो। कोलण बोली चांद्यो तो हूं लेल्यूंगी अर ये तीनू रोटी अेक अेक लेल्यो अब रोटी खालीनी। वास बठ्यो सुणैंई। अब दिन ऊग्यो अर जंवांईं आयोई। तो कै तम रात रोटी करी ही जे बताद्यूं। तम अस्या सैंदेव हौ तो कै देखां बताद्यो। तो कै चांद्यो तो तम नैं खायो तीन रोटी इन तींनून कूं तमनै अेक अेक दीनी। जब उननैं हामल भर लीनी।

ऊंईं रात ऊ सहर मैं राजा का महलन मैं नौलखो हार राणी को गयो जैंको हेलो हो रह्यो। कोलण दौड़ी कै म्हारो जांवांई सैंदेव है। राजा का महलन मैं सुंणी तो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
कै ईं ईं स्यात ऊं कूं ल्याओ । अेक दौड़तां च्यार दौड़्या । ऊं कूं ले आया । म्हां राजा का महलन मैं दो बांदी ही । अेक को नांव तो नींदड़ली अेक को नांव मूंडड़ली । राजा कह्यो फेरूं आयो कै सैंदेव बेगोसो बता । तड़कै बताद्यांगा असी कांई उलात है । अब वा तो आप का जीव मैं कहै आरी नींदड़ली नांतर तड़कै कटैली मूंडड़ली । जब उन बांदीननै ईं तो हार उठायो हो । उननै कही अक या सैंदेव तो आपणू ईं नांव ले है । आंपणा ईं मूंड कटावैगो । जै होय तो ईं कूं छांनैसी सौंप्यांवां फाट्यो सो चैथरो है जैं मैं लपेटर । सोगो । अब संवांरेई हलकारान पै हलकारा आवैं । सैंदेव जागै हैई कोनी । राजा ऊं को हार लेगो अक कोई को जीव लेगो । जब हलकारान नै जार कही जब फेर राजा नै कही अक ऊं कूं ल्याव अर गैर ल्याव उठा ल्याओ । जब जार ऊंनै राजा कै आगै हार पटक दीयो । सोवा तो को दीयानैर हूं तो सब रात को उंणीदो हौ । जब राजानै कही अक सैंदेव मांग । जब कोलीनै मन मैं बिचार कर्‌यो तो कै घोड़ो लेल्यां आडौ आवैगो चढबाकै तांईं और तो कांईं ल्यां । सैंदेव कही अब घोड़ो देद्‌यो चढबाकूं । जब राजानै कही अक खैर नसीव मैं कोनै ईं का मैं या मांगै जस्यो ई पकड़ा द्‌यो । जब खासा घोड़ो पय मोड्यां ऊंवो हो वाई सैंदेवनै लीयो । वा तो आप का जीव सूं डरप्यो अस लूलो घोड़ो लेल्यूं पटकैगो कोनै । वा घोड़ांन मैं सर नांव हौ जेई छांट लीयो । जब राजासूं चाकरननै फिराद करी अक या तो घोड़ांन को ऊ परखा है । जब राजानै कही अक ईंकूं जावा मत द्‌यो ।

ऊं राजा कै अर दूसरा राजा कै लड़ाई रुपी जब ऊं राजा की फौज चडी लड़ाई करवा । जब राजानै कही सैंदेव कूं बी लेचालो । अब घोड़ा पै जींद करवाई । म्हां दोनूं फौजन का नाका मिलगा । पाछा सूं सैंदेव अर राजाजी गया । अब सैंदेव कहै राजाजी हूं तो पड़ूं । अब राजाजीनै कही अक और आगै चाल । जत्ता मैं कोई रूंख गैला कै साहारै आयो । सैंदेवनै घोड़ो तो छोड़ दीनूं अर डाहाल पकड़ लीनी । डाहाल पकड़तांईं फसगी । आगली फंजनै बिचारी अक काणां कसेक दानू है सो फौज भाज दीनी । जे रूंखन कूं फांसतो आवै है जे आदमीन मैं कांई बाकी छौड़ै है । जब राजानै फेरूं कही अक सैंदेव मांग । लूलो घोड़ो मांग्यो हौ जैं मैं तो हात पग टूट्या होता । अब कांई मांगूं । बैठ्या बैठ्या कूं जौ की रोटी देबो करो । फेर राजाजीनै कही सैंदेव मांग सो मांगै सोई द्‌यूं राज मांगै तो राज द्‌यूं फौज पलटणन मांगै तो फौज पलटण द्‌यूं । कै म्हारै कुण फौज पलटणन कूं रोटी करर कुण देगो । तो कै ईं की अम्मर रोटी करद्‌यो । राजाजीनै कही । चोखो खावो चोखो पैरो चोखी चीज पै चडो । जीवो बात को कहबा हालो जीवो बात को सुणबा हालो ।

अेक साहूकार

अेक साहूकार छो जैंकूं पिरभूनै बारे बरस कूं बेटो दियो । जब ऊंकै बेटो हुयो छ महिना को हुयो जे बारे महिना को दीखै । जब साहूकार जादी बोली हक आपान कूं पुत्तर बारे बरस कूं दीनूं है आंपां ईं को ब्याव सगाई कर ल्यां । साहूकार बोल्यो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
आपणी छाती पैं साल रहैगो। जब साहूकार जादी बोली रहैगो सो तो रहैगो पण आंपां अेक बार तो चैन देख ल्यांगा। जब साहूकार नैं हेरो कर्यो।

अेक गांव कै फलसै अेक बालक खेल रह्या मांटी का घर बणावै हा। जब ओर बालक तो बिगाड़ रालै अेक वा साहूकार की बेटी ही जे आप का ख्याल नैं बिगाड़वा नै दे कै भाई म्हे तो म्हां का घरनै नैं बिगाड़बा द्यां। जद वा साहूकार व्हां ऊबो रैगो। होयन होय तो सगाई ईं सूं करो। जब ऊंका बापनै हजार दो हजार रुपया दिया। जब ऊंनै सगाई कर दीनी जो उन्नै ब्याव बेगोसो करबा को बिचार कर्यो। महिना मैं सावो दिखार ब्याब कर लीनों।

अब ऊं दुलैणनै लेबा आया सो ऊं दुलैण को सुसरो नांटगो भाई म्हे तो नैं खनावां। जद अब वा सेठ दिना दिन सूकै। जब सेठाणी बोली सेठजी थे च्यूं सूको हो आपणै दुख कांई बात को है। जब वे बारा बरस नीड़ा आया जब सेठजी नैं नाज खाबो ही छोड़ दियो। जब फेर भऊनै सासू कूं पूछी ये सुसराजी नाज च्यूं खाय नैं। जब सासूजी बोली बेटी तूं ईं बात मैं कांईं ले है। तो कै नईं सासूजी ईं बात को ब्योरो द्यो। सासूजी कही बेटी ईं बात को ब्योरो मत पूछै पिसतावैगी। कै नहीं सासूजी मैं तो ईं बात को म्यांनों लेस्यूं नहीं मैं भी अन्न पांणी नहीं खाऊं। तो कै या थारो घर को धणी है ज्यो भगवान नै बारे बरस कूं हीं दीनूं है। तो कै वे दिन नीड़ा आवै जैं दिन मोसूं कै दीज्यो अर रोटी खावो ईं बात को फिकर थे मत करो। तो कै भऊ वे दिन तो नीड़ा आ गया। तो थे बनोबस्त बांधणों होय ज्यो बांध लीज्यो। जब वा रात बारा बरस की आई जब ऊंनै च्यार पाया खाटका जन पै च्यार चोकी राखी अेक पाया पैं तो अन्नदेव की अेक पै जलदेव की अेक पै अगनदेव की अर अेक पाया पै देवन की। जब च्यारयूं सूं बोली जैं का पैरा मैं लेजायगो जैंपै सूं ल्यूंगी नैंतर जैंनै सराप द्यूंगी। जब पैंलां तो जमदेव आया जब पैरो अन्नदेव को। मोसूं नाराज होय तो साहूकार का लड़का कूं ले जावो ये जार भगवान सूं कह देवो। जमदेव साहूकार का बेटा नैं नईं लेगा। उनकै घर मैं चैन हुयो। सब राजी हुया।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

६. राजावाटी की बोली

(१) सेठाणी की कांग्रांणी

सेठाणीनै ऊं को घर को धणी गूंणै लेर ग्रायो । ऊं की लेर च्यार तो घोड़ा ग्रर ग्रेक रथ । सो मंजल दो कै ऊपरांनै ग्रागीया । ग्रर तीसरी मंजल कै ऊपरांनै ऊंनै सेठाणीनै घड़ी च्यार ग्रेक दन पाछल सूं तस लागी । वा लाज की मारी नै तो रथवाननै कीयो ग्रर नै ग्राप का घर का धणीनै कीयो । ग्रब तलाव नंजर ग्रागीयो । तो दल मैं बचारीक पांणी पीर ग्रोठाकी ग्रोठी रथ मैं ग्रा बैठस्यूं । ग्रत्ता मैं ईं उतरी या । उतरर पांणी पीयो । पांणी पी ग्रर पाछी चाली रथ मैं बैठबानै । तो रथ का बैल्या सांतरा छा । सो रथ ईं कै हात नै ग्रायो । थोड़ी घणी दूर तो या भागी । भाग्यो गीयो कोनै ग्रर लाज की मारी हेला पाड़्या कोनै । ग्रत्ता मैं दन ग्रांथवा की भगत ह्वैगी । तो उठीसूं ग्रेक राजा को कंवर ग्रा नकल्यो ग्रर दस बीस ऊंकी लेर घोड़ा । तो जठै या बैठी छी ऊं ईं कै नैखै ग्रा ऊबा रह्या । ग्रर ईं नै पूछी तू कुण छै ग्रर कठा सूं ग्राई छै कठै जावैली । या लाज की मारी कांईं बी जुवाब नैं दीयो । ग्रर मांथो नीचो कर दीयो । जद राजा का कंवर कै यो वच्यार ग्रायो ग्रक ईं का कोई धणी धरमराज ई कोनैं तो ईंनै लेचालो । जद ऊं का साथकां नै कै दीनी ग्रक ईं नै घोड़ा पर बठाण ल्यो । जद वै ऊंकै नकै जार जोरी सूं घोड़ा पर बठाण लीनी । ग्रर सूदा मुकाम कै ऊपरांनै ले गीया ।

ग्रठी छै जो ईं साऊकार की मंजल पूरी हैगी । ग्रर झालर बाजगी । तो रथ नै देख्यो । तो रथ खाली पड़्यो । बड़ो ऊं कै सोच पड़्यो । मन मैं जाणी ग्रक या बात कूंणीनैं कां । खटै गी खटै नै गी दूसरा सूंणै तो हांसी करै । ग्रापणै घरां चालर फेर हेरो करस्यां ईं को । ईं का मूकाम कै ऊपरांनै ग्रागीयो यो । ग्रार ईं को हेरो करबा कै ऊपरांनै चाल्यो । हेरो करतां बरस च्यार है गीया जो खटै बी पतो नैं पायो । तो ग्रेक दन ऊंई राजा का सैर मैं ग्रा नकल्यो । जठै वा चली गई छी । तो या साऊकार जादी मैलां कै मैंनै बैठी ग्रर झरोका की खिड़की खोल राखी । तो वा ग्राप का घर का धणीनै पछाण लीयो । ऊं ईं बगत छोरीनैं कीयो एक यो जावाहालो छै ईंनै ग्रांपणी डोडी पर लीया । वा झट ग्रार ईंनै डोडी पर लेगी । पाछी ग्रार कीयो ग्रक डोडी पर मोजूद छ । ईं कै वासतै खावा कै वासतै खनायो ग्रर वा ग्राई । ग्रार ईं नै खयो ग्रक ग्रापणै ईं गांव कै फलसै बाग छै ऊं बाग कै मैंनै डेरो जा करो बावड़ी पर । ग्रादी की बगत मैं मैं थांकै नकै ग्रांऊ छू । वो तो उठी बाग मैं चल्यो गीयो । भोत राजी हुयो ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अब या साहूकार जादी दल मैं बच्यारी अस अस्यांत तो यो राजा आपांनै सीक देलो को नै सो ई नै जहर देद्यो । सो यो तो मरजासी अर आपां चली चालस्यां । कोई आडो फरबाहालोई कोनै । रात्री की बमत कै मैंनैं कांसा मैं पटक जैरर ईनै खुवा दीयो । राजा तो घड़ी च्यारेक मैं ई प्राण तज दीयो । या समेट डेरो डांडो अर आप का बेटा ओड़ी बी नै झांकी अर जो सात फेरां को छो ऊं कै नकै सुदी पोंछी । ऊंनै जार देखै कांई तो मर्यो पड़्यो छै । ऊं नै सांप काठ खायो । अब उठी तो वो खांवद मर गीयो अर अठी यो खांवद मर गीयो । अब दल मैं बीच्यारी अक भाग चालो बन कै मैंनै । सूदी या तो रात्रीनै ऊबट गेलै बनी ई कै मैंनै हेगी । कोस दसैक कै ऊपरांनै बन ई बन मैं जार पूंछी । ऊठै अेक बणज्यारो बाळद ढाल मेली अर बळद चर रीया सो ई नै देखी अक अेक लुगाई आवै छै । या अत्ता मैं नजीक आई । ईनै पूछीक तू कुण छै । जद या बोलीस आकास की पटकी धरती की झेली म्हारै तो कोई बी कोनै । जद बणज्यारो बोल्यो अक म्हांई नकै रैबो कर । वा की बोत आछ्यां थारै नकै रैबो करस्यूं । अब या बणज्यारा नकै रै । यो बणज्यारो देस बदेस फरबो करै । फेर अेक बड़ा भारी सैर मैं चल्यो गीयो । तो ऊं सहर कै मैंनै ऊं साऊकार जादीनै बेची । तो साहूकारजादी सूं कोई बुरो काम बण आयो जींसूं या छै जो बन कै मैंने चलीगी । ऊठै जार लकड़्यां भेलो करी अर नंदी कै तीर पर सलो बणायो । सला मैं बैठगी अर आग लगादी तो नाराण की असी मुरजी हुई सो उठी सूं वा नदी चड़्याई अर सलो बुवार लेगी । तो अेक लकड़ी कै ऊपरांनै या बैठगी सो बैती बैती कोस पचासेक पर जाती ढावै लागी ।

उठै अेक गूजर छेल्यां चरा रयो छो । सो ईनै देखी । देखतांई झटदेणीसी काड लीनी । काडर ई नै तपाई जद ई नै चेत हियो । नै पूछी अक तू कुण छै । जद ईं कीक मैं तो आदमी छूं तू मनै जीव दीयो छै सो मैं थारै ई रैस्यूं । वो गूजर छो कंवारो । झट ई कै घरां लीयायो । मजा कै मैंनै रैबो करै दोन्यूं । वो तो छेल्यां चरा ल्यावै अर वा छ्याछ बेच्यावै साथण्यां मैं । अेक दन चौमासा की रुत मैं पांच सात मलर छ्याछ बेचबा गई । तो गेला मैं रपटणी हेरी छी सो ये सारी रपट पड़ी अर यां की जावण्या फट गई । जद सारी तो रोवै अर या हंसै । ऊंठी सूं राजा की सवारी आवै छी । जद यांनै पूछीक तू तो क्यूं हंसै छै अर थे क्यूं रोवो छो । जद या सारा समंचार राजानै कया अक अत्तो बखो पड़्यो मैं मैं । फेर वा किबत कीयो ।

किबत ।

निप मार चली अपने पिव पै । पिव भमंग डस्यो दुखिय पुर हूं ।।
बन मांझ गई बिनजार लही । वैं बेच दही गिनका घर हूं ।।
त्रीय काठ चढ़ी जल पार बही । नकसी तर हूं ।।
अतनू दुख पाय भई गुजरी । अब छाछ को सोच काहा कर हूं ।।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(२) पटेल की कांग्राणी

पटेल तो राम को भगती छो अर पटेलण छी जो रामदेवजी को भगत पणू करै छी। कोई समै मैं भैंस्यां डुलगी। जद पटेलण की अस म्हारै तो रामदेवजी को भगत पणू छै अर थारै राम को भगत पणू छै। देखां कस्यो सांचो नकलै। रामदेवजी नकलैक रामजी नकलै। फेर कोई समै कै मैंनैं पांवणू आ नकल्यो। जद पटेल सांसो करर सोस करर बैठ्यो छो। जद वो पांवणू भाई सगो छो जो कां अस आज पटेलजी उणमुंणा क्यांन बैठ्या छो। जद खैंचै सगा साब भैंस्यां डुलगी। जिद की फलाणा गांव मैं भैंस्यां मैं देखी राज कै मैंनैं। जद वो आपका गांव सूं उठै गीयो। उठै जार अेक भैंस राज मैं देणी करी भैंस्यां ओठी ल्याबानै। पाछो लेर घरां आयो भैंस्यां। जद सिज्याका दोन्यूं घर धराणी बतलाया अक रामदेवजी का कामड़ बोल्या जो तड़कै जमा द्यां भैंस्यां लाद्याई। जद तड़कै ई छै जो मंदोरथ कर्यो अक सीरो पुड़ी करर जमा द्यां। जद सीरो पुड़ी करर त्यारर भट कूंडा तलै दाब दीयो। जद पटैल लुगाईनै कीयो कामड़ांनै पांणी बना कांईं पांवांला। तू पांणी भरल्या अर मैं कांमड़ांनै बुलाबा जाऊं छूं।

वा तो पाणी गई अर वो कांमड़ां नै बलाबा गींयो। जो सांमानै रामजी का भगती साद आवै छा वां नै बलाल्यायो तो वांनै दे पांतर पुरसगारी करतो हीयो। जो आबा रामजी का भगत-वो जीमो। वां नै आवै जीं पैली जीमल्यो आप तो। जतरा मैं पलटी वा आई। तराई मैं आर रामदेवजी का भगतांनै आर हेलो दीयो। वा तो हेलो देर आप कै घरां चाली आई। उतार दीयो बेवड़ो। जतराई मैं कामड़ बी आ गीया। वां की पंगत वा लगा दीई। पटैलण सामान करगी जो हेरबा लागी। जद पटैलण पुछ्यो पटैलनैस वो सामान कडै छै। पटैल बोल्यो रामजी का भगती जीम ग्या। तरा मैं अेक साद पूंछी सूं नकल्यो। वो नकल्यो जद दोन्यूं रांडी रंडवा लड़ै छा। पटैल बोल्यो रांड क्यूं लड़ै छै। रामजी का भगत जीम ग्या। वांको अंजल छो वै लेग्या। यां ढेढ चमारांनै नै जमांवां। जद वो साद नकलै छो जो पाछो पलट्यो पटैलण कै अर पटैल कै बबाद हैर्यो छो ज्यां कै बीच साद आर डांक्यो। और साद ज्या छा ज्यांनै खैंचै रै बाबाओ भगतीओ पलट्यावो। पटैल बाबासूं लड़ै छै या। जो ढेढ चमारां कै लागै कमंडलां की। पलटतांईं आर कमंडल बैबा लाग्या ढेढ चमारांकै। ढेढ चमार खाल की डोलच्यां ढोल-ढोलर जाता र्या जीव बचार। पटैल बोल्यो पटैलणनै रांड रामजी का भगती जीम ग्या ज्यांमैं आपणू भलो हैलो। ढेढ चमार जीमता तो कांईं भलो हैतो। म्हारो रामजी तो अस्यो सांचो छै जो गई भैंस्यांनै पैला घर लेर आग्या। रामदेवजी का भगतपणा सूं थारो कांईं भलो हीयो।

(३) चड़ा चड़ी अर राजा रांणी की कांग्राणी

अेक तो चड़ो छो अर अेक चड़ी छी। वां दोन्यां को घुसालो राजा का मैल कै मैंनैं छो। तो चड़ी कै तरलोकीनाथ का परताब सूं बच्चा हीया। तो वां बच्चां की वां

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
चड़ा की अर चड़ी की परीत देखर राणी भोत खुसी ही। वा राणी चड़ा चड़ी की बोली समजै छी। चड़ी चड़ानै कीयो अक मैं मरजाऊं तो म्हारा बच्चा दुख नै पावै। बोल्यो कांई वासतै तो तू मरै छै अर कांई वासतै थारा बच्चा दुख पावै। तैं जसी चड़ी फेर मनै मलै बी तो कोनै। अर जो कदात तू मर जावै तो योई म्हारो धरम छै अक मैं नै परणू अर बच्चां नै परबसता कर लेस्यूं। ये बातां वां दोन्यां कै करार होया जो राणी सुणरी। दस पांच दन तो नकल्या अर चड़ी मर गई। अब चड़ो खुराब। अर अब राणी छै सो देखरी चड़ाचड़ी नै अर बच्चांनै। च्यार दन कै पाछै ई चड़ो छै सो दूसरी चड़ी लीयायो। वा चड़ी ऊं चड़ा का बच्चांनै देख्या। देखतांई चड़ी कै तो तन बदन मैं आग लागगी अक ये तो सौक का छोरा छै। सो चड़ो तो वां कै वासतै चुगो ल्यावै सो अच्छो ल्यावै। अर वा चड़ी छै सो बाड़ कै मैंनै सूं गल्या कांटा चूंच मैं ल्यावै। सो वांनै वै कांटा ल्यार दे वां बच्चांनै। दन दो अेक कै मैंनै वै बच्चा मर गीया। अब ऊं रांणी कै ख्याल आयो अक अस्यांन ज्यो तू मरजावै तो राजा बी दूसरो बीयाव करले अर थारा बच्चांनै वा अस्यांन ई मार नाखै। जनावरां ईं कै मैं नै यो ईरखो छै तो राण्यां मैं तो पूरो ईरखो हैतोई आयो छै। वां चड़ी का बच्चां को अर चड़ी को रांणी कै बड़ो अेक सोच छा रयो।

जद अेक दन राजा पूछी राणीनै अक राणी थारै अत्तो सोच कांईं को छै। नै न्हाबो नै बैठबो नै डील कै ऊपरां नै खुसी। अस्यो कांईं सोच छै थारै। सो मनै खै। राणी कीयोक म्हाराज मनै तो कांईं ईं बात को सोच कोनै। राजा की तो अत्ती उदासी कांईं की छै थारै। जद राणी की म्हाराज म्हारै अेक कंवर छै। बरस पांचेक की ऊमर छै। ऊं को म्हारै पूरो सोच छै। ऊंका सोच कै मैंनै मैं थकी जाऊं छूं। राजा कीक ऊंको कांई सोच छै ईं की तो कुसी करणी चाईये। जद राणी बोलीक म्हाराज कदात म्हारा सो बरस पूरा है जावै तो आप दूसरो बीयाव करैईला अर वा म्हारा बेटानै मारैईली। सो आपनै सरम छै ईं की। राजा कीक राणी जो तो मरजावै तो कदी ही बीयाव नै करुंलो मैं। हजार जणा बी जो कोई कहैला तो नै परणूलो। अर तूं सोच मत करै कांईं बात को। तैं जसी राणी फेर दूसरी मनै मलै बी तो कोनै। जींसूं तू सोच मत करै कांईं बात को। मैं दूसरो बीयाव नै करुं। थारै म्हारै नाराण बीच कै मैंनै छै जो असी बात है जासी तो मैं कंवर को ई बीयाव कर देस्यूं। अर ईंनै पालस्यूं। ईं को कांईं तरै को सोच मत करै तू। बरस दो तो ईं रीत सूं बीत्या अर राणी छै सो मर गई।

राजा कै बडो सोच हीयो। सैर मैं बी पूरो सोच हीयो। अब तो राजा कंवरनै रातर दन आठ फैर नखै ई राखै। अब कामदार साथ का हजूरी राजानै अरज करी अक गरीबनवाज अब रावलो सूंनूं छै आप की कांईं ऊमर छै हाल सो बीयाव कीजे। साराई जणां दस पांच बारी अरज करी जद राजा जुवाब दीनू अक आज तो मनै बीयाव कै वासतै ये की छै अर आज पाछै असी वात कैला तो मैं बोत वेराजी हैस्यूं। अब थांनै मैं कैदी छै सो कोई मनै बीयाव कै वासतै मत कीजो। मैं तो बीयाव फेर आगलै जनम

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

करस्यू । जत्त ऊ राणी की याद छै जत्त बीयाव नै करु । बरस दी तो ईं रीत रीत सूं बीत्या । अर कोई बड़ा ठकाणा का नारेल सगाई कै वासतै ऊं ईं राजा कै वासतै आगीया । वां राजानै अरज कराईक म्हाराज म्हे आप कै बासतै नारेल लेर आया छां । बराबर को ठकाणू छै । अठारा बरस की बाई की ऊमर छै । राजां कै दो-दो च्यार-च्यार बीयाव ठेट सूं ईं हैताई आया छै । सो आप को तो येक ई बीयाव हीयो छै अर राणी छै सो मोजूद नईं मर गीया । सो अेक तो उस्या राणी छै ई कोनै परथी कै मैंनै सो जींसूं आप नट गीया । अब पांच भाई बेठां की वू बेट्यां आवैली वै कुणी कनै बैठैली । ये राजां का धरम नईं छै सो अेक बीयाव कै ई ब्रिसतर रै । या अरज प्रोथजी करी राजानै । तो राजा कै आसा आगई तो राजा ऊं ईं बगत नारेल झेल लीया । सगाई को ससटाचार कर दीयो अर बदायक बठाण दीयो । दस पांच दन मैं राजा की जान चडी । सो आगला पाणी अर पाछला कीच ।

दस पांच दन मैं मुकाम पर पूंछ्या । बेटी को बाप राजा कै सांमै आयो । कलस डफड़ा बंदाया । जान को डेरो छै सो बाग कै मैंनै करा दीयो । अत्ता मैं राजा तोरण कै उपरांनै चाल्यो । तोरण को नेगचार करर फेरां मैं बैठ्या । फेरा हीया । जोस्यांनै फेरां की बीदा देर लाडीनै जनवासै ल्याया । राजा कै अर लाडी कै बातचीत हैबा लागी । राजानै कैसीक दीखी ईं की बातां-चीतां अक ईं माफक तो परथीई मैं असतरी कोनै । अब तो राजा ईं कै ई बस हैग्यो । तड़कैई दन ऊग्यो अर डेरै आया बींनणी का भाई । बीनणीनै बठाण रथ कै मैंनै अर म्हलां लेग्या । दोपैरां की राजानै कंवर कलेवा पर बुलायो । राजा कै सामनै आई पातर्‌यां । सो नाच तो है रीया छै नछरावल्यां हैती जावै छै । चवरां का फटकारा है रीया छै । ईं रीत सूं राजा जीनाना मैं पूंछ्या । जीमण कै ऊपरांनै वराज्या । तो सालाहेल्यां तो दारु की मनवार कर रही छै । अर जुवांईंनै रमा रई छै । सो रातर दन राजा तो ऊठै ई रै म्हलां कै मैंनै । ईं रीत रहतां मैंना छै हैग्या । जद प्रोथजी राजानै अरज कराई कै मींना छै हैग्या । कंवरजी को कुण धणी धरमराज छै । राजा ये समाचार सुणतांईं झटदेणी आप का सुसरा सूं सीक करी । जो राजांनै डायजै देता आया जो डायजै दीना अर सीक दीनी । दस पांच दन मैं आप का मुकाम ऊपरांनै आर पूंछ्या राणीनै मैलां मैं खना दीनी । राजा कंवरजी नकै आया आर मल्या । भौत राजी हुया । ऊंठैई रैबा लागग्या । सो रात की बगत तो राणी नकै चल्या जावै अर दन मैं कंवरजी नकै रै ।

अेक दन कंवरजी दड़ी खेलता खेलता रावला ओड़ी चल्या ग्या । उडै जार दड़ी कै टोरो दीतू , वा दडी राणी नकै जाती पड़ी । राणी छोर्‌यांनै पूछ्यो या दड़ी कुण बगाई । छोर्‌यां की अक पैली राणी छा ज्यां का कंवर छै । बरस तेरा की ऊमर छै । राजा की बडी मैरवानी छै । वां बगाई छै । राणी दड़ी उठा लीई । अत्रा कै मैंनै कंवरजी छोरांनै की अक म्हारी दड़ी थे लीयावो । छोरा ऊंईं बगत रावला में गीया । दड़ी मांगी तो राणी आंख्या काडर घुरकाया । ये पाछा आर कंवरजीनै की दड़ी तो नै दे आप

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

का भाभासा । अत्ता मैं ईं कवरजी रावला मैं गीया । सलाम करी अर दड़ी मांगी । राणी कई दड़ी मैं तो नै द्यूं । कंवरजी कई दड़ी तो लेस्यूं । अत्ता मैं राणी कई दड़ी की म्हारै छाती मैं लागी छै । या खंर दड़ी बगा दीनी । अर कांचली अर कुड़ती आप का हात सूं फाड़ नाखी अर रोबा लागगी । छोर्‌यां बी लेर की लेर रोबा लागगी । या आवाज राजा का कांनां मैं गी । तो राजा राणी नकै आयो । राणी कीक राजा या रीत कठै परथी पर कोनै सो मा कै ऊपरांनै बेटो सांड हे जावै । माहरी कांचली कुड़ती फाड़ नाखी । म्हारी ईजत कै चोकड़दा फर गयो सो कै तो यो रैसी अर कै मैं ईं रैस्यू । ईंनै राखो छो तो मूंनै म्हारै पीर खनाद्यो । जो मनै राखो छो तो ईंनै देस नकालो देद्यो । जद्‌यां अंजल लेस्यूं । जद राजा की आंख कै मैंनै बी या बात सांची दीखी अस ईं बेटासूं तो नापुत्र ई चोखा । यो कुल कै दाग लगाबा जस्यो हैगो । ईंनै देस नकालो देणू चायजे । ऊंईं बगत कालो तो घोड़ो अर कालोई सरोपाव मंगायो अर कवरनै बलार की थां को जी चावै जठै जावो फेर म्हां का सैर मैं मत आज्यो । कंवरजी तो ऊं ईं बगत नकल ग्या । राणी भौत खुसी हैगी । दल को कांटो नकलग्यो । ये राजाराणी मजा मैं राज करबो कर्‌या ।

(४) अेक बामण की कांआंणी

अेक हराण्यों बामण छो जीकै अेक बेटो छो । जीकै लुगाई छी सुपातर अर वो छो गैल बावल्यो । जद ऊंको बाप मांदो पड़ गयो । जद कोई समैं कै मायांनै ऊनै कयो कै कोई समैं मैं बाप की बी समाल पूछ । जद वो कै छै मैं कांईं समाल पूछूं क्याल मरै जो बारई मर जावो । जद कोई समैं कै मांयनै दो दिन अेक दन मैं वो मर गियो । अर वो चरावै छो गायां गैल बावल्यो । जद ऊंकी लुगाई ऊंका काका बावांनै कयो अस थे ईंको चलावो करो । जद वां कयो कै थारा कसमनै बलाल्या । जद कोई चमार नै खनार बलायो । कयोरै खेमां २ थारो बाप मर गियो छै लकड़ी देबानै बलावै छै । गायांनै छोड़र आजा । जद वो चमारनै बोल्यो कै मैं लकड़ी बापनै देद्यूंला तो गाया कांईं सूं चराऊंला । जद चमार आगै २ अर वो चमार कै पोंछयां २ आग्यो । जो परवारो ई मसाणां मैं ईं आग्यो । जद ऊंका काका बाबा बोल्या कै आरै खेमां बैठजा । जद दूर सैं ईं लकड़ी दीनी सलाकै सो उघाड़ो हो गियो डोकरो कै लैरै साला कुण को बाप । आ लकड़ी भी लेजा मैं गायां अब क्यांसूं चराऊंलो । जद ये ऊंका काका बाबा ऊंको दाग वाग करर घरां आगिया ।

फेर तीन दन हो गिया जद तीसरोसो मेल्यायाा ऊंको । जद मण धोण ऊंका बारा को छेड़ छेड़्‌यो । जद ऊंनै ऊंकी लुगाई बोली कै ये बाबर्‌या थांका बापनै देघालो । जद वो कै छै कोद्यूंनै रांड म्हांवला बाबर्‌या कटावै छै कांईं । जद वा नाईनै बोली कै खुवाज्जी थांनै चोखी खै तो भैंस देद्यूंली खै चोखी गाय देद्यूंली थे कोई दाव कर ईंका बाबर्‌या काटरालो । जद कई जुजमान तू ईंनै मचकर छाछ राबड़ी खुवादे । ईनै निंदरा आतांईं ईंका कातर्‌या करद्यूंला । जद तड़कैई छाछ राबड़ी खार गायां

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

वो उछेर दी अर आप सो गियो । जद नाई जार पूछ्यो । जद कातर्या जा कर्या ऊंका । जद वो जाग्यायो जीं पैली नाई भाग्यो । जद पाछै खेमूं हराण्यूं बांमण गायांनै पाणी पाबा नै ल्यायो । जद गायां पाणी पीवै छी ज्यांन ईं वो बी गुडल्यां वांणी पांणी पीबा लाग्यो । जिद आपकी छाया देखर कई म्हार्या बावर्या कडै गीया । ऊंठा सूं चाल्यो जद जार लुगाई नै पूछ्यो अस म्हारा बाबर्या कडै गया । जद ऊं की लुगाई बोली अस थां को बाप लेग्यो । वो क्यों म्हारा बाबर्या बी लेग्यो । जद ऊं को नुकतो करबा को बच्यार बांद्यो । जोसी नै बलायो अस कोई दाव करर ईं का बाप को करीया धरम बी हो जावै । जद जोसी बोल्यो यो गैल बावल्यो छै करीया धरम कराबा जाऊं अर कडै मनै मार बैठै तो । जद कयो मैं समजा द्यूंली अस नै मारै । जद ऊंनै दनाथ्यां कंदीयो अस जोसीजी कै सोई करज्यो । करीया को सामान लेर जोसी नाई अर आप तीन्यूं चाल्या ।

तलाव की तीर ग्या । जोसी कयो खेमा नाहावो । खेमूं बोल्यो जोसीजी थे बी नाहावो । जोसीजी बोल्या खेमा गोच्यो लै । खेमूं बोल्यो जोसीजी थे बी गोच्यो ल्यो । जोसीजी गोच्यो लीयो जद खेमूं जोसीजीनै पांणी मैं दाबर बैठ गीयो । जोसीजी जैंयां तैंयां करर नकल्यो । जोसीजी भागता भागता घर गीया । पाछासूं खेमूं बी गीयो । जोसी भागर लुगाईनै कई कै रांड मनै तो घुसा कै मार्यो । लुगाई गूदड़ा गाबा जोसी पर पटक दीया । अतरा मैं कुंवाड़ां कै दे लात कीर खेमूं भी जा घुस्यो अर जोसी पर जा बैठ्यो । जोसण खेमा की लुगाई नकै गई कै थारो खांवद म्हारा घर का धणीनै मारै छै सो ऊंनै जार ल्या । वा जार ल्याई । खेसूं आपकै घरां आगीयो ।

जद तड़कै ई नुकता को कारखानु छेड़्यो । दस बीस गांवां का पांवणा आया । आयार जीमबा की त्यारी हुई । जीं पैली लठ लेर खड़ो हुयो अक नै जमाऊं । जद लुगाई कई बोलो मत जीमजाबाद्यो आपणै नूंता पांता का रुपीया आवैला । वो सुस्तायो । अत्ता मैं सब पांवणांनै जमा दीया । दनाथ्यां की पाग को दस्तूर कर्यो । पागड़ी बंदा दीई । नूंता का सौ पचास रुपीया आगीया । वो राजी हैगीयो । लुगाई का कीया मुजब रैबा लाग गीयो । ●

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१०. डांगभांग की बोली

(१) अ्रेक राजा अर मैतरी

अ्रेक राजा छो नपुत्री। जो मैतरी झाड़ू काड़बा जावै ही राजा हात मूंडा धोवैं छो। मैतरी नै राजा कूं देखर आप का मूंडा कै आडो ढोकरो लगा लीयो। फेर राजा नै कई अस मैं देसपती तो राजा अर मैतरी नै मोकूं देखर मूंडा कै आडो ढोकरो कसां लगायो। फेर मैतरी कूं बुलाई। पूछीस मैं देसपती तो राजा तैं नै आडो ढोकरो क्यों लगायो मोकूं देखर। मैतरी नै कई माहाराज क्योंई नई। न्योंई कुसी मेरी लगा लीयो। ऊंनै राजा नै कई कै सांची कै। फेर ऊंनै कई कै म्हाराज म्हारो घर को मैतर मोकूं मारैं। तुम नपुत्री हो तुमारो मूंडो देखबा को धरम नई। जब राजा नैं अपणा नौकरन कूं हुकम देदीयोस जाकर देखो सांच्यांई ईंकूं भंगी मारैक नई। उननै जार देखीस सांच्यांई ऊं मैतरी कूं मारी। फेर उन नै आ कयो अस मारी। अब ऊं नै राजा नै देखी अस संत की बंदगी करो सो साद संत आवै जींकीई वो बंदगी करै अर रोजीना धरम पुन्न करै। अब ऊं कै तो बेटा की लग्गी अस कोई दाय करर बेटा होय आंपणैं। आपां तो नपुत्री हां। ऊंको बाग सूको पड़्यो हो। अ्रेक साद ऊं मैं आर अस्यो उतर्‌यो सो बाग हर्‌यो हो गयो। राजा नै ऊं की वंदगी करी साद की। साद करामांती है सो अलबतां या आपांन कूं बेटो देगो। ऊन्नैं राजी होर कई बच्चा मांग। बचन द्यो तो मांगूं। बचन ई है मांग। पुत्र की चायना है मेरै। तेरा करम मैं लख्या तो कोनी। जा दो पुत्र हो ज्यायगा तेरैं। वो तो साद हो रमतो सो रम गयो अर राजा म्हलां आ गयो आप कै। ऊंकै नवैं महीनै पुत्र हो गया। राजा राजी हो गयो। ऊं का घरबार बस्या।

(२) एक राजा को कंवर

अ्रेक राजा को कंवर और अ्रेक साऊकार को कंवर दोनों भायला छा जे उनकैं दोनूंन कै भायलापणों अस्यो छो जो कांसो ई सामिल नहीं जीमैं छा और सब काम सामिल ई करै छा। जद साऊकार को बेटो झाज कुमावा गयो। अर ऊं कूं सरम ओडा गयो। ऊंसूं कई अस कागद आवै मेरा तो तू ई पडणा। और वो तो चल्यो गयो। अर यो राजा को कंवर बाच्छ्‌या की नोकरी करै हो। जद अ्रेक दन ऊं भायला की भऊ को मन बगड़ गयो। जद ऊं लोंडी सूं कई जा अर राजा का कंवर कूं ल्या। वा व्हां सूं आर कई अस मेरी बाईजी साब आपकूं बुलाती है। कै अब तो मैं नई चलूंगा बेसरम बगत है अर सुवैई हाजर हूंगा। जद फेर छोरीनै कई अबी बुलाती है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जद ऊंनै देखीस भाई साब को कागद ग्रायो है सो भावी साब कूं रात्यां जक नहीं पड़ैगी ग्रबी चलर पढ्याग्रो । फेर ऊंकै लारै हो गयो ।

जद बाच्छया म्हैल पर टैल रह्यो । ऊंनै देखी ग्राज यो राजा को कंवर लोंडी कै लारै देखां खां जाता है । जद खा बी लारै उनकै पछाड़ी हो गया । जद नाल मैं जार छोरीनै कई बाईजी साब कंवर साब हाजर है । ऊं भाबी साबनै कई कै ग्राबादै ग्रंदर । ऊंनै कई भावी सा मै नईं ग्राऊंगा ग्रंदर । भाई साब को कागद होय तो मोकूं सोंपद्यो मैं नईं ग्राऊंगा ग्रंदर । तीन बार ऊंनै कई ग्राजावो ग्रंदर । ग्रर वो तीन बारीई नट गयो मैं नईं ग्राऊंगा ग्रंदर । फेर ग्रोठोई चल दियो । ग्रगाड़ी तो होगयो बाच्छ्या ग्रर पछाड़ी हो गयो राजा को कंवर । मुकाम पर ग्रागया । बाच्छ्या का मुकाम पर राजा को कंवर ग्रागयो । तड़कैई बाच्छ्यानै ग्रामखास भरायो । जद राजा का कंवर नोकरी पर गयाई । जद बाच्छ्या को ग्रामखास भर र्यो । जद ऊं सूं पूछी ग्रस स्याम की बगत ग्रेक राजा का कंवर ग्रर ग्रेक लोंडी हम टैल रहे डागले पै जद जाता देख्या । पछाड़ी सूं हम बी लारै होगये । नाल में जार राजा को कंवर खड़ो हो गयो । ग्रर हम कोंगा मैं छुप रहे । छोरीनै जार कई ग्रस कंवर हाजर है । उन्नै कई ग्राणै दै ग्रंदर । ऊंनै कई ग्रस भाई साब का कागद ग्रायो होवै तो तो सोंप देवो मैं नईं ग्राऊंगा ग्रंदर । उन्नै तीन बार कई ग्रर तीनईं बार नट गयो राजा को कंवर । फेर ग्रोठोई चल दियो । जब व्हांसें वो ऊंका मुकाम पर गया ग्रर हम हमारे मुकाम पर ग्रागये । बोलो यो कांईं सबक हो । ऊंनै कैदी मोकूं तोल नईं म्हाराज । तो कै जावोजी ईंकूं सूली देद्यो । जल्लादन कूं हुकम दे दियो ।

ग्रर सैर मैं सगलै हाको हैगयो ग्रर ऊं भायला की भऊ कूं बी तोल पड़गयो । जल्लाद लेर चल्या ऊंकूं । जद चांवल की ढोकली लेर लोंडी कूं खड़ी करदी गैला कै बीच । जद राजा का कंवर नै ऊं ढोकली में तणकल्यो पटक दियो । बरोबर ग्रायो जद जल्लादनै कई कै यो कांईं सबक हुयो । ग्रेक जणो बाच्छ्या सूं जार को । जद एक जणो बाच्छ्यासूं कई कै म्हाराज ग्रेक लोंडी चांवला की ढोकली लियां खड़ी छी गैला कै बीच । ज्यो ऊं चांवल की ढोकली मैं राजा का कंवरनै ग्रेक तणकल्या पटक दिया । बाच्छ्यानै हुकम दे दियो ग्रस ग्रच्छ्या ग्रोठाई लियाग्रो उसकूं । फेर सुबैई बाच्छ्यानै ग्रापको दरबार भरायो । फेर वो राजा को कंवर व्हांई ग्रापकी नोकरी पै गयो । फेर ऊंकूं वोई सूली को हुकम कर दियो ।

फेर वोई सैर में हाको पड़ गयो । फेर उन्नै ग्रसरफीन की ढोकली भर खड़ी कर दीनी गैला कै बीच । वे लेर चले ग्रर ऊंकै बरोबर ग्राये ग्रर तीन जूती राजा का कंवरनै धरती पै फटकार दी । जब फेर बै ग्रोठाई गया बाच्छ्या कै कनै । जार कई कै म्हाराज ग्रसरफीन की ढोकली भरी वाई लोंडी सड़क कै बीच खड़ी ही राजा का कंवरनै जमीन में तीन जूती फटकार दी । जद बाच्छ्यानै कैदी ग्राज ग्रोर लियावो । फेर लेर कांईंनांव ग्रागया । वे फेर दरीखानों भरायो बाच्छ्यानै । फेर तड़कैई नोकरी पै राजा को

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
कंवर गयो । अर फेर पूछी । फेर उन्नै कई कै मोकूं तोल नईं । जद जल्लाद कूं हुकम दे दिया कै तीन हुकम का येई अेक हुकम है कै आज बिलकुल फांसी दे दो अर मेरै कनै मत ल्यावो ।

जद फेर सैर में हाको पड़ गयो अर ऊं साऊकार की भऊ कूं बी तोल पड़ गयो । फेर ऊं छोरी कूं धई की हांडी लेर वाई गैला कै बीच खड़ी कर दी अर कै दीनी ऊंसूं अस राजा को कंवर तेरै बरोबर आवै जद छटका दीज्यो हांडी कूं । जद वो राजा को कंवर बरोबर आयो जद ऊं हांडी कूं छटका दी । जद ऊं राजा का कंवरनै कई कै भाई अब मैं बाच्छ्या कूं सब बात कै दयूंगो । कै जंदाड़ा की क्यो नईं कई तैंनै । जब ऊंकूं ओठोई फेर ले गया बाच्छ्या कनै । तोकै क्यों ले आये । तोकै म्हाराज अब कैदेगो यो । तोकै भाई कै । तोकै म्हाराज मैं अर साऊकार को कंवर दोनूं भायाला छां । वो गयो भाज कुमाबा अर ऊं भयाला की बऊ को बगड़ गयो मन । जद मोकूं बुलायो । जद आप तो खड़ा छा म्हैल पै और मैं गयोई मैं । नाल मैं जार खड़ो रै ग्यो । लोंडी नै कई कै बाईजी साब कंवर साब हाजिर है तो कै आबादे अन्दर । ऊं नै तीन बार कई अर मैं तीन ई बार नट गयो । मैं आगयो ओठोई जद तुमनै मोकूं सूली को हुकम दे दियो । जद मोकूं सूली पर लेर गया जद वा जाण गई छी । अेक दन तो चांवलन की ढोकली लेर खड़ी छी सड़क पै । जद उन्नै या कई कै सौंप में रुपया दै दे चंयेस अर मैं तणकल्या गेर्या जींसूं या मुतबल कै सौंप में अेक तणकल्या बी नईं दयूं । जंदाड़ै तो ओठोई बुला लियो तुमनै । फेर दूसरै दन हुकम दियो आपनै । फेर ये लेर गया जद उन्नै असरफीन की ढोकली लेर खड़ी कर दी सड़क कै बीच । जद उन्नै या कई अस सौंप में म्होर असरफी दै दे क्यों तेरो जीव खोवै । जद मैं तीन जूती फटकारी कै सौंप कै नांव पर तो तीन जूती । फेर तीसरै दन लेर गया जद धई की हांडी लेर खड़ी कर दीनी । जद मैं बरोबर गयो उन्नै फोड़ नाखी । ऊंनै कई कैदे अब क्यों जीव खोवै तेरो । जद मैं म्हाराज आपसूं कै दीनी मेरा भायला की भऊ छी । जद राजानै ऊंकूं छोड़ दीनों । ●

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

११. नागरचाल की बोली

(१) स्याल की अर मंगर की कांग्रांणी

स्याल अर मंगर दोन्यूं भायैला छा। ऊं स्याल तो नंदी की तीर पांणी पीबा आवै अर मंगर पांणी बारै चेजो करवा नीकलै। उठै दोन्यां कै आपस मैं बातां होबो करै। ऊ तो कै तू कटैक रह छै। ऊ कै तू खटैक रह छै। मंगर बोल्यो कै हूं तो नंदी मैं रुहूं छूं अर नंदी ई मैं म्हारो घर छै। पण तू कटैक रै छै थारो बी बता। जद स्याल बोल्यो कै म्हारो घर तो जंगल मैं छै। उठै ग्रोल छै जोई म्हारो घर छै। जद मंगर बोल्यो कै रै भायला म्हां कै वास्तै जंगल की चीज क्यूंन क्यूं थारा घर सूं ल्या। जद स्याल आप का जंगल मैं सूं बोर तोड़र मंगर बैई ल्यायो। जद मंगर लेर आप कै घर नंदी मैं गीयो। उठै मंगरणीनै लेजार सोंप्या कै म्हां का भायैला का सूं सोगात लाया छां तू बी खा। जद मगरणी खार राजी हुई कै थारा भायैला का हात का बोर ई ग्रस्या मीठा छै तो ऊं को कालजो कस्योक मीठो होसी। ऊं को कालजो ल्यार मनै खुवावै जद थारै म्हारै घर बासो व्है। नग्रं तो तू थारै अर मैं म्हारै। थारा बाल बच्चां नै समाल। जद मंगर सोच करर घर बगड़बा लाग्यो जद नंदी बारै स्याल नै ग्रार कै छै रै भायैला तनै थारी भावी बलावै छै तू म्हां कै घरां चाल। जद स्याल बोल्यो मैं जल मैं कस्यांन चालूं। मनै ईं जल को कांईं तोल कतरोक ऊंडो छै कतरोक नै। जद मंगर बोल्यो तू म्हारा मोरां पर बैठर च्याल। जद स्याल मोरां पर बैठर गीयो।

जद मंगरड़ीं बोली ग्रावो स्याल राजा। स्याल बोल्यो भाबी ग्रायो। कै थांका हात का बोरई घणा मीठा लाग्या जो थांको कालज्यो कस्यो मीठो छै काड़ द्यो जो खास्यूं। जद स्याल बोल्यो कै भाबी गैली हुई ग्राज तांईं कालज्यो महां की लार रयो छो। म्हे तो कालज्यो बारै ई मेल्याया ऊ टक रीयो छूराड़ा का पेड़ पेर। ऊं कै फूल ग्रा रीया छा जो बता दीया। तू मनै बारै मेल्यावै तो ऊतार ल्यादूं। जद मंगर मोरां पर मेल नंदी बारै लेग्यो। लेजार कैचै जा उतारर ल्या। जद स्याल्यो पांणी बारै नकलर बोल्यो कै कालज्योर ग्राज तांईं रूंखड़ा पर रयो छो। म्हे तो मरदां दांव करर नकल्याया पांणी बारै ग्रब थारै ग्रर म्हां कै भायैलाचारो कोनै। जद मंगर बोल्यो ग्राज छल कर लीयो तो कांईं व्है जासी तड़कै पांणी पीबा ग्रासी जद फेर पकड़ लेस्यूं।

दूसरै दन पांणी पीबा ग्रायो। लुकतो छपतो पीपल का पेड़ की जड़ पर जार पांणी पीबा लाग्यो। जद स्याल को पग मंगर पकड़ लीयो। पग पकड़तांईं स्याल बोल्यो कै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
पग पकड़बाकी तो घणी ईं करी छी पर पकड़ी तो जड़ई। या कैतांईं मंगर पग तो छोड़ दीयो अर झट जड़ पकड़ लीई। जड़ पकड़तांई स्याल भागग्यो। जद मगर बोल्यो दारीकानै ओल मैं सूं पकड़ ल्वास्यूं। तो स्याल पैलीई मंगर स्याल की ओल मैं ज्या बैठ्यो। जद स्याल आप की ओल पर गीयो। जद उठै ऊंनै मंगर की घींसण दीखी। स्याल जांण गीयो अस आंपणी ओल मैंनै मंगर आ गीयो। जद स्याल बांरणै जार बोल्यो कै ओल मूंडै बोल। कै और दना तो बोलै छी आज क्यूं नै बोलै। ताई मैं मगर मैंयंनै सूं बोल्यो कै उ। या समजर बोल्यो कै या रोजई बोलती होसी। जद उठै दो अेक छा बागर्या। वां नै जार पैली बुला ल्यायो स्यालो अस चालो थांनै सकार बतास्यां। वै ओल पर आ गीया। स्याल आर दकाल्यो कै आज तांई ओलर मूंडै बोली छी। म्हारी ओल बारै नकल। या कैतांईं मंगर बारै नकल्यो। नकलतांईं बागर्या पकड़ लीयो। स्याल को पींछो छूट गीयो। याई बातर याई चींत।

(२) कागला की कांआंणी

अेक कागलो छो अर अेक हरण छो। यां दोन्यां कै भायैलाचारो छो। दन मैं तो आप कै चावै जठै चेजो कर्‌यावो करै अर रात नै दोन्यूं सांमल होजावै। कागलो तो ऊपर रोंखड़ा पर बैठ जावै अर हरण रोंखड़ा कै नीचै बैठ जावै। यां दोन्यां कै ज्यास अस्यो घणू जो केई दन बदीत हो गीया। अेक दन स्याल कै अर हरण कै मलाप कठैई हुयो। जद स्याल या बच्चारर बोल्यो अस यो हरण मोटो छै। ईंसूं भायैलाचारो करर कठैन कठै ईंनै फंद मैं फसार मरा नखांवां। जद ईंनै बोल्यो अस अरै हरण आपां भी भायैला मड जावां। जद हरण बोल्यो कै कागलो अर मैं भायैलो मंड रयो छूं। अर तू कैअै छै आपां मड जावां तो म्हूं तो म्हारा भायैला नै पूछ्‌यां बना तैंसूं भायैलो नै मंडूं। जद स्याल बोल्यो अस तू थारा भायैला नै काल बूजजे। मैं थारै गौडै आऊं छूं आपां भायैला मंडाला। जद हरण आंथण को ऊंई रोंखड़ा नीचै कागला नै बूजी। की रै भायैला म्हांनै आज स्याल मल्यो छो जो ऊं या कीस आपां भायैला मड जांवां जो तू कै तो मंडां अर तू कै तो नै मंडां। जद कागलो बोल्यो अस म्हारो कैबो मांनै छै तो तू स्याल सूं भायैलो मत मंडै। कोई दन स्याल तनै कठैन कठै दगो करर फद मैं पस्या देगो। जद फेर दूसरै दन ऊ स्यालर हरण मल्यो। तो कै आज तो तू थारा भायैला नै बूज्यायो अब आपां दोन्यूं भायैला मंडां। जद हरण बोल्यो अरै भाई स्याल म्हारो भायैलो तो नट ग्यो अस तू भायैलो मत मंडै। जद स्याल बोल्यो अस आंपां तो मंडस्यां। जद स्याल बी आंथण का ऊंकी लार लार ऊंई रोंखड़ा नीचै गीयो जठै कागलोर हरण बैठै छा। जद हरण कागला नै फेर बूजी कै यो तो मांनै कोनै भायैलो मंडबा बैई आग्यो। जद कागलो बोल्यो तू म्हारी मांनै छै तो ईं सूं भायैलो मत मंडै। स्याल की जात दगाबाज छै। दगो करर तनै कोई दन मरा घलासी। जद स्याल बोल्यो मैं तो तैं सूं भायैबो मंडस्यूं। जद स्याल दे लालचर मीठो मीठो बोलर भायैलो मंडग्यो। तो हर बगत यो लार लार रैवो करै।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जद स्याल हरण नै सेंका मैं चरबानै लेग्यो। उठै सेकाहालो फंद रोप दीयो पकड़बानै कै दारी को रोजीनांईं हल गीयो ईं नै पकड़ल्यो। जद आगै आगै तो स्याल अर पाछै पाछै हरण। जो स्याल तो चल्यो गीयो अर हरण फंद मैं आ गीयो। जद स्याल देखी आज चोखो काम होयो यो फंद मैं आगीयो। मरजासी जद आपां खास्यां। जद हरण बोल्यो अरै भायैला मैं तो फंद मैं आग्यो। तू ईं नाड़ी नै थारा डाड़ दांतां सूं काट जो मैं छूट जाऊं। जद स्याल बोल्यो कै भायैला म्हारै तो दीतवार को बरत छै जो म्हूं तो आज नाड़ी नै काटूं। जद ऊ स्यालो तो झाड़ मैं घुसर बैठग्यो अर हरण फंद मैं पड़्यो रयो जतराई मैं कागलो आयो। खैंचै देख मैं तनै बरज्यो छो नै अस स्याल सूं भायैलो मत मंडै। जद हरण बोल्यो अरै भायैला अब तो मैं फंद मैं पड़ग्यो जो तू कोई उपाय करर मनै छुडावै तो छुडा नतर मैं तो मर्‌यो। जद कागलो हरण नै बोल्यो अस खेत का धणी आवै जद तैं नमन को हुयो पड़्योई रैजे। हालजे चालजे मत। मैं थारै ऊपर बैठ जाऊं ज्यांन तांईं मत हालजे। अतराई मैं ऊं खेत को धणी आयो। खेत को धणी आर रोटी दूरी मेल अर हरण का फंद नै काट्यो। अर कागलो उडर ऊंकी रोटी नै खाबा गीयो। हरण नै छोडर ऊ कागला मंऊं भाग्यो आप की रोटी छूड़ाबा। जद आप की कुवाड़ी कागला मंऊं बगाई। कागला कै तो लागी कोनै अर स्याल बैठो छो झाड़ का दड़ा मैं जो स्याल का कांदा मैं जा लागी। हरण तो उठी भाग गीयो अर स्याल उठी भाग गीयो। जद कागलो बोल्यो कै

दीतवार को बरत करै छा। नै काटी छा नाड़ी।
भायैला सूं दगो कर्‌यो। जद खांडै बीई खुराड़ी।।

(३) बरामण की कांआंणी

अेक बरामण छो अर ऊं की बरामणी छी। दोन्यूंईं घाटायत छा वै। जद ऊ बरामण मांग तांग ल्यावै सेर बेकरड़ी जद वा ऊं नै पो धालै अर खाले। नै ल्यावै जदई लड़ै। तो अेक दन सेर बेकरड़ी ऊंनै कडै ई मली कोनै। तो बरामणी ऊंनै लड़ी घणी। लड़र या बोली कै म्हारा मा बापां आछ्या दलद्दरी खोड़ला नै परणाई कै ईंका राज मैं तातो खायो नै रातो पैर्‌यो। जद बरामण रोस होग्यो कै ईं जीवा सूं मरवो भलो। या बचार अर बरामण कांकड़ मैं नाआर की आंदर नकै मरबा बैई गीयो। आंदर कै ऊपर अेक रोंखड़ा मैं अेक हंस बैठ्यो छो। हंस बरामण नै आतो देखर ऊं का दुख नै जाण ग्यो अक यो बरामण दुख को मार्‌यो मरबा आवै छै। तो आंपां सूं बणतां छतां ईं को जीव बच जावै तो चोखो। जद हंस नार सूं बतलायो की अरै नाहार थारै भी कोई प्रोथ वरोथ छैक कोनै। जद नाहार बोल्यो महारै तो प्रोथ वरोथ को नै। जद हंस बोल्यो बना प्रोथ नै रीजे प्रोथ कर। नाहार बोल्यो म्हारै गोडै प्रोथ वरोथ कठा सूं आयो। जद हंस बोल्यो प्रोथ म्हे थारै बैई ल्या देहां। तूं ऊं को सतकार करजे। तनै आसरीबाद देसी तू ढोक दीजे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जतराई में बरामण नीड़ो आग्यो जद हंस बोल्यो ऊठ रै नाहार यो प्रोथ आग्यो ईं नै ढोक दे। जद नाहर ढोक दीनी अर प्रोथ आसरीबाद दीयो। हंस नाहर नै कयो। थारै नकै कोई बत होइ जो ऊं सूं ईं को सतकार करर ईं नै सीक दे। जद नाहार नकै नै जो जर जेवर छो ऊं प्रोथनै देर ढोक देर सीक दीनी। जद बरामण घरां आर बरामणीनै धन सूंप दीयो कै लै यो धन लै तातो खारं रातो पैर। नाहार नै ईं बन का राजानै जुजमान कर्यायो छूं। थोड़ासा दन धननै बरोल्यो। फेर कई जावो आपणां जुजमान नकै ओर जार ओर धन ल्यावो।

ऊ फेर गीयो जीं दन ऊठै नाहार कै कनै हंस तो छो कोनै अर कागलो बैठो छो। जद कागलो ऊं आदमी नै आतो देखर कुरां कुरा करर नाहार नै जगायो अक नाहार ईं नै मार रालै तो आपां नै भी क्यूं हाथ लागै। जद नाहार ऊठ्यो। ऊठर गलार्यो बरामण आसरीबाद दीयो। आसरीबाद देर क्यूं मांग्यो। नाहार नकै छो जो ऊं नै दीयो। देर बोल्यो।

हसा छा जो उड़ गीया। रीया काग परधान।।
तू थारै घर जारै बीपर। ये सींघ कूंणी का जुजमान।।

बरामण आपकै घर आगीयो अर फेर नै गीयो। नाहार नाहार कै रीयो।

(४) हंस अर हंसणी की कांआंणी

अेक हंस छो अर हंसणी छी। यांकै आपस मैं भाई बंदां कै राड़ होगी जो दोन्यूं रूसर आपणा देस मैं समंदर मैं सूं चाल्याया। आगै देखै तो कागला भेला हो र्‌या छा। ये बी वांनै देखर वांकै नजेकसेक जा बैठ्या। जद कागला देखीस या हंस की लार हंसणी बडी रूपहाली छै अस आपां कोई दाव करर ईंनै ले ल्यां। जद हंस सूं कैअै छै रै या तो लुगाई म्हां की छै रै थारी कोईनै। जद हंस बोल्यो लुगाई सदरूप म्हारी छै थां की कस्यांन बतावो छो। तो बी कागला मांन्यां कोनै। दो चार भेला व्हैर ऊं नै आप कै नकै पकड़ लाया। जद हंस बोल्यो पांच आदम्यां मैं ईं को नरदार कराल्यो। थांकी व्है तो थे राखजो नांतर म्हारी म्हारै तो रैसी ई। जद कागला भेला व्है अर हंस दोन्यूं पांच आदम्या मैं ईं को न्याई करायो। तो पांच आदमी भी याई कीयो अस या तो लुगाई हंस की ई छै कागला की कोनै। ज्यां तांईं बी कागला मांनी कोई नै अर सूंपी कोईनै अर हंस बोल्यो तो चूंचां सूं मारबा लागग्या। जद हंस फेरूं पुकार्‌यो अस यो अन्याई हो छै। म्हारी लुगाई जोरी सूं कागला कोसै छै। कागला बोल्या राज मैं चालो पुकारू। राज कैसी जीं कै रैजासी।

जीद ये राज में गीया। राज बूज्यो कै तू लुगाई कुण की छै हंस की अक कागला की। जद हंसणी बोली कै म्हूं तो हंस की ईं छूं कागला की को नै। जद राज हाला कागलां नै वूजी कै रै थे जोरी क्यूं करो छो लुगाई तो हंस की छै। जद कागला बोल्या म्हाराज लुगाई तो म्हां की छै जोरी सूं आप हंस की बतावो छो जो या गैर न्याई छै।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
राज हालां बोल्यास दोन्यूं ई गूवाई लीयावो जो गूवाई कैसी जींकै ई सुपरद कर देस्यां लुगाई नै । जद हंस नै तो गुवाई मल्यो कोय नै । म्हारी कांई गुवाई मंगावो छो म्हारी लुगाई दीखैई छै । जद कागलो कोई आदमी नै लालच देर गूवाई बणा लीयो । लालच दीयो कै थारा आगला बडा मर्‌या छै ज्यांनै सबलां नै बता देस्यूं तूं या गुवाई देदीजे अस या लुगाई तो कागलाई की छै । जद गूवाई समेत राज मैं आया । राज हालां की रै वा लुगाई कूणी की हंस की म्हारी अर कागलो कै म्हारी । की दोन्यूं ईं भूंटा छो यो गूवाई कैसी जीं की छै । जद कागला को गूवाई बोल्यो अस या तो लुगाई कागलाई की छै । जद राज सूं कागला कै गलै हंस बांद दीयो अर हंस नै भूंटो पाड़ दीयो । हंसणी नै कागलो लेग्यो ।

अस हंसणी ऊं गोडै खाबा नै मांगै जो कडा सूं आवै वा तो मोती चुगै । कागला गोडै मोती कडा सूं आया । अब यो गूवाई कागला कै पीछै पीछै फरै अस म्हारा बडा बता मैं तनै लुगाई दुवा दीनी । जद कागलो अब ईंका बडां बताबा लेग्यो ईंनै । कैठै लेग्यो जठै कोई ढांढां का पोअटा छा दो चार दन का ज्यां नै चूंच सूं उथेल अर ऊं मैं लटां पड़ री छी जो बताई कै थारा आगला बडा सगला भेला अठै होर्‌या छै । जद यो बोल्यो कै भूंटा अठै कांवै आया छै ।

जद कागलो बोल्यो—

ई हड़े हड़े हड़े अर कूड़ी शाक भरै ।
जींका आगला बड़ा नरकां मैं पड़ै ।।

पाछै कागलो हंसणी नै हंस कै खना दीनी अर कागलो कागला कै रै गीयो । ●

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१२. खैराड़ की बोली

(१) स्याल की कांग्रांणी

ग्रेक स्याल छो जो कीर की बाड़ी कै मांयनै रात नै खरबूजा खाबा ग्रातो। पछैनाऊं कीर ऊंको बनोबस्त बी घणू कर्‌यो। पछैनाऊं कीर घड़नै भरर डोररी मैं छोड़्‌यायो। पछै ऊ रात नै खरबूजा काकड़ी स्याल्यो खार ग्रायो। पछै ऊं मैं पांणी पीबा स्याल्यो झूम्यूं। पछै जणा ऊपर नै सूं जेवड़ो टूट ग्यो। पछै बो ऊं मैं पड़र मर ग्यो।

(२) स्याल्या ग्रर मंगर की कांग्रांणी

ग्रेक स्याल्या कै ग्रर मंगर कै भायली छी। जब ऊ स्याल्यो ल्यार ल्यार ऊंनै बोर खुवावै। जब ऊ मंगर ग्रेक दिन ग्राप की भऊ नै बोर लेजार दखाल्या। जब ऊ मंगरड़ी बोली कै ऊंका हाथ का बोर ही ग्रस्या छै तो कालजो कस्योक होसी। पछै ऊ मंगरड़ी बोली कै ग्रेक दन ऊंनै ग्रडै ल्यावो। पछै मंगर चाल्यो ज्यो स्याल्यानै कै छै ग्रारै स्याल्या थारी भाबी बुलावै छै तमै। पछै ऊ स्याल्यो ऊं कै मंगरां पै बैठ ग्यो। जब जार ऊ स्याल्यानै पटपड़ा पै उतार्‌यो। जब स्याल्यो बोल्यो कै छै भाबी मनै क्यों बुलायो। कै छै लालजी थांका हाथ का बोर ई ग्रस्या मीठा छै तो कालजो कस्योक मीठो होलो। कै बैंणी म्हारी मनै मंगर उडैई कैदेतो तो मैं कालजो उडा सूं लियातो। कालजो उडैई छूंराड़ा कै टक रयो छै। पछै मंगर कै छै ग्राजा म्हारा मंगरां पर बैठ जा ज्यो लियावां। पछै तीर पर ग्रायो। जद खी कै छै भाई तू मनै मरायो तो घणूंईं छो पर मैं बी छल सूं ग्राग्यो। जद मंगर बोल्यो कै छै पांणी पीबा तो ग्रावैलो। पछै स्याल बोल्यो कै म्हे ईंडै नै ग्रावां ग्रोठै पीयांला। पछै ग्रोठै जार बड़ कै तलै पाणी पीबा लाग्यो।

पछै मंगर छानै-छानै ग्रार स्याल्यो को पग पकड़ लियो। स्याल्यो बड़ की जड़ नै पकड़ लीनी। ग्रर तीन पगांसूं उचकबा लाग्यो पछै स्याल्यो बोल्यो तैं टांगड़ी तो घणींईं पकड़ी पण जड़ हाथ मैं ग्रागी। पछै मंगरड़ै टांगड़ी नै तो छोड़ दीनी ग्रर जड़नै पकड़ली। स्याल्यो बोल्यो कै तूं तो घणोईं टांगड़ी पकड़ी पण मैं बी चालाकी सूं जड़ पकड़ादी ग्रर टांगड़ी छुड़ा लीनी। ग्रर बोल्यो कै थारै ग्रब पांणी पीवाई नै ग्रावां। तड़कैई मंगर रकसतो-रकसतो जार ऊ स्याल्या की ग्राल मैं जार बैठग्यो। स्याल्यो बोर गांगड़ा खार ग्रायो। जब ऊंकी लीकटी दीखी। पछैनाऊं स्याल्यो कैछै ग्राज तो ग्राग्यो भाई। पछै स्याल्यो बोल्यो कै ग्रोल मूंडै वोल। जब ग्रोल कोनै बोली। जब ऊ स्याल्यो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बोल्यो कै छै ग्रोर दिनां तो बोलै छी ग्रर ग्राज क्योंनै बोली । पछै मांयनै सूं मंगर बोल्यो कै छै ऊ । पछै स्याल्यो बोल्यो तूं तो घणोंई छल सूं ग्रार बैठ्यो छो पण म्हे बी तनै बुला लियो । ग्राज तांणी कदे ग्रोल बी मूंडै बोली छी । पछै भाड़ ल्यार ग्रोल का मूंडा कै लगार ऊंनै गल नांख्यो ।

(३) जूं ग्रर ढेरा की कांग्रांणी

ग्रेक जूं छी ग्रर ग्रेक ढेरो छो । पछै नै ऊ ढेरो बोल्यो कछै जूं ग्रापां पूवा करां । मैं तो जार नंदी मैं सूं पाणी लीयांऊं छूं ग्रर तू कड़ाई चोड़ । पछै नै ऊ कड़ाई कै च्यारूंमेर फरती फरै छी । पछै वा फरती फरती कड़ाई कै मैंनै जा पड़ी । पछै नै ऊ ढेरो जे पांणी भरर ग्रायो । फेर ग्रातांई देखी जब जूं पाई कोनै । फेर कड़ाई नै जार नंदी मैं पटक्यायो । पछै ग्रेक बड़ कै तलै ग्रांकल ऊबो छो । जद फेर ऊ तलाव मैं पांणी पीबा ग्रायो । जद ऊं नंदी नै बोल्यो कै पैली मैं पांणी पीबा ग्रायो जद तो थारै मैंनै रातो पांणी कोनै छो ग्रब रातो कैयां हो गयो । जद नंदी बोली कै भाई ग्रब राता पाणी को बद्यान देस्यूं मैं ।

"नदी राता पाणी ग्रांकल खोड़ो ।"

सो ग्रांकल खोड़ो हो गयो । जद ऊं ग्रांकल रगसतो-रगसतो बड़ तलै जा ऊबो रह्यो ।

पछै ऊ बड़ बोल्यो कछै तू पैली म्हारै नकै ग्रार ऊबो रयो जद तो खोड़ो कोनै छो ग्रर ग्रब क्यूं खोड़ो हो गयो । पछै ऊ ग्रांकल बोल्यो कै तूंनै बी ईं को बद्यान देस्यूं बार ।

"नंदी राता पाणी ग्रांकल खोड़ो ग्रर फदकी बड़ी ।"

सो फेर बड़ फदकबा लाग ग्यो । पाछै ग्रेक चड़ी उड़र ग्रार ऊ बड़ कै ऊपर बैठी । चड़ी बोली मैं पैलो थारै ऊपर ग्रार बैठी जद तूं तो फदकै कोनै छो ग्रर ग्रब क्यूं फदकबा लाग ग्यो । जद बड़ बोल्यो कै छै भाई तूंनै बी ईं को बद्यान बताऊंलो ।

"नंदी राता पाणी ग्रांकल खोड़ो फदकी बड़ी ग्रर कांणी चड़ी ।"

पछै ऊ चड़ी कांणी होगी । पछै ऊ चड़ी उड़र जार जाड़ कै ऊपर बैठगी । ऊ भाड़ बोल्यो कै म्हारै ऊपर तूं पैली ग्रार बैठी जद तो कांणी कोनै छी ग्रर ग्रब कांणी क्यूं होगी । जद चड़ी बोली भाई ईं को बी बद्यान तूं नै देस्यूं ।

"नंदी राता पांणी ग्रांकल खोड़ो फदकी बड़ी कांणी चड़ी ग्रर कड़वा बोर भाड़ का ।"

पछै ऊ भाड़ का बोर कड़ा हो गया । पछै स्याल्यो बोर खाबा ग्रायो । स्याल्यो बोल्यो ग्रौंर दनां थारै खाबा ग्रावै छो जद तो मींठा बोर छा ग्राज कड़ा कस्यांन हो गीया । भाड़ बोल्यो ईं को बी बद्यान देस्यां ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

"नंदी राता पाणी आंकल खोड़ो फदकी बड़ी कांणी चड़ी कड़वा बोर झाड़ का बांड्यो स्याल ।"

स्याल बांड्यो हो गीयो । पछै भाग्यो भाग्यो ज्या छो । पछैनै गुवाल बलद चरा र्‌या छा । पछै गुवाल बोल्यो रै कछै ऊ बांड्यो स्याल जा र्‌यो छै ।

स्याल्यो पाछो फरर क्यो रै कछै कांई कीयो रै । गुवाल बोल्या थारी पूंछ ख्यांन टूटी रै । स्याल्यो बोल्यो ई को बी थांनै बद्‌यान द्यूंलो ।

"नंदी राता पांणी आंकल खोड़ा फदकी बड़ी कांणी चड़ी कड़वा बोर झाड़ का बांड्यो स्याल बैरा गुवाल ।"

पछै गुवाल बैरा हो गीया ।

(४) स्याल्या अर नार को कांआंणी

अेक डूंगर छो जीमैं स्याल्यो अर स्यालण रै ही । तो आदी का बगत मैं डूंगर हूं ऊतर्‌या । तलै नंदी बै ही । नंदी मैं आर पांणी पीयो । पांणी पीर पाछा ही डूंगर छड़्या । जद स्यालणी बोली स्याल्या नै तो कांई बोली कै म्हारै तो पीड़ चालै छै तो कै बीयास्यूं । तो स्याल्यो या बोल्यो स्यालण नै अक अठै तो नो तो नार रह छै । अठै बीयाई तो तनै नार खाजाई । तो स्यालण बोली स्याल्या नै कै खावो भल मत खावो मैं तो अठैई बीयास्यूं । अतरी कैतां स्यालण बीयागी । तो स्याल्यो बोल्यो स्यालण नै तैं तो गजब कर नाख्या अठै बीयागी । तनै नार जरूर खाजाही । तो स्यालण बोली स्याल्या नै तो कै खाजाही तो मनै खाजाही तूं तो थारो जीव लेर जातो रह । तो स्याल्यो बोल्यो स्यालण नै अक तनै छोड़र तो नै जाऊं । ऊ नार नै तूं आतो देखै तो हूं कूं जो तैं मनै कीजे । ऊ नार नै आतो देखै अर ऊ कनै आ जावै तो तूं मनै 'संगवडार" अस्यांन हेलो पाड़जे कै येजी संगवडार । मैं तैंनै यूं कूंला कै कांई कै छै । तो तूं यूं कीजे कै सगपछाड़ रोवै छै । हूं तनै पूछूं जद मनै कीजे कै नार का कालजा कै आरै लाग र्‌यो है जींहूं रोवै है । नार नै आतो देखर स्यालण हेलो पाड़्यो । स्याल्यो स्यालण नै बोल्यो बार तो पांच सातेक कालजा ल्यायो ही हो । वारूं हीं रोवा लागग्यो कांई । स्याल्यो अर स्यालण तो वतला र्‌या हा अर नार भैंसो खार पांणी पीर आयो ।

आयो तो नार स्याल्या अर स्यालण की वातां सूणी । बाता सूणर नार मन मैं बच्यार कर्‌यो । सारा जनावरां सूं तो जोरावर मैं अर मैं सूं बी जोरावर कुण जो म्हारी आंदर मैं आ बड़्यो । बाप तो संगवडार अर वेटो सगपछाड़ अतरी बात सुणर नार आंदर छोड़र भाजग्यो । जद मेह वरसवा लाग्यो तो अब नार भीजवा लाग्यो । भीजवा लाग्यो तो बांदरो आयो । बांदरो आर नार नै पूछ्यो तो कै तैं भीजै क्यूं छै । थारी आंदर मैं चल्यो जावै नै । तो नार बांदरा नै या बोल्यो अक संगवडार दो आंदर मैं घुस र्‌या है । वांका घाल्यां भाजर आयो हूं जो पाछो जाऊं तो खाजावै । वो बांदरो बोल्यो नार नै । वै तो स्याल्यो अर स्यालण छै । तूं डरपै मत चाल हूं मेल्याऊं । जद

नार बांदरा नै बोल्यो हूं तो जद चालूं थारी पूंछड़ी अर म्हारी पूंछड़ी बांदले। मनै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

खावा नै आवै तो तू रूखड़ा पर चढ जाणी है जो मनै लेर रूखड़ा पर छड़ जावै। बांदरो बोल्यो नार नै कै तू डरपै मत चाल हूं मेल्याऊं। आगै आगै तो बांदरो अर पाछै पग्यां पाछै पग्यां आवै नार। जठा सूं नार भाग्यो छो जठै ई पाछो बांदरो नार नै लीयायो। स्यालण बोली स्याल्यानै अक बांदरो तो ऊ नार नै लीयायो। स्याल बोल्यो स्यालणी नै कै हां लीयायो तो लीयाबादे। स्याल्यो आंदर मैं सूं ऊंचो मूंडो करर बांदरा नै बोल्यो कै तनै काल को तो खयो छो अर दो मंगाया छा सो अेकई लेर आयो कांईं। तो जिद ऊ नार कै धोको घुस्यो तो ऊ बांदरा नै लेर वां भांसड़ां मैं भाज्यो। बांदरो तो भांसड़ां मैं सुरड़र मर ग्यो अर नार ऊ बनी नै छोड़र जातो र्‌यो। स्याल्यो अर स्यालण ऊठैईं र्‌या।

(५) पोपांबाई को कांआणी

कोई मलक मैं अेक पोपांबाई को राज हो। तो ऊ पोपांबाई का राज मैंनै दो स्यामी आग्या। तो अेक तो गरु अर अेक चेलो। तो गरु बोल्यो चेला नै तूं पोपांबाई का गांव मैं जा। दो आंना का पीसा लेर पोपांबाई का राज मैं गीयो। गीयो तो चूंन आटो लेवा अर ऊ बजार मैं अेक छवल्यो तो चांवलां को भर्‌यो अेक खांड को भर्‌यो अर अेक दूवणू घी को भर्‌यो। गीयो तो चूंन लेवा छो अर मन सूंईं भाव करायो अक चांवल तो कांईं भाव अर खांड कांई भाव अर घी कांईं भाव। तो ऊ बजार को बाण्यूं चेलानै या बोल्यो कै अदेलै सेर ई तो चावल अदेलै सेर ई खांड अर अदेलै सेर ई घी। ऊ चेलो वांण्यां नै बोल्यो कै तू देछैक खैई छै। बाण्यूं चेला नै बोल्यो कै म्हारै नकै सूं ईं भाव मैं थारै चावै जतरोई लेजा। चेलो बोल्यो भाई यो तो सूंगो घणू कोई बात की आछी वरी व्है तो कुण भगतै। बाण्यूं बोल्यो आछी वरी व्है सो तो मैं सूं व्है तूं तो बजार कै गावै सूं थारै चावै जतरो लेजा। बाबाजी कै चेलो अेक टको काड्यो। डोड पीसा को तो तीनू भाक घीर खांडर चांवल बरोबर लेलीना। अदेला की लूंजी लेलीनी। चेलै तो चांवल रांद लीया घी ताता कर लीया। गरु गीयो सांपड़बा। अब सांपड़र गरु आयो। चेला तनै खनायो तो आटो लेवा अर चांवल लीयायो। गरु पूछी चेला नै अक यां घी खांड चांवलां का कांई दाम लाग्या। चेलो गरु नै बोल्यो। घी खांड चांवलां को तो डोड पीसो लाग्यो अर लूंजी को अदेलो लाग्यो। गरु बोल्यो। घी खांड चांवल तो आपां छोड़ चालां अर भाग चालां। अठै रैवा को धरम नै। चेलो बोल्यो। हूं तो नै जाऊं तूंईं जा। गरु बोल्यो तूं अडै पोपाबाई का राज मैं रैसी तो कोई दनां दुख पावैलो। अडै न्याव नै छै। गरु चेला नै छोडर नै गयो।

अेक दन अेक साऊकार कै अंडो लाग्यो। अंडो पाड़र चोर मैंनै घुसै छो। हात अर मांथो तो मैंनै रैग्या। अर ढूंडी अर पग बारै। ऊ भींत मलगी जो ऊं मैं दबर मरग्यो। तड़कैई ऊंनै मर्‌यो देखर चोकीदारां पोपांबाई का राज मैं रपोट करी। अर साऊकार की भींत मैं अेक आदमी दबर मर ग्यो रात नै। हाकम चोकीदारां नै बोल्यो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
ग्रक थे बेगो क्यूं नै कीयो । चोकीदार बोल्या देख्यो जद्यां कीयो । हाकम बोल्यो जावो ऊ बाण्यां नै पकड़ ल्यावो । चोकीदार बाण्यां नै पकड़र हाकम कै नकै लेग्या । बाण्यूं हाकम नै बोल्यो मनै क्यूं बलायो । हाकम बाण्यां नै बोल्यो तनै तो पासी लागसी तैं मनख मार्‌यो । बाण्यूं कीयो मैं मनख कस्यांन मार्‌यो । हाकम बोल्यो चोर चोरी करर लेजा जो ग्रोरां कै तो मरैई नै । थारीई भींत मैं कस्यांन मर ग्यो । तनै तो पासी लागसी । बाण्यूं बोल्यो हूं तो रुप्या लगावो जाणूं । कारीगर काची भींत चुण दीनी जींको म्हारो कांई सारो । बाण्यां नै तो छोड़ दीयो ग्रर ग्रब कारीगर नै बलायो । बलार कारीगरनै कयो तूं तो पासी चड़सी । कारीगर बोल्यो मनै पासी क्यूं चड़ावो हो हाकम बोल्या तैं मनक मार्‌यो । कारीगर बोल्यो मैं मनक कस्यांन मार्‌यो । हाकम बोल्यो ऊ बाण्यां की भींत कुण चुणी । कारीगर बोल्यो मैं ईं चुंणी । हाकम बोल्यो माल मुसाला ऊं का लागै तैं काची भींत क्यूं चुगी । कारीगर बोल्यो मैं तो म्हारा मन मैंनै गाडी ई चुणी ही या काची रैगी जीं को म्हारो कांईं सारो । तो ग्रेक सुंदार कारीगर की सायदी बोल्यो ग्रक ईं को जुवाब तो राज मैं हूं देस्यूं । कारीगर नै तो छोड़ दीयो ग्रर सुंदार नै पकड़ लीयो । सुंदार नै पूछ्‌यो । सुंदार सूं जुवाब नै लाग्यो । जद सुंदार नै पासी पर लेग्या । सुंदार नै तो पासी पर लेग्या ।

ग्रर ग्रब ऊ ग्रायो तीन्यूं भाक बरोबर खाण्यूं चेलो तो ऊ सुंदार या बोल्यो ग्रक या सूली तो भूवानी छै । तो बकरो चड़ावै जोई भूवानी कारज करै छै तो ईं कै तो मनक चड़ै छै । मनै बूड़ा ग्रादमी नै सूली चडाही तो या सूली सराप देही तो पोपांबाई को राज भसट हो जाही । सुंदार नै तो छोड़ दीयो ग्रर ऊ चेला नै पकड़ लीयो । चेलो बोल्योक म्हे तो स्यामी हां । हाकम बोल्यो म्हे तो तनै पासी चडा हां । चेलो बोल्यो चडा हो तो म्हारा गरु सूं तो मल्याबा द्यो । ऊंनै गरु नकै लेर ग्या ।

जद चेल्यो बोल्यो कै गरुजी मैं सूं तो या बणी । गरु बोल्यो मैं तनै कही नै तीन्यूं भाक बरोबर का मत खा नै । ग्रठै ग्रदेलै सेर बकै है ग्रठै न्याव तपाव नै है । चेलो बोल्यो गरु नै थे ग्राछ्‌यां रीजो म्हां को तो काल ग्राग्यो ज्यो मरांलां । गरु बोल्यो चेलानै पासी पर ले जावै है तो जा हूं ग्राऊं हूं । पासी पर ग्रापां बाथक बांथी लड़ांला तो कोई बीच मैं बोलै तो तूं तो मत बोलजे हूंईं बोल ल्यूंला । ग्रब पासी पर गरुर चेलो लड़वा लाग्या । गरु तो कै जो पासी मनै लगावो ग्रर चेलो कै जो पासी मनै लगावो । यां कै दोन्या कै लड़ाई ह्वैरी तो सुंदार पूछी कै थे मरवा कै कारणै क्यूं लड़ो हो । गरु बोल्यो सुंदार नै तनै तो ठीक कोनै म्हां की बात नै म्हे ई जांणा हां । सुंदार बोल्यो गरुजी मनै बी तो खो । गरु सुंदार नै या बोल्यो ईं पासी परैं ईं भगतनै चड़ जावै ऊ बारा नंगरी को पाटमी राजा होय । सुंदार पोपांबाई का राज मैं जार सो रुप्या नजर का दीया । देर या बोल्यो ग्रक पासी तो मनैं ईं चंडा द्यो । पोपांबाई बोली पैली तो तैं या कयो मैं बूडो हूं ग्रर तीन्यूं भाक बरोबर खाबाहाला नै पकड़ा दीयो । ग्रर ग्रब तूं सो रुप्या देर पासी क्यूं मांगै है । पोपांबाई नकै ग्रेक ग्रादमी ऊबो हो जो पोपांबाई नै

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
या बोल्यो कै दो स्वामी लड़ै है । पोपांबाई पूछी क्यूं लड़ै है । आदमी बोल्यो ईं बात लड़ै है अक ईं घड़ी अर ईं पुल पासी पर चढ़ जावै ऊ धारा नंगरी को राजा होय । पोपांबाई सुंदार नै या बोली अक पासी म्हारीक थारी । सुंदार बोल्यो पासी तो थारी ई है । पोपांबाई बोली । म्हारै पांच च्यार गांवड़्यां है ज्यां मैं म्हारो गुजर नं नमै । हूं बी तो मरस्यूं बार नै मरुं तो पछै मरस्यूं । पोपांबाई तो पासी पैरर मरगी । स्यामी ले डंड कमंडल भाग्या जो पोपांबाई का राज कै बारै जाता पड़्या ।

(६) सेठ की कांग्रांणी

अेक सेठ छो । दूसरै गांव मोसर मैं ग्या छा सैं कबीलै । उठै सेठाण्यां सेठाण्यां बतलाई । दोन्यां कै ब्यांयां को नतो नकल्यो । जीं मैं बोलीस दोन्यां कै आसावंद छा । ऊ बोली म्हारै लड़की व्है तो तनै देस्यूं अर म्हारै लड़को व्है तो तनै हूं देस्यूं । दोन्यां कै सगायां होगी । नाई आयो दोन्यां कै नारेल झल्या । बरस आठ सातेक नै छोरा छोरी लूंठा हूया । पछै बीयाव मंड्यो । बेटी को बाप कागद लख्यो बेटा का बाप पर । जाण बणार बोदी ल्याजे मत सैंठी ल्याजे । बेटा कै बार लूंठांनै भेला कर्‌या अर सैंठी जान बणार चाल्यो । आदी जान तो आगै अर आदी जान पाछै । बींद को बाप गावै पींजस मैं बैठर चाल्यो । अब सांमूं मलबानै लाडी को बाप आयो । खटैक छै बींद को बाप खटैक छै बींद को बाप अब जान बोली पाछै पाछै । अद गावै मलणी होई । लाडी को बाप बोल्यो जान याई ल्यायो कांईं । लाडा को बाप बोल्यो याई छै । लाडी को बाप बोल्यो 'जाणी' कै छै । लाडा को बाप बोल्यो तनै पाणी बण नै आसी । लाडी का बाप कै सगली जान आगी । दो गोरण दीया चोखा । आछ्‌यो बीया हो ग्यो पछै । बीयाव व्हैर पाछा आग्या ।

सांवणी तीजांनै लेबानै गीया लड़कीनै । लड़की नै सुवाण बानै ऊपर म्हैल मैं लेग्या । साऊकार को लड़को सोबानै ग्यो । ऊं नै देखर सादी पोसाक तो पैर लीई अर नंईं नै खोलर खूंट्यां मेल दीनी । सेठ को बेटो बोल्यो तैंसूं मैं बोल्यो नै चाल्यो नै या कांईं बात दुई सादी पोसाक पैर लीनी नंईं पोसाक मेल दीनी । पछै वा लड़की बोली आप समदरां मैं जावो अर माण्यां मोती ल्यावो । जद्‌यां आपणै घर वासो । साऊकार को बेटो बोल्यो च्यार जणांनै खनादूं । वा बोली आप जावो अर हातां मोती ल्यावो जद्‌यां घर वासो आपणै । रातनै बोल्या चाल्या कोनै सोय रया । तड़कै ऊठ्यो ऊं का डेरा मैं चाल्यो ग्यो । पछै साथकांनै कीयो कैचै यांन कीयो मनै तूं समदरां मैं जा अर मोती ल्या । पछै रोसां मरतो घर आग्यो । अब तो बोल्यो कै समंदरां मैं जास्यूं । जद्‌यां बाप बोल्यो बेटा जावै मत । ऊ बोल्यो जास्यूं मैं तो नै रूं । बाप बोल्यो म्हारै तो तूं अेकई छो । भलांईं जा म्हारो बेली राम छै । फेर सो दोसै ले मोरां चाल्यो बैठ थोड़ी पर ।

चाल्यो ग्यो चाल्यो ग्यो । समदर कोस पंदरायेक रयो अर अक कूई पर बैठ्यो २ सीरावण खा रयो । जणां वरामण की लड़की पणघट पर जल भरबानै आई छी ।

सेठ का लड़कानैं पूछ्यो तूं आयो जो हूं जाणगी । वा कोकला सासतर आगैं पढ री छी । साऊकार क[illegible] सी छै रात की
CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh
आपां ईं नै राखां । पछै घर का बोल्यास रहबा दे । पछै वा दीया जोती बगत साऊकार का बेटा गोडैं आई । बूज्यो समचार कैंदे कांईं काम आयो छै । कैंछै म्हारी घरहाली या कयो थे समंदरां मैं जावो अर मांण्यां मोती ल्यावो । नांक मैं घालो नथ करार । पछै बरामण की बेटी बोली खैंचै आगला सैंर मैं दलाल खड़ो करजे । दलाल पांच पचास रुप्या कोई बूडा आदमी नै हेरर देसी । ऊ खाई मैं स्यूं जार मांण्यां मोती ल्यावैलो । सेठ को बेटो मांण्यां मोती लेर बरामण की बेटी गोडै आयो । पछै वा बोली कैचै गण देखां कै मोती ल्यायो । फेर नौ मोती नकल्या । अब कैचै तूं ले कस्यांन ज्यालो । आगैं तो ठग छै कैचै । च्यार ईं जांग मैं मेल्या अर पांच ईं जाग मैं मेल्या । लड़की बोली आगै ठिग छै जो साबदान जाजे ।

अब उडा स्यूं चाल्यो । ठिग ऊंनै मल्या । ठिगां पूछ्यो कांईं ल्यायो छै । ऊ बोल्यो हूं तो कांईं बी ल्यायो नै । ऊं का लत्ता गाबा वां हेर्‌या । कांईं बी नै पायो । अब उडा ऊं चाल्यो जो ऊंका देस मैं आयो । गांव कोस दो तीनेक र्‌यो जद डट ग्यो अर घर कांनै समचो दीयो । आरती बाजा अर ढोल नंगारा कूटता आया । अब घरां जार सुंदार नै बलार मांण्यां मोती की नथ कराई । अब लेबानै ग्यो फेर आप की जोड़ायत नै । अब दोन्यां नै म्हैल कै मयांनै सुवाण्यां । आपणै दीपक जो मेल्यो । ऊंनै डपटा सूं सेठ को कंवर गुल कर्‌यो । पछै वा नथ पैंराई ऊं का नांक मैंनै । पछै वा कुसी होगी । अब लेर आयो घरां । पछै वांका घरबार बस्या । कमावो अर खावो ।

(७) जाट की कांआंणी

अेक जाट छो । ऊं कै अेक बेटो छो । ऊं नै परणा दीयो । ऊ जाट तो मर ग्यो अर ऊ लूंठो हुयो । ऊं का पाड़ोसी बोल्या थारा घर का तनैं परणा दीयो जो तू लीया । पछै अेक नाईर ऊ दोन्यूं ग्या जो तांगोर । दोन्यां नै आवैं रतदो । जार सासरै दरवाजा मैं बैठ्या । पछै कांकड़ मैं स्यूं गायां भैंस्यां आई । पछै रोटी खावानै बलाया वांनै घर मैंनै । जो ऊ नाई तो गुड़तोर पड़तो भैंस्यां मैं धक्का खातो घर को बारणू जालीयो । अब ऊठ्यो जूंवांई । अेक गा टक्कर दीनी जो जापड़्यो । पछै ऊ नाई बोल्यो आपणी गाय तो डूंगर की छै चमकै नै अर ये छापर मैं रैबाली छै । फेर आगो ग्यो जो घोड़ी लात की दीनी खैंचै मार लीया रै । नाई बोल्योस आपणी घोड़ी तो रातब खावै छै या कांकड़ कै चर्‌यां रै छै । आजा घर कै बारणै । लोट्यो लेर हात मूंडा धोया । फेर पछै ले लोट्योर मैंनै जार बैठ्या रोटी खाबा । सासूजी खीर फलका मेल्या । खावा भूंम्या अब । नाई तो दुसरा हात सूं रोटी दाब लीनी अर ऊं की रोटी मनकी लेगी । पछै सासू देखी जूंवांईं गोडैं रोट्यां कोनैं दीखी । सासू मेलबा आई अब । सासू कै मेलती कै गाल पर दीनी थाप की चत होगी । वो जाणी मनकी आई फेरूं लेन्याली । सासू बोली आगो जावो रै कूचो लागो परो ईं जूंवांईं कै । पछै नाई पागड़ी का पल्ला हूं खोलर रुप्यो दीयो सासूनै कै म्हां कै थाप देवा को नेग लागै छै । पछै रोसां मरती त्यार करर सीक दे दीनी । घर लेग्यो पछै ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१३. चौरासी की बोली

(१) अेक जाट की कांग्रांणी

दल्ली देखबा गियो जाट घोड़ी पर चडर। कोई दर्नां मैं कोस तीनेक उरै पूंछ्यो। रात पड़गी। उडैई रै ग्यो। भाग फाटीर ऊठ्यो। दल्ली कै गैलै लाग ग्यो। कोसेक री दल्ली अर उडी सूं दल्ली केनी सूं बांण्यूं मल ग्यो। सो बाण्यां कै या पण बरत सो कोई बोलले दन्नूग्यां पैली तो ऊं कै बैम पड़ जाय। सो कोई सूं बोलैं कोनैं ऊं बगत का। सो यो जाट चालतो ई माजन नै कियो कै राम राम। जद ईं गाल काडी। जद जाट जूता की दीनी। जद कोस तांईं जाट तो घोड़ी सूं उतरर जूत्तां सूं कूट तो गियो अर यो गाल काड्यां गियो। जद दल्ली कै दरुजै जातां २ दन आंथ ग्यो। उडै सपाई बोल्या क्यों लड़ो छो रै। जद बांण्यों बोल्यो मालै जूत्यां की पड़ी जत्ती खांजी थांकै पड़ै तो काजाणां कांई व्है। जद मींयां बोल्यो म्हारै क्यों पड़ै थारैई पड़ै। जद मींयां बोल्यो थे लड़ता २ अब कडै जास्यो। जद वांण्यों बोल्यो मारा कोटवाली मैं ले जास्यूं। जद मींयां बोल्यो कोटवाली मैं तो मत जावो। अर वा भट्य्यारी छै जींकै तो जाटनै कैदे तूं जा अर तूं थारै घरां चल्यो जा अर दन्नूंग्यांईं भट्यारी का सूं जाटनै पकड़ ल्याजे। अर ऊं बगत काई कोतवाली मैं लेजाजे सो न्याव हो जासी अर अवार थे कोटवाली मैं जास्यो तो दोन्यांनैं ईं बैठा देसी अर न्याव दन्नूंग्यां होसी।

जद जाट तो भट्यारी कै चल्यो गियो अर बांण्यों बांण्यां कै घरां चल्यो गियो। भट्यारी रात की बगत जाटनै रोट्यां चोखी खुवाई। रात की रात तो रोट्यां खार सो गियो। दन ऊग्यो अर बांण्यों आयो घरां सूं। चाल ऊठ कोटवाली मैं चालां। जद की रोटो खार चालस्यां। बैठ ग्यो बांण्यों। ईं रोटी खाली दारू पी लियो नसो घणूं हो गियो। भट्यारी नै बुलाई थारा दो बगत रोटी का कांईं दाम हुया। भट्यारी बोली कै असी चीज दरावो ऊंमर तांईं याद राखूं। जद जाट देखी ऊंमर याद रैबा जसी कांईं द्यां। जद जाट पचास रप्या काडर दीना। पाछा पटक दिया भट्यारी। मूं नै तो असी चीज द्यो ऊंमर ई याद राखूं। जद रीस आई जाट नै। पकड़ ई नै भट्यारी नै नांक काट लियो। जद कै तो बाण्यां कोटवाली मैं लेजाबा वास्तै बैठो छो जाटनै कै डर को मार्‌यो भाग्यो। मतनै थारो बीं नांक काटनै गंवार छै यो। जतरै कोटवाल नै खबर लागी सो आज अकबर सा का राज मैं नाक काटबालो कुण छै। जद कोटवाली का डीलां नै भेज्या पकड़र ल्यावो। कोटवाली का डील आया जाटनै पकड़बानै। जाट बोल्यो मैं सूं भड़्या छो तो मार रालूंलो अर मर जाऊंलो पण पकड़्यो नै जाऊंलो थांको बाद्योड़ा अर थे मैं सूं पचास पचास पांड आंतरै रो। जद मैं चल्यो चालूंलो कोटवाल कनै।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जद वै ग्रांतरै ही [illegible] । नागी तरवार ऊंची कर लीनी । कोटवाल कनै गियो तो कोटवाल रीस करी । बेड़्यां घालद्यो ग्रर पकड़ल्यो । जद जाट बोल्यो पकड़बानै ग्रास्यो तो माररालूं ग्रर मरजाऊं । जतरै तो वाण्यूं ग्रायो । म्हाराज पैली म्हारो न्याव करो मूंनै कूट्यो । जद कोटवाल बोल्यो क्यों रै जाट बांण्यां नै क्यों कूट्यो । म्हाराज मैं तो उडी सूं ग्रावै छो । यो सांमूं मलग्यो । मैं राम राम कर्‌यो । यो गाल काडी । मैं ईंनै कूटतो ग्रायो यो गाल काढतो ग्रायो । जद कोटवाल गाल काडी जाट नै ग्रर फेर बूजी कै भट्यारी को नांक कस्यांन काट्यो । कि म्हाराज दो बगत रोटी खाई जींका मैं पचास रप्या काडर देबा लाग्यो भट्यारीनै । जद भट्यारी बोली मनै तो जनम सैनाणी द्यो ऊंमर तांईं याद राखूं । जद मैं नांक काट नांख्यो । ऊंमरई याद रैसी नांक काट नांख्यो ज्यो । कांईं चीज दियां तो ऊंमर याद करै । नांक काट नांख्यो ज्यो ऊंमर ईं याद रैसी । जद कोटबाल बोल्यो काट्योस कस्यांन काट्यो कि माराज काट नांख्यो ग्रब चावो सो करो राजी व्है सो । काटस नांख्यो । फेर फेर कोटवाल जाट पर रीस कर बोल्यो क्यांन काट्यो । जद नागी तरवार तो छीई जाटकनै । कोटवाल को नांक काटर कियो यांन काट्यो कै‌र पाछो घोड़ा पर बैठ गियो ।

तो बादस्यानै खबर लागी कै भट्यारी को बी नांक काट नांख्यो ग्रोर कोटवाल को बी नांक काट नांख्यो ग्रोर कोटवाल को बी नांक काट नांख्यो ग्रर ग्रेक बांण्यां नैं बी कूट्यो । ऊ जाटनै पकड़कै ल्यावो । रसाला पलटण जावो जीवतो पकड़कै ल्यावो । जद ल्याया । जद दल्ली मैं च्यार दरूजा बतावै छै किलाकै । जद च्यारूं दरवानां को कायदो बंधर्‌यो राजसूं कै जींनै ग्रनाम राजसूं मिलै ऊंको पांचूं बांटो । तो ऊंनै मिलै ग्रर च्यार बांटा च्यारूं दरवानां कै ग्रावै । जद यो जाट किला मैं बड़बा लाग्यो ग्रर दरवान बोल्या ग्रोठा नकलोगा जद म्हांको बांटो लेल्यांगा । जद जाट बोल्यो राज मनै ज्यो देला जीं मैं सूं थांनै बांटो दे जास्यूं । ग्रागै गियो जाट बादस्या कनै जार तरवार मूंडागै मेली । घोड़ी पर सूं उतरर घोड़ी छोड़ दीनी । राजा न्याव करो म्हारो । जद राज बांण्यांनै बुलायो, भठ्यारीनै बुलाई कोटवालनै बुलायो । बांण्यानै तो यो हुकम दियो तूं गाल्यां काडीर ईं कूट लीयो जातो रै ग्रडासूं । भठ्यारी नै यो हुकम दियो थारै कै बगत रोटी खाई कियो सरकार दो बगत रोटी खाई । जाट नै कियो तूं ईं को नांक क्यों काट्यो । कियो सरकार ईंकै दो बगत रोटी खाई तो मैं पचास रप्या दे छो । या बोली मूंनै ऊंमर सैनाणी द्यो । जद म्हाराज रप्या दियां ईंकै ऊंमर रै नै कपड़ो द्यूं तो ईं कै ऊंमर रै नै घोड़ी दे जाऊं तो ईंकै ऊंमर रै नै । जद मैं नांक काट नांख्यो सो ऊंमर याद रैसी जीसी जतरैई । जद बादस्या हंस्यो बड़ा गंवार है भट्यारी नै सीख दीनी । जद कोटवाल ग्रायो ग्ररज करी म्हारो बी न्याव करो म्हारो बी नांक काट नांख्यो । जद बादस्या कोटवाल पर रीस करी । काड़ द्यो हद सरकार बारै यो जाट सूं सांकड़ो क्यों घाल्यो छो नांक कटावानै । ग्रांतराई सैं जेर कर दियो होतो । नकाल दियो कोटवालनै ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जैपर जोदपर कनै का म्हानै पूछ्यो ईंनै कांई सजया द्यां । जद ये सबी जणां हात जोड़र बादस्यानै अरज करी कि ईंकै पांन सै जूती अकबर वारा की दराओ ईंकै । तो वा जूती सुवा हात की छी तो जद पांन जणां पांच जूत्यां लेर ऊठ्या सो २ देबाला । जद जाट बोल्यो दुवाई छै थांनै बादस्या की । जद देबाला बोल्या क्यों । जद जाट बोल्यो गढ मैं जूत्यां दीजै छै कांई बारै द्यो । जद देबाला बोल्या अब बारैं चाल । बारैं नीकलबा लाग्यो जाट जद दरवान जांणी । सो ईंनै तो धन दीनूं छै बादस्या जद । की जाट म्हांको बांटो देजा । जद जाट बोल्यो मैंई आंऊं छूं । जद यां जूत्यां हालां नै कई दरवान कनै जार सो २ तो या च्यारूं दरवानां कै द्यो । जद्यां दरवान बोल्या जूत्यां क्यों म्हांकै । जद जाट बोल्यो मनै रप्या देता जद बी तो थे बांटो लेता । मनै जूत्यां दराई तो जूत्यां मैं सूं बांटो ल्यो । जद च्यार सै जूत्यां की तो च्यारूं दरवानां कै दरा ग्यो जद सो जूती हालो ऊबोई बोल्यो ये सो जूती तो तूं बी खा । जद कियो थांनै बादस्या की दुआई छै म्हारै दीनी अेक ई जूती तो । ये सो जूती छै ज्यो ये थे पांचूं जणां बांट ल्यो बीस २ जूती आसी थां कै । जद ये जूती देबाला बोल्या तूं तो अेक अेक बी नै खाई । च्यार सै तो च्यार्यूं दरवानांनै दिवायायो ये सो तो तूं बी खा । जद यो नस्यो । जद पकड़र बादस्या कनै पाछो लेगिया । बादस्या पूछ्यो ईंनै क्यों ल्याया । जद जूत्यां देबाला पांचूं जणा अरज करी कै ईं तो अेक जूती नै खाई । जद बादस्या बोल्यो पांन सै जूत्यां कुण खाई । जद ये देबाला बोल्या च्यार सै जूत्यां तो च्यार्यूं दरवानां कै दरायायो अर सो ईं कै देबा लाग्या जद म्हांनै दुआई कडा दीनी अर बोल्यो थे पांचूं जणां बीस २ खाल्यो देबाला । जाट बोल्यो मनै रप्या देता राज कलदारां को हूकम देता जडै थे माधोपुरी देता बट्टो थे खा जाता । तो च्यार सै तो दरवानां कै दरायायो मैं । अब ये सो थे बट्टाई मैं समझ ल्यो । जद बादस्या हंस्यो अर कियो अकलवरी हालो छै जाट । ईंका सब कसूर माफ । जद पान सै रुप्या मोत्यां की कंठी कड़ां की जोड़ी ईंनै दरार सीक दुवाई बादस्या अर या कई चल्या जा थारै गांव । अडै मत रै । जद जाट जाट कै घर गयो ।

(२) उज्जीण का राजा अर जती की कांआंणी

जोदपर का राजाजी का सूं अेक जती आ गयो । लूंणवां कै ठाकर राख लीयो । तो वांका कंवरांनै पडाबा लाग गीयो । अेक बलाई को छोरो बी पडबा लाग गीयो । जतीजी ताड़ दीयो ऊंनै । वो कासी जार पड्यो छोरो । कासी सूं पडर हांक्यो सो उज्जीण चाल्यो गयो । उज्जीण का राजा कै परोथ छो जींकै बेटी कुंवारी छी । सो मालवा का वांमण तो परण्यां नईं अर राजा परोथ नै सीक दीनी नईं मारवाड़ की । ऊं बगत मैं यो कासी सूं चाल्यो गीयो । यो उडै परोथ बणर बेटी का बाप सूं जा मल्यो । बेटी को बाप राजानै जाकई अक अंनाता बेटी को बर आ गयो छै अडैई म्हारी जात को परोथ । राजा ऊं नै लडकी नै परणा दीई । परणा अर ऊं नै कामदारो सूंप दीयो । कोई सबग सूं काल पड़ गयो । जद लूंणवां का च्यारूं पलसां का आदमी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh
ऊचलर मालवा मैं उज्जीण मैं श्रा गया। वां मैं ऊं बलाई को बाप बी श्रा गयो। श्रेक नाडी पर श्रमल पांणी उतर गीया जो उडैई पड़ रीयो। यो घोड़ा फेरबानैं गीयो छो सो वांनै गांवकांनै पूछ्यो श्रस थे कडै रो छो। जद वां कई म्हे लूंणवैं रां छा। जद ऊं कई श्रेक पराग्यो बलाई बी रै छो नै लूंणबां मैं। गांव कां कई वो म्हां कै सागैई छै सो नाडी पर पड़्यो छै। जद वो बेटो ऊं कै कनै गयो। जद ऊनै कई तूं बांम्ण बोलजे श्रर परोथजी कै घरां श्राजाजे। परोथ कै घरां यो गयो। सो परोथजी ऊठर मल्या। दादोजी सा श्राग्या रै दादोजीसा श्राग्या रै। फेर ईं नै कयो जो तूं तो गूंगो रीजो बोलजो मतनै। फेर यो बलाई श्रेक श्रारी घाल ल्यायो मांथा मैं। कंवरजी कै कोई श्रेक जनानी जोड़ी पगरखी नज़र लेर श्रायो। ऊं कै पांन च्यार टांका टूट रया छा। वा गठाबा नै जाय छी छोरी। वै परागदासजी कयो म्हे गठा मंगास्यां। मेलजा श्रठै। छोरी पगरख्यां मेलर श्रेक ताल मैं बैठगी श्रोलैं। वो हातांईं गांठबा लाग ग्यो पगरखी नै। वा छोरी छी सो श्राप का बाईजीनै ल्यार दखा दीया श्रक थांको सुसरो तो पगरखी गांठ रयो छै यो तो बलाई छै। बांम्ण मत समजजो नै। यो बलाई छै तो थांको घर को धणी बी बलाई ई छै। यो पाछो बाग सूं श्रायो जद लुगाई लड़ी ईं सूं जद यो भागबा लाग्यो। जद ईं की सासू बोली लालजी भागो मतीनै मैं बी जात की धोबण छूं। जद ईंका सुसरानै तोल पड़्यो तो सुसरो बोल्यो मैं समदरड़ी को छींपो छूं। लूगड़्यां तो श्रापणीईं चलाई छै। न्याव राजा तांईं गींयो। राज कयो थे क्यूं डरपो छो मैं बी नागोर को सरगरो छूं। जद सगला उठै का उठैई बण्यां रया। कोई हल्या न चल्या। ●

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१५. बीघोती की बोली

(१) मूसी अर चिड़ीया की कांहांणी

अेक मूसी अेक चिड़ी दोनूं भायली ही। चिड़ीया बोली कै आये मूसी कूवो कूदां। तो चिड़ीया तो कूदगी अर मूसी कूवा मैं गिर पड़ी। चिड़ीया बोली हां कै मूसी कूवा मैं जापड़ी मूसी कूवा मैं जापड़ी जब मूसी बोली कै पड़ै तेरा माई बाप मैं तो हर हर गंगा न्हांऊं हूं। चिड़ीया बोली कै आये मूसी बड़बेर पर बैठां। चिड़ीया तो बैठगी। मूसी बैठण लागी जब मूसी कै कान मैं कांटा लाग्या। चिडीया बोली कै देखो मूसी कै कांटा लाग्या। जब मूसी बोली कै कांटा लागैं तेरा माई बाबाकै मैं तो कच २ कांन भिदाऊं हूं। फेर चिड़ीया बोली कै आये मूसी आ गाडी का प्हीया पर बैठां। चिड़ीया तो बैठगी अर मूसी दबगी प्हीया तलै। फेर चिड़ीया बोली कै मूसी दबगी मूसी दबगी। कै दबैं तेरा माई बाप मैं तो कड़ दबाऊं हूं।

सारंगनै सारंग धवैं। सारंग बोल्यो आय॥
जै मुख सैं सारंग कहै। तौ सारो सारंग ज्याय॥
सारंग ले सारंग चली। कर सारंग की ओट॥
जै सारंग होता नहीं। तो सारंग करता चोट॥

(२) हीर कागला नाहार अर चौपा की कांहांणी

अेक हीर हो अर अेक कागलो अर अेक नाहार अर अेक चौपो। ये च्यारूं अंध कूवा मैं पड़्या था। अेक राजा सिकार खेलतो डोलै थो। वैंहनै लाग्याई पिस। वैंहों कूवा पर आयो। कूवा मैं देख्यो तो च्यार जानवर पड़्या हैं। फेर कागलो बोल्यो कै तू मूंनै काढले तो तेरै मांय भीड़ पड़ैगी जब मैं तेरै काम आऊंगो। जब राजा नै वो काढ लीयो। जब कागलो बोल्यो अक सबनै काढीयो हीरनै मत काढीयो। कागलानै काढ लीयो जब चौपो बोल्यो कै मूंनै भी काढले। मैं तेरै भीड़ पड़्यां मैं काम आऊंगो। वैंहनै भी काढ लीयो। वो बोल्यो हीरनै मत काढीयो नाहार नै काढले। जब वो भी काढ लीयो। चौपो भी काढ लीयो। फेर नाहार बोल्यो मूंनै भी काढले। कै मैं तो तूनै ना काढूं तू तो मूंनै खाजा। फेर बोल्यो नाहार अक मैं तूनै ना खाऊं तू मूंनै काढले। तू मैं भीड़ पड़ैगी जब मैं तेरै काम आऊंगो। जब तेरै मांयं भीड़ पड़ै जब तू मेरै कनै आजैये। जब राजा नै वो काढ लीयो जब नाहार बोल्यो अक हीरनै मत काढीयो। जब हीर भी बोल्यो कै मूंनै भी काढले। जब राजानै दया आ गई वो भी काढ लीयो। हीर बोल्यो अक भीड़ पड़ै जब मेरै कनै आजैयो तू। च्यारूं अपणा २ घर नै चल्या गया। राजा सिकार खेलकर अपणै घर आयो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कोईक दिन राजानै हो गया जब राजा मैं भीड़ पड़ी तो राजा नाहार कनै गयो। नाहार पा गयो वैंहनै। जब वैंहनै कड़ूला तागड़ी चांदी का डोरा सोना का मुरकी सोना की दई। माल भौत सो दियो। जब वैंनै पोट बांध दई नाहारनैं। फेर राजा बोल्यो मुज सैं तो यो बोझ नांह चालै। नाहार बोल्यो मेरै ऊपर पोट धर ले तू बी चढले। थारै गांव पौंहचा द्यूंगो। फेर पोट बी धर लई नाहार ऊपर अर राजा भी चड लीयो। फेर उन का गांव मैं ल्या उतार्‌यो। जब राजा पोट आपणा घरनै लीयायो अर नाहार जंगल मैं गयो। फेर दूसरै दिन राजा कागला कनै गयो। जब कागलो बोल्यो बैठजा मैं तेरै आटै किमैं ल्याऊं हूं। राजा बैठ गयो। कागलो गांव में उड गयो। अेक बैरबानीनै नथ काढ कर अर बोरलो सोना को धर राख्या था। वो उननै लेकर उडियायो। फेर राजानै दे दई। राजा घर लीयायो। दूसरै दिन राजा हीर कै गयो। हीरनै बैठा लीयो। वैंह गांव मैं रोजीना आदमी की बल लीयो करतो भैंयों घर गैल। जैंह दिन वैंह हीं को ओसरो थो हीर को बल को। राजानै रसोई जिमाई अर किंवाड़ां भीतर कोठा मैं मूंद दीयो अर सांकल लगा दई। फेर हीर गांव मैं गयो कै जलदी चालो म्हारै अेक आदमी आ गयो है बल मैं द्यांगा। जब सब आ गया। भैंयां पर जोत कर दई कढांयं लीयाया अर वैंह राजानै भी पकड़ ल्याया। हात पांव बांध कर पटक दीयो अर भाटा कै छुरी पैनांवण लाग गया। जो वो कागलो वैंह को भायलो थो वो उड रह्यो थो वैंहनै देख्यो तो उडकर नाहार कनै गयो। नाहारनै बोल्यो कै राजा तो हीर कनै चल्यो गयो। वैंहनै तो भैंयां की बल मैं देंगा। त्यारी हो रई है। जलदी चाल अर चौपानै भी लेचाल। फेर चल दीया अर चौपानै साथ लेलीयो। तो तीनू मनसूबो करण लाग्या कै कागला तू के करागो। कै मैं भैंयां की जोत का मांयं तैं बाती लेकर गांव मैं पूर द्यूंगो। सगला आदमी गांव मैं भाग जांयंगा। कोई पान च्यार डटैंगा। कागलो नाहारनै बोल्यो तू के करागो। कै पान च्यार रहैंगा उननै मैं खाल्यूंगो। मैं भी भूको मरूं हूं। फेर नाहार चौपानै बोल्यो तू के करागो। कै मेरै ऊपर तम चढा दीयो मैं लेकर भाग जाऊंगो। कनै हीं जा पौंहच्या। जब राजा की नाड़ पर छुरी धरी अर कागलो बाती लेकर गांव मैं पूर दई। जब गांव मैं आदमी भाजगा आगनै देखकर। तीन आदमी रह्या जिननै नाहार खा गयो। चौपा पर चढा दीयो चौपो लेकर भाग्यायो। फेर नाहार अर कागलो भी भाग्याया। राजानै राजा कै घर घाल्यो। वै अपणै घर गया।

(३) साऊकार की छोरी अर खुमार को कांहांणी

साऊकार की छोरी ही। अेक खुमार हो। जब वो कातिक नाहती सवा सेर को आकर पुन्न करती। वो नाहा कर पुन्न करती। वो खुमार सवा मण को पुन्न करतो बिना नाहांयां। वो छोरी मरी जब वो राजा कै जनम लीयो अर वो खुमार मर्‌यो जब राजा को हाती बण्यूं। वैंहनै तो मिलै सवा सेर खांणनै अर वैंहनै मिलै सवा मण। जब वो पीलवान हातीनै हिलायो हाती ना वी हिल्यो। जब बोल्यो यो छोरी तो सवा सेर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

को धरम कर [illegible] अर यो आदमी कैंह तरां बण गई । फेर वो आकर छोरी वैंह का कान मैं बोली तू तो बिना नाहांयां करै थो इतनू धरम अर मैं नाहा कर करै थी । तू तो सवा मण को धरम करै थो यो तूनै मिल गयो । यो मैं करै थी यो मूनै मिल गयो । जब हाती बोल्यो । बोल्यो तू तो सवा सेर को करै थी मैं सवा मण को करै थो जब तू तो बणी आदमी अर मैं हाती कैंह तरां बण्यूं । जब वो फेर छोरी बोली मैं तो आदमी अैंह तरा बणी नाहा कर पुन्न करै थो । तू हाती अैंह तरां बण्यूं बिना नाहांयां धरम करै थो । इतनी बात हाती नै समजा कर घरनै लमबी बणी ।

(४) जाट की कांहांणी

अेक जाट थो । वैंह कै अेक भऊ थी अर अेक भैंस थी । जाट जायो करतो हल जोतण । वैंह की भऊ गैल तैं खीचड़ी रांधकर घी गेर कर खाती । पीछै तिलां को पालो करकै खाती । तीसरां अेक रोट पोती अेक रोट । वो भूभल मैं दाब देती । वो सिक-जातो जब खाती । चौथां भूंदती धांणो फेर चाबती । इतनां मैं हो जाती सांझ । वैंह को खसम फेर आवतो हल जोतकर । फेर सरकी बिछाकर ऊपर लत्तो गेर कर सो जाती । मगरांनै दाब कर करोट लेती । तुलियां कड़कती फेर अपणा खसमनै कहती मेरी तो नसनस कड़कै हैं । किते बूझा करवा कैंहीं स्यांणा कनै जाकर । कोईक दिन सुणतां हो गया जाटनै । रोजीना की योही हाल करै ।

अेक दिन जाट बूझा करवावण चाल्यो । वैंह की पाड़ोसण बोली डट जा इत ही । मेरा घर मैं बैठ जा अैंहनै तू देखतो रैह्यो । यो तो रांड भूटी है । पाड़ोसण की रावटी पर वो बैठ गयो । अपणा घर मांऊं वो देखतो रह्यो । फेर वैंह की भऊनै खीचड़ी रांधी । फेर घी गेर कै खायो । फेर तिलां को पालो करकै खायो । फेर भूभल मैं रोट सेक कर खायो । चौथां धांणी भूंद कर चाबी । फेर सरकी बिछाकर सो गई । फेर वैंह को खसम आगयो । फेर वैंह की भऊ बोली कै बूझा करवायायो के । कै ना । वो बोली कै क्यों । कै सौंण ना हुया । कै क्यों ना हुया । कै सांप मिलगो । कै कैसो । कै कालो । कै कैसो कालो । कै अैसो कालो जैसो तिलां को पालो । कै कैंहन्दां चालै । कै अैंहन्दां चालै जैंहन्दां खीचड़ी मैं घी हालै । कै कैसो मोटो । कै अैसो मोटो जैसो भूभल मैलो रोटो । कै कैंहन्दां जाणी । कै तैं चौथां भूंदी धांणी मैं अैंहन्दां जाणी । जब वो जाट लेकर घेसलो खूब पीटी ।

(५) चिड़ीया की कांहांणी

अेक राजा का महल कै मांयं घुंसलो थो । चिड़ीया रह्यो करती वैंह कै मांयं । अेक दिन चिड़ीया बाहरनै निकली । वैंहनै अेक पैसो पायो । सो वो फेर अपणा घूंसला मैं ले गई । सो कह्यो करती मेरै कनै पैसो मेरै कनै पैसो । राजा वैं महल मैं सोयो करतो । वो करती मेरै कनै पैसो मेरै कनै पैसो । राजा बोल्यो सिपाईयांनै अक अैंह

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.
को घूंसलो खोस, गेरो अर पैसानै काढल्यो। सिपाईयान वैंह को घूंसलो खोस गेर्यो अर पैसो काढ लीयो। चिड़ीया उड़ गई बाहरनै। चिड़ीया कहण लागी कै राजा कंगाल मेरो पैसो लेलीयो राजा कंगाल खेरो पैसो लेलीयो। सो रोजीना कह्यो करती। सावण नांय देती। तो फेर राजानै वो पैसो दे दीयो। फेर बोली कै राजा डरपोक मेरो पैसो देदीयो राजा डरपोक मेरो पैसो दे दीयो। फेर मरवा गेरी।

(६) राजा की कांहांणी

ग्रेक राजा हो। वैंह कै तीन बेटा हा। तीनवांनै यो हुकम दे राख्यो हो। तीन कूंट जावो ग्रर चौथी कूंट सिकार खेलबा मतना जावो। कोई दिन बाद चौथी कूंट चल्या गया। तिसाया मरबा लग्या। टीबा कै ऊपर छढ कर देख्यो जब ऊंठे कांवला पड़ता दिख्या जब वैंठे ई गया। वैंठे ग्रेक तलाव हो। भोत ग्रच्छा बाग बगीचा हा। वैंठे ग्रेक राजा की बाई नाहाबा ग्राबो करै ही। नाहा करना पांणी को गडवो माहादेव कै चढाबो करै ही। जब ग्रेक फूल तोड़्यो। तोड़कर छाती कै लगायो। फेर वैंह हीं सैं दांत कुचर्यो। फेर वैंहीनै पग का गूंठा कै तलै दीयो। देकर फाड़ कर चाल पड़ी। राजा का कंवर नै इतनू चिलत्तर दिखा गई ग्रर चली गई।

राजा को कंवर ग्रैह बातनै समझ्यो नांयं। वैंह को सईस गयो थो बजार मैं चून दाल ल्यावण। जब वो ग्रायो। रोटी टूक कर्यो खायो। जब वो सईस बोल्यो ग्रावो चालो। जब वो बोल्यो नांय चालूं। हमा ग्राज ग्रेक ग्रैसी बैरवानी देखी। तलाव कै मांयं ग्राकर नाहाई। गडवो मांज कर माहादेव कै पांणी को चढायो। ग्रेक फूल बाग मैं तैं तोड़ कर ल्याई। जब वैंह तैं दांत कुचर्यो। फेर छाती पर ल्याई। फेर वैंहनै पग का गूंठा कै तलै देकर फाड़ कर चाल पड़ी। इतनी बात सईसकानै राजा कैं लड़कै कही। सईस को बोल्यो राजा का लड़का इतनू गेड़ो मत करै चाल घरनै। वो बोल्यो यो सैनांणी के कर कर गई है। ग्रैंहनै बतादे जब चालांगा। बोल्यो दांतां कै लगायो तो दंतबाड़ राजा की तो बाई ही। करनाटक गांव हो कान मैं टांक्यो जैंह तैं। छाती कै ऊपर लगायो जब यो कह गई कै छाती कै ऊपर ग्राजैंयो। पग का गूंठा कै तलै फूल दीयो जैंह सैं पदमावत वैंह को नांव थो। इतनी सहनांणी बता गई है। ग्रौर बीं राजा का कबर कै च्याव छूट गयो। जब वो सईस बोल्यो ग्रपणा घरनै हीं चाल। जब वो राजा को कंवर बोल्यो भाई ग्रैंहनै लेकर चालांगा।

फेर वै करनाटक गांव मैं गया। जब जाकर बुढीया कै ग्रेक कै रह्या। फेर वैंह को सेसभाल पाड़्यो। फेर तीसरै दिन बुढीयानै ग्रेक टको देकर महलां मैं खनाई। फेर वो हालती कांपती महलां मैं गई। जब वो जाकर बोली जिन सकसां सैं करार करीयाई थी वै सकस मकान कै ऊपर मौजूद हैं। जब यो दस ग्रांगली गोंह पर दोनूं मोड़ांनै मारी चंनन की भर कर। बांद्यां कै हाथ खिचवा कर पैड़काला मैं गिरवा दई। फेर ग्राइन्दानै ग्राकर ग्रैसी बात मत कहैये। फेर हालती कांपती बुढीया ग्रपणा घर पर गई जब वैंहनै पूछी बुढीया क्या ब्योरा ल्याई वैंठ्यां सैं। जब बुढीया बोली बेटा वैंह

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh
दो तो मार्या थप्पड़ चनन का भर कर। फेर बोली बांद्यां के हात खिचवा कर पैड़काला मैं गिरा दई के फेर आंइन्दानै असी बात मत कहैये। फेर राजा को लड़को बोल्यो अब के बिचार वणांवां अैह बूढीया कै भी थप्पड़ मार्या। जब सईस को बोल्यो अक थप्पड़ नांयं मार्या। उन तो न्यूं कही है कै दस दिन चांनणू है। वस दिन और डटो फेर अंधेरा मैं अयो।

फेर अंधेरो आ गयो। फेर वो बूढीया खंदाई। वों जाकर बोली कै वै दो आदमी हाजिर हैं। फेर वैंह का बांवां गाल पर तीन आंगली केसर की भर कर मारी। बांद्यां हात दरीची की राह कढवा दई चली आई। फेर वै बोल्या कै बेरो ल्याई कै आज मेरै तीन आंगली मारी केसर की भर कै दरीची की राह काढ दई। फेर राजा का कंवर को मन कुन्द व्है गयो। फेर सईस को बोल्यो कै आज न्यूं कही है आज तो मैं बेमार हूं आज कै तीसरै दिन बुलायो है दरीची की राह। तीन दिन तांई फेर डट गया। तीन दिन बीत गया जब दोन्यूं हीं गया। सईस को बाहर बैठगो। राजा को कंवर गयो भीतर। जब जाकर स्यार पासा दंनूं खेलण लाग गया। खेलतां २ नींद आ गई। दो घड़ी दिन चढ आयो जब वे उठ्या। सईस को उठकर बुढीया कै घर चल्यो गयो। फेर राजा की लड़की बोली तेरै साथ कौण है। कै अेक सईस है। राजा का लड़का की खातिर अच्छी रसोई बणाई अर सईस कै वासतै लाडू बणाया जहर मिला कर। राजा को लड़को सांजनै लाडू लेकर आयो सईसकानै दीया। कही कै खाले। अेक कुत्ती बैठी ही। वैंह मांसैं लाडू की डली कुत्तीनै गेर दई। कुत्ती खातांई मरगी। जब उन बी गेर दीया वो लड्डू। फेर राजा को लड़को बोल्यो कै चाल सईस का घरनै चालां यो मूंनै बी मारैगी। सईस को बोल्यो अब तो अैंहनै लेकर चालांगा।

फेर सईस को बोल्यो कै दो पुड़त की बोतल लीया कै अेक मैं तो दुवारा की दारू घाल ल्यांगा अेक मैं पांणी। कै पांणी नै तो पीये तू अर दारू प्याइये वैंहनै। वैंह कै दारू चढ जाय अर बेहौंस होकर गिर पड़ै तो वैंह को जेवर उतार लीजे अर बांवी जांघ पर तिरसूल मारिये। फेर जेवर लेकर आजैये। सो राजा को लड़को इतनी बात सुण कर चल दीयो। च्यार घड़ी रात गयां वैंह कै कनै पहूंच्यो। जाकर बैठ गयो। दारू प्यावण लाग गयो। पांणी को तो प्यालो ले आप अर वैंहनै प्यावै दारू। तो चढगी वैंह कै दारू अर बेहौंस होकर गिर पड़ी। वैंह को गहणू सब उतार लीयो। गहणू तो लेलीयो अर वैंह की बांवीं जांघ पर तिरसूल मार्यो। आगयो फेर।

जब सईस को बोल्यो कै चींहींट्या मैं चाल। राख रमा कर दोनूं चींहींट्या मैं बैठ गया। दिन निकल्यायो। फेर सईस को राजा का लड़का नैं बोल्यो अक यो गहणू तो वजार मैं वेच ल्या और कोई बूजे तो कह दीये मेरा गुरु नै हीं बेरो मूंनें बेरो कोयना। फेर वो बजार मैं चल्यो गयो। सो वैंह हीं सुनार कै गयो जैंहनै घड़्यो थो वो गहणू। फेर उननै पिछाण लीयो। राजा नैंस वेरो होई गयो थो अक लड़की का गहणानै कोई

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

उतार लेगयो । सुनार वैंहनैं पकड़ कै लेगयो राजा कै अक यो गहणू कांहां तैं आयो । वो बोल्यो मेरा गुरु ही नै बेरो मूंनै बेरो कोयनैं । कै आछ्या चाल अपणा गुरु कनै । राजा गयो ।

गुरु चींहींट्या मैं बैठ्यो थो । गुरु बोल्यो अक परै ई खड़्या रैह्यो कौण आंवैं हैं ये । दस पैंड उरै खड़्या रह गया । फेर वै बोल्या अक यो गहणू कैठ्या तैं आयो है । बो बोल्यो अेक चुड़ेल रात्यूं नहीं सोवण देती । तो हम अपणा चेलानैं हुकम दीयो अैंह को गहणू उतार ले अैंह की बांवीं जांघ पर तिरसूल मार । सो इन गहणू उतार लीयो अर वैंह की बांवी जांघ पर तिरसूल मार्‌यो । चींहींट्या मैं जब सोवण दीया जब वैंह को इतनू जाबतो कर दीयो । कै जाकर देखल्यो कैंह की छोरी थी । हम तो चुड़ेल कै मार्‌यो थो तिरसूल । सो जेवर बी उनकै कनै ईं रहगो । राजा अपणै घर नै आयो । अपणी बाई कै तिरसूल देख्यो तो लोही तो जा रह्या अर पड़ी । तो राजा अपणा सब भाई चारानैं बुलाया और बूझण लाग्यो कै कोई कुपत्ती भांण बेठी हो जाय तो वैंह को के करै । कै वैंहनैं जंगल मैं छोड़ीयावैं । सो राजानैं डौली मैं बैठा कर उजाड़ मैं छुड़वा दई । वै तो छोड़ कर आ गया अर वैं मोडीया पड़्या था उननैं जा सगवाई । घोड़ा पर बैठा लई अर वैंहनैं बोल्या कै तैं तो हमनैं जहर का लड्डू खुवाया था अर हम तेरै तिरसूल मार्‌यो अर गहणू लीयो अर तूनैं अब लेचाल्या । सो ले गया । ८

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.